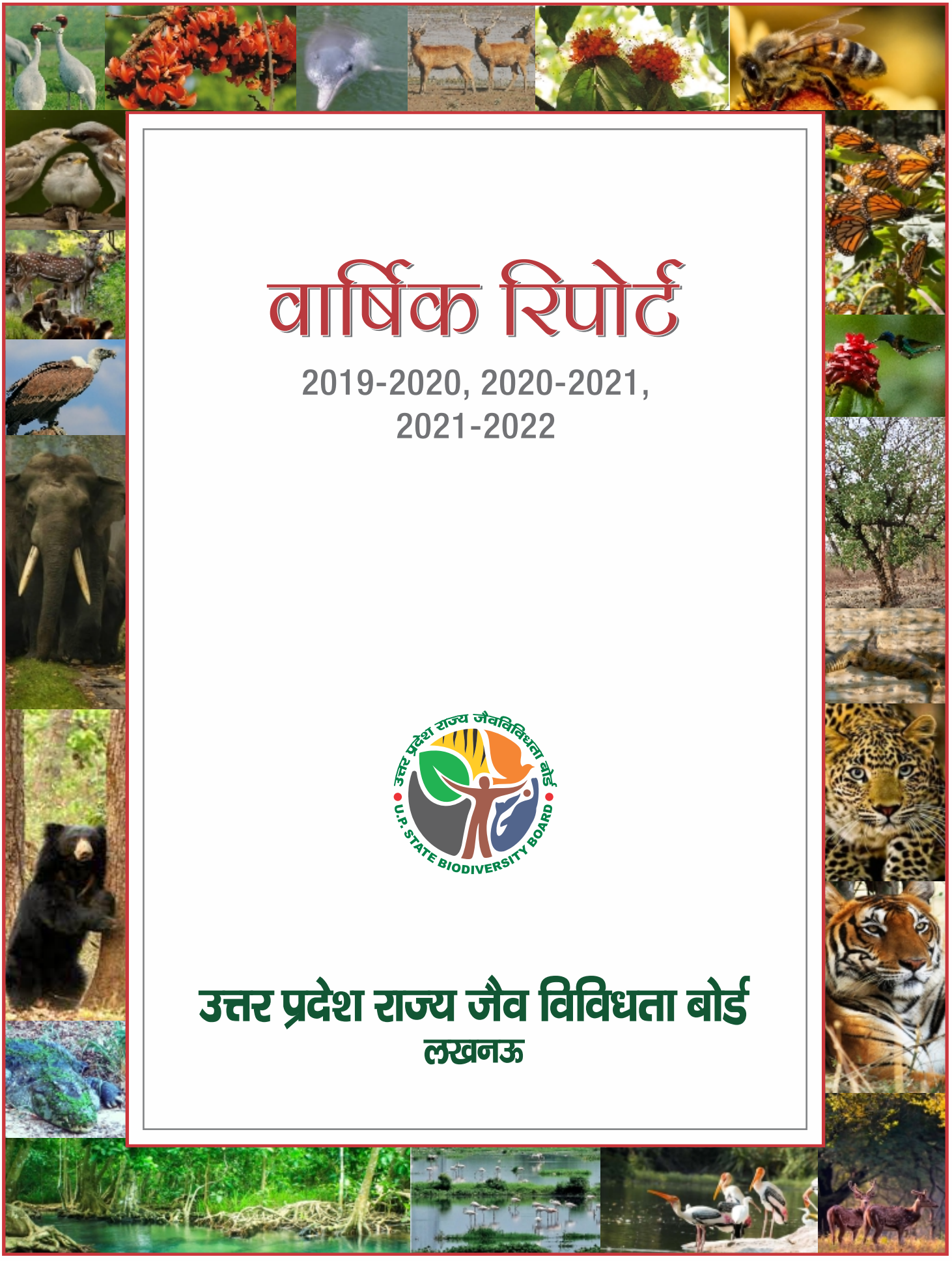

वार्षिक रिपोर्ट

2019-2020, 2020-2021,
2021-2022

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड
लखनऊ

वार्षिक रिपोर्ट

2020-2021-2022

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

लखनऊ

प्रकाशक:

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

पूर्वी विंग, तृतीय तल, 'ए' ब्लॉक,
पिकप भवन, गोमती नगर, लखनऊ
फोन: 0522-4006746, 2306491 फैक्स: 0522-4006746
वेबसाइट: http://www.upsbdb.org
ईमेल: upstatebiodiversityboard@gmail.com

विषय सूची

1.	परिचय	1
2.	बोर्ड बैठकें	4
3.	जन जैव विविधता प्रबन्ध समितियाँ (पी०बी०आर०) एवं पंजिकाएं	10
4.	जैव विविधता अधिनियम 2002 की धारा 40 के अन्तर्गत निर्गत अधिसूचना	11
5.	जैव विविधता कार्यक्रमों का आयोजन	12
6.	परियोजना	30
	क. पूर्ण परियोजना	30
	ख. चालू परियोजना	35
7.	जन जैव विविधता पंजिका की गुणवत्ता, मूल्यांकन व अनुश्रवण हेतु राज्य स्तरीय समिति का गठन	44
8.	रणनीति एवं कार्य योजना	45
9.	प्रकाशन	47
10.	वित्त एवं लेखा	50
11.	समाचार पत्रों से	71
12.	परिशिष्ट	75

प्राक्कथन

परिचय

जैव विविधता जीवन की वायु, स्थल एवं वेटलैण्डस नदियों व समुद्रों में रहने वाले पादप व प्राणि प्रजातियों की महान विविधता है।

जैव विविधता संरक्षण करना 21वीं शताब्दी के सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक है। यह संवहनीय (सस्टेनेबल) विकास एवं जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण व कूड़ा निस्तारण जैसे पर्यावरणीय मुद्दों के साथ अन्तरंग रूप से जुड़ी समस्याओं की हल की कुंजी है।

पौधे व पशु जीवन के लिए अपरिहार्य है। ये भोजन औषधियाँ एवं वस्त्र व आवास निर्माण एवं साज सज्जा हेतु सामग्री उपलब्ध करवाते हैं। पौधे बाढ़ नियन्त्रण, भू क्षरण रोकने एवं वायु एवं जल से प्रदूषकों को छानने में सहायता करते हैं।

हमारी समृद्धि हेतु जैव विविधता अति आवश्यक है। प्राकृतिक ससार भू-दृश्यों का संजाल एवं देश में भ्रमण हेतु हमारे इच्छित स्थल हैं। अपने बगीचों व स्थानीय पार्कों में भी हम वन्यजीवों को अत्यधिक सम्मान देते हैं। वन्य वनस्पतियां व पशु हम सबको प्राकृतिक जीवन चक्र एवं बदलते मौसम का अनुभव याद दिलाते हैं। यह पर्यावरण के स्वास्थ्य के लिए हमारे उत्तरदायित्व को केन्द्र में लाते हैं।

उत्तर प्रदेश एक विहंगम दृष्टि

1 मार्च, 2011 को 199,581,477, व्यक्तियों के साथ उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला प्रदेश है। उत्तर प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से चीन, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इण्डोनिशिया के बाद पाँचवें क्रम मे आता है।

भारतीय पौराणिक आख्यान में वर्णित दो सर्वाधिक पवित्र नदियों गंगा व यमुना से सिंचित हमारे प्रदेश की सीमाएँ पूर्व में बिहार, दक्षिण में मध्य प्रदेश, पश्चिम में राजस्थान, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा, उत्तर में उत्तराखंड तथा उत्तरी सीमा नेपाल राष्ट्र को छूती है। भारतीय रक्षा में इसका रणनीतिक महत्व है। प्रदेश का क्षेत्रफल 2,40,928 वर्ग कि०मी० है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह भारत का चौथा सबसे बड़ा प्रदेश है। केवल परिमाण की दृष्टि से इसका क्षेत्रफल फ्रांस से आधा, पुर्तगाल का तीन चौथाई, आयरलैण्ड का चार गुना स्विटजरलैण्ड का सात गुना, बेल्जियम से दस गुना व इग्लैण्ड के क्षेत्रफल से थोड़ा अधिक है।

उत्तर प्रदेश की पादप विविधता

2932 पौध प्रजातियों के साथ उत्तर प्रदेश की पादप विविधता देश के 6.45 प्रतिशत पादपों का प्रतिनिधित्व करती है। द्वितीयक स्रोत से एकत्र किए गए प्रारम्भिक आँकड़े उत्तर प्रदेश में पादप साम्राज्य के सम्बन्ध में निम्न प्रेक्षण सूचित करते हैं:—

पादप साम्राज्य के समूह	विश्व में प्रजातियों की संख्या	भारत में प्रजातियों में की संख्या	उत्तर प्रदेश में प्रजातियों की संख्या	विश्व के सापेक्ष उ०प्र० में प्रजातियों का प्रतिशत का	भारत के सापेक्ष उ०प्र० में प्रजातियों का प्रतिशत
काई	40,000	7,182	301	0.75	4.19
कवक	72,000	14,588	935	1.29	6.40
लाईकेन	13,500	2,268	135	1.0	5.95
बायोफाईट्स	16,600	2,451	72	0.43	2.93
टेरीडोफाइट्स	10,000	1,236	41	0.41	3.31
जिम्नोस्पर्म	650	69	06	0.92	8.69
एंजियोस्पर्म	2,50,000	17,643	1,442	0.57	8.17
योग	**4,02,750**	**45,437**	**2,932**	**0.72**	**6.45**

स्रोतः सेनी एट अल (2011) पूर्वी उत्तर प्रदेश के विशिष्ट संदर्भ में उत्तर प्रदेश की पादप विविधता, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा प्रकाशित पूर्वी उत्तर प्रदेश के विशिष्ट सन्दर्भ में उ०प्र० पादप विविधिता।

संजीव नायक एवं डी०के० उप्रेती (2013) उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड लखनऊ द्वारा प्रकाशित उत्तर प्रदेश के लाईकेन्स।

उत्तर प्रदेश में प्राणि विविधता

अकशेरूकी व कशेरूकी जीवों की 2,434 प्रजातियों के साथ उत्तर प्रदेश की प्राणि विविधता देश के 2.78 प्रतिशत प्राणि प्रजाति विविधता का प्रतिनिधित्व करती है। राज्य की प्राणि विविधता निम्न सारणी में दर्शाई गई है:—

पशु साम्राज्य के समूह	विश्व में प्रजातियों की संख्या	भारत में प्रजातियों की की संख्या	उत्तर प्रदेश में प्रजातियों की संख्या	विश्व के सापेक्ष उ०प्र० में प्रजातियों का प्रतिशत	भारत के सापेक्ष उ०प्र० में प्रजातियों का प्रतिशत
प्रोटोजोआ (मुक्त जीवी+परजीवी)	31,250	3,500	41	0.13	1.17
नोमाटोड (समस्त) मौलस्का	30,028	2,902	140	0.46	4.82
मौलस्का	66,535	5,169	47	0.07	0.90
आरथ्रोपोडा (इनसेक्टा)	10,20,007	63,423	1,445	0.14	2.27

आरथ्रोपोडा (आराकिन्डा)	73,451	5,850	15	0.02	0.25
मौलस्का (मीठा जल)	35,000	1,129	47	0.001	4.16
पिसेस्	32,120	3,022	152	9.47	5.02
एम्फीबिया	6,771	342	25	0.36	7.30
रेप्टीलिया	9,230	526	77	0.83	14.63
एव्स	9,026	1,233	358	3.96	29.03
मैमेलिया	5,416	423	87	1.60	20.56
योग	**13,18,834**	**87,519**	**2,434**	**0.18**	**2.78**

स्रोतः वी०डी० हेगडे एवं के० वेकटरमन (2014) उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड लखनऊ द्वारा प्राकशित इन्वेटरी ऑफ फॉनल डाईवर्सिटी ऑफ उत्तर प्रदेश।

जैव विविधता अधिनियम, 2002

दिनांक 5 फरवरी, 2003 को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जैव विविधता अधिनियम, 2002 अधिसूचित किया गया। जैव विविधता अधिनियम भारतीय जैव विविधता संरक्षण एवं इसके दुरूपयोग के विरुद्ध सुरक्षा, पहुँच पर नियंत्रण एवं जैव विविधता व सम्बद्ध ज्ञान का संवहनीय (सस्टेनेबल) उपयोग हेतु विधिक संरचना प्रदान करती है। जैव विविधता नियमावली 15 अप्रैल, 2004 को अधिसूचित हुई।

शासनादेश संख्या 1498/14-5-2006-57/2006 दिनाँक 20 सितम्बर, 2006 द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड की स्थापना हुई। अधिसूचना संख्या 570/14-5-2010-57-2006 दिनाँक 09.04.2010 द्वारा उत्तर प्रदेश जैव विविधता नियमावली 2010 प्रख्यापित हुई।

बोर्ड बैठकों का एजेण्डा बिन्दु

क्रम सं०	बोर्ड बैठक का दिनांक	एजेण्डा संख्या	बोर्ड बैठक में प्रस्तुत प्रस्ताव
1	बीसवीं बैठक दिनांक 17.05.2019	1	प्रस्तावना
		2	पिछले कार्यवृत्त दिनांक 27.03.2018 की पुष्टि का प्रस्ताव
		3	पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्यवाही
		4	बोर्ड की नयी उपलब्धियाँ
		5	प्रोजेक्ट्स
		6	वित्त एवं लेखा
		7	जैव विविधता अधिनियम 2002 की धारा-41(2) के अन्तर्गत माँगी गयी अनुमति (कन्सेन्ट) दिये जाने हेतु प्राप्त प्रस्ताव/आवेदन के सम्बन्ध में।
		8	डा० आशीष कुमार श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, फैकलटी ऑफ लॉ, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा ए०बी०एस० पर कार्यशाला आयोजित करने का प्रस्ताव
		9	जैव विविधता अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत जैव संसाधनों के उपयोग सम्बन्धी प्रकरणों के निस्तारण हेतु गठित समिति का पुनर्गठन
		10	उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड की ड्राफ्ट वार्षिक रिपोर्ट्स (2015-16), (2016-17) एवं (2017-18) के अनुमोदन का प्रस्ताव
		11	उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड का स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड ऐक्शन प्लान (एस०बी०एस०पी०) तैयार किये जाने के सम्बन्ध में
		12	उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के एम०एससी० के छात्र/छात्राओं के डिजर्टेशन के माध्यम से जन जैव विविधता रजिस्टर (पी०बी०आर) तैयार किया जाना
		13	(1) जैव विविधता के विभिन्न क्षेत्रों में दो माह के ऑनलाईन सर्टिफिकेट कोर्स को सेन्टर फॉर इन्वायरमेन्ट एण्ड एजूकेशन (सी०ई०ई०), नार्थ, लखनऊ एवं लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के माध्यम से चलाया जाना। (2) जैव विविधता के विभिन्न पहलुओं पर दो-तीन माह का Internships कार्यक्रम चलाया जाना।
		14	मा० राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) में दाखिल आवेदन पत्र संख्या– ओ०ए० 347 of 2016 चन्द्र भाल सिंह बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया एवं विभिन्न राज्यों के सदस्य सचिव, जैव विविधता बोर्ड, के निर्देशानुसार ग्राम सभा स्तर पर जैव विविधता प्रबन्ध समिति एवं जन जैव विविधता रजिस्टर तैयार किया जाना।

क्रम सं०	बोर्ड बैठक का दिनांक	एजेण्डा संख्या	बोर्ड बैठक में प्रस्तुत प्रस्ताव
		15	मधुमक्खी को राज्य कीट घोषित कराये जाने का प्रस्ताव
		16	उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा विभिन्न प्रोजेक्टों हेतु अनुमति प्रदान किया जाना
		17	एक जिला-एक जैव उत्पादः प्रत्येक जिले में एक बायोरिसोर्स चिन्हित कर उसके संवर्धन एवं सरंक्षण हेतु कार्य करना
		18	अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 22 मई, 2019
		19	बायोडाईवर्सिटी पार्क की स्थापना हेतु वन विभाग को टेक्निकल सपोर्ट प्रदान किया जाना।
		20	सिंगापुर इंडेक्स
		21	मेनस्ट्रीमिंग बायोडाईवर्सिटी
		22	''जैविक संसाधनों तक पहुँच और सहयुक्त जानकारी तथा फायदा बंटाना विनियम, 2014'' को प्रदेश में लागू करने हेतु प्रक्रिया का निर्धारण
		23	अन्य कोई बिन्दु अध्यक्ष महोदय की अनुमति से
2	इक्कीसवीं बैठक 31-07-2020	1	प्रस्तावना
		2	पिछले कार्यवृत्त दिनांक 17.05.2019 की पुष्टि का प्रस्ताव
		3	पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्यवाही
		4	बोर्ड की नयी उपलब्धियाँ
		5	प्रोजेक्ट्स
		6	वित्त एवं लेखा
		7	दिनांक 03.07.2019 की सायं को पिकप भवन में हुई अग्नि दुर्घटना के सम्बन्ध में
		8	जैव विविधता अधिनियम 2002 की धारा-41(2) के अन्तर्गत माँगी गयी अनुमति (कन्सेन्ट) दिये जाने हेतु प्राप्त प्रस्ताव/आवेदन के सम्बन्ध में
		9	स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान (एस०बी०एस०पी०) परियोजना के समय विस्तारण के सम्बन्ध में
		10	डा० एल०बी० चौधरी, प्रिंसिपल साइंटिस्ट, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा पुस्तक 'ट्रीज़ ऑफ उत्तर प्रदेश ''पार्ट - II'' प्रकाशित किये जाने के सम्बन्ध में

क्रम सं०	बोर्ड बैठक का दिनांक	एजेण्डा संख्या	बोर्ड बैठक में प्रस्तुत प्रस्ताव
		11	प्रदेश में विरासत (हेरीटेज) वृक्षों के चयन/अभिलेखीकरण के सम्बन्ध मे
		12	मा० राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण में दाखिल आवेदन पत्र संख्या – ओ०ए० 347 of 2016 चन्द्र भाल सिंह बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया एवं विभिन्न राज्यों के सदस्य सचिव, जैव विविधता बोर्ड, के निर्देशानुसार ग्राम सभा स्तर पर जैव विविधता प्रबन्ध समिति एवं जन जैव विविधता रजिस्टर तैयार किये जाने की अद्यतन प्रगति
		13	उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड की ड्राफ्ट वार्षिक रिपोर्ट (2018-19) के अनुमोदन का प्रस्ताव
		14	बोर्ड के कार्यालय भवन के कारपेट एरिया (1150 वर्गफुट) को कम किया जाना
		15	अन्य कोई बिन्दु अध्यक्ष महोदय की अनुमति से
3	बाईसवीं बैठक दिनांक 12.03.2021	1	प्रस्तावना
		2	पिछले कार्यवृत्त दिनांक 31.07.2020 की पुष्टि का प्रस्ताव
		3	पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्यवाही
		4	बोर्ड की नयी उपलब्धियाँ
		5	उत्तर प्रदेश में विरासत वृक्षों के अभिलेखीकरण हेतु
		6	उत्तर प्रदेश के गैर वन क्षेत्र में सामुदायिक भूमि पर अवस्थित वृक्षों को विरासत (हेरीटेज) वृक्ष घोषित करने का प्रस्ताव
		7	'उत्तर प्रदेश के विरासत वृक्ष' (Heritage trees of Uttar Pradesh) नामक कॉफी टेबल बुक का मूल्य निर्धारण एवं निःशुल्क वितरण के सम्बन्ध में
		8	प्रोजेक्ट्स
		9	वित्त एवं लेखा
		10	श्री आशुबोध कुमार पन्त की सेवाएं सलाहकार के रूप में प्राप्त किये जाने के सम्बन्ध में
		11	आई०टी० एवं इलेक्ट्रानिक्स अनुभाग-1 द्वारा निर्गत ''उत्तर प्रदेश अपट्रान इण्डिया लि० के सरकारी सेवा में आमेलन, नियमावली, 2011 अंगीकृत किया जाना
		12	श्री कृष्ण कान्त तिवारी, उप प्रबन्धक (सिस्टम) को 10, 16 व 26 वर्षों की सेवा पूर्ण करने के उपरान्त क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वित्तीय स्तरोन्नयन का लाभ प्रदान किये जाने का प्रस्ताव
		13	आउट सोर्सिंग कर्मी

क्रम सं०	बोर्ड बैठक का दिनांक	एजेण्डा संख्या	बोर्ड बैठक में प्रस्तुत प्रस्ताव
		14	जैव विविधता अधिनियम 2002 की धारा-41(2) के अन्तर्गत माँगी गयी अनुमति (कन्सेन्ट) दिये जाने हेतु प्राप्त प्रस्ताव/आवेदन के सम्बन्ध में
		15	स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्डऐक्शन प्लान (एस०बी०एस०पी०) परियोजना के सम्बन्ध में
		16	जैव विविधता अधिनियम, 2002, जैव विविधता नियम, 2004 व विनियम, 2014 के क्रियान्वयन हेतु विधिक ज्ञान रखने वाले पूर्व वनाधिकारी की सेवायें प्राप्त किये जाने का प्रस्ताव
		17	मधुमक्खी को राज्य कीट घोषित किये जाने पर मौन पालकों की आजीविका एवं सामाजिक आर्थिक स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करवाने हेतु प्रस्ताव
		18	मा० एन०जी०टी० की प्रिंसिपल बेंच द्वारा वाद संख्या–ओ०ए० 347/2016 चन्द्रभाल सिंह बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया तथा अन्य में दिनांक 09 अगस्त, 2019 को जन जैव विविधता रजिस्टर की गुणवत्ता की देखरेख हेतु अनुश्रवण समिति गठित करने के सम्बन्ध में
		19	उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा विभिन्न परियोजना/अध्ययन कार्य के संचालन में सहायता हेतु जे०आर०एफ० की सेवायें प्राप्त किया जाना
		20	दिनांक 17.05.2019 को उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की 20वीं बैठक में प्रस्तुत प्रस्तावों– (1) जैव विविधता के विभिन्न क्षेत्रों में दो माह के ऑनलाईन सर्टिफिकेट कोर्स को सेन्टर फॉर इन्वायरमेन्ट एण्ड एजूकेशन (सी०ई०ई०), नार्थ, लखनऊ एवं लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के माध्यम से चलाया जाना, (2) जैव विविधता के विभिन्न पहलुओं पर दो-तीन माह का Internships कार्यक्रम चलाया जाना, को निरस्त किया जाना।
4	तेईसवीं बैठक दिनांक 22.03.2022	21	अन्य कोई बिन्दु अध्यक्ष महोदय की अनुमति से
		1	प्रस्तावना
		2	विगत बैठक दिनांक 12.03.2021 के कार्यवृत्त की पुष्टि का प्रस्ताव
		3	पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर कृत कार्यवाही
		4	उत्तर प्रदेश स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान रिपोर्ट का अनुमोदन

क्रम सं०	बोर्ड बैठक का दिनांक	एजेण्डा संख्या	बोर्ड बैठक में प्रस्तुत प्रस्ताव
		5	यू०एन०डी०पी० द्वारा स्वीकृत परियोजना (यू०पी०एस०बी०एस०ए०पी०) के विभिन्न मदों में बचत होने के फलस्वरूप अवशेष धनराशि का उपयोग स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान ऑफ उत्तर प्रदेश (यू०पी०एस०बी०एस०ए०पी०)की रिपोर्ट प्रिन्टिंग मद में करने की अनुमति प्राप्त न होने की स्थिति में प्रिन्टिंग में व्यय होने वाली धनराशि का वहन उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के स्तर से किया जाना।
		6	अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की शक्तियों व कर्तव्य के निर्वहन हेतु कार्यालय कार्य में सहायता करने के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से एक कर्मी की सेवायें प्राप्त किया जाना।
		7	उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड में कार्यरत् नियमित कर्मी को राज्य सरकार की भाँति 10, 16 व 26 वर्षों की सेवा पूर्ण करने के उपरान्त क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वित्तीय स्तरोन्यन का लाभ प्रदान किये जाने का प्रस्ताव।
		8	राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एन०बी०आर०आई०) के द्वारा पुस्तक 'ट्रीज़ ऑफ उत्तर प्रदेश पार्ट' -II प्रकाशित किये जाने के सम्बन्ध में
		9	सी मैप, लक्षनऊ के माध्यम से मेडिसनल प्लांट्स ऑफ उत्तर प्रदेश नामक अध्ययन परियोजना व अध्ययन रिपोर्ट के प्रकाशन के सम्बन्ध मे
		10	इंडोपिपटाडेनिया आउढेंसिस प्रजाति के अध्ययन के सम्बन्ध में
		11	उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड में अनुसंधान शाखा प्रारम्भ करने, सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स के रूप में विकसित करने तथा अनुसंधान कार्यों की गति व गुणवत्ता में वृद्धि हेतु प्रस्तावित कार्यों में सहायता हेतु जे०आर०एफ० की सेवायें प्राप्त किया जाना।
		12	कैमूर वन्यजीव प्रभाग में अवस्थित जीवाश्म उद्यान (फॉसिल पार्क), ललितपुर वन प्रभाग में महावीर स्वामी वन्यजीव विहार में अवस्थित गिद्ध संरक्षण केन्द्र, ललितपुर वन प्रभाग के बार रेंज में अवस्थित चंदन वन एवं गोरखपुर स्थित रामगढ़ ताल को जैव विविधता विरासतीय स्थल (बायोडाईवर्सिटी हेरीटेज साईट्स) घोषित करने हेतु प्रस्ताव।
		13	प्रोजेक्ट्स
		14	वित्त एवं लेखा
		15	उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता नियमावली, 2010 के नियम 13(छः) में दिए गए प्राविधनों के अन्तर्गत बोर्ड की आय में वृद्धि हेतु बोर्ड के कोष में उपलब्ध धनराशि का प्रबन्धन ई०पी०एफ० ट्रस्ट की भॉति किये जाने का प्रस्ताव

क्रम सं०	बोर्ड बैठक का दिनांक	एजेण्डा संख्या	बोर्ड बैठक में प्रस्तुत प्रस्ताव
		16	जैव विविधता अधिनियम 2002 की धारा-41(2) के अन्तर्गत जैव विविधता प्राधिकरण द्वारा माँगी गयी अनुमति (कन्सेन्ट) दिये जाने हेतु प्राप्त प्रस्ताव/आवेदन के सम्बन्ध मे
		17	उत्तर प्रदेश में विरासत वृक्षों का अभिलेखीकरण परियोजना की वित्तीय लागत में संशोधन
		18	प्रदेश में अवस्थित रामसर साईट की जैव विविधता का ऑकलन व अभिलेखीकरण
		19	बोर्ड की नयी उपलब्धियाँ
		20	अन्य कोई बिन्दु अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

जैव विविधता प्रबन्ध समितियाँ (बी.एम.सी.) एवं पंजिकाएं

माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (प्रधान बेंच) नई दिल्ली द्वारा ओ०ए०संख्या -347/2016 चन्द्रभाल सिंह बनाम भारत सरकार एवं अन्य में दिनांक- 09.08.2019 को दिनांक- 31.01.2020 तक शत प्रतिशत जैव विविधता प्रबंधन समितियों में (बी०एम०सी०) का गठन तथा जन जैव विविधता पंजिका (पी०बी०आर०) का निर्माण पूर्ण करवाये जाने का निर्देश दिया गया।

उक्त आदेश आदेश का प्रभावी अंश निम्नानुसार है –

(i) The Chief Secretaries of all the States, where the defaults are continuing, may consider giving a warning to the Panchayat Secretaries for their past failures, recording the same in their service record and give direction to the officers who are responsible for the job to ensure compliance with 100% constitution of BMCs and PBRs by 31.01.2020 failing which coercive measures may have to be considered against them. The Chief Secretaries may evolve a mechanism for ensuring a monthly meeting to be attended by the Chairman and Member Secretaries of State Biodiversity Boards, Secretaries, Panchayat, Environment and Forest starting from September, 2019.

(ii) The States will be accountable for the defaults and required to deposit a sum of Rs. 10 lakhs per month each from 01.02.2020 with the CPCB to be utilized for restoration of the environment. The States will be at liberty to recover the said amount from the persons committing the default.

जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा-41, जैव विविधता नियम, 2004 का नियम, 2004 व उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता नियमावली, 2010 में उल्लिखित प्राविधानों के अन्तर्गत एव ओ०ए० संख्या-347/2016 चन्द्रभाल सिंह बनाम भारत सरकार एवं अन्य में दिनांक 09.08.2019 को माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (प्रधान बेंच) नई दिल्ली द्वारा पारित निर्णय के क्रम में निर्धारित समयावधि अर्थात् 31 जनवरी, 2020 तक प्रदेश में ग्राम व स्थानीय निकायों (59407) में जन जैव विविधता प्रबन्ध समितियों का गठन व तैयार की गईं जन जैव विविधता पंजिकाओं का विवरण निम्नानुसार है –

जैव विविधता प्रबन्ध समितियों का गठन					
जनपद	माध्यमिक (विकास खण्ड / तालुका / मण्डल)	ग्राम पंचायत (58755)	पारम्परिक निकाय	नगरीय निकाय (657)	योग
-	-	58755	-	652	59407
जन जैव विविधता पंजिका					
जनपद	माध्यमिक (विकास खण्ड / तालुका / मण्डल)	ग्राम पंचायत (58755)	पारम्परिक निकाय	नगरीय निकाय (657)	योग
-	-	58755	-	652	59407

जैव विविधता अधिनियम 2022 की धारा 40 के अन्तर्गत निर्गत अधिसूचना

भारत सरकार द्वारा अधिसूचित जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा-40 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण के परामर्श से, अधिसूचना संख्या का०आ०-1352(अ) दिनांक-07 अप्रैल, 2016 एवं का०आ० 3533 (ब) दिनांक 07 नवम्बर 2007 द्वारा परिशिष्ट 1 व 2 में दिये जैविक संसाधनों को निर्धारित स्त्रोत से प्राप्त करने एवं वस्तुओं के रूप में व्यापार करने पर जैव विविधता अधिनियम, 2002 के विभिन्न प्राविधानों से छूट प्रदान की गयी है अर्थात इन जैविक संसाधनों पर अधिनियम के उपबंध लागू नहीं होंगे।

अनाज, बाजरा, दालों, तैलीय बीज, रेशा प्रदत्त फसल, चारा फसल, हरी खाद प्रदत्त पौध, शक्कर प्रदत्त फसल, मादक औषधि, सीताफल कुल के पौध, गोभी कुल की फसल, हरी पत्तीदार सब्जी, सरसों कुल की सब्जी, कंद फसल, ट्यूबर राइजोम्स एवं पौध, जड़ीय फसल, फल, पुष्पीय एवं सजावटी फसल, औषधीय पौध, मसाला फसल, बाबवानी फसल, मशरूम एवं पल्पवुड अंकित पादप भाग से सबन्धित हैं।

जैव विविधता कार्यक्रमों का आयोजन

बायोडाइवर्सिटी फेस्टीवल - दिनांक 22 मई, 2019

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा दिनांक 22 मई, 2019 को **जीवन व स्वास्थ्य के लिए जैव विविधता (बायोडाईवर्सिटी फॉर फूड एण्ड हेल्थ)** विषयवस्तु के अन्तर्गत **''बायोडाइवर्सिटी फेस्टीवल''** आँचलिक विज्ञान नगरी, लखनऊ एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। इस बायोडाइवर्सिटी फेस्टीवल में विभिन्न प्रतियोगिताएं यथा– क्विज, पोस्टर, रंगोली, स्लोगन राइटिंग तथा पावर प्वाइंट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में लखनऊ जनपद के 20 स्कूल/कॉलेजों के लगभग 200 छात्र/छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिनांक 22.05.2019 को विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किये गये।

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन-22 मई, 2019

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 22 मई, 2019 को प्रदेश के समस्त जनपदों में हमारी जैव विविधता, हमारा भोजन, हमारा स्वास्थ्य (आवर बॉयो–डाईविर्सिटी, ऑवर फूड एण्ड ऑवर हेल्थ) विषयवस्तु पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य हमारे दैनिक जीवन में जैव विविधता की भूमिका, महत्व एवं संरक्षण की आवश्यकता से जन सामान्य को अवगत कराकर जैव विविधता संरक्षण की दिशा में प्रत्येक प्रदेशवासी विशेषकर युवाओं व विद्यार्थियों को प्रेरित करना था।

INTERNATIONAL DAY for BIOLOGICAL DIVERSITY
Our Biodiversity, Our Food, Our Health

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 2019 के अवसर पर पोस्टर, रंगोली, नारा लेखन सहित आयोजित विभिन्न कार्यक्रम



मंच का दृश्य



मंच पर विशिष्ट जनों के साथ पुरस्कृत विद्यार्थी


अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस
INTERNATIONAL DAY FOR BIOLOGICAL DIVERSITY
हमारी जैव विविधता, हमारा भोजन, हमारा स्वास्थ्य
Our Biodiversity, Our Food, Our Health
दिनांक :- बुधवार 22 मई 2019
स्थलः कानपुर प्राणि उद्यान, कानपुर
सामाजिक वानिकी वन प्रभाग, कानपुर
कानपुर प्राणि उद्यान, कानपुर



विजेताओं का सम्मान

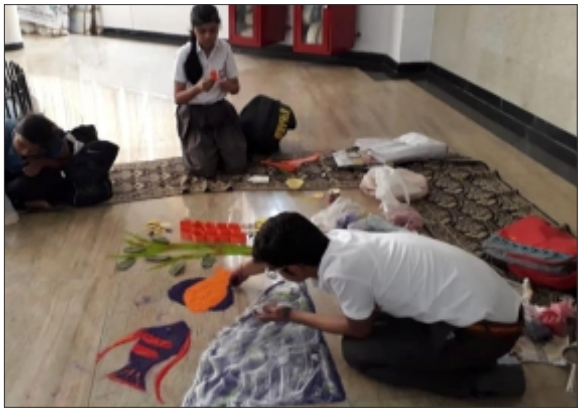










International Day for Biological Diversity 2019

प्रतियोगिता : पोस्टर बनाना, विषयवस्तु : कृषि जैव विविधता

समूह : क

क्र०सं०	नाम	संस्थान	पुरस्कार
1	वेद प्रकाश मिश्रा	सेंट एन्थोनी इण्टर कॉलेज	प्रथम
2	अदिति सिंह	रेड रोज सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल	द्वितीय
3	रजनवी गुप्ता	सेंट एजेन्स लोरेटो	तृतीय
4	ध्रुव	सेठ आनन्द राम जयपुरिया	सांत्वना

समूह : ख

क्र०सं०	नाम	संस्थान	पुरस्कार
1	सृष्टी मौर्या	सेंट एन्थोनी इण्टर कॉलेज	प्रथम
2	शिवांगी यादव	सेन्ट्रल एकेडमी	द्वितीय
3	देवांश अग्रवाल	सेठ आनन्द राम जयपुरिया	तृतीय
4	अमजद हैदर खान	सेठ आनन्द राम जयपुरिया	सांत्वना

प्रतियोगिता : नारा लेखन, विषयवस्तु : स्वस्थ भोजन

समूह : क

क्र०सं०	नाम	संस्थान	पुरस्कार
1	वेद प्रकाश मिश्रा	सेंट एन्थोनी इण्टर कॉलेज	प्रथम
2	अदिति सिंह	रेड रोज सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल	द्वितीय
3	श्रेया सिंह	सेन्ट्रल एकेडमी	तृतीय
4	आर्यन सिंह	सेन्ट्रल एकेडमी	सांत्वना

विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून, 2019

उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग के सहयोग से "Air Pollution के अन्तर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। जागरूकता अभियान के माध्यम से वायु प्रदूषण निवारण तथा हमारे जीवन में वायु प्रदूषण से होने वाले दुष्प्रभावों से बचने के उपायों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर हस्त निर्मित थैले, जागरूकता सामग्री तथा पौधों का भी वितरण किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस - दिनांक 07 सितम्बर, 2019

अन्तर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस प्रत्येक वर्ष माह सितम्बर के प्रथम शनिवार को मनाया जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस 2019 के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड व जन्तु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों / प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

वन्य प्राणि सप्ताह का आयोजन- 01-07 अक्टूबर, 2019

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा वन्य प्राणियों व जैव विविधता संरक्षण हेतु जन सामान्य को जागरूक करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए वन्य प्राणि सप्ताह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस - 02 फरवरी, 2020

विश्व आर्द्रभूमि दिवस - 2020 के अवसर पर 'वेटलैण्ड्स एवं जैव विविधता विषयवस्तु पर आधारित भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। नवाबगंज पक्षी विहार में भ्रमण कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे लगभग 100 विद्यार्थियों ने वेटलैण्ड पर आधारित पादप व प्राणि प्रजातियों का अवलोकन व चिह्नांकन कर इन्हें अभिलिखित किया।

विश्व गौरय्या एवं तितली दिवस- 14-20 मार्च, 2020

वैश्विक महामारी कोविड-19 के दृष्टिगत विश्व तितली दिवस व विश्व गौरय्या दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम ऑनलाईन आयोजित किए गए।

सेव द फ्राग्स डे - 25 अप्रैल, 2020

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभाग लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में सेव द फ्राग्स डे के अवसर पर पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण, मेढक के लोगो डिजाइन करना, भारत में मेढक विविधता पर कोलॉज एवं निबन्ध प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

बायोडाइवर्सिटी फेस्टीवल - दिनांक 22 मई, 2020

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा दिनांक 22 मई, 2020 को 'हमारा समाधान प्रकृति में है (ऑवर सोल्यूशन्स आर इन नेचर) विषयवस्तु पर आधारित ''बायोडाइवर्सिटी फेस्टीवल'' का आयोजन किया गया। इस बायोडाइवर्सिटी फेस्टीवल में विभिन्न ऑनलाईन प्रतियोगिताओं यथा– फोटोग्राफी, निबन्ध लेखन, कोलॉज एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिताओं में लगभग 1500 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन - 22 मई, 2020

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस की विषयवस्तु 'हमारा समाधान प्रकृति में है' (ऑवर सॉल्यूशंस आर इन नेचर) विषयवस्तु पर आधारित ऑनलाईन अन्तर्राष्ट्रीय ई सिम्पोजियम का आयोजन किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय ई सिम्पोजियम का उद्घाटन श्रीमती आनन्दीबेन पटेल, श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल महोदया द्वारा मानव जीवन में जैव विविधता की उपयोगिता तथा जैव विविधता से जुड़े विभिन्न आयामों पर विस्तृत मार्गनिर्देश दिये गये। इस अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी में यू०ए०ई०, फ्रांस, इज़राइल एवं जापान आदि के विषय विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण व्याख्यान दिये गये।



अन्तर्राष्ट्रीय ई सिम्पोजियम का कार्यक्रम

क्रम सं०	समय	निर्धारित कार्यक्रम
1	01.00 अपराह्न	सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड श्री रमेश पाण्डेय का उद्बोधन
2	01.05 अपराह्न	व्याख्यान-1 डा० शकील अहमद, वैज्ञानिक, पर्यावरण एजेन्सी अबूधाबी, यू०ए०ई० विषय–1. स्थलीय जैव विविधता का ऑकलन व अनुश्रवण विधियाँ 2. टेलू कैमरा स्ट्रेप्स का उपयोग करते हुए वन्यजीव अनुश्रवण
3	01.30 अपराह्न	व्याख्यान-2 डॉ० शकील अहमद, वैज्ञानिक, पर्यावरण एजेन्सी अबूधाबी, यू०ए०ई० विषयः स्थलीय जैव विविधता का ऑकलन व अनुश्रवण विधियाँ (टेलू कैमरा स्ट्रेप्स का उपयोग करते हुए वन्यजीव अनुश्रवण)

क्रम सं०	समय	निर्धारित कार्यक्रम
4	02.00 अपराह्न	प्रोफेसर सिल्विया टुरेल, लिली विश्वविद्यालय, फ्रांस द्वारा व्याख्यान
5	02.05 अपराह्न	व्याख्यान-3 – प्रोफेसर रेयुवेन योसेफ, बेन गुरेन विश्वविद्यालय आईलेट परिसर विषय– विन विन इकोलॉजी
6	02.35 अपराह्न	डॉ जेम्स चेसमैन गॉसियन, आई एन सी यू०एस०ए० द्वारा अभिमत
7	02.45 अपराह्न	प्रो० यूरवीरो ओजॉकी, क्वान साई गाकनी विश्वविद्यालय जापान द्वारा अभिमत
8	02.55 अपराह्न	प्रो० जावियर एलेना, ब्राजील द्वारा अभिमत
9	03.05 अपराह्न	व्याख्यान-4 डॉ राईनो केम्प, रिसर्च मैनेजर वी०यू०एल०आर०पी०ओ (गिद्ध कार्यक्रम दक्षिण अफ्रीका) विषयः दक्षिण एशिया में गिद्ध संरक्षण
10	03.35 अपराह्न	डॉ० केरी क्रीगर, मेढक बचाओ के संस्थापक / अधिशासी निदेशक का अभिमत

संयुक्त राज्य अमेरिका, संयुक्त अरब, अमीरात, चीन, जापान, ब्राजील व फ्रांस देशों एवं गुजरात, बिहार, उत्तराखंड, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, राजस्थान, जम्मू व काश्मीर, पंजाब, उड़ीसा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, केरल व झारखण्ड राज्यों के लगभग 250 प्रतिभागियों ने ई सिम्पोजियम में प्रतिभाग किया।

ई सिम्पोजियम की झलकियाँ



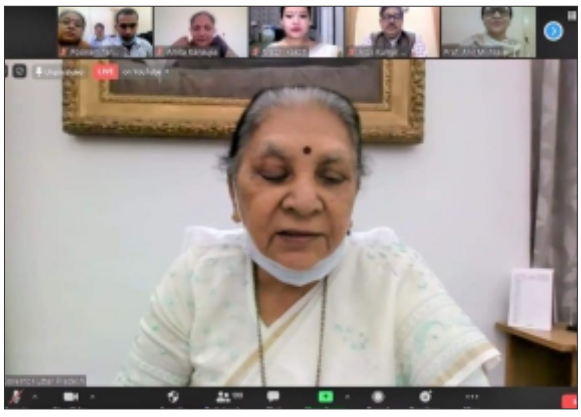


Release of Biodiversity Index of Lucknow on
International Day of Biological Diversity





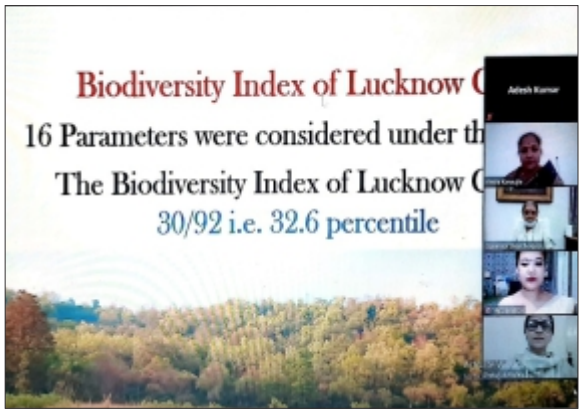
16 Parameters were considered under th
30/92 i.e. 32.6 percentile


22 MAY 2020
ONLINE PHOTO GRAPHY CONTEST
Theme: Animals & Plants Diversity
Winners will be awarded certificates and prizes
Participation Criterion :
Submission Deadline
21 May 2020
One photo per participant
Submit your entries To
For any query contact on Mobile No. 9415030161, 9026987174
ENVIS Resource Partner
On Biodiversity and Traditional Knowledge
Institute of Wildlife Sciences, University of Lucknow


INTERNATIONAL DAY FOR BIOLOGICAL DIVERSITY
ONLINE COMPETITIONS
22 MAY 2020
INTERNATIONAL DAY FOR BIOLOGICAL DIVERSITY
Our solutions are in nature
Submission Deadline
21 May 2020
Winners will be awarded certificates and prizes
Participation Criterion :
Submit your entries To
For any query contact on Mobile No. 9415154030, 9026987174
UTTAR PRADESH STATE BIODIVERSITY BOARD
ENVIS RESOURCE PARTNER, UNIVERSITY OF LUCKNOW

ऑनलाईन छायांकन प्रतियोगिता के विजेता एक दृष्टि में



प्रथम पुरस्कार : श्री सूर्या चन्द्रशेखर
लोयोला हाईस्कूल, पटना

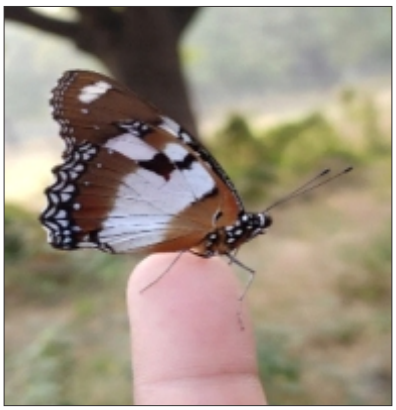

द्वितीय पुरस्कार : स्वीटी रमेशभाई चौधरी,
मेहासाना, गुजरात



तृतीय पुरस्कार : सात्विक निगम,
सी०एम०एस०, लखनऊ



प्रथम पुरस्कार : सानखीकी संजय थावले



द्वितीय पुरस्कार : निलाला चन्द्रशेखर,
नोट्रेडम एकेडमी, पटना



तृतीय पुरस्कार : शीता राज, सी०एम०एस०
महानगर, लखनऊ



प्रथम पुरस्कार : मोहम्मद अनस

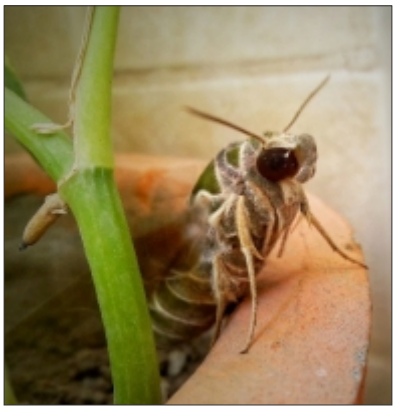

द्वितीय पुरस्कार : हिराल डी० शाह

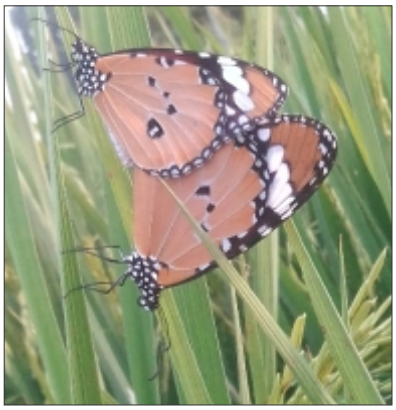

तृतीय पुरस्कार : सिमरन आर्य,
पी०जी० कॉलेज, पानीपत

'कोविड परिदृश्य की अवधि में प्रकृति' विषय पर निबन्ध लेखन

समूह : क

क्र०सं०	छात्र / छात्रा का नाम	स्थान	स्कूल का नाम
1	आर्यन	प्रथम	–
2	मि० सामारा रावत	द्वितीय	जे०बी०सी०एन० इण्टरनेशनल स्कूल, मुम्बई
3	सात्विक निगम	तृतीय	सी०एम०स०, अशरफाबाद

समूह : ख

क्र०सं०	छात्र / छात्रा का नाम	स्थान	स्कूल का नाम
1	मुस्कान	प्रथम	के०वी० सीतापुर
2	अनुश्री गहलोत	द्वितीय	–
3	पी० कीरूबासनगरी	तृतीय	आक्सीलीयम गर्ल्स हायर सेके० स्कूल, थनजावुर

समूह : ग

क्र०सं०	छात्र / छात्रा का नाम	स्थान	स्कूल का नाम
1	पीयूष गोयल	प्रथम	–
2	निवास कुमार	द्वितीय	नवादा
3	आयुषी वर्मा	तृतीय	लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ

ऑनलाईन छायांकन प्रतियोगिता के विजेता समूह क, ख व ग



प्रथम पुरस्कार : तमन रावत, जे०सी०बी०एन० इण्टरनेशनल, बोरीवली (वे)

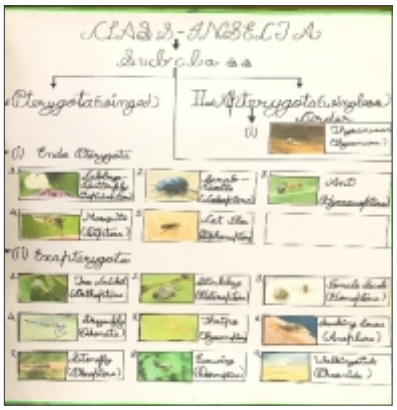

द्वितीय पुरस्कार : : नावी वैद्या विजयवर्गीय, कोटा



तृतीय पुरस्कार : अमरीतान्श एस. नाथ



प्रथम पुरस्कार : अंशिम पॉल



द्वितीय पुरस्कार : आदर्श पाण्डेय, जौनपुर



तृतीय पुरस्कार : कृशिव पुरी, दिल्ली



प्रथम पुरस्कार : विवेक नन्दा,
लखनऊ विश्वविद्यालय



द्वितीय पुरस्कार : राघव गुप्ता,
आई०आई०आर०एस०



तृतीय पुरस्कार : अभिषेक अशोक गोवेकर

नारा लेखन प्रतियोगिता के विजेता समूह क, ख व ग के विजेता

Animals are
adorable,
They bring us
delight.
Never beat them,
never eat them,
Living Peacefully
is their right.

प्रथम पुरस्कार : आर्यव मिश्रा,
दिल्ली

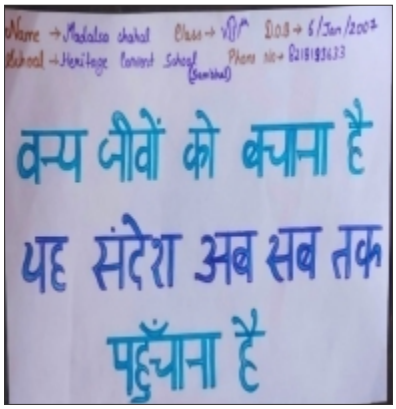

द्वितीय पुरस्कार : : मदालसा चहल,
सम्भल

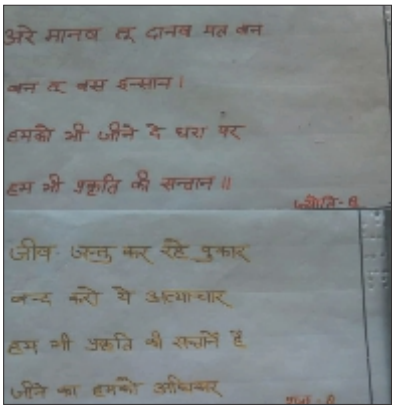

तृतीय पुरस्कार : ज्योति एव पूजा,
अलीगढ़

Human and animal conflict
Let us solved the rift.
Conflict of human animals
Make us more criminals.
Humans are too animals
Animals need true jungles.
Let us avoid conflict
Make each other fit.
We are for each other
Solve the conflict together

प्रथम पुरस्कार : आदर्श पाण्डेय,
जौनपुर

Use guns for your own safety, not to make the forests empty.

द्वितीय पुरस्कार : यशस्वी मेहता,
अलीगढ़

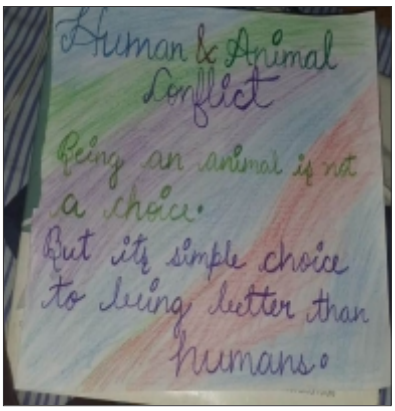

तृतीय पुरस्कार : जान्वी सहाय,
लखनऊ

As sharing is caring, Let's share this shade of earth together and care for eachother's goodwill

प्रथम पुरस्कार : आयुषी वर्मा,
एल०यू० बी०एससी० द्वितीय, लखनऊ

ANIMALS ARE PART OF NATURE HUMAN USE TO DESTROY CREATURE THE CORE OF EARTH WILL GIVE RISE SCAR FALL OF CIVILITY IS NOT SO FAR!!"

द्वितीय पुरस्कार : श्रीजाता रॉय,
कल्याणी विश्वविद्यालय

Save every local biodiversity, for animals to avoid ever human locality."

तृतीय पुरस्कार : पल्लवी शोरी,
छत्तीसगढ़

विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून, 2020

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों जैसे–रूद्राक्ष, पारिजात, चन्दन, पलाश एवं सीता अशोक का पौध रोपण एवं विभिन्न ऑनलाईन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

विश्व आर्द्रभूमि (वेटलैण्ड) दिवस-02 फरवरी, 2021

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ व जन्तु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर ''भूमि विकास एवं वेटलैण्ड संरक्षण'' विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर वाद विवाद प्रतियोगिता का ऑन लाईन आयोजन किया गया। वेटलैण्ड्स के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने एवं वेटलैण्ड्स के सर्वेक्षण के उद्देश्य से दिनाँक 02 फरवरी, 2021 को प्रतिभागियों ने नवाबगंज पक्षी विहार, उन्नाव में अनुभव अर्जन भ्रमण किया।

विश्व गौरय्या दिवस एवं विश्व तितली दिवस

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं जन्तु विज्ञान विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्व गौरय्या दिवस (दिनांक 20 मार्च, 2021) एवं विश्व तितली दिवस (दिनांक 14 मार्च, 2021) के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। विश्व तितली दिवस (14 मार्च, 2021) से प्रारम्भ इन कार्यक्रमों का समापन विश्व गौरय्या दिवस (20 मार्च, 2021) को हुआ। 14-20 मार्च, 2021 तक आयोजित इन कार्यक्रमों में पोस्टर, कोलॉज, स्लोगन आदि प्रतियोगिताओं का ऑनालाईन आयोजन किया गया। विश्व गौरय्या दिवस एवं विश्व तितली दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उक्त आयोजन में विभिन्न स्कूल/कॉलेजों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

"बायोडाइवर्सिटी फेस्टीवल"- दिनांक 21 मई, 2021

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा ''हम प्रकृति के लिए समाधान का हिस्सा हैं (वी आर पार्ट ऑफ द सोल्यूशन फॉर नेचर) विषयवस्तु पर आधारित ''बायोडाइवर्सिटी फेस्टीवल'' का आयोजन जन्तु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग व सहभागिता से किया गया। जैव विविधता उत्सव-2021 के अन्तर्गत 'जैव विविधता संरक्षण में हमारी भूमिका' विषय पर हिन्दी व अंग्रेजी भाषा में निबन्ध लेखन, 'पवित्र बाग' (सेक्रेड ग्रोव्स) विषय पर पोस्टर, 'जैव विविधता विरासत' विषय पर कोलॉज एवं 'जैव विविधता संरक्षण' विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जैव विविधता उत्सव-2021 के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में कुल 355 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस-2021 के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में प्राप्त प्रविष्टियों का मूल्यांकन कर विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 2021 के अवसर पर आयोजित ऑन लाईन प्रतियोगिताओं के विजेता

क्रम सं०	श्रेणी	पुरस्कार	विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्राप्त पुरस्कार विजेता			
			निबन्ध लेखन (अंगेजी/ हिन्दी)	पोस्टर	कोलॉज	स्लोगन लेखन (नारा लेखन)
1	विद्यार्थी, कक्षा–4 से 8 तक	प्रथम पुरस्कार	नवधा मुद्गल, कक्षा–6, सेन्ट्रल एकेडमी, इन्दिरा नगर, लखनऊ	सजल जैन, कक्षा 8, आगरा पब्लिक स्कूल	सोनाक्षी उपाध्याय	आर्यन राजेन्द्र जाधव, कक्षा–8
		द्वितीय पुरस्कार	नव्या सिंह, कक्षा–7, सेन्ट्रल एकेडमी, इन्दिरा नगर, लखनऊ	अनुदिता श्रीवास्तव, कक्षा–8, सी. एम.एस., लखनऊ	अनुष्का सिंह, सी.एम.एस.	–
		तृतीय पुरस्कार	अक्षय दयाल, कक्षा–7, सेन्ट्रल एकेडमी, इन्दिरा नगर, लखनऊ	अर्पित सिंह	हबीबा नदीम, कक्षा–6, सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, इन्दिरा नगर, लखनऊ	–
2	विद्यार्थी, कक्षा–9 से 12 तक	प्रथम पुरस्कार	सौम्या श्रीवास्तव, कक्षा–10, सेन्ट्रल एकेडमी, इन्दिरा नगर, लखनऊ	–	आन्या गुप्ता, कक्षा–9	शक्ति सिंह, कक्षा–11, सेन्ट्रल एकेडमी, इन्दिरा नगर, लखनऊ

क्रम सं०	श्रेणी	पुरस्कार	विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्राप्त पुरस्कार विजेता			
			निबन्ध लेखन (अंगेजी/ हिन्दी)	पोस्टर	कोलॉज	स्लोगन लेखन (नारा लेखन)
		द्वितीय पुरस्कार	सुदीक्षा वर्मा, कक्षा–10, सेन्ट्रल एकेडमी, इन्दिरा नगर, लखनऊ	–	षान्ति पटेल, कक्षा–9, एल.पी.सी.	जान्हवी पंजवानी, कक्षा–9, सेन्ट्रल एकेडमी, इन्दिरा नगर, लखनऊ
		तृतीय पुरस्कार	यशार्थ राव, कक्षा–10, सेन्ट्रल एकेडमी, इन्दिरा नगर, लखनऊ	–	रोशनी उपाध्याय	मानसी रंजन, कक्षा–11, सेन्ट्रल एकेडमी, इन्दिरा नगर, लखनऊ
3	विद्यार्थी, स्नातक और परास्नातक/उ०प्र० के समस्त निवासी	प्रथम पुरस्कार	वैभवी श्रीवास्तव, बी०ए० द्वितीय सेमेस्टर	आकाश दीप, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	आसिफ जाफरी, शोध छात्र, जन्तु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय	पूजा अग्रवाल,
		द्वितीय पुरस्कार	अनुश्का द्विवेदी, द्वितीय सेमेस्टर	राजकुमार	रशिका वत्स, सहारनपुर	आसिफ जाफरी, शोध छात्र, जन्तु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय
		तृतीय पुरस्कार	प्रज्ञा तिवारी, लखनऊ विश्वविद्यालय	अक्षरा सक्सेना, बी.ए. (आनर्स), लखनऊ विश्वविद्यालय	अभिषेक रस्तोगी	–

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन-22 मई, 2021



उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड तथा जन्तु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग व सहभागिता से 'हम प्रकृति के लिए समाधान का हिस्सा हैं' (वी आर पार्ट ऑफ द सॉल्यूशन फॉर द नेचर) विषयवस्तु पर आधारित ऑनलाईन अन्तर्राष्ट्रीय ई सिम्पोजियम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा हमारे जीवन में जैव विविधता की उपयोगिता तथा जैव विविधता से जुड़े विभिन्न आयामों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी में पाकिस्तान, इंडोनेशिया, असम, एवं उत्तर प्रदेश के विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिये गये। इस अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी में विद्यार्थियों, अनुसंधानकर्ता, शिक्षकों आदि द्वारा वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से प्रतिभाग किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 'हम प्रकृति के समाधान का हिस्सा हैं' विषयक ई सिम्पोजियम का समापन प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न विषयों पर तैयार किए गए पोस्टरों के प्रस्तुतिकरण के साथ हुआ।

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (22 मई 2021) के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित द्वि दिवसीय ई सिम्पोजियम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ० मनोज कुमार पटेरिया, सलाहकार व वैज्ञानिक, जी०एस०ई०आर०सी० द्वारा किया गया।

ई सिम्पोजियम के प्रथम दिवस दिनांक 22.05.2021 को सलाहकार, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा प्रस्तुत मुख्य वक्तव्य (की नोट एड्रेस) में जैव संसाधनों के वाणिज्यिक उपयोग करने वाले व्यापारियों व इकाईयों द्वारा लाभ के एक अंश को बोर्ड के कोष में जमा करवाए जाने के प्राविधान, प्रक्रिया एवं सम्बन्धित जैव विविधता प्रबन्ध समिति व लाभ के दावेदारों के मध्य लाभ का वितरण एवं उपयोग के सम्बन्ध में विस्तार से प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ० मनोज कुमार पटेरिया द्वारा 'पीपुल बायोडाईवर्सिटी मॉडयूल, 'मिनी मैनुअल ऑन सेन्सेस फॉर सारस कन्जर्वेशन इन यू०पी० एवं 'ई सिम्पोजियम के ई-एब्स्ट्रेक्ट' का विमोचन किया गया।

दिनांक 23.05.2021 को अन्तर्राष्ट्रीय ई सिम्पोजियम के समापन दिवस पर आयोजित 4 तकनीकी सत्रों में डॉ० एम०ए० खालिद, प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष, इंटीगरल विश्वविद्यालय ने जलवायु परिवर्तन एवं जैवविविधताः मुद्दे व प्रकृति आधारित समाधान, डॉ० सुधीर मेहरोत्रा, प्रोफेसर लखनऊ विश्वविद्यालय ने 'आनुवांशिक का परिवर्तित जीवः महत्व, अनुप्रयोग, चिन्ता एवं जैव विविधता पर प्रभाव', डॉ० वी० इलांगोवन, प्रोफेसर, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने चमगादड़ विविधता एवं संरक्षण, डॉ० एम सिराजुद्दीन, प्रोफेसर, लखनऊ विश्वविद्यालय ने मत्स्य में आनुवांशिक विविधता अनुसन्धान प्रकिया व तकनीक एवं आभा त्रिवेदी, सहायक प्रोफेसर, रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली ने जलवायु परिवर्तन आपदा एवं जैव विविधता पर इसका प्रभाव के विभिन्न पक्षों पर रोचक ढंग से प्रकाश डाला।

देश के विभिन्न भागों से शामिल हुए रिसर्च स्कॉलर व विद्यार्थियों ने आवंटित विषयों पर स्लाईड के माध्यम से प्रस्तुतिकरण किया। द्वि दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय ई सिम्पोजियम का संचालन प्रोफेसर, अमिता कनौजिया लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून, 2021

विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून, 2021 के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा जन्तु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। जागरूकता अभियान में पॉलीथीन का उपयोग न करने का संदेश दिया गया तथा इस अवसर पर निःशुल्क पौधे तथा कागज से निर्मित थैलों का वितरण भी किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस-दिनांक 04 सितम्बर, 2021

अन्तर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस -2021 के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा जन्तु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से गिद्धों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दिनांक 04 सितम्बर, 2021 को ऑनलाईन कार्यक्रम आयोजित किये गये।

वन्य प्राणि सप्ताह का आयोजन- 01-07 अक्टूबर, 2021

वन्य प्राणियों एवं जैव विविधता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से वन्य प्राणि सप्ताह (दिनांक 01-07 अक्टूबर, 2021) के अवसर पर ''वन एवं आजीविका : संवहनीय जन व ग्रह (फॉरेस्ट्स एण्ड लाईवलीहुड : सस्टेनिंग पीपुल एण्ड प्लेनेट)'' विषयवस्तु के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड व जन्तु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वन्य प्राणियों से सम्बन्धित विभिन्न आयामों पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किये गए। इन कार्यक्रमों में विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को वन्य प्राणियों एवं जैव विविधता संरक्षण से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं।

द्वि-दिवसीय "यू0पी0 क्लाईमेट चेंज कॉनक्लेव, 2021" में प्रदर्श मण्डप की स्थापना

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग एवं जर्मन एजेन्सी फॉर डेवलेपमेन्ट कार्पोरेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित द्वि-दिवसीय ''यू0पी0 क्लाईमेट चेंज कॉनक्लेव, 2021'' का आयोजन दिनांक 28-29 अक्टूबर, 2021 को इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया गया।

मा0 मुख्यमन्त्री, उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ एवं 'उत्तर प्रदेश के विरासत वृक्ष' (Heritage Trees of Uttar Pradesh) नामक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा प्रदर्श मण्डप स्थापित कर जैव विविधता व ए0बी0एस0 से सम्बन्धित जानकारी दी गई तथा जिज्ञासुओं की शंका का समाधान किया गया।

दिनांक 21 दिसम्बर, 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव

भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सम्पूर्ण देश में आजादी का अमृत महोत्सव समारोह पूर्वक मनाया जा रहा है। जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 15-25 दिसम्बर, 2021 तक सम्पूर्ण देश में अधिकतम जन भागीदारी सुनिश्चित करते हुए ''सेलीब्रेटिंग रीवर्स ऑफ इण्डिया'' विषयवस्तु पर आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। दिनांक 21.12.2021 को उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से ''जैव विविधता संरक्षण की शपथ'', नेचर वॉक एवं गोमती नदी के तट पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर दिनांक 23 दिसम्बर, 2021 से 28 दिसम्बर, 2021 तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नदी जैव विविधता को संरक्षित करने हेतु डब्लू0डब्लू0एफ0 के सहयोग से आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर नदी उत्सव का आयोजन किया गया। नदी उत्सव के अन्तर्गत गंगा, रामगंगा व काली नदियों के जल संग्रहण क्षेत्र में स्थानीय समुदाय एवं आजीविका हेतु नदियों पर निर्भर व्यक्तियों को नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने, जल संरक्षण एवं जलीय जीवों को संरक्षित करने की आवश्यकता व महत्व बताने हेतु विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम संचालित किये गये।









उपरोक्त वर्णित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों व स्थानीय निवासियों द्वारा उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस-02 फरवरी, 2022

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से संरक्षित क्षेत्र के बाहर अवस्थित 11 वेटलैण्ड्स का सर्वेक्षण लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, बाराबंकी, हरदोई, रायबरेली, गोण्डा व इटावा सहित विभिन्न जनपदों में किया गया। इन दलों ने वेटलैण्ड्स का अभिलेखीकरण एवं वेटलैण्ड्स में पाई जाने वाली वनस्पतियों व वन्य प्राणियों को अभिलिखित किया। वेटलैण्ड्स संरक्षण दल के सदस्यों ने वेटलैण्ड्स संरक्षण के महत्व, भूमिका व प्राप्त होने वाले लाभों एवं वेटलैण्ड्स की आवश्यकता व चुनौतियों के सम्बन्ध में जानकारी देकर स्थानीय समुदाय को जागरूक भी किया।

एशियन वॉटर बर्ड सेन्सेस 12.02.2022

राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण के मार्गदर्शन, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के तत्वावधान एवं लखनऊ विश्वविद्यालय, वन विभाग एवं स्थानीय समुदाय के सक्रिय सहयोग से एशियन वॉटर बर्ड सेन्सेस के अवसर पर दिनांक 12.02.2022 को प्रदेश के विभिन्न वेटलैण्ड्स पर निर्भर पक्षियों की गणना की गई। सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड श्री बी० प्रभाकर ने लखनऊ इकाना स्टेडियम के समीप अवस्थित वेटलैण्ड में प्रोफेसर





अमिता कनौजिया के नेतृत्व में वेटलैण्ड पर आधारित पक्षियों की गणना कर रही टीम को मार्गनिर्देश, पक्षियों के परिवेश, प्राकृतवास व व्यवहार की जानकारी देते हुए पारिस्थितिकी तन्त्र में पक्षियों की भूमिका से अवगत कराया। श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव, राज्य समन्वयक, उत्तर प्रदेश वॉटर बर्ड सेन्सेस-2022 एवं राज्य समन्वयक, इण्डियन बर्ड कन्जर्वेशन नेटवर्क उत्तर प्रदेश चैप्टर (आई०बी०यू०सी०एन०) ने इकाना स्टेडियम के समीप अवस्थित वेटलैण्ड की पृष्ठभूमि, यहाँ पाये जाने वाले विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों व भविष्य में क्षेत्र के विकास के लिए प्रस्तावित योजनाओं तथा एशियन वॉटर बर्ड सेन्सेस-2022 के सम्बन्ध में विस्तार से प्रकाश डाला।

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेश के 9 जनपदों – लखनऊ (इकाना), उन्नाव (नवाबगंज), हरदोई (साण्डी), कन्नौज (लाख बहोसी), रायबरेली (समसपुर), इटावा (सरसईनावार), आगरा (सूर सरोवर), मैनपुरी (समान पक्षी विहार) एवं गोण्डा (पार्वती अरगा) में विद्यार्थियों के दल द्वारा वाटर बर्ड सेन्सेस करवाया गया।

विश्व वन्यजीव दिवस-03 मार्च, 2022

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित ऑनलाईन व्याख्यान में सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड श्री बी० प्रभाकर द्वारा ''बदलते परिदृश्य में वन्यजीव प्रबन्ध (वाईल्डलाईफ मैनेजमेण्ट इन चेंजिंग सिनेरियो) '' विषय पर प्रस्तुतिकरण एवं प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

जैव विविधता उत्सव के विजेताओं को पुरस्कार वितरण

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से दिनांक 12 मार्च, 2022 को विश्व मकड़ी दिवस, दिनांक 14 मार्च, 2022 को विश्व तितली दिवस, दिनांक 20 मार्च, 2022 को विश्व गौरय्या दिवस एवं दिनांक 21 मार्च, 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम व पोस्टर, कोलॉज व वीडियो बनाने की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में तीन वर्गों में 10 शैक्षणिक संस्थानों के कक्षा-4 से परास्नातक तक के लगभग 300 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

विश्व जल दिवस-2022

विश्व जल दिवस के अवसर पर भू-गर्भ जल स्तर में वृद्धि करने में वृक्षों के महत्व व भूमिका की ओर जन सामान्य का ध्यान आकर्षित करने के लिए सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड श्री बी० प्रभाकर ने पिकप भवन परिसर में कचनार का पौध रोपित किया। इस अवसर पर कचनार, बेल, गुलमोहर व मौलश्री सहित विभिन्न देशज प्रजातियों के पौध रोपित किए गए।

क. पूर्ण परियोजना

(1) विरासत वृक्षों का चयन व अभिलेखीकरण

उत्तर प्रदेश जैव विविधता बोर्ड द्वारा वर्ष 2020-21 में लखनऊ विश्वविद्यालय को विरासत वृक्षों के सर्वेक्षण छायांकन अभिलेखीकरण हेतु उत्तर प्रदेश के विरासत वृक्ष नामक परियोजना सवीकृत की गई उक्त परियोजना की अवधि 6 मास व लागत रु० 18,74,400 निर्धारित की गई। वित्तीय वर्ष 2021-22 में विषयगत परियोजना पूर्ण हुई।

- सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के पत्रांक 29/5-2 दिनांक 08.07.2021 (परिशिष्ट 3) द्वारा गैर वन क्षेत्र (सामुदायिक भूमि) पर अवस्थित 28 प्रजातियों– अर्रू, अर्जुन, आम, इमली, कैम, करील, कुसुम, खिरनी, शमी, गम्हार, गूलर, छितवन, चिलबिल, जामुन, नीम, पारिजात, पाकड़, पीपल, पीलू, बरगद, महुआ, महोगनी, मैसूर बरगद, शीशम, साल, सेमल, हल्दू व तुमाल के 948 वृक्षों को विरासत वृक्ष घोषित किया गया।
- हमारे देश में प्राचीन काल से ही वृक्षों के रोपण, संरक्षण एवं संवर्धन की परम्परा रही है। वृक्ष हमारे लिए महत्वपूर्ण संसाधन एवं हमारी सांस्कृतिक धरोहर के अभिन्न अंग हैं। प्रदेश में विलुप्त हो रही वृक्ष प्रजातियों के संरक्षण एवं पौराणिक/ऐतिहासिक अवसरों, महत्वपूर्ण घटनाओं, अति विशिष्ट व्यक्तियों, स्मारकों, धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़े हुए वृक्षों को संरक्षित कर जन सामान्य में वृक्षों के प्रति जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता के दृष्टिगत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन अनुभाग-5 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 859/81-5-2019-07/93 vol.-II दिनांक 08 नवम्बर, 2019 द्वारा विरासत/हेरीटेज वृक्षों के चयन व अभिलेखीकरण हेतु मार्गनिर्देश निर्गत कर मार्ग निर्देश के अनुसार विरासत (हेरीटेज) वृक्षों के चयन व अभिलेखीकरण की कार्यवाही सुनिश्चत किये जाने की अपेक्षा की गई।
- शासनादेश के अनुसार गैर वन क्षेत्र (ग्रामीण व शहरी क्षेत्र) में जैव विविधता प्रबन्ध समिति द्वारा विरासत वृक्षों का चयन कर पंचायत के जैव विविधता रजिस्टर में दर्ज कर ग्राम पंचायत के प्रधान द्वारा सम्बन्धित सूचना खण्ड विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं जिलाधिकारी के माध्यम से एवं शहरी क्षेत्रों में नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी द्वारा जिलाधिकारी के माध्यम से प्रभागीय वनाधिकारी को सूचना उपलब्ध कराये जाने का प्राविधान है। प्रभागीय वनाधिकारियों द्वारा विरासत वृक्ष घोषित करने का संस्तुति सहित प्रस्ताव सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ को प्रेषित किये जाने तथा बोर्ड से अनुमोदन के उपरान्त सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा विरासत वृक्ष घोषित किये जाने हैं।
- शासनादेश के अनुसार वन क्षेत्र में विरासत वृक्षों के चिन्हांकन व घोषणा का कार्य सम्बन्धित मुख्य वन संरक्षक के अनुमोदन के उपरान्त सम्बन्धित प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी/प्रभागीय निदेशक द्वारा किया जायेगा।
- विरासत वृक्षों को प्रभाग की प्रबन्ध योजना में विरासत वृक्ष के रूप में अंकित किया जायेगा।
- विषयगत शासनादेश में गैर वन क्षेत्र (ग्रामीण व शहरी क्षेत्र) में विरासत वृक्षों के चयन के मानक निम्नानुसार निर्धारित किये गये हैं:–
- वृक्ष लगभग 4 पीढ़ी अर्थात् 100 वर्ष से अधिक का हो।
- वृक्ष पौराणिक घटनाओं, ऐतिहासिक, अवसरों, महत्वपूर्ण घटनाओं, अति विशिष्ट व्यक्तियों, स्मारकों, धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़ा हो।
- वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष (सेक्रेड ग्रोव्स) के रूप में पूजा की जाती हो।
- वृक्ष विलुप्त हो रही प्रजाति का हो अथवा वृक्ष प्रजाति प्रथम बार पहचानी गयी हो

- भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण संस्थान (बॉटेनिकल सर्वेक्षण ऑफ इण्डिया) द्वारा प्रकाशित संकटाग्रस्त प्रजातियों की रिपोर्ट में दर्शाई गयी प्रजाति का वृक्ष।
- वृक्ष सामुदायिक भूमि पर अवस्थित हो तथा भूमि सम्बन्धी कोई विवाद न हो।
- ऐसा वृक्ष जिसकी विशिष्ट विशेषताएं, उस प्रजाति की सामान्य विशेषताओं से भिन्न हों।

उपरोक्त मानकों में से यदि कोई एक मानक भी पूर्ण होता है तो उस वृक्ष को विरासत वृक्ष के रूप में चयनित किया जा सकता है।

➢ वन क्षेत्र में विरासत वृक्ष चयन के मानकः–

- ऐसे वृक्ष की प्रजाति जिनका व्यास कार्ययोजना में प्राविधानित आवर्तन काल (रोटेशन/एक्सप्लाय-टेबल) से अधिक हो तथा न्यूनतम आयु 100 वर्ष हो।
- स्थानिक वृक्ष (इनडेमिक प्लान्ट) हो।
- वृक्ष पौराणिक घटनाओं, ऐतिहासिक, अवसरों, महत्वपूर्ण घटनाओं, अति विशिष्ट व्यक्तियों, स्मारकों, धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़ा हो।
- वृक्ष विलुप्त हो रही प्रजाति का हो अथवा वृक्ष प्रजाति प्रथम बार पहचानी गयी हो।
- भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण संस्थान द्वारा प्रकाशित संकटग्रस्त प्रजातियों की रिपोर्ट में दर्शाई गयी प्रजाति का वृक्ष।
- ऐसे वृक्ष जिनका पुनर्जनन नहीं हो रहा है को विरासत वृक्ष के रूप में चयनित किया जाय।
- मातृ वृक्ष (मदर ट्री) का चयन विरासत वृक्ष के रूप में किया जाय।
- ऐसा वृक्ष जिसकी विशिष्ट विशेषताएँ, उस प्रजाति की सामान्य विशेषताओं से भिन्न हों।

उपरोक्त मानकों में से यदि कोई एक मानक भी पूर्ण होता है तो उस वृक्ष को विरासत वृक्ष के रूप में चयनित किया जा सकता है।



उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा वन भूमि के बाहर सामुदायिक भूमि पर अवस्थित 28 प्रजातियों के 948 वृक्षों को विरासत वृक्ष घोषित करने के उपरान्त परियोजना के अन्तर्गत 'उत्तर प्रदेश के विरासत वृक्ष (Heritage Trees of Uttar Pradesh) नामक कॉफी टेबल बुक प्रकाशित की गई।

(2) स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान ऑफ उत्तर प्रदेश

- राज्य स्तर पर स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान (एस०बी०एस०ए०पी०) बनाये जाने हेतु उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा प्रेषित परियोजना को यूनाईटेड नेशन्स डेवलेपमेन्ट प्रोग्राम (यू०एन०डी०पी०) द्वारा 18 माह की अवधि (दिनांक 01 दिसम्बर, 2018 से दिनांक 30 जून, 2020 तक) हेतु स्वीकृति प्रदान की गई।
- उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की दिनांक 17.05.2019 को आयोजित बीसवीं बोर्ड बैठक में स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान ऑफ उत्तर प्रदेश (एस०बी०एस०ए०पी०) तैयार करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- उ०प्र० का स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान (एस०बी०एस०ए०पी०) तैयार किये जाने का दायित्व भारतीय वन्यजीव संस्थान, चन्द्रबनी, देहरादून को दिया गया।
- उक्त परियोजना में भारतीय वन्यजीव संस्थान, चन्द्रबनी, देहरादून उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड का तकनीकी साझेदार (तकनीकी पार्टनर) है।
- जैव विविधता हेतु रणनीतिक नियोजन तथा वर्ष 2010 में सी०बी०डी० द्वारा आईची बायोडाईवर्सिटी लक्ष्य नगोया जापान के अनुपालन में भारत द्वारा 12 राष्ट्रीय जैव विविधता लक्ष्य (एन०बी०टी०) तथा संशोधित राष्ट्रीय जैव विविधता रणनीति एवं कार्ययोजना (एन०बी०ए०पी०) 2014 में तैयार की गयी।




Release of
Uttar Pradesh State Biodiversity
Strategy and Action Plan 2021-2030
Sh. Manoj Singh, IAS


विमोचन
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता
रणनीति एवं कार्य योजना 2021-2030
Release of
Uttar Pradesh State Biodiversity
Strategy and Action Plan 2021-2030

- कोविड-19 महामारी तथा अपरिहार्य कारणोंवश दिनांक 30.06.2020 तक परियोजना पूर्ण न हो पाने के कारण यू०एन०डी०पी० से परियोजना का समय विस्तरण हेतु अनुरोध किया गया। यू०एन०डी०पी० द्वारा प्रश्नगत परियोजना को 31 दिसम्बर, 2021 तक की अवधि हेतु बिना अतिरिक्त लागत के अवधि विस्तार प्रदान किया गया।
- परियोजना की कार्यावधि में यू०पी०एस०बी०एस०ए०पी० तैयार करने की प्रक्रिया में बोर्ड द्वारा विभिन्न लाईन डिपाटमेन्ट्स (वन, मत्स्य, उद्यान, कृषि, पशुपालन) से पत्राचार किया गया तथा भारतीय वन्यजीव संस्थान, चन्द्रबनी, देहरादून के प्रतिनिधियों द्वारा संपर्क कर एस०बी०एस०ए०पी० में सम्बन्धित विभागों से ऑकड़े एकत्रित करने का कार्य किया गया।
- यू०पी०एस०बी०एस०ए०पी० तैयार करने की प्रक्रिया में लाईन डिपार्टमेन्ट्स, जैव विविधता प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों, प्रगतिशील कृषकों, जैव संसाधन उत्पादक/व्यापारी/विनिर्माता सहित विभिन्न स्टेक होल्डर्स के साथ विचार-विमर्श करने हेतु दिनांक 08 व 09 सितम्बर, 2021 को लखनऊ में रीजनल कन्सल्टेशन वर्कशाप आयोजित की गई।
- उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड ने पत्र संख्या-317/4-14(15) दिनांक 21.12.2021 द्वारा यू०पी०एस० बी०एस०ए०पी० को अन्तिम रूप देने हेतु यू०एन०डी०पी० से 1 मास की अवधि अर्थात् 31.01.2022 तक पूर्ण करने हेतु अवधि विस्तार का अनुरोध किया।
- दिनांक 28.12.2021 को भारतीय वन्यजीव संस्थान, चन्द्रबनी, देहरादून द्वारा ईमेल के माध्यम से स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान ऑफ उत्तर प्रदेश की ड्राफ्ट रिपोर्ट तैयार कर उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड को प्रेषित की गई।
- स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान ऑफ उत्तर प्रदेश को अन्तिम रूप देने से पूर्व बोर्ड के गैर सरकारी सदस्यों एवं अध्यक्ष, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण को ड्राफ्ट रिपोर्ट प्रेषित करते हुए अभिमत/बहुमूल्य सुझाव देने का अनुरोध किया गया। उक्त क्रम में बोर्ड के गैर सरकारी सदस्यों श्री ए०के० गोयल, डॉ० ए० के० सिंह, डॉ० एस०पी० सिंह व डॉ० डेन्जिल गॉडिन एवं अध्यक्ष, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण द्वारा प्रेषित सुझाव/अभिमत को अन्तिम रिपोर्ट में शामिल किया गया।

दिनांक 22.03.2022 को उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की 23वीं बैठक में स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान ऑफ उत्तर प्रदेश अनुमोदित किया गया।

ख. चालू परियोजना

बोर्ड द्वारा स्वीकृत एवं वित्त पोषित प्रोजेक्ट की वर्तमान प्रगतिः–

''उत्तर प्रदेश में क्षमता निर्माण एवं गिद्ध मानचित्रण (कैपेसिटी बिल्डिंग एण्ड वल्चर मैपिंग इन उत्तर प्रदेश)'' नामक परियोजना उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा दो वर्ष की अवधि अर्थात 02 सितम्बर, 2019 से दो वर्षों की अवधि तक स्वीकृत की गई। परियोजना की कुल लागत रु० 30,76,800 मात्र निर्धारित है। उक्त परियोजना के अनुबन्ध पत्र पर दिनांक 01.09.2019 को सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा हस्ताक्षर किए गए तथा इस कार्यालय के पत्रांक 111/3-12/2019 दिनांक 02.09.2019 द्वारा प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन हेतु रु० 5,00,000 का भुगतान किया गया।

विषयगत परियोजना के निर्धारित कार्य व प्रगति विवरण निम्नानुसार है –

क्रम सं०	निर्धारित कार्य	प्रगति विवरण
1	विषयगत परियोजना की समय सारिणी के अनुसार प्रत्येक वर्ष के अन्त में परियोजना की वार्षिक रिपोर्ट।	जनवरी से जून, 2021 तक प्रत्येक त्रैमास की प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध करवाई गई।
2	प्रथम व द्वितीय वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट।	वर्ष 2019, 2020 एवं 2021 की वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध करवाई गई।
3	स्थानीय व्यक्तियों, समुदायों व जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के क्षमता निर्माण हेतु किए गए प्रयासों का विवरण ।	6 जनपदों में आयोजित एक दिवसीय कार्यशालाओं में स्थानीय समुदाय/जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के 930 व्यक्ति शामिल हुए।
4	वन एवं वन्य जीव विभाग के कर्मचारियों की क्षमता विकास हेतु किए गए प्रयासों का विवरण।	वन कार्मिकों के लिए 21 से 30 सितम्बर, 2021 तक राज्य स्तरीय ऑन लाईन कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में 375 वन कार्मिकों ने प्रतिभाग किया।
5	दिनांक 16.06.2021 को प्रदेश में कराई गई प्रथम गिद्ध गणना में आंकलित गिद्धों की संख्या।	• 15 जनवरी, 2021 को प्रथम गिद्ध गणना में 13 जनपदों से रिपोर्ट प्राप्त हुई। उक्त रिपोर्ट के अनुसार 13 जनपदों में 1253 गिद्ध पाए गए।

क्रम सं०	निर्धारित कार्य	प्रगति का विवरण
		• द्वितीय गिद्ध गणना 16 जून, 2021 को करवाई गई मात्र फिरोजाबाद जनपद से रिपोर्ट प्राप्त हुई।
6	प्रथम गिद्ध गणना में जिन क्षेत्रों में गिद्ध पाए गये वहाँ के आस-पास के क्षेत्रों में जैव विविधता की स्थिति।	प्रथम गिद्ध गणना एवं आस-पास के क्षेत्र में जैव विविधता की स्थिति (संलग्नक-1 है।
7	परियोजना की अवधि विस्तारित करने का कारण व अवशेष कार्यों का विवरण	15 जनवरी, 2022 एवं 15 जून, 2022 को पुनः गणना करवाया जाना प्रस्तावित है।

संलग्नक-1

गिद्ध गणना एवं जैव विविधता की स्थिति

क्रम सं०	जनपद	गिद्धों की संख्या		जैव विविधता की स्थिति
		वयस्क	अवयस्क	
1	बदायूँ	00	00	शहरी पक्षी बहुल मॉडरेट जैव विविधता।
2	कासगंज	00	00	शहरी पक्षी बहुल मॉडरेट जैव विविधता ।
3	शाहजहाँपुर	56	00	सारस व प्रवासी पक्षियों के परिदृश्य सहित समृद्ध पक्षी विविधता ।
4	गाजियाबाद	00	00	ब्लैक काईट्स की बहुलता के साथ अच्छी शहरी जैव विविधता ।
5	उन्नाव	208	106	सारस, रेप्टर, खेतों में पाए जाने वाले पक्षी एवं प्रवासी पक्षियों की बहुलता सहित समृद्ध पक्षी विविधता।
6	गोंडा	312	27	खेतों में पाए जाने वाले पक्षियों की बहुत अधिक संख्या के साथ मॉडरेट जैव विविधता।
7	पीलीभीत	02	00	वनों में पाए जाने वाले पक्षियों व वन्य प्राणियों की बहुत अधिक संख्या के साथ अत्यधिक समृद्ध जैव विविधता।
8	आगरा आगरा नेशनल चम्बल वन्य जीव विहार	56 14	11 00	जल पक्षियों की विदेशी प्रजातियों की बहुलता के साथ समृद्ध जैव विविधता।
9	मथुरा	00	00	शहरी पक्षी बहुल मॉडरेट जैव विविधता।
10	बहराईच, कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग	159	00	पक्षी व वन क्षेत्र बहुलता के साथ समृद्ध जैव विविधता।
11	लखनऊ	00	00	रेप्टर व अन्य पक्षियों की बहुलता के साथ जैव विविधता समृद्ध शहरी क्षेत्र।
12	सहारनपुर, शिवालिक वन प्रभाग, सहारनपुर	00 03	00 00	वन्य प्राणियों व वन क्षेत्रों के साथ रेप्टर समृद्ध क्षेत्र।
13	लखीमपुर खीरी, दुधवा टाईगर रिजर्व, उत्तर खीरी वन प्रभाग	191 04	104 00	पक्षियों की बहुलता व वन क्षेत्र की प्रमुखता के साथ जैव विविधता समृद्ध क्षेत्र।
	कुल	**1105**	**148**	

क्रम सं०	विवरण (लुप्तप्राय परियोजना, लखनऊ)	गिद्धों की संख्या		जैव विविधता की स्थिति
		वयस्क	अवयस्क	
1	लाख बहोसी पक्षी विहार, कन्नौज	29	09	गीदड़, नीलगाय, फिशिंग कैट व मंगूज सहित विभिन्न आकर्षक प्रवासी पक्षियों का प्राकृतवास।
2	साण्डी पक्षी विहार, हरदोई	00	00	विभिन्न जल पक्षी व सामान्य प्रवासी पक्षी।
3	समसपुर पक्षी विहार, रायबरेली	00	00	विभिन्न लुप्तप्राय पक्षियों सहित प्रवासी व स्थानीय पक्षियों से समृद्ध क्षेत्र।
4	शहीद चन्द्र शेखर आजाद पक्षी विहार, नवाबगंज, उन्नाव	00	00	विभिन्न लुप्तप्राय पक्षियों सहित प्रवासी व स्थानीय पक्षियों से समृद्ध क्षेत्र।
	कुल	**29**	**09**	

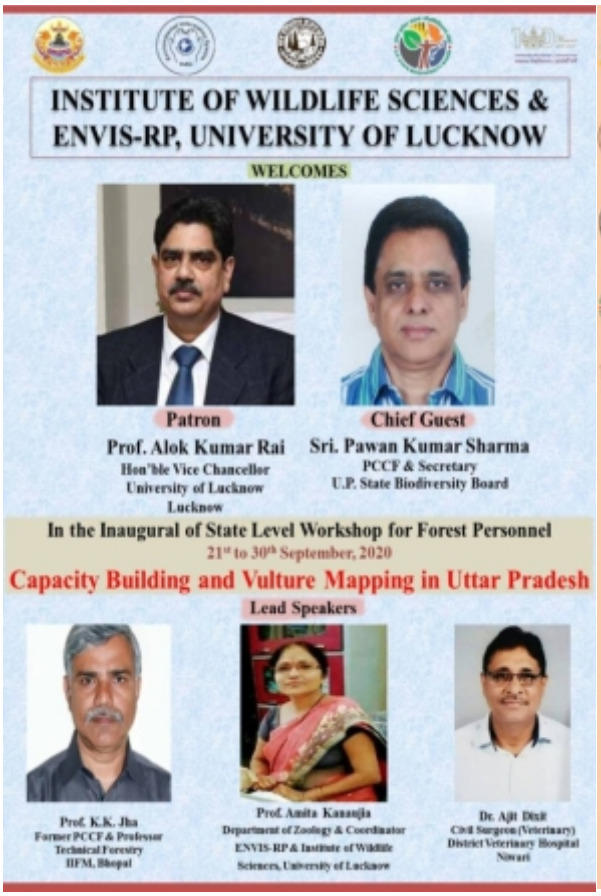






















गिद्ध गणना दिवस पर स्थानीय व्यक्तियों एवं जैव विविधता प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ विचार विमर्श

गिद्ध जागरुकता सामग्री

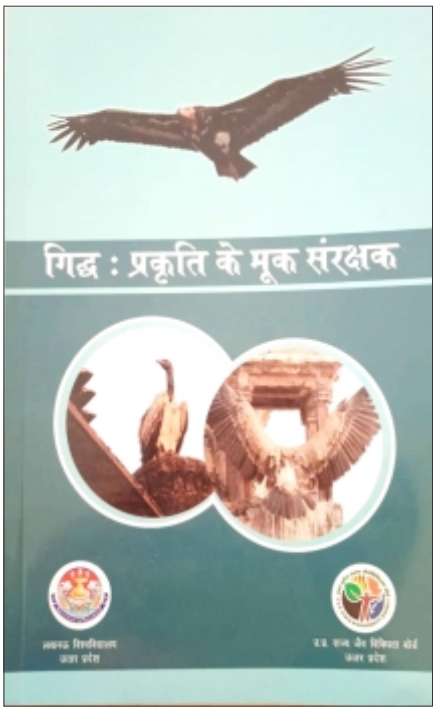



Project activities in Newspapers\

First state-wide vulture census on Jan 15 using scientific tech

NehaShukla @timesgroup.com

Lucknow: Vultures are not only lesser spotted but also little is known about them. The first scientific study of vultures in UP will help find out more on the threatened species.

UP State Biodiversity Board has issued directions to DFOs to conduct a state-wide census using GIS mapping on January 15. January is the period when eggs would have been hatched and chicks could be spotted.

Vulture census and survey is the project of the UP State Biodiversity Board, which will be carried out by the Institute of Wildlife Sciences (IWS), Lucknow University. Forest department's field staff, including guards, rangers and DFOs, was trained in September and were told to identify one specie of vulture from another.

The staff was also told about the possible hideouts and habitats of different species. The nesting, roosting, breeding and mating sites have to be identified.

Vultures are decreasing in UP given the threats. Traditionally found in the Terai and Bundelkhand region, sightings have reduced of late even in these regions.

Besides habitat destruction, vultures are killed for skin and eyes (it's believed one can locate a treasure by using 'surma' prepared by using eyes of the vulture).

To revive and conserve its population, the foremost need is to have a data on its numbers, spread, density, behaviour and habitat.

Vultures are monogamous. The pair that is formed, after a long courtship, where the interested ones fly together in 'tandem' and are into allopreening (preening and grooming each other's skin or feathers), is for a lifetime.

Besides, the permanent residents of UP have a darker skin, while the migratory ones have pink feet.

LU institute to carry out census

Vultures census and survey, a project of the UP State Biodiversity Board, will be carried out by the Institute of Wildlife Sciences (IWS), Lucknow University. "We will seek the board's permission to do it around mid-January after the sarus census is done," said Prof Amita Kannaujia, coordinator, IWS, LU. In September, the forest department's field staff was told to identify at least one specie of vulture. TNN

Local committees to conserve biodiversity in every village

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The state government has constituted biodiversity management committees (BMCs) at the level of every gram panchayat to help conserve biodiversity at the local level. There are around 59,000 BMCs constituted under the village pradhan.

UP State Biodiversity Board will involve the committees in conservation of vultures.

"The committees in vulture-dominant regions will be encouraged to help in vulture conservation as the job can be done best at the local level," said Prof Amita Kannaujia, coordinator, Institute of Wildlife Sciences at LU.

Vulture census will be conducted all over the state on Friday. The census will also have observers to oversee the exercise independently. Organizations and individuals working for the cause of wildlife conservation will be observers.

Vulture census to be held tomorrow

NEED FOR MORE DATA

- Vultures are protected under Schedule (I) of Wildlife Protection Act and are critically endangered
- Vultures are on a wane in UP. Found in Terai and Bundelkhand region, sightings have reduced
- To revive and conserve its population, the foremost need is to have data on its numbers, spread, density, behaviour and habitat

UP HOME TO 8 SPECIES

- White-backed, long-billed, slender-billed; Egyptian and King vulture are residents
- Cinereous, griffon and Himalayan griffon are migratory



NehaShukla@timesgroup.com

Lucknow: A vulture spotted sitting in its nest is an indication that there could be an egg. The pair never leaves the egg alone. At least one parent is always incubating it. October to December is the mating and breeding time of vultures. By January the chick is out after incubation period of 45 days.

Armed with facts like these, the forest department field staff will take up the vulture census on January 15 using GPS in the state. The field staff in all divisions will start survey at 6.30am.

"Vulture is a big creature and that makes sighting easy," said Prof Amita Kannaujia, coordinator, Institute of Wildlife Sciences, LU. The census is being done by UP State Biodiversity Board and Institute of Wildlife Sciences, LU.

Vultures are monogamous. The pair is formed after a long courtship and for a lifetime. The pair lays only one egg in a mating season. Survival rate of the chicks is very low. The census will find out locations where different species nest, roost, mate and breed. The sites may be close to each other.

Vultures being colonial beings are easy to search for. Except the King Vulture which is mostly found as a single pair, others flock together.

Vulture census done, details by next week

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The vulture census was conducted in the state on Friday. Forest divisions will compile the data. The compiled data will be forwarded to the Institute of Wildlife Science (IWS), Lucknow University, by the state biodiversity board.

"The compiled data for each division is expected by next week. It will be analysed to gather maximum information on vultures," said Prof Amita Kannaujia, coordinator, IWS.



Vultures at a dumping site in Shahjahanpur

On Friday, vultures were spotted in Unnao, Barabanki, Moradabad, Bareilly, Chitrakoot, Pilibhit, Gonda, Etawah, Shahjahanpur, Noida and other districts.

The census workers collected data on species spotted, locations, number of vultures seen, chicks and eggs, number and location of nests and also the vulture species that the staff could not identify.

This was the first statewide census done in the morning and evening shift to locate the breeding, mating, nesting and roosting sites of vultures besides counting their numbers and collecting other details about the population.

दिनांक 22.03.2022 को आहूत बोर्ड की तेईंसवी बैठक में विषयगत परियोजना को मार्च, 2023 तक बिना किसी अतिरिक्त लागत के अवधि विस्तार प्रदान करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। प्रस्ताव इस निर्देश के साथ अनुमोदित किया गया कि ''परियोजना को समयबद्ध रूप से करने व गुणवत्ता बनाए रखने की समीक्षा करने हेतु सलाहकार, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की अध्यक्षता में समिति गठित की जाए। समिति में श्री ए०के० सिंह, गैर सरकारी सदस्य, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधत बोर्ड को भी सदस्य के रूप में शामिल किया जाय।''

उक्त क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड कार्यालय के पत्रांक 619/3-12 दिनांक 12.04.2022 (परिशिष्ट 4) द्वारा सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की अध्यक्षता में समिति गठित की गई।

जन जैव विविधता पंजिका की गुणवत्ता, मूल्यांकन व अनुश्रवण हेतु राज्य स्तरीय समिति का गठन

उत्तर प्रदेश रय जैव विविधता बोर्ड के पत्रांक 712/4-11(33) दिनांक 23.03.2021 द्वारा डॉ० रूपक डे की अध्यक्षता में जन जैव विविधता पंजिका (पी०बी०आर०) की गुणवत्ता, मूल्यांकन व अनुश्रवण हेतु निम्नानुसार राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गयाः–

क्रम सं०	नाम	पदनाम	अध्यक्ष / सदस्य
1	डॉ० रूपक डे	हेड ऑफ फारेस्ट फोर्स / प्रधान मुख्य वन संरक्षक (से०नि०) उ०प्र०	अध्यक्ष
2	डॉ० एस०के० श्रीवास्तव	संयुक्त निदेशक (से०नि०) बॉटेनिकल सर्वे ऑफ इण्डिया	सदस्य
3	डॉ० ए०के० गोयल	गैर सरकारी सदस्य, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड	सदस्य
4	डॉ० एम० पी० सिंह	मुख्य वन संरक्षक (से०नि०)	सदस्य
5	डॉ० मेंही लाल	पूर्व विशेषज्ञ सदस्य, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड	सदस्य
6	डॉ० वी० के० पाण्डे	समाजशास्त्री वन विभाग (से०नि०)	सदस्य
7	श्री के०के० तिवारी	महा प्रबन्धक (प्रशासन), उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड	सदस्य सचिव

❖ **समिति के विचारार्थ विषय (टर्म्स ऑफ रिफरेन्स) निम्नानुसार होंगेः–**

- जैव विविधता अधिनियम, 2002 व जैव विविधता नियम, 2004 एवं समय-समय पर निर्गत मार्गनिर्देशों के आलोक में जन जैव विविधता पंजिका (पी०बी०आर०) की गुणवत्ता निर्धारण परीक्षण व देखरेख हेतु प्रक्रिया का निर्धारण।
- जन जैव विविधता पंजिका (पी०बी०आर०) तैयार करने के दौरान जैव विविधता प्रबन्ध समितियों (बी०एम०सी०) से विचार-विमर्श, प्रशिक्षण व सुझाव दिया जाना।
- समिति द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड को प्रत्येक 03 माह में रिपोर्ट प्रस्तुत करना तथा प्रथम रिपोर्ट 15 मई, 2021 तक प्रस्तुत करना।

समिति के गैर सरकारी सदस्यों को प्रत्येक बैठक हेतु रु० 2000 (रुपये दो हजार मात्र) मानदेय के रूप में दिया जाएगा।

उक्त समिति की प्रथम बैठक 08 अक्टूबर, 2021 एवं द्वितीय बैठक 25.11.2021 को आयोजित हुई। समिति गठन का पत्र व बैठक का कार्यवृत्त परिशिष्ट 5, 6 व 7 के रूप में संलग्न है।

उत्तर प्रदेश की राज्य जैव विविधता रणनीति एवं कार्ययोजना का विमोचन

अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन एवं अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड श्री मनोज सिंह ने दिनांक 28.01.2022 को बोर्ड के सभाकक्ष में उत्तर प्रदेश की राज्य जैव विविधता रणनीति एवं कार्ययोजना (उत्तर प्रदेश स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान) रिपोर्ट का विमोचन किया।

इस अवसर पर श्री सिंह ने उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून को सराहनीय कार्य हेतु बधाई देते हुए कहा कि कार्ययोजना में वर्तमान में संचालित विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों एवं वन, कृषि, उद्यान, पशुधन विकास व मत्स्य जैसे पाँच कोर-सेक्टर तथा सिंचाई व जल संसाधन, ग्राम्य विकास, नगर विकास, पंचायती राज एवं जनजाति विकास जैसे पाँच नॉन-कोर-सेक्टर को जैव विविधता संरक्षण हेतु बजट आवंटन के सम्बन्ध में पर्याप्त विवरण दिया गया है। श्री सिंह ने कहा कि राज्य सरकार वैश्विक व राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के प्रति पूर्णतया जागरूक होने के साथ ही मानव कल्याण, समृद्धि एवं आर्थिक-सामाजिक विकास हेतु जैव विविधता क्षरण को रोकने, अवनत पारिस्थितिकी तन्त्र की पुनर्स्थापना एवं संकटग्रस्त, दुर्लभ व लुप्तप्राय प्रजातियों के पुनर्वास हेतु भी निरन्तर प्रयासरत् है। अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन श्री मनोज सिंह ने विश्वास दिलाया कि उत्तर प्रदेश स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी व एक्शन प्लॉन के प्रभावी कियान्वयन हेतु राज्य सरकार द्वारा अपेक्षानुसार पूर्ण सहयोग दिया जाएगा।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश/सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड श्री पवन कुमार शर्मा ने कहा कि बहु क्षेत्रीय, बहु विषयक, बहु स्तरीय एवं विभिन्न हितधारकों (मल्टी स्टेकहोल्डर्स) के हित जुड़े होने, जैव विविधता संरक्षण एक वृहद् विषय होने एवं जैव विविधता अधिनियम के नए प्राविधानों के आलोक में जैव विविधता संरक्षण हेतु भिन्न-भिन्न स्तरों पर जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों, विभागों एवं एजेंसियों की भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर श्री शर्मा ने यू०एन०डी०पी०, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, भारतीय वन्यजीव संस्थान, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के सदस्यों, उत्तर प्रदेश शासन एवं विभिन्न लाईन डिपार्टमेन्ट्स व स्टेक होल्डर्स को कार्ययोजना तैयार करने की प्रक्रिया में दिए गए सहयोग व मार्गदर्शन हेतु आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

विमोचन कार्यक्रम में ऑनलाईन शामिल हुए अध्यक्ष, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण डॉ० वी०बी० माथुर ने यू०एन०डी०पी० के वित्त पोषण व भारतीय वन्य जीव संस्थान के तकनीकी सहयोग से विषयगत कार्ययोजना तैयार करने हेतु उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्ययोजना में जैव संसाधनों के संरक्षण एवं संवहनीय उपयोग के लिए नीति की रूपरेखा तैयार करने के साथ ही जैव संसाधनों की वर्तमान स्थिति, क्षरण के कारणों को चिन्हित करने की प्रकिया तथा भविष्य की कार्यवाही हेतु विशिष्ट कार्यक्रम व मार्गनिर्देश का समावेश किया गया है।

डॉ० रूचि पन्त, यू०एन०डी०पी० ने कहा कि उत्तर प्रदेश द्वारा तैयार की गई उत्तर प्रदेश स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लॉन देश के अन्य राज्यों को भी कार्ययोजना तैयार करने हेतु प्रेरित करेगा।

निदेशक, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून श्री धनंजय मोहन ने कहा कियू०एन०डी०पी० द्वारा वित्त पोषित परियोजना के तकनीकी पार्टनर भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून द्वारा विषयगत कार्ययोजना में सभी वर्गों

की चिंताओं व विचारों को शामिल करते हुए समस्त स्टेक होल्डर्स का सहयोग प्राप्त करने तथा जैव विविधता को मुख्य धारा में लाने हेतु समस्त क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

डॉ० पी०के० माथुर, सलाहकार, स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान ऑफ उत्तर प्रदेश ने कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण करते हुए कहा कि कार्ययोजना तैयार करते समय वैश्विक स्तर पर जैव विविधता परिदृश्य में परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण की नवीन अवधारणा, विभिन्न भू-दृश्य (लैण्ड स्केप्स) विभिन्न क्षेत्रों में समन्वय की आवश्यकता, प्राकृतिक संसाधनों पर विगत दो शताब्दियों में बढ़ता मानवीय हस्ताक्षेप एवं जैव विविधता प्रबन्धन में बढ़ती चुनौतियों को ध्यान में रखा गया है।

डॉ० रूचि बडोला, प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर ने मुख्य अतिथि, वरिष्ठ अधिकारियों व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान तैयार करने की पृष्ठभूमि व प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उत्तर प्रदेश स्टेट बायोडाईवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लॉन रिपोर्ट के विमोचन कार्यक्रम में बोर्ड के गैर सरकारी सदस्यों– डॉ० एन०एन० मेहरोत्रा, डॉ० डेन्जिल जे गॉडिन, डॉ० ए०के० सिंह, डॉ० एस०पी० सिंह, डॉ० ए०के० गोयल एवं विभिन्न लाईन डिपार्टमेन्ट्स से आए अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।



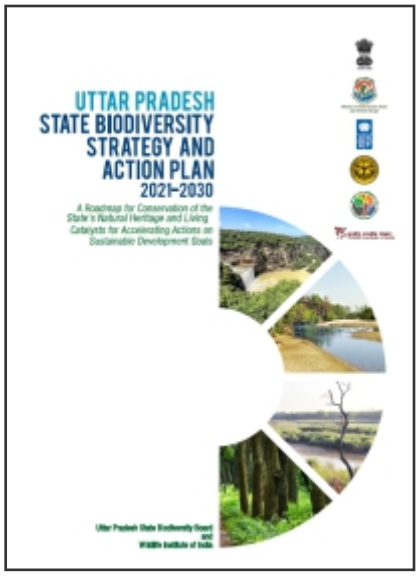

फ्लायर्स:


Uttar Pradesh : Domestic Animal Diversity
1
Jamunapari Goat
Uttar Pradesh State Biodiversity Board


Uttar Pradesh : Domestic Animal Diversity
2
Barbari Goat
Uttar Pradesh State Biodiversity Board

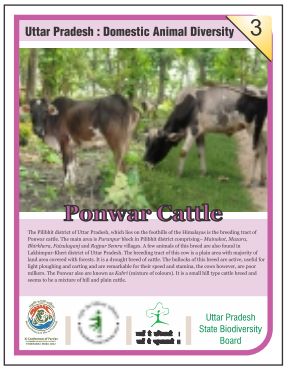
Uttar Pradesh : Domestic Animal Diversity
3
Ponwar Cattle
Uttar Pradesh State Biodiversity Board

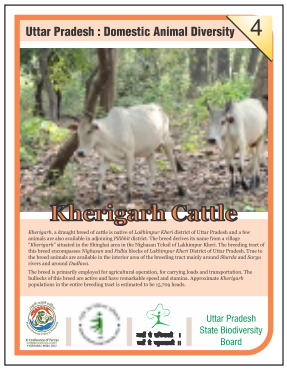
Uttar Pradesh : Domestic Animal Diversity
4
Kherigarh Cattle
Uttar Pradesh State Biodiversity Board


Uttar Pradesh : Domestic Animal Diversity
5
Gangatiri Cattle
Uttar Pradesh State Biodiversity Board


Uttar Pradesh : Domestic Animal Diversity
6
Bhadawari Buffalo
Uttar Pradesh State Biodiversity Board


Uttar Pradesh : Wild Relative of Domesticated Species
7
Red Jungle Fowl
Uttar Pradesh State Biodiversity Board


Uttar Pradesh : Horticultural Diversity
8
Jaunpuri Newar Mooli
Uttar Pradesh State Biodiversity Board


Uttar Pradesh : Horticultural Diversity
9
Ramnagar Giant Brinjal
Uttar Pradesh State Biodiversity Board


Uttar Pradesh : Agricultural Diversity
10
Kalanamak Rice
Uttar Pradesh State Biodiversity Board


UTTAR PRADESH
11
State Symbols
Uttar Pradesh State Biodiversity Board

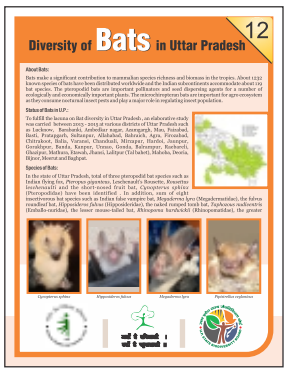
Diversity of Bats in Uttar Pradesh
12

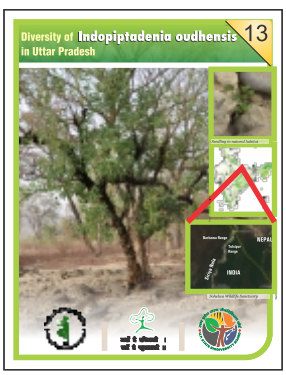
Diversity of Indopiptadenia oudhensis in Uttar Pradesh
13


Ocimum africanum:
A new distributional record for Uttar Pradesh
14


नीम (अजाडिरेक्टा इण्डिका)
14


सहजन (मोरिंगा ओलीफेरा)
16


बेल (ईगल मार्मेलोज) 17


17 पीपल (फाइकस रेलीजियोसा)
Uttar Pradesh State Biodiversity Board


18 भेड़िया (कोनिस लूपस)
Uttar Pradesh State Biodiversity Board


गेण्डा (राइनोसिरास यूनिकार्निस) 18

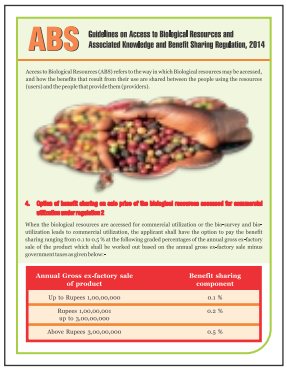
ABS
Guidelines on Access to Biological Resources and Associated Knowledge and Benefit Sharing Regulation, 2014

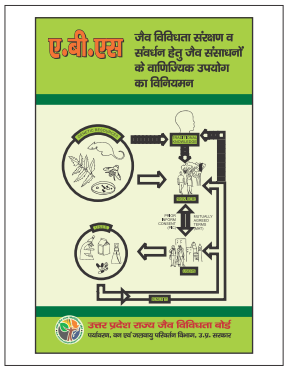
ए.बी.एस
जैव विविधता संरक्षण व संवर्धन हेतु जैव संसाधनों के वाणिज्यिक उपयोग का विनियमन
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड


प्यारी गौरैया
आओ घर बुलाएं गौरैया
गौरैया संरक्षण केन्द्र, लखनऊ

फ्लायर्सः


तितली
"रोपालोसेरा (Rhopalocera)"
लगाएं तो वे आपको बारिश के इस मौसम में पार्कों के कम व्यस्त हिस्सों की झाड़ियों में, बगीचों, सड़क और रेलवे लाइनों के किनारे उगने वाले वनफूलों की झाड़ियों पर मंडराती जरूर दिख जाएंगी।
तितलियों की पृष्ठभूमि में जाय तो पायेंगे कि भारत में तितलियों का नामकरण ब्रिटिश अध्ययनकर्ताओं– सैन्य अधिकारी या शिकारी ने दिया। इसीलिए शायद तितलियों के नामों में जंगल के प्राणियों और मिलिट्री रैंक जुड़े हुए से लगते हैं (जैसे प्लेन टाइगर तितली, कमांडर तितली आदि)।
देखा आपने हमारी तितली कितनी विविधताओं से भरी होती है। तितली का फूलों से कितना नाता है। आज हमनें जाना की तितली हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। रंग बिरंगी तितली बच्चों को कितनी भाती है। हल्के से वॉइब्रेशन को महसूस कर उड़ जाती है। एक मशहूर गीत में क्या खूब लिखा है कि "तितली उड़ी, उड़ जो चली, फूल ने कहा, आ जा मेरे पास..."। परन्तु इन सब के बावजूद आज भी आम लोगों की इनमें कोई खास रुचि नहीं है। क्यों? शायद बेहत्तर जानकारी का अभाव। प्रकृति की इस खूबसूरत कीट में भी एक शानदार जीवन निवास करता है। हाँ, पर बच्चों की प्यारी होती हैं रंगबिरंगी ये तितलियाँ!!
लेखिका
नीना कुमार
शिक्षा अधिकारी, लखनऊ प्राणि उद्यान
zoo edu. 7.3.2022
Email : educationofficerzoolko@gmail.com
जैव विविधता संरक्षण व संवर्धन जागरुकता अभियान के अन्तर्गत मुद्रित
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड
ईस्ट विंग, तीसरी मंजिल, ए-ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड,
गोमती नगर, लखनऊ-226 010, उ०प्र०, भारत, दूरभाष : 0522 4006746
ईमेल : upstatebiodiversityboard@gmail.com
वेबसाईट : www.upsbdb.org
मुद्रित प्रतियाँ – 1000
प्रकाशन वर्ष – 2022
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

- वृक्ष भूमि को मरुस्थल बनने से रोकते हैं तथा भूमि की उर्वरा शक्ति में वृद्धि करते हैं।
- खेत की मेड़ों पर लगे वृक्ष, फसल की तेज हवा से रक्षा करते हैं। इस प्रकार वृक्ष "शैल्टर बेल्ट" का काम करते हैं।
- वन, क्षेत्र की शोभा में वृद्धि करते हैं, फलस्वरूप क्षेत्र के पर्यटन मानचित्र में आने से इको पर्यटन को बढ़ावा मिलता है।

वनों के इतने अधिक लागकारी होने के उपरान्त भी वन संरक्षण के प्रति सामान्य जन के उदासीन बने रहने के कारणों पर गम्भीरता से विचार करना आवश्यक है। वनों से होने वाले प्रत्यक्ष व परोक्ष लाभ सतत् रूप से प्राप्त करने हेतु आवश्यक है कि वन निर्धारित मानक से कम न हों। राष्ट्रीय वन नीति 1988 एवं उत्तर प्रदेश राज्य वन नीति 2017 के अनुसार देश व प्रदेश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 33% भाग वनाच्छादित व वृक्षाच्छादित होना चाहिए किन्तु वर्तमान में प्रदेश में कुल वनावरण व वृक्षावरण प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 9.20 प्रतिशत है।

पर्यावरण के प्रति हमारा दायित्व

(1) प्राकृतिक संसाधनों के प्रति अपेक्षित जन चेतना विकसित करने हेतु वनों, वन्य प्राणियों एवं जैव विविधता के महत्व व भूमिका का प्रसार व प्रचार।

(2) कृषकों की आय में वृद्धि के साथ पर्यावरण संतुलन बनाये रखने एवं जैव विविधता को समृद्ध करने हेतु जनसंख्या में वृद्धि व कृषि विस्तार के फलस्वरूप छायादार वृक्षों व बागों में आई कमी को दूर करने हेतु कृषि वानिकी अपनाकर खेतों की मेड़ों व परती भूमि पर पौधारोपण।

(3) मात्र राजकीय संसाधनों से वनों का संरक्षण व संवर्धन करना संभव नहीं है। जन को वन से जोड़कर वानिकी कार्यक्रमों विशेषकर कृषि वानिकी को "जनान्दोलन" बनाकर वृक्षावरण कर व हरीतिमा संवर्धन।



वनों का महत्व सार्वकालिक व सार्वदेशिक है, इसके प्रभावों व दुष्प्रभावों को भौगोलिक सीमा के बन्धन में नहीं बांधा जा सकता है। विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से मानव जाति को त्राण देने व प्राकृतिक जैव विविधता को पलने व बढ़ने का अवसर में वनों का महत्व सर्वविदित है।

हमारा कर्तव्य है कि सांस लेने में उपयोग की गई ऑक्सीजन की प्रतिपूर्ति तथा वायुमण्डल में छोड़ी गई कार्बन डाई ऑक्साइड के निवारण, प्राकृतिक जैव विविधता की सुरक्षा, कार्बन सिंक में वृद्धि, मानव सभ्यता को विनाश से बचाने व भावी पीढ़ी की समृद्धि के लिए आवश्यक वनावरण व वृक्षावरण सृजित करने में सहायता करें ताकि हम प्रकृति द्रोह व भावी सन्तति के प्रति अपराध के आरोपों से भी बच सकें।

वन संरक्षण व संवर्धन एक निरन्तर प्रक्रिया है यह किसी एक व्यक्ति अथवा संस्था का कार्यक्रम न होकर जन-जन का कार्यक्रम है। वनावरण में वृद्धि का लक्ष्य जन सहभागिता, जन को वन से जोड़कर व उत्पादकता वृद्धि जैसे प्रयासों को अपनाकर प्राप्त कर सकते हैं।

आइए, आज "अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस" के अवसर पर "हरा भरा अपना प्रदेश" का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हम सब संकल्प ग्रहण करें कि वर्षा के वाहक, प्राण वायु प्रदाता, जैव विविधता, ऊर्जा के अजस्त्र स्त्रोत एवं रोजगार दाता इन वनों व वृक्षों का संरक्षण व संवर्धन ही आज से हमारे जीवन का परम ध्येय होगा।

संविधान में वन एवं पर्यावरण

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 48 'क' में राज्य के नीति निदेशक तत्वों के अनुसार:

"राज्य, देश के पर्यावरण के संरक्षण तथा संवर्द्धन का और वन तथा वन्यजीवों की रक्षा करने का प्रयास करेगा।"

संविधान के अनुच्छेद 51 'क' के खण्ड (छ) के अनुसार प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि:

"प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करें और उसका संवर्द्धन करें तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखें।"

जैव विविधता संरक्षण व संवर्धन जागरुकता अभियान के अन्तर्गत मुद्रित

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

ईस्ट विंग, तीसरी मंजिल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड,
गोमती नगर, लखनऊ–226 010, उ०प्र०, भारत, दूरभाष : 0522 4006746
ईमेल : upstatebiodiversityboard@gmail.com
वेबसाईट : www.upsbdb.org

मुद्रित प्रतियाँ – 1000 प्रकाशन वर्ष – मार्च, 2022

अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस
21 मार्च



आपसे विनम्र निवेदन है कि वनों की आग से सुरक्षा करने में हमारी सहायता करें तथा आग लगाने वाले असामाजिक व अवांछित तत्वों को दण्डित कराने में हमें सहयोग दें।

भारतीय वन अधिनियम-1927 की धारा 26 (I) (बी) (सी) (B) के अन्तर्गत ऐसा अपराधी दण्ड का भागी होगा। वन क्षेत्र में अधिकार धारक प्रत्येक ग्रामवासी अगर अग्नि दुर्घटना को रोकने में, आग बुझाने में तथा आग लगाने वाले को पकड़वाने में सहयोग नहीं देता है तो वह भी भारतीय वन अधिनियम–1927 की धारा 79 के अन्तर्गत एक माह तक कैद की सजा अथवा 200 रुपये जुर्माना या दोनों दण्डों का भागी होगा।

प्राकृतिक जैव विविधता संरक्षित रखने हेतु
आइए हम सब मिलकर प्राकृतिक जैव विविधता के वास स्थल वनों की अग्नि से सुरक्षा करें।

वनों में आग लगने की सूचना तत्काल निकटतम वन चौकी/
वन कर्मियों अथवा टॉल फ्री नम्बर–1926/112/101 पर दें।

संविधान में वन एवं पर्यावरण

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 48 'क' में राज्य के नीति निदेशक तत्वों के अनुसार:

"राज्य, देश के पर्यावरण के संरक्षण तथा संवर्द्धन का और वन तथा वन्यजीवों की रक्षा करने का प्रयास करेगा।"

संविधान के अनुच्छेद 51 'क' के खण्ड (छ) के अनुसार प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि:

"प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करें और उसका संवर्द्धन करें तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखें।"

जैव विविधता संरक्षण व संवर्धन जागरुकता अभियान के अन्तर्गत मुद्रित

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

ईस्ट विंग, तीसरी मंजिल, ए–ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड,
गोमती नगर, लखनऊ–226 010, उ०प्र०, भारत, दूरभाष : 0522 4006746
ईमेल : upstatebiodiversityboard@gmail.com
वेबसाईट : www.upsbdb.org

मुद्रित प्रतियाँ – 1000 प्रकाशन वर्ष – मार्च, 2022

वनों की अग्नि से सुरक्षा



लक्ष्मी एसोशिएट

चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स

प्रथम तल, वाई एम०सी०ए० कॉम्प्लेक्स, 13 राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ-226001

ई-मेल : laxmilucknow@rediffmail.com, दूरभाषः (0522) 4006506

स्वतन्त्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,

सदस्यगण,
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट

हमारे द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड (द बोर्ड) के संलग्न वित्तीय विवरण का अंकेक्षण किया गया। यह वित्तीय विवरण 31 मार्च 2020 की बैलेन्सशीट एवं वर्ष के अंत तक का आय व व्यय विवरण एवं प्राप्तियों व भुगतान का लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखा नीतियों व अन्य विवरणात्मक सूचना से मिलकर बना है।

वित्तीय विवरण के लिए प्रबन्धन का उत्तरदायित्व

वित्तीय विवरण के लिए प्रबन्धन का उत्तरदायित्व भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा मानकों के अनुरूप वित्तीय स्थिति, सत्य व निष्पक्ष विवरण बोर्ड का वित्तीय प्रदर्शन दर्शाने वाला ये वित्तीय विवरण तैयार करने हेतु प्रबन्धन उत्तरदायी है। इस उत्तरदायित्व में बोर्ड की आस्तियों की सुरक्षा एवं अन्य अनियमितताएं व जालसाजी रोकने व पता लगाने के लिए लागू अधिनियम, उयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन व प्रयोग निर्णयों व आंकलनों को तार्किक व विवेकी बनाना, बनावट, पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियन्त्रणों का रख–रखाव व क्रियान्वयन, लेखांकन अभिलेखों की शुद्धता व पूर्णता सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी परिचालन सत्य व निष्पक्ष विचार देने वाला एवं जहाँ त्रुटि या जालसाजी हो ऐसी सामग्री का त्रुटिपूर्ण विवरण से मुक्त वित्तीय विवरण की तैयारी व प्रस्तुतिकरण में पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों का रखरखाव शामिल है।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारे अंकेक्षण पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर व्यक्त विचार का उत्तरदायित्व हमारा है।

हम लेखांकन व अंकेक्षण मानकों के प्राविधानों का पालन करते हैं।

वित्तीय विवरण में धनराशि की उद्घोषणा के सम्बन्ध में अंकेक्षण साक्ष्य हेतु प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु अंकेक्षण शामिल है। धोखाधड़ी या त्रुटियों के कारण वित्तीय सामग्री को त्रुटि के खतरों के मूल्यांकन को शामिल करते हुए लेखा परीक्षक के निर्णय पर आधारित प्रक्रिया का चयन किया गया है।

आंकलन में इन खतरों को ध्यान में रखते हुए अंकेक्षण वित्तीय विवरण तैयार करने में कम्पनी की तैयारियों सम्बन्धित आंतरिक नियन्त्रण, जो सत्य व निष्पक्ष दृष्टि देता है, परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त अंकेक्षण प्रक्रिया की बनावट पर

विचार करते हैं किन्तु कम्पनी के वित्तीय रिपोर्टिंग एवं इन नियंत्रणों के प्रभावी परिचालन पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियन्त्रण पर विचार व्यक्त नहीं करते हैं। अंकेक्षण में लेखा नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन व प्रबन्धन द्वारा लेखा प्राक्कलन में अपनाई गई तार्किकता को तथा वित्तीय विवरण के प्रस्तुतिकरण के सम्पूर्ण मूल्यांकन को भी शामिल किया गया है।

हम विश्वास करते हैं कि हमारे द्वारा रखे गए अंकेक्षण साक्ष्य, हमारे द्वारा अंकेक्षण पर प्रस्तुत अपने विचारों के लिए पर्याप्त व समुचित है।

विचार -

हमारे विचार हमारी सर्वोत्तम सूचना में एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार 31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए बोर्ड की आय व व्यय की उक्त वित्तीय विवरण हेतु भारत में सामान्यतया अपनाए गए लेखा सिद्धान्तों के अनुरूप सत्य व निष्पक्ष एवं वांछनीय है।

क. हमारे अंकेक्षण के उद्देश्य हेतु हमारे सर्वश्रेष्ठ विश्वास एवं ज्ञान के अनुसार समस्त सूचनाएं एवं स्पष्टीकरण हमारे द्वारा मांगा व प्राप्त किया गया।

ख. हमारे विचार में बोर्ड द्वारा अभिलेखों का समुचित रख रखाव किया गया है तथा हमारे द्वारा परीक्षण के लिए प्रस्तुत किया गया है।

ग. इस रिपोर्ट के साथ देखी गई बैलेन्स शीट, आय व व्यय के विवरण अभिलेखों के साथ अनुबन्धित हैं।

दिनांक : 15.12.2020
स्थान : लखनऊ

कृते लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –
(सी०ए० प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
सदस्य सं. : 71585

वित्त एवं लेखा

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

31.03.2020 को समाप्त हुए वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां		धनराशि	भुगतान	धनराशि
प्रारम्भिक अवशेष :			वेतन और भत्ते	10,52,190.00
बैंक अवशेष		1,48,16,393.17	किराया, दर तथा कर	43,22,272.00
			स्टाफ वाहन	10,86,708.00
सहायता अनुदान			अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर व्यय	3,48,643.00
केन्द्र सरकार से अनुदान	14,83,643.00		दूरभाष व इण्टरनेट	1,25,562.00
राज्य सरकार से कार्पस अनुदान	50,00,000.00	64,83,643.00	वेबसाईट रखरखाव व्यय	1,87,915.00
			परियोजना अनुसंधान आँकड़े एकत्रीकरण एवं अभिलेखीकरण	6,50,000.00
अन्य मद			कम्प्यूटर संचालन व रख रखाव व्यय	2,36,068.00
सावधि जमाओं पर ब्याज	1,31,71,122.00		डाक एवं कुरियर व्यय	10,000.00
वर्ष में परिपक्व सावधि जमा	18,16,80,033,.00		मुद्रण एवं लेखन सामग्री	1,46,608.00
बचत खाता से प्राप्त ब्याज	7,05,438.00		पी०बी०आर० व्यय	4,110.00
विज्ञापन	1,25,000.00		यात्रा व्यय	2,65,618.00
विविध प्राप्तियां	40,900.00		जैवविविधता जागरुकता कार्यक्रम	1,22,780.00
परियोजना से वापस प्राप्त	75,522.00		मानव शक्ति आपूर्ति	28,05,814.00
पुस्तक विक्रय से प्राप्त	3000.00		यू०एन०डी०पी० परियोजना में व्यय	2,40,000.00
आयकर वापसी	3,350.00	19,58,04,365.00	कार्यालय व्यय	5,20,803.60
			अंकेक्षण शुक्ल	50,00000
एक्सेस एण्ड बेनीफिट शेयरिंग			अन्य व्यय	11,02,347.00
कंपनियों से प्राप्ति	47,55,297.00		सावधि जमा नवीनीकरण निवेश	19,18,23,895.00
बचत बैक खाते से प्राप्त ब्याज	7,398.00	47,62,695.00		
			अंतिम अवशेष	
			बैंक में धनराशि	1,67,65,562.57
		22,18,67,096.17		**22,18,67,096.17**

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –
(सी०ए० प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
सदस्य सं. : 71585

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
–ह०/–
(सचिव)
मोहर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 15.12.2020

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

दिनांक 31.03.2020को समाप्त हुए वर्ष हेतु आय-व्यय

व्यय	धनराशि	आय	धनराशि
वेतन एवं भत्ते	10,52,190.00	सहायता में अनुदान	14,83,643.00
किराया, दर तथा कर	43,22,272.00	केन्द्र सरकार से	
स्टाफ वाहन	10,86,708.00	**अन्य आय**	
अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर व्यय	3,47,143.00	सावधि जमाओं पर ब्याज	1,32,35,602.59
दूरभाष व इण्टरनेट	1,20,322.00	बचत बैंक से प्राप्त ब्याज	7,43,248.00
परियोजनाएं, अनुसंधान, आँकड़े एकत्रीकरण एवं अभिलेखीकरण	6,50,000.00	विज्ञापन	125,000.00
वेबसाईट रख रखाव व्यय	1,52,515.00	विविध प्राप्तियाँ	40,900.00
कम्प्यूटर संचालन व रख रखाव व्यय	2,36,068.00	परियोजना से वापस प्राप्त	75,522.00
डाक एवं कुरियर व्यय	10,000.00	आयकर वापसी पर ब्याज	187.00
मुद्रण व लेखन सामग्री	1,46,808.00		
यात्रा व्यय	2,65,618.00		
जैव विविधता जागरुकता कार्यक्रम	1,22,780.00		
मानव शक्ति आपूर्ति	28,05,814.00		
पी०बी०आर० व्यय	4,110.00		
कार्यालय व्यय	5,20,803.60		
अंकेक्षण शुक्ल	50,000.00		
अन्य व्यय	11,02,147.00		
ह्रास	41,431.91		
वर्ष के लिए अवशेष	26,67,372.08		
	1,57,04,102.59		**1,57,04,102.59**

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**

चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स

– ह० –

(सी०ए० प्रदीप मेहरोत्रा)

पार्टनर

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**

–ह०/–

(सचिव)

मोहर

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

तुलन-पत्र दिनांक 31 मार्च 2020

दायित्व		धनराशि	आस्तियां		धनराशि
निकाय कोष			**अचल आस्तियाँ**		
01.04.2019 के अनुसार अवशेष	19,42,24,396.87		सूची के अनुसार		3,29,609.21
राज्य सरकार से अनुदान	5,000,000.00				
जोड़े : वर्ष के लिए अधिशेष	26,67,372.08	20,18,91,768.95	**वर्तमान आस्तियाँ**		
			स्रोत पर कर कटौती	4,51,859.20	
वर्तमान दायित्व			जमानत जमा किराया	452,613.00	
देय अंकेक्षण शुल्क		50,000.00	भण्डार व पुस्तके	7,19,410.48	
लाभार्थियों को वितरण हेतु प्राप्त धनराशि		92,48,703.10	बैंक से प्राप्ति योग्य परन्तु	60,85,186.59	77,09,069.27
यू०एन०डी०पी० परियोजना में व्यय न की गई धनराशि		4,37,664.00	प्राप्त नहीं		
			अंतिम अतिशेष		
			बैंक में नगद	1,67,65,562.57	
			सावधि जमा	18,68,23,895.00	20,35,89,457.57
		21,16,28,136.05			**21,16,28,136.05**

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/
कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
— ह० —
(सी.ए. प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 15.12.2020

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
—ह०/—
(सचिव)
मोहर

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

दिनांक 31.03.2020 को अचल आस्तियों का विवरण

अचल सम्पत्ति	दर	दिनांक 1.4.2019 की मूल्य	6 मास पूर्व निवेश की गई धनराशि	6 मास पश्चात् निवेश की गई धनराशि	योग	ह्रास	दिनांक 31.3.2020 को मूल्य
एयर कंडीशनर्स	15%	26,339.61			26,339.61	3,950.94	22,388.67
प्रिण्टर	40%	4.48			4.48	1.79	2.69
कम्प्यूटर	40%	562.53			562.53	225.01	337.52
फर्नीचर एवं फिक्सर	10%	2,51,867.91			2,51,867.91	25,186.79	2,26,681.12
पुस्तकालय की पुस्तकें	15%	24,914.15			24,914.15	3,737.12	21,177.02
इन्वर्टर	15%	2,640.58			2,640.58	396.09	2,244.50
फोटो स्टेट मशीन	15%	23,225.00			23,225.00	3,483.75	19,741.25
फोन	15%	489.34			489.34	73.40	415.94
प्रोजेक्टर	40%	213.95			213.95	85.58	128.37
हार्ड डिस्क	40%	56.12			56.12	22.45	33.67
पंखा एवं साउण्ड सिस्टम	10%	40,073.32			40,073.32	4,007.33	36.065.99
लैपटॉप	40%	654.13			654.13	261.55	392.48
		3,71,041.12	**–**	**–**	**3,71,041.12**	**41,431.91**	**3,29,609.21**

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
–ह०/–
(सचिव)
मोहर

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और लेखा टिप्पणियाँ

1. समस्त व्यय एवं आय संचयी आधार पर लेखाबद्ध किया गया है। सावधि जमा प्राप्त ब्याज से प्राप्त आय को संचयी आधार पर वर्ष की आय की तरह मानते हुए लेखाबद्ध किया गया है।
2. लेखा ऐतिहासिक लागत आधार पर तैयार किया गया है। लेखांकन/नीतियां सन्दर्भित नहीं की गई हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख नहीं है। लेखा प्रक्रियाओं में सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के साथ निरन्तरता स्थापित है।
3. विभिन्न एजेसियों/विभागों को जैवविविधता सम्बन्धी परियोजनाओं के लिए विषयगत अवधि में किया गया कुल भुगतान सम्बन्धित वर्षों के लिए हुआ व्यय माना गया है, तथा उपयोग हुई वापस की गई धनराशि को जिस वर्ष प्राप्त हुई है उस वर्ष की आय मानी गई है।
4. अचल पूँजी का उल्लेख अधिग्रहण की लागत पर किया गया है।
5. अचल पूँजी पर ह्रास मूल्य डब्लू0डी0वी0 आधार पर आयकर अधिनियम में निर्धारित दरों पर किया गया है।
6. भण्डार बंद पुस्तकों का मूल्यांकन लागत मूल्य पर किया गया है।
7. केन्द्र सरकार को वापस लौटाई गई अनुदान की धनराशि वर्ष का व्यय मानी गई है।
8. वित्तीय सारांश

कुल प्राप्तियां			**2,0704,102.59**
घटाएः	बोर्ड के उद्देश्यों हेतु प्रयुक्त धनराशि	1,29,95,298.60	
	छूट हेतु अर्ह निकाय अनुदान	50,000,00.00	
	15% की सीमा तक धनराशि भविष्य के लिए पृथक् करने पर	27,08,803.99	**2,07,04,102.59**
			—

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
— ह० —
(सी.ए. प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
—ह०/—
(सचिव)
मोहर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 15.12.2020

लक्ष्मी एसोशिएट

चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स

प्रथम तल, वाई एम०सी०ए० कॉम्प्लेक्स, 13 राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ-226001

ई-मेल : laxmilucknow@rediffmail.com, दूरभाषः (0522) 4006506

स्वतन्त्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,

सदस्यगण,
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट

हमारे द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड (द बोर्ड) के संलग्न वित्तीय विवरण का अंकेक्षण किया गया। यह वित्तीय विवरण 31 मार्च 2021 की बैलेन्सशीट एवं वर्ष के अंत तक का आय व व्यय विवरण एवं प्राप्तियों व भुगतान का लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखा नीतियों व अन्य विवरणात्मक सूचना से मिलकर बना है।

वित्तीय विवरण के लिए प्रबन्धन का उत्तरदायित्व

वित्तीय विवरण के लिए प्रबन्धन का उत्तरदायित्व भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा मानकों के अनुरूप वित्तीय स्थिति, सत्य व निष्पक्ष विवरण बोर्ड का वित्तीय प्रदर्शन दर्शाने वाला ये वित्तीय विवरण तैयार करने हेतु प्रबन्धन उत्तरदायी है। इस उत्तरदायित्व में बोर्ड की आस्तियों की सुरक्षा एवं अन्य अनियमितताएं व जालसाजी रोकने व पता लगाने के लिए लागू अधिनियम, उयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन व प्रयोग निर्णयों व आंकलनों को तार्किक व विवेकी बनाना, बनावट, पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियन्त्रणों का रख–रखाव व क्रियान्वयन, लेखांकन अभिलेखों की शुद्धता व पूर्णता सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी परिचालन सत्य व निष्पक्ष विचार देने वाला एवं जहाँ त्रुटि या जालसाजी हो ऐसी सामग्री का त्रुटिपूर्ण विवरण से मुक्त वित्तीय विवरण की तैयारी व प्रस्तुतिकरण में पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों का रखरखाव शामिल है।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारे अंकेक्षण पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर व्यक्त विचार का उत्तरदायित्व हमारा है।

हम लेखांकन व अंकेक्षण मानकों के प्राविधानों का पालन करते हैं।

वित्तीय विवरण में धनराशि की उद्घोषणा के सम्बन्ध में अंकेक्षण साक्ष्य हेतु प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु अंकेक्षण शामिल है। धोखाधड़ी या त्रुटियों के कारण वित्तीय सामग्री को त्रुटि के खतरों के मूल्यांकन को शामिल करते हुए लेखा परीक्षक के निर्णय पर आधारित प्रक्रिया का चयन किया गया है।

आंकलन में इन खतरों को ध्यान में रखते हुए अंकेक्षण वित्तीय विवरण तैयार करने में कम्पनी की तैयारियों सम्बन्धित आंतरिक नियन्त्रण, जो सत्य व निष्पक्ष दृष्टि देता है, परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त अंकेक्षण प्रक्रिया की बनावट पर

विचार करते हैं किन्तु कम्पनी के वित्तीय रिपोर्टिंग एवं इन नियंत्रणों के प्रभावी परिचालन पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियन्त्रण पर विचार व्यक्त नहीं करते हैं। अंकेक्षण में लेखा नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन व प्रबन्धन द्वारा लेखा प्राक्कलन में अपनाई गई तार्किकता को तथा वित्तीय विवरण के प्रस्तुतिकरण के सम्पूर्ण मूल्यांकन को भी शामिल किया गया है।

हम विश्वास करते हैं कि हमारे द्वारा रखे गए अंकेक्षण साक्ष्य, हमारे द्वारा अंकेक्षण पर प्रस्तुत अपने विचारों के लिए पर्याप्त व समुचित है।

विचार -

हमारे विचार हमारी सर्वोत्तम सूचना में एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार 31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए बोर्ड की आय व व्यय की उक्त वित्तीय विवरण हेतु भारत में सामान्यतया अपनाए गए लेखा सिद्धान्तों के अनुरूप सत्य व निष्पक्ष एवं वांछनीय है।

क. हमारे अंकेक्षण के उद्देश्य हेतु हमारे सर्वश्रेष्ठ विश्वास एवं ज्ञान के अनुसार समस्त सूचनाएं एवं स्पष्टीकरण हमारे द्वारा मांगा व प्राप्त किया गया।

ख. हमारे विचार में बोर्ड द्वारा अभिलेखों का समुचित रख रखाव किया गया है तथा हमारे द्वारा परीक्षण के लिए प्रस्तुत किया गया है।

ग. इस रिपोर्ट के साथ देखी गई बैलेन्स शीट, आय व व्यय के विवरण अभिलेखों के साथ अनुबन्धित हैं।

दिनांक : 30.11.2021
स्थान : लखनऊ

कृते लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –
(सी०ए० प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
सदस्य सं. : 71585

वित्त एवं लेखा

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

31.03.2021 को समाप्त हुए वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां		धनराशि	भुगतान	धनराशि
प्राम्भिक अवशेष :			वेतन और भत्ते	10,26,360.00
बैंक अवशेष		1,67,65,562.57	किराया, दर तथा कर	40,03,928.00
			स्टाफ वाहन	9,63,792.00
सहायता अनुदान			वेबसाईट रख रखाव पर व्यय	1,91,455.00
राज्य सरकार से कार्पस अनुदान	50,00,000.00	50,00,000.00	दूरभाष व इण्टरनेट	73,326.00
			परियोजना अनुसंधान आँकड़े एकत्रीकरण एवं अभिलेखकरण	4,00,000.00
अन्य मद			कम्प्यूटर संचालन व रख रखाव व्यय	1,21,695.00
सावधि जमाओं पर ब्याज	1,30,28,733.00		डाक एवं कुरियर व्यय	20,000.00
वर्ष में परिपक्व सावधि जमा	18,68,23,895,.00		मुद्रण एवं लेखन सामग्री	63,209.00
बचत खाता से प्राप्त ब्याज	6,70,857.00		सोसाइटी रख रखाव व्यय	46,752.00
विविध प्राप्तियाँ	90,000.00		मानव शक्ति आपूर्ति	20,24,546.00
पुस्तक विक्रय से प्राप्त	4,500.00		यू०एन०डी०पी० परियोजना में व्यय	4,30,000.00
एन०बी०ए० से बी०एम०सी० के लिए प्राप्ति	18,80174.76		कार्यालय व्यय	3,51,590.70
एन०बी०ए० से प्रशासनिक व्यय के लिए प्राप्ति	1,02,666.16		अंकेक्षण शुक्ल	50,00000
			अन्य व्यय	18,25,172.00
एक्सेस एण्ड बेनीफिट शेयरिंग			सावधि जमा नवीनीकरण निवेश	19,49,71,525.68
कंपनियों से प्राप्ति	92,636.00	20,26,93,461.92	एन०बी०ए० (मानव शक्ति)	11,50,000.00
			ट्रांसफर टू बेनिफिशरीज़	28,500.00
एन०बी०ए० से व्यय की अदायगी		11,50,000.00		
			अंतिम अवशेष	
			बैंक में धनराशि	1,78,67,173.11
		22,56,09,024.49		**22,56,09,024.49**

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –
(सी०ए० प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
सदस्य सं. : 71585

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
–ह०/–
(सचिव)
मोहर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 30.11.2021

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

दिनांक 31.03.2021को समाप्त हुए वर्ष हेतु आय-व्यय

व्यय	धनराशि	आय	धनराशि
वेतन एवं भत्ते	10,26,360.00	**अन्य आय**	
किराया, दर तथा कर	40,03,928.00	सावधि जमाओं पर ब्याज	1,14,35,297.41
स्टाफ वाहन	9,63,792.00	बचत बैंक से प्राप्त ब्याज	6,70,857.00
दूरभाष व इण्टरनेट	73,326.00	विविध प्राप्तियाँ	90,000.00
परियोजनाएं, अनुसंधान, आँकड़े एकत्रीकरण एवं अभिलेखीकरण	4,00,000.00	एन०बी०ए० से व्यय वापसी	11,50,000.00
वेबसाईट रख रखाव व्यय	1,91,455.00		
कम्प्यूटर संचालन व रख रखाव व्यय	1,21,695.00		
डाक एवं कुरियर व्यय	20,000.00		
मुद्रण व लेखन सामग्री	63,209.00		
जैव विविधता जागरुकता कार्यक्रम	46,752.00		
मानव शक्ति आपूर्ति	31,74,546.00		
कार्यालय व्यय	3,51,590.70		
अंकेक्षण शुक्ल	50,000.00		
अन्य व्यय	18,25,172.00		
ह्रास	36,527.71		
वर्ष के लिए अवशेष	9,97,801.00		
	1,33,46154.41		**1,33,46154.41**

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –
(सी०ए० प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
सदस्य सं. : 71585

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 15.12.2020

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
–ह०/–
(सचिव)
मोहर

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

तुलन-पत्र दिनांक 31 मार्च 2021

दायित्व		धनराशि	आस्तियां		धनराशि
निकाय कोष			**अचल आस्तियाँ**		
01.04.2020 के अनुसार अवशेष	20,18,91,768.95		सूची के अनुसार		2.93,081.50
राज्य सरकार से अनुदान	50,00,000.00				
जोड़े : वर्ष के लिए अधिशेष	9,97,801.00	20,78,89,569.95	**वर्तमान आस्तियाँ**		
			स्रोत पर कर कटौती	4,61,065.20	
वर्तमान दायित्व			जमानत जमा किराया	452,613.00	
देय अंकेक्षण शुल्क		50,000.00	भण्डार व पुस्तके	7,14,910.48	
लाभार्थियों को वितरण हेतु प्राप्त धनराशि		1,12,95,680.02	बैंक से प्राप्ति योग्य	44,82,545.00	61,11,133.68
यू०एन०डी०पी० परियोजना में व्यय न की गई धनराशि		7,664.00			
			अंतिम अतिशेष		
			बैंक में नगद	1,78,67,173.11	
			सावधि जमा	19,49,71,525.68	21,28,38,698.79
		21,92,42,913.97			**21,92,42,913.97**

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/
कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –
(सी.ए. प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 30.11.2021

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
–ह०/–
(सचिव)
मोहर

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

दिनांक 31.03.2021 को अचल आस्तियों का विवरण

अचल सम्पत्ति	दर	दिनांक 1.4.2020 की मूल्य	6 मास पूर्व निवेश की गई धनराशि	6 मास पश्चात् निवेश की गई धनराशि	योग	ह्रास	दिनांक 31.3.2021 को मूल्य
एयर कंडीशनर्स	15%	22,388.67			22,388.67	3,35830	19,030.37
प्रिण्टर	40%	2.69			2.69	1.07	1.61
कम्प्यूटर	40%	337.52			337.52	135,01	202.51
फर्नीचर एवं फिक्सर	10%	2,26,681.12			2,26,681.12	22,668.11	2,04,013.00
पुस्तकालय की पुस्तकें	15%	21,177.02			21,177.02	3,176.55	18,000.47
इन्वर्टर	15%	2,244.50			2,244.50	336.67	1,907.82
फोटो स्टेट मशीन	15%	19,741.25			19,741.25	2,961.19	16,780.06
फोन	15%	415.94			415.94	62.39	353.55
प्रोजेक्टर	40%	128.37			128.37	51.35	77.02
हार्ड डिस्क	40%	33.67			33.67	13.47	20.20
पंखा एवं साउण्ड सिस्टम	10%	36.065.99			36.065.99	3,606.60	32,459.39
लैपटॉप	40%	392.48			392.48	156.99	235.49
		3,29,609.21	–	–	**3,29,609.21**	**36,527.71**	**2,93081.50**

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –
(सी.ए. प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 30.11.2021

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
–ह०/–
(सचिव)
मोहर

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और लेखा टिप्पणियाँ

1. समस्त व्यय एवं आय संचयी आधार पर लेखाबद्ध किया गया है। सावधि जमा प्राप्त ब्याज से प्राप्त आय को संचयी आधार पर वर्ष की आय की तरह मानते हुए लेखाबद्ध किया गया है।
2. लेखा ऐतिहासिक लागत आधार पर तैयार किया गया है। लेखांकन/नीतियां सन्दर्भित नहीं की गई हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख नहीं है। लेखा प्रक्रियाओं में सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के साथ निरन्तरता स्थापित है।
3. विभिन्न एजेसियों/विभागों को जैवविविधता सम्बन्धी परियोजनाओं के लिए विषयगत अवधि में किया गया कुल भुगतान सम्बन्धित वर्षों के लिए हुआ व्यय माना गया है, तथा उपयोग हुई वापस की गई धनराशि को जिस वर्ष प्राप्त हुई है उस वर्ष की आय मानी गई है।
4. अचल पूँजी का उल्लेख अधिग्रहण की लागत पर किया गया है।
5. अचल पूँजी पर ह्रास मूल्य डब्लू0डी0वी0 आधार पर आयकर अधिनियम में निर्धारित दरों पर किया गया है।
6. भण्डार बंद पुस्तकों का मूल्यांकन लागत मूल्य पर किया गया है।
7. केन्द्र सरकार को वापस लौटाई गई अनुदान की धनराशि वर्ष का व्यय मानी गई है।
8. वित्तीय सारांश

कुल प्राप्तियां			**1,83,46,154.41**
घटाएः	बोर्ड के उद्देश्यों हेतु प्रयुक्त धनराशि	1,23,11,825.70	
	छूट हेतु अर्ह निकाय अनुदान	50,000,00.00	
	15% की सीमा तक धनराशि भविष्य के लिए	10,34,328.71	**1,83,46,154.41**
	पृथक् करने पर		—

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –
(सी.ए. प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 30.11.2021

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
–ह०/–
(सचिव)
मोहर

लक्ष्मी एसोशिएट

चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स

प्रथम तल, वाई एम०सी०ए० कॉम्प्लेक्स, 13 राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ-226001

ई-मेल : laxmilucknow@rediffmail.com, दूरभाषः (0522) 4006506

स्वतन्त्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,

सदस्यगण,
उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट

हमारे द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड (द बोर्ड) के संलग्न वित्तीय विवरण का अंकेक्षण किया गया। यह वित्तीय विवरण 31 मार्च 2022 की बैलेन्सशीट एवं वर्ष के अंत तक का आय व व्यय विवरण एवं प्राप्तियों व भुगतान का लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखा नीतियों व अन्य विवरणात्मक सूचना से मिलकर बना है।

वित्तीय विवरण के लिए प्रबन्धन का उत्तरदायित्व

वित्तीय विवरण के लिए प्रबन्धन का उत्तरदायित्व भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा मानकों के अनुरूप वित्तीय स्थिति, सत्य व निष्पक्ष विवरण बोर्ड का वित्तीय प्रदर्शन दर्शाने वाला ये वित्तीय विवरण तैयार करने हेतु प्रबन्धन उत्तरदायी है। इस उत्तरदायित्व में बोर्ड की आस्तियों की सुरक्षा एवं अन्य अनियमितताएं व जालसाजी रोकने व पता लगाने के लिए लागू अधिनियम, उयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन व प्रयोग निर्णयों व आंकलनों को तार्किक व विवेकी बनाना, बनावट, पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियन्त्रणों का रख–रखाव व क्रियान्वयन, लेखांकन अभिलेखों की शुद्धता व पूर्णता सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी परिचालन सत्य व निष्पक्ष विचार देने वाला एवं जहाँ त्रुटि या जालसाजी हो ऐसी सामग्री का त्रुटिपूर्ण विवरण से मुक्त वित्तीय विवरण की तैयारी व प्रस्तुतिकरण में पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों का रखरखाव शामिल है।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारे अंकेक्षण पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर व्यक्त विचार का उत्तरदायित्व हमारा है।

हम लेखांकन व अंकेक्षण मानकों के प्राविधानों का पालन करते हैं।

वित्तीय विवरण में धनराशि की उद्घोषणा के सम्बन्ध में अंकेक्षण साक्ष्य हेतु प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु अंकेक्षण शामिल है। धोखाधड़ी या त्रुटियों के कारण वित्तीय सामग्री को त्रुटि के खतरों के मूल्यांकन को शामिल करते हुए लेखा परीक्षक के निर्णय पर आधारित प्रक्रिया का चयन किया गया है।

आंकलन में इन खतरों को ध्यान में रखते हुए अंकेक्षण वित्तीय विवरण तैयार करने में कम्पनी की तैयारियों सम्बन्धित आंतरिक नियन्त्रण, जो सत्य व निष्पक्ष दृष्टि देता है, परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त अंकेक्षण प्रक्रिया की बनावट पर

विचार करते हैं किन्तु कम्पनी के वित्तीय रिपोर्टिंग एवं इन नियंत्रणों के प्रभावी परिचालन पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियन्त्रण पर विचार व्यक्त नहीं करते हैं। अंकेक्षण में लेखा नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन व प्रबन्धन द्वारा लेखा प्राक्कलन में अपनाई गई तार्किकता को तथा वित्तीय विवरण के प्रस्तुतिकरण के सम्पूर्ण मूल्यांकन को भी शामिल किया गया है।

हम विश्वास करते हैं कि हमारे द्वारा रखे गए अंकेक्षण साक्ष्य, हमारे द्वारा अंकेक्षण पर प्रस्तुत अपने विचारों के लिए पर्याप्त व समुचित है।

विचार -

हमारे विचार हमारी सर्वोत्तम सूचना में एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार 31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए बोर्ड की आय व व्यय की उक्त वित्तीय विवरण हेतु भारत में सामान्यतया अपनाए गए लेखा सिद्धान्तों के अनुरूप सत्य व निष्पक्ष एवं वांछनीय है।

क. हमारे अंकेक्षण के उद्देश्य हेतु हमारे सर्वश्रेष्ठ विश्वास एवं ज्ञान के अनुसार समस्त सूचनाएं एवं स्पष्टीकरण हमारे द्वारा मांगा व प्राप्त किया गया।

ख. हमारे विचार में बोर्ड द्वारा अभिलेखों का समुचित रख रखाव किया गया है तथा हमारे द्वारा परीक्षण के लिए प्रस्तुत किया गया है।

ग. इस रिपोर्ट के साथ देखी गई बैलेन्स शीट, आय व व्यय के विवरण अभिलेखों के साथ अनुबन्धित हैं।

दिनांक : 07.07.2022
स्थान : लखनऊ

कृते लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –
(सी०ए० प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
सदस्य सं. : 71585

वित्त एवं लेखा

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

31.03.2022 को समाप्त हुए वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां		धनराशि	भुगतान		धनराशि
प्राम्भिक अवशेष :			वेतन और भत्ते		11,35,580
नगद धनराशि			किराया, दर तथा कर		38,18,533
बैंक अवशेष		1,78,67,173	मानव शक्ति आपूर्ति		24,54,523
			एन०बी०ए० (मानव शक्ति)		13,50,000
सहायता अनुदान			स्टाफ वाहन		9,84,441
राज्य सरकार से कार्पस अनुदान		1,00,00,000	परियोजना अनुसंधान आँकड़े एकत्रीकरण एवं अभिलेखकरण		19,74,000
			वार्षिक रिपोर्ट एवं अन्य ब्रोशर का मुद्रण पर व्यय		5,38,882
अन्य मद			कम्प्यूटर संचालन व रख रखाव व्यय		62,436
सावधि जमाओं पर ब्याज	1,11,02,990		मुद्रण एवं लेखन सामग्री		78,914
वर्ष में परिपक्व सावधि जमा	19,49,71,526		पी०बी०आर० व्यय		16,000
बचत खाता से प्राप्त ब्याज	6,45,138		अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर व्यय		45,000
विज्ञापन	1,25,000		जैव विविधता जागरुकता कार्यक्रम		3,97,576
विविध प्राप्तियां	10,000		सोसाईटी रख रखाव पर व्यय		36,192
परियोजना से वापस प्राप्त	16,150		समाचार पत्र एवं अन्य पर व्यय		6,962
पुस्तक विक्रय से प्राप्त	5,000		यू०एन०डी०पी० परियोजना में व्यय		10,73,670
विविध कंपनियों से बेनीफिट शेयरिंग प्राप्ति	29,626		कार्यालय व्यय		6,30,100
एन०बी०ए० से प्रशासनिक व्यय के लिए प्राप्ति	787	20,69,06,217	अंकेक्षण शुक्ल		50,000
			अन्य व्यय		2,98,530
एन०बी०ए० द्वारा प्रतिपूर्ति की अदायगी		23,50,000	बेनीफिशयरीज़ ट्रांसफर		44,487
यू०एन०डी०पी० से प्राप्त		10,66,230	वेबसाईट रखरखाव पर व्यय		1,01,480
आयकर वापसी		14,708	दूरभाष व इन्टरनेट		81,150
			सावधि जमा नवीनीकरण निवेश		21,30,62,317
			अंतिम अवशेष		
			बैंक में धनराशि	99,61,016	
			नगद	1,839	99,62,855
		23,82,04,328			**23,82,04,328**

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –
(सी०ए० प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
सदस्य सं. : 71585

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
–ह०/–
(सचिव)
मोहर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 07.07.2022

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

दिनांक 31.03.2022 को समाप्त हुए वर्ष हेतु आय-व्यय

व्यय	धनराशि	आय	धनराशि
वेतन एवं भत्ते	11,35,580.00	**अन्य आय**	
किराया, दर तथा कर	38,18,533.00	सावधि जमाओं पर ब्याज	1,11,07,385.00
मानव शक्ति आपूर्ति	24,54,523.00	बचत बैंक से प्राप्त ब्याज	6,45,138.00
राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (मानव शक्मित)	13,50,000.00	विज्ञापन	125,000.00
स्टाफ वाहन	9,84,441.00	विविध प्राप्तियाँ	10,000.00
परियोजनाएं, अनुसंधान, आँकड़े एकत्रीकरण एवं अभिलेखीकरण	19,74,000.00	एन०बी०ए० से व्यय अदायगी	23,50,000.00
अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर व्यय	45,000.00	एन०बी०ए० से प्रशासनिक व्यय अदायगी	787.00
जैव विविधता जागरुकता कार्यक्रम	3,97,576.00	पुस्तकों का विक्रय	5,000.00
वार्षिक रिपोर्ट एवं अन्य ब्रोशर का मुद्रण पर व्यय	5,38,882.00		
वेबसाईट रख रखाव व्यय	1,01,480.00		
कम्प्यूटर संचालन व रख रखाव व्यय	62,436.00		
मुद्रण व लेखन सामग्री	78,914.00		
पी०बी०आर० व्यय	16,000.00		
सोसाइटी रखरखाव शुल्क	36,192		
दूरभाष व इन्टरनेट	81,850		
कार्यालय व्यय	6,30,100.00		
समाचार पत्र व पत्रिकाएं	6,962.00		
अन्य व्यय	2,98,530.00		
अंकेक्षण शुक्ल	50,000.00		
ह्रास	32,273.00		
वर्ष के लिए अवशेष	1,50,038.00		
	1,42,43,310.00		**1,42,43,310.00**

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –
(सी०ए० प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर
सदस्य सं. : 71585

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
–ह०/–
(सचिव)
मोहर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 07.07.2022

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

तुलन-पत्र दिनांक 31 मार्च 2022

दायित्व		धनराशि	आस्तियां		धनराशि
निकाय कोष			**अचल आस्तियाँ**		
01.04.2021 के अनुसार अवशेष	20,78,89,570		सूची के अनुसार		2,60,809
राज्य सरकार से अनुदान	1,00,00,000				
जोड़े : वर्ष के लिए अधिशेष	1,50,038	21,80,39,608	**वर्तमान आस्तियाँ**		
			स्रोत पर कर कटौती	4,46,357	
वर्तमान दायित्व			जमानत जमा किराया	452,613	
देय अंकेक्षण शुल्क		50,000	भण्डार व पुस्तके	7,14,910	
लाभार्थियों को वितरण हेतु प्राप्त धनराशि		1,12,96,969	बैंक से प्राप्ति योग्य	44,86,940	61,00,820
यू०एन०डी०पी० परियोजना में व्यय न की गई धनराशि		224			
			अंतिम अतिशेष		
			सावधि जमा	21,30,62,317	
			बैंक में जमा	99,61,016	
			नगद	1,839	22,30,25,172
		22,93,86,801			**22,93,86,801**

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/
कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
— ह० —
(सी०ए० प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 07.07.2022

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
–ह०/–
(सचिव)
मोहर

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

दिनांक 31.03.2022को अचल आस्तियों का विवरण

अचल सम्पत्ति	दर	दिनांक 1.4.2021 की मूल्य	6 मास पूर्व निवेश की गई धनराशि	6 मास पश्चात् निवेश की गई धनराशि	योग	ह्रास	दिनांक 31.3.2022 को मूल्य
कम्प्यूटर	40%	202.51			202.51	81.00	121.51
प्रिण्टर	40%	1.61			1.61	0.64	0.97
एयर कंडीशनर्स	15%	19,030.37			19,030.37	2,854.56	16,175.81
प्रोजेक्टर	40%	77.02			77.02	30.81	46.21
हार्ड डिस्क	40%	20.20			20.20	8.08	12.12
लैपटॉप	40%	235.49			235.49	94.19	141.29
फर्नीचर एवं फिक्सर	10%	2,04,013.00			2,04,013.00	20,401.30	1,83,611.70
पंखा एवं साउण्ड सिस्टम	10%	32,459.39			32,459.39	3,245.94	29,213.45
पुस्तकालय की पुस्तकें	15%	18,000.47			18,000.47	2,700.07	15,300.40
इन्वर्टर	15%	1,907.82			1,907.82	286.17	1,621.65
फोटो स्टेट मशीन	15%	16,780.06			16,780.06	2,517.01	14,263.05
फोन	15%	353.55			353.55	53.03	300.51
		2,93,081.50	**–**	**–**	**2,93,081.50**	**32,272.81**	**2,60,808.69**

सम दिनांकित हमारी पृथक् रिपोर्ट के अनुसार/
कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –
(सी.ए. प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर

स्थान : लखनऊ

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
–ह०/–
(सचिव)
मोहर

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और लेखा टिप्पणियाँ

1. समस्त व्यय एवं आय संचयी आधार पर लेखाबद्ध किया गया है। सावधि जमा प्राप्त ब्याज से प्राप्त आय को संचयी आधार पर वर्ष की आय की तरह मानते हुए लेखाबद्ध किया गया है।
2. लेखा ऐतिहासिक लागत आधार पर तैयार किया गया है। लेखांकन/नीतियां सन्दर्भित नहीं की गई हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख नहीं है। लेखा प्रक्रियाओं में सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के साथ निरन्तरता स्थापित है।
3. विभिन्न एजेसियों/विभागों को जैवविविधता सम्बन्धी परियोजनाओं के लिए विषयगत अवधि में किया गया कुल भुगतान सम्बन्धित वर्षों के लिए हुआ व्यय माना गया है, तथा उपयोग हुई वापस की गई धनराशि को जिस वर्ष प्राप्त हुई है उस वर्ष की आय मानी गई है।
4. अचल पूँजी का उल्लेख अधिग्रहण की लागत पर किया गया है।
5. अचल पूँजी पर ह्रास मूल्य डब्लू0डी0वी0 आधार पर आयकर अधिनियम में निर्धारित दरों पर किया गया है।
6. भण्डार बंद पुस्तकों का मूल्यांकन लागत मूल्य पर किया गया है।
7. केन्द्र सरकार को वापस लौटाई गई अनुदान की धनराशि वर्ष का व्यय मानी गई है।
8. वित्तीय सारांश

कुल प्राप्तियां			**2,42,38,915.00**
घटाएः	बोर्ड के उद्देश्यों हेतु प्रयुक्त धनराशि	1,40,60,999.00	
	छूट हेतु अर्ह निकाय अनुदान	1,00,000,00.00	
	15% की सीमा तक धनराशि भविष्य के लिए पृथक् करने पर	1,77,916.00	**2,42,38,915.59**
			—

कृते– **लक्ष्मी एसोशिएट (एफ आर एन 01586 सी)**
चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट्स
– ह० –
(सी.ए. प्रदीप मेहरोत्रा)
पार्टनर

कृते- **उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड**
–ह०/–
(सचिव)
मोहर

स्थान : लखनऊ
दिनांक : 07.07.2022

समाचार पत्रों से

2019-20



2020-21

अपनी जैव विविधता के लिए विश्व विख्यात है भारत : आनंदीबेन पटेल

लविवि व जैव विविधता बोर्ड की ओर से आयोजित ई-संगोष्ठी का किया उद्घाटन

अमृत विचार लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि जैव विविधता से हमारी पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण होता है, जो एक-दूसरे के जीवन यापन में सहायक होते हैं।

श्रीमती पटेल ने शुक्रवार राजभवन से अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय एवं जैव विविधता बोर्ड उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ई-संगोष्ठी 'हमारा समाधान प्रकृति में हैं' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि जैव विविधता पृथ्वी पर पाई जाने वाली जीवों की विभिन्न प्रजातियों को कहा जाता है। भारत अपनी जैव विविधता के लिए विश्व विख्यात है। उन्होंने कहा कि भारत 17 उच्चकोटि के जैव विविधता वाले देशों में से एक है तथा पूरे विश्व की जैव विविधता में भारत की 7 प्रतिशत भागीदारी है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत की भौगोलिक स्थिति देशवासियों को विभिन्न प्रकार के मौसम प्रदान करती है। भारत में 17 कृषि जलवायु जोन हैं, जिनसे अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थ प्राप्त होते हैं। देश के जंगलों में विभिन्न प्रकार के नभचर, थलचर एवं उभयचर प्रवास करते हैं। इनमें रहने वाले पक्षी, कीट एवं जीव जैव विविधता को बढ़ाने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश वैदिक काल से ही अपनी औषधीय विविधता के लिए प्रसिद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कोविड-19 से बचाव के लिए क्लोरोक्विन दवा का प्रयोग कई देशों द्वारा किया जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा उत्पादन एवं निर्यात भारत द्वारा पूरे विश्व में किया जा रहा है। इस दवा का प्रयोग मलेरिया बीमारी के लिए होता है। यह चिन्कोना पेड़ से प्राप्त होता है। इससे पहले उन्होंने राजभवन से ही लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में महिला सामुदायिक प्रसाधन केन्द्र का ई-शिलान्यास किया और विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित न्यूजलेटर (द कोरस) तथा लखनऊ शहर के जैव विविधता सूचकांक (इण्डेक्स) का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 आलोक कुमार राय सहित आबूधाबी, इस्राइल, साउथ अफ्रीका, यूएसए, फ्रांस, जापान और ब्राजील जैसे आठ देशों के विषय विशेषज्ञ भी ऑनलाइन उपस्थित थे।

जैव विविधता से पर्यावरण सुधरेगा:राज्यपाल



ई-शिलान्यास किया

जैव विविधता में 7 फीसदी हिस्सा भारत का

राज्यपाल ने किया लखनऊ विवि के ई-सिम्पोजियम का उद्घाटन



ई-सिम्पोजियम को संबोधित करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

जैव विविधता बढ़ेगी तो सुधरेगा पर्यावरण

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर ई-संगोष्ठी

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (22 May): अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर शुक्रवार को एलयू में ई-संगोष्ठी का आयोजन किया गया. जिसका शुभारंभ गवर्नर आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें जैव विविधता के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए, इससे पर्यावरण में भी सुधार होगा. गवर्नर ने राजभवन से ही एलयू कैंपस में महिला सामुदायिक प्रसाधन केंद्र का ई-शिलान्यास किया. इस मौके पर लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय सहित आबूधाबी, इजराइल, साउथ अफ्रीका, यूएसए, फ्रांस, जापान और ब्राजील जैसे 8 देशों के विशेषज्ञ भी ऑनलाइन मौजूद रहे.

'प्रकृति में ही है हर समस्या का समाधान'

जागरण संवाददाता : भारत का इतिहास और संस्कृति दोनों जैव विविधता के महत्व को समझाते रहे हैं। यहां तक कि अथर्ववेद में विभिन्न औषधियों का उल्लेख भी है। हमें जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक पेड़ और औषधियां लगाना चाहिए, यह कहना था राज्यपाल/कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल का।

शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ई-सिम्पोजियम का आयोजन किया गया। इस अवसर मुख्यअतिथि कुलाधिपति आनंदीबेन ने विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में महिला सामुदायिक प्रसाधन केंद्र का शिलान्यास, विश्वविद्यालय के न्यूजलेटर 'द कोरस' के इंटरैक्टिव एडिशन कोविड-19 अंक का विमोचन, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवास से पहला वायोलखक्वर्सिटी इंडेक्स जारी, राज्यपाल ने जैव विविधता बढ़ सूचकांक तैयार करने संबंधी कार्य



राज्यपाल आनंदी पेन

लखनऊ का सबसे पहला बायोडायवर्सिटी इंडेक्स जारी किया। राज्यपाल ने सलिति से राजभवन के जैव विविधता का भी एक सूचकांक तैयार करने के लिए कहा। साथ ही यह भी बताने के लिए, कहां पर राजभवन में क्या करने की जरूरत है, ताकि प्रकृति में सुधार लाया जा सके।

स्वोभोएस प्रोग्राम किया तैयार : लखनऊ विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि विवि ने इस फ्रेमवर्क्स वाला पेपर का पहला स्वोभोएस प्रोग्राम तैयार किया है। साथ ही अपना कार्बन-फूट प्रिंट मापने व शहर के बायोडायवर्सिटी इंडेक्स की गणना करने वाला पहला विवि बना है। विश्वविद्यालय ने अपना पीएचडी ऑर्डिनेंस बना चुका है और अगले अकादमिक काउंसिल की मीटिंग होते ही यह लागू किया जाएगा। पूअर ब्रजेक्ट फेलो का नाम बदलकर स्टूडेंट वेलफेयर फंड किया गया है।

सूचकांक में सुधार की जरूरत : कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय कैंपस में कला सेंटर, कनेक्ट विद स्टूडेंट्स और कंटेंट क्रियेशन सेंटर पर ई-कक्षाएं चला रहा है। इंस्टीट्यूट ऑफ वाइल्ड लाइफ साइंस की निदेशक एवं जीव विज्ञान विभाग की प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि लखनऊ का बायोडायवर्सिटी इंडेक्स 26 में से 16 पैरामीटर्स के आधार पर निकाला गया है। लखनऊ का सूचकांक 92 में 30 है। इसमें और सुधार की जरूरत है। सिम्पोजियम में जापान, दक्षिण अफ्रीका, यूएई समेत विभिन्न देशों से वक्ता शामिल हुए।

जैव विविधता के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाए

● अधिक से अधिक बनीपे, औषधीय पौधे लगाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ



प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को राजभवन से अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय एवं जैव विविधता बोर्ड उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ई.संगोष्ठी हमारा समाधान प्रकृति में हैं का उद्घाटन किया। अपने सम्बोधन में राज्यपाल ने कहा कि जैव विविधता से हमारी पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण होता है, जो एक दूसरे के जीवन यापन में सहायक होते हैं। जैव विविधता पृथ्वी पर पाई जाने वाली जीवों की विभिन्न प्रजातियों को कहा जाता है। भारत अपनी जैव विविधता के लिए विश्व विख्यात है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत 17 उच्चकोटि के जैव विविधता वाले देशों में से एक है तथा पूरे विश्व की जैव विविधता में भारत की 7 प्रतिशत भागीदारी है। भारत की भौगोलिक स्थिति देशवासियों को विभिन्न प्रकार के मौसम प्रदान करती है। भारत में 17 कृषि जलवायु जोन हैं, जिनसे अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थ प्राप्त होते हैं। देश के जंगलों में विभिन्न प्रकार के नभचर, थलचर एवं उभयचर प्रवास करते हैं। इनमें रहने वाले पक्षी, कीट एवं जीव जैव विविधता को बढ़ाने में सहायक होते हैं। प्रकृति मनुष्य एवं जीव जन्तुओं के जीवन के प्रारम्भ से अंत तक के लिये रहने योग्य, रहने आदि सभी की व्यवस्था उपलब्ध कराती है। मनुष्य खेती कर भूमि से अपने भोजन हेतु अन्न एवं सब्जियां उगाता है तथा आवश्यक होने पर प्रकृति प्रदत्त औषधियों से उपचार करता है। पटेल ने कहा कि हमारा देश वैदिक काल से ही अपनी औषधीय विविधता के लिए प्रसिद्ध रहा है। अथर्ववेद में औषधीय पौधे एवं उनके प्रयोग का उल्लेख मिलता है। इसी तरह रामायण में भी बरगद, पीपल, आंवला, बेल एवं अशोक का उल्लेख मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कोविड-19 से बचाव हेतु क्लोरोक्विन दवा का प्रयोग कई देशों द्वारा किया जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा उत्पादन एवं निर्यात भारत द्वारा पूरे विश्व में किया जा रहा है। इस दवा का प्रयोग मलेरिया बीमारी के लिए होता है। यह चिन्कोना पेड़ से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर जैव विविधता के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए और अधिक से अधिक वन, बगीचे,औषधीय पौधे एवं फूलों को लगाना चाहिए। इससे हमारे आस-पास के जैव विविधता में बढ़ोत्तरी होगी और पर्यावरण की शुद्धता में भी सुधार होगा। इससे पहले राज्यपाल ने राजभवन से ही लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में महिला सामुदायिक प्रसाधन केन्द्र का ई.शिलान्यास किया और लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित न्यूजलेटर तथा लखनऊ शहर के जैव विविधता सूचकांक का लोकार्पण भी किया।

2021-22

बृहस्पतिवार • 16.09.2021

अमर उजाला

युवाओं को पौधरोपण से जोड़ने की जरूरत : दारा सिंह चौहान



पायनियर

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 16 सितम्बर, 2021

युवाओं को पौधरोपण कार्यक्रम से जोड़ने की जरूरत: दारा सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ



● वन मंत्री ने जैवविविधता दिवस के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया पुरस्कृत

हिन्दुस्तान

लखनऊ • बुधवार • 16 सितम्बर 2021

जैव विविधता दिवस पर प्रतियोगी हुए पुरस्कृत

राज्य मुख्यालय। वन मंत्री दारा सिंह चौहान ने वृक्षारोपण जन आन्दोलन प्रतियोगिता एवं अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधिता दिवस के अवसर पर लखनऊ में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में मेरा पेड़ मेरा साथी (वीडियो) प्रतियोगिता में गोरखपुर के डॉक्टर विनय शंकर को प्रथम, झांसी के गौरव गर्ग को द्वितीय, वाराणसी की श्रृष्टि सिंह को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। 'मेरा घर मेरा बगीचा' (फोटो) प्रतियोगिता में लखनऊ की रिचा दीक्षित को प्रथम, झांसी की नीतू रविकुल को द्वितीय, आगरा की अनीता अग्रवाल तृतीय स्थान पर रही।

जैव विविधता के प्रति किया जागरूक

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर यूपी राज्य जैव विविधता बोर्ड के सहयोग से लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ वाइल्डलाइफ स्टडीज की ओर से दो दिवसीय ई-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। हम समाधान का हिस्सा हैं विषयक वेबिनार में मुख्य अतिथि डॉ. मनोज पारतेरिया, डीएसटी ने लोगों को इसके फायदे से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि लविवि की डीन रिसर्च प्रो. मोनिषा बनर्जी व यूपीएसबीबी के आशुबोध पंत ने जैव विविधता के लाभ से अवगत कराया। वेबिनार में इंडोनेशिया और पाकिस्तान के वक्ताओं ने भी संरक्षण की बात की। कार्यक्रम में पीपल बायो डायवर्सिटी रजिस्टर मॉड्यूल नामक सार पुस्तक का विमोचन किया गया।

लखनऊ। बृहस्पतिवार • 16 सितम्बर • 2021

सहारा | www.rashtriyasahara.com

बच्चों में वृक्षारोपण का संस्कार विकसित करने की जरूरत : दारा सिंह



जन आन्दोलन प्रतियोगिता एवं अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधिता प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

दैनिक जागरण
16.09.2021

वन मंत्री ने विजेताओं को किया सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : वन मंत्री दारा सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि कोरोना संक्रमण ने सभी को पेड़ पौधों व आयुर्वेद की महत्ता समझा दी है। वन मंत्री बुधवार को लखनऊ में पौधारोपण जन आंदोलन-2021 एवं अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस-2021 पर आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत कर रहे थे। वर्ष 2022-23 के लिए पौधरोपण की तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए।

जैव विविधता संरक्षण पर किया मंथन

लखनऊ। जैव विविधता अन्तरराष्ट्रीय दिवस अवसर पर यूपी राज्य जैव विविधता बोर्ड के सहयोग से लखनऊ विश्वविद्यालय के एनविस-आरपी, आईडब्ल्यूएस (इंस्टीट्यूट ऑफ वाइल्डलाइफ स्टडीज), लखनऊ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय ई-संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में वैज्ञानिक डॉ. मनोज पारतेरिया और विशेष अतिथि के रूप में डीन रिसर्च, एलयू की प्रो. मोनिषा बनर्जी उपस्थित रहीं। यूपीएसबीबी के आशुबोध पंत ने जैव विविधता के एक्सेस बेनिफिट शेयरिंग पर वक्तव्य दिया। इंडोनेशिया और पाकिस्तान के दो मेहमानों ने जैव विविधता संरक्षण पर बात भी की।

आज
16.09.2021

युवाओं में पर्यावरण संरक्षण का संस्कार विकसित करना आज की आवश्यकता-दारा सिंह चौहान

लखनऊ। बच्चों व युवाओं में पर्यावरण संरक्षण का संस्कार विकसित करने के लिए वन विभाग द्वारा कराये गये विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं जन्तु उद्यान मंत्री दारा सिंह चौहान भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश को हरा-भरा बनाने के लिए बच्चों में पर्यावरण संरक्षण का संस्कार विकसित करने एवं युवाओं को पौधरोपण कार्यक्रम से सक्रिय रूप से जोड़ना आज समय की आवश्यकता है। इन प्रतियोगिताओं में मेरा पेड़, मेरा साथी प्रतियोगिता में गोरखपुर के डाक्टर विनय शंकर, मेरा घर, मेरा बगीचा प्रतियोगिता में लखनऊ की ऋचा दीक्षित, मेरा शहर, मेरा हराभरा शहर प्रतियोगिता में प्रयागराज की धरम सुलानविल अव्वल रहीं। वहीं मेरा पेड़, मेरा साथी (सेल्फी) प्रतियोगिता में अलीगढ़ के प्रकाश सक्सेना, मेरा पेड़, मेरा साथी (ड्राइंग) में ललितपुर के अचल सिंह अव्वल रहे। इस प्रतियोगिता में कक्षा चार से आठ तक के विद्यार्थियों में पोस्टर, कोलाज, स्लोगन लेखन मंल नवधा मुद्गल, कक्षा छह सेंट्रल एकेडमी, इंदिरा नगर, लखनऊ, सजल जैन आगरा पब्लिक स्कूल व सोक्षाक्षी उपाध्याय अव्वल रहीं। वहीं कक्षा नौ से 12 तक के विद्यार्थियों में लखनऊ की सौम्या श्रीवास्तव, आन्या गुप्ता व शक्ति सिंह अव्वल रहे। मौलश्री प्रेक्षागृह कुकरैल लखनऊ में पुरस्कार वितरण के पश्चात मंत्री दारा सिंह चौहान द्वारा वर्ष 2022-23 हेतु पौधरोपण का निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने हेतु भूमि का चयन, स्थानीय समुदाय से विचार विमर्श कर रोपित की जाने वाली पौध प्रजातियों का निर्धारण एवं पौधशाला में उपयुक्त ऊँचाई की उच्च गुणवत्ता युक्त पौध उगाने हेतु मुख्यालय स्तर के अधिकारियों तथा समस्त जोनल व मण्डलीय मुख्य वन संरक्षकों से विचार विमर्श कर तथा प्रदेश के समस्त वन संरक्षकों एवं प्रभागीय वनाधिकारियों से वर्चुअल मीटिंग में निर्देश दिया।

परिशिष्ट

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD..-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 858] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 7, 2016/चैत्र 18, 1938
No. 858] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 7, 2016/CHAITRA 18, 1938

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 2016

का.आ. 1352(अ).—केन्द्रीय सरकार, जैविक विविधता अधिनियम, 2002 (2003 का 18) की धारा 40 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना सं; का.आ. 2726(अ), तारीख 26 अक्तूबर, 2009 को अधिक्रांत करते हुए, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण के परामर्श से यह घोषणा करती है कि इस अधिनियम के उपबंध नीचे सारणी के स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट जैविक संसाधनों को लागू नहीं होंगे जिनका पूर्वोक्त सारणी के स्तंभ (5) में यथा विनिर्दिष्ट पादप के भाग के साथ उक्त सारणी के स्तंभ (4) में यथा उल्लिखित व्याख्यात्मक व्यापारिक या सामान्य नाम है और जिनका पूर्वोक्त सारणी के स्तंभ (6) में यथा उल्लिखित स्रोत है, यदि उक्त जैविक संसाधनों का सामान्यतया उक्त सारणी के नीचे दिए गए टिप्पण में प्रगणित निबंधनों के अधीन रहते हुए वस्तुओं के रूप में व्यापार किया जाता है, अर्थात्:-

क्र. सं.	मद	जैविक संसाधन	व्याख्यातमक व्यापार या सामान्य नाम	पादम भाग	प्रेत (कृषित=सी; वन्य डब्ल्यू कृषित+ वन्य मिश्रित एम
1	2	3	4	5	6
	I. अनाज				
1.a		होर्डियम वुलगेर	जौ	बाली/दाना	सी
1.b		होर्डियम वुलगेर	जौ	सम्पूर्ण पौधा	सी
2.a		ओराइजा सटाइवा	धान	बाली/दाना	सी
2.b		ओराइजा सटाइवा	धान	सम्पूर्ण पौधा	सी
3.a		सिकल सिरेल	राई	बाली/दाना	सी
3.b		सिकल सिरेल	राई	सम्पूर्ण पौधा	सी
4.a		ट्रिटिकम एस्टीवम	गेंहू	बाली/दाना	सी

4.b		ट्रिटिकम एस्टीवम	गेंहू	सम्पूर्ण पौधा	सी
5.a		ट्रिटिकम ड्यूरम	मैकरोनी गेंहू	बाली/दाना	सी
5.b		ट्रिटिकम ड्यूरम	मैकरोनी गेंहू	सम्पूर्ण पौधा	सी
6.a		जिया मेस	मक्का	बाली/दाना	सी
6.b		जिया मेस	मक्का	सम्पूर्ण पौधा	सी
	II. **बाजरा**				
7.a		इकाइनोक्लोवा कोलोना	बड़ा बाजरा	बाली/दाना	सी
7.b		इकाइनोक्लोवा कोलोना	बड़ा बाजरा	सम्पूर्ण पौधा	सी
8.a		इल्यूसिन कोराकाना	रागी बाजरा	बाली/दाना	सी
8.b		इल्यूसिन कोराकाना	रागी बाजरा	सम्पूर्ण पौधा	सी
9.a		पैनिकम मिलियासियम	सामान्य बाजरा	बाली/दाना	सी
9.b		पैनिकम मिलियासियम	सामान्य बाजरा	सम्पूर्ण पौधा	सी
10.a		पैनिकम सुमात्रेन्स	छोटा बाजरा	बाली/दाना	सी
10.b		पैनिकम सुमात्रेन्स	छोटा बाजरा	सम्पूर्ण पौधा	सी
11.a		पैसपलम स्क्रोबिकुलेटम	कोडो बाजरा	बाली/दाना	सी
11.b		पैसपलम स्क्रोबिकुलेटम	कोडो बाजरा	सम्पूर्ण पौधा	सी
12.a		पेन्निसिटम ग्लावकम	मोती बाजरा	बाली/दाना	सी
12.b		पेन्निसिटम ग्लावकम	मोती बाजरा	सम्पूर्ण पौधा	सी
13.a		सिटेरिया इटेलिका	इटैलियन बाजरा	बाली/दाना	सी
13.b		सिटेरिया इटेलिका	इटैलियन बाजरा	सम्पूर्ण पौधा	सी
14.a		सोरघम बाइकोलर	ज्वार	बाली/दाना	सी
14.b		सोरघम बाइकोलर	ज्वार	सम्पूर्ण पौधा	सी
	III. **दालें**				
15.a		कैजेनस कैजन	अरहर	बीज	सी
15.b		कैजेनस कैजन	अरहर	फली	सी
16.a		सिसर एरिटिनम	बंगाल चना	बीज	सी
16.b		सिसर एरिटिनम	बंगाल चना	फली	सी
17.a		लबलब पुरपुरियस	लोबिया	बीज	सी
17.b		लबलब पुरपुरियस	लोबिया	फली	सी
18.a		लैथाइरस सटाइवस	खेसरी दाल	बीज	सी
18.b		लैथाइरस सटाइवस	खेसरी दाल	फली	सी
19.a		लेंस कुलिनेरिस	मसूर	बीज	सी
19.b		लेंस कुलिनेरिस	मसूर	फली	सी
20.a		मैक्रोटाइलोमा यूनिफ्लोरम	काला चना	बीज	सी
20.b		मैक्रोटाइलोमा यूनिफ्लोरम	काला चना	फली	सी
21.a		पाइसम सटाईवम प्रभेद अरवेन्से	मटर	बीज	सी
21.b		पाइसम सटाईवम प्रभेद अरवेन्से	मटर	फली	सी
22.a		विसिया क्रासा	लोबिया	बीज	सी
22.b		विसिया क्रासा	लोबिया	फली	सी

23.a		विसिया फाबा	लोबिया बड़ा	बीज	सी
23.b		विसिया फाबा	लोबिया बड़ा	फली	सी
24.a		विसिया सटाईवा	खेसरी दाल	बीज	सी
24.b		विसिया सटाईवा	खेसरी दाल	फली	सी
25.a		विग्ना एकोनिटिफोलिया	मूंग	बीज	सी
25.b		विग्ना एकोनिटिफोलिया	मूंग	फली	सी
26.a		विग्ना एन्गुलेरिस	लाल लोबिया	बीज	सी
26.b		विग्ना एन्गुलेरिस	लाल लोबिया	फली	सी
27.a		विग्ना मूंगो	मूंग काली	बीज	सी
27.b		विग्ना मूंगो	मूंग काली	फली	सी
28.a		विग्ना रेडियाटा	मूंग हरी	बीज	सी
28.b		विग्ना रेडियाटा	मूंग हरी	फली	सी
29.a		विग्ना अम्बेलाटा	चावल मूंग	बीज	सी
29.b		विग्ना अम्बेलाटा	चावल मूंग	फली	सी
	IV. **तैलीय बीज**				
30.a		अरेकिस हाइपोजिया	मूंगफली	बीज	सी
30.b		अरेकिस हाइपोजिया	मूंगफली	फली	सी
31.a		ब्रेसिका कम्पेस्ट्रीस प्रभेद पीली सरसों	पीली सरसों	बीज	सी
31.b		ब्रेसिका कम्पेस्ट्रीस प्रभेद पीली सरसों	पीली सरसों	फली	सी
32.a		ब्रेसिका कम्पेस्ट्रीस प्रभेद भूरी सरसों	भूरी सरसों	बीज	सी
32.b		ब्रेसिका कम्पेस्ट्रीस प्रभेद भूरी सरसों	भूरी सरसों	फली	सी
33.a		ब्रेसिका जन्सिया	सरसों काली	बीज	सी
33.b		ब्रेसिका जन्सिया	सरसों काली	फली	सी
34.a		ब्रेसिका नेपस	सरसों	बीज	सी
34.b		ब्रेसिका नेपस	सरसों	फली	सी
35.a		ब्रेसिका रापा	सरसों	बीज	सी
35.b		ब्रेसिका रापा	सरसों	फली	सी
36.		कारथेमस टिंक्टोरियस	कुसुम	बीज	सी
37.a		इरूका सटाईवा उपजाति सटाईवा	तारामीरा	फली	सी
37.b		इरूका सटाईवा उपजाति सटाईवा	तारामीरा	बीज	सी
38.a		ग्लाइसिन मैक्स	सोयाबीन	फली	सी
38.b		ग्लाइसिन मैक्स	सोयाबीन	बीज	सी
39.		ग्यूज़ोटिया एबायस्सीनिका	नीगर	फली	सी
40.a		हेलिऐन्थस एन्नस	सूर्यमुखी	बीज	सी
40.b		हेलिऐन्थस एन्नस	सूर्यमुखी	फली	सी
41.a		लाइनम यूसिटाटिस्सीमम	अलसी	बीज	सी

41.b		लाइनम यूसिटाटिस्सीमम	अलसी	फली	सी
42.a		रिसिनस कोम्मूनिस	अरंडी	बीज	सी
42.b		रिसिनस कोम्मूनिस	अरंडी	फली	सी
43.a		सिसेमम इंडिकम	तिल	बीज	सी
43.b		सिसेमम इंडिकम	तिल	फली	सी
	V. **रेशा प्रदत्त फसलें**				
44.a		कोरकोरस कैप्सूलेरिस	सफेद जूट	बीज	सी
44.b		कोरकोरस कैप्सूलेरिस	सफेद जूट	सम्पूर्ण पौधा	सी
44.c		कोरकोरस कैप्सूलेरिस	सफेद जूट	फाइबर	सी
44.d		कोरकोरस कैप्सूलेरिस	सफेद जूट	तना	सी
45.a		कोरकोरस ऑलिटोरियस	टोसा जूट	बीज	सी
45.b		कोरकोरस ऑलिटोरियस	टोसा जूट	सम्पूर्ण पौधा	सी
45.c		कोरकोरस ऑलिटोरियस	टोसा जूट	फाइबर	सी
45.d		कोरकोरस ऑलिटोरियस	टोसा जूट	तना	सी
46.a		गोसिपियम अरबोरियम	वृक्ष कपास	फाइबर	सी
46.b		गोसिपियम अरबोरियम	वृक्ष कपास	बीजावरण	सी
47.a		गोसिपियम बारबाडेन्से	कपास	फाइबर	सी
47.b		गोसिपियम बारबाडेन्से	कपास	बीजावरण	सी
47.c		गोसिपियम बारबाडेन्से	कपास	सम्पूर्ण पौधा	सी
48.a		गोसिपियम हरबेसियम	कपास	फाइबर	सी
48.b		गोसिपियम हरबेसियम	कपास	बीजावरण	सी
48.c		गोसिपियम हरबेसियम	कपास	सम्पूर्ण पौधा	सी
49.a		गोसिपियम हिरसूटम	कपास	फाइबर	सी
49.b		गोसिपियम हिरसूटम	कपास	बीजावरण	सी
49.c		गोसिपियम हिरसूटम	कपास	सम्पूर्ण पौधा	सी
50.a		हिबिस्कस सबदरिफ्फा	लाल बेंत	तना	सी
50.b		हिबिस्कस सबदरिफ्फा	लाल बेंत	फाइबर	सी
50.c		हिबिस्कस सबदरिफ्फा	लाल बेंत	सम्पूर्ण पौधा	सी
50.d		हिबिस्कस सबदरिफ्फा	लाल बेंत	बीज	सी
	V. **चारा फसलें**				
51.a		एविना सटाईवा	जई	सम्पूर्ण पौधा	सी
51.b		एविना सटाईवा	जई	बाली	सी
52.a		सेन्क्रस सिलिऐरिस	बूफेल घास	सम्पूर्ण पौधा	सी
52.b		सेन्क्रस सिलिऐरिस	बूफेल घास	बाली	सी
53.a		सेन्क्रस सेटिजेरस	बर्डवुड घास	सम्पूर्ण पौधा	सी
53.b		सेन्क्रस सेटिजेरस	बर्डवुड घास	बाली	सी
54.a		क्राइसोपोगोन फल्वस	दाराफ घास	सम्पूर्ण पौधा	सी
54.b		क्राइसोपोगोन फल्वस	दाराफ घास	बाली	सी
55.a		डाईकैन्थियम एन्नूलेटम	मारवेल घास	सम्पूर्ण पौधा	सी

55.b		डाईकैन्थियम एन्नूलेटम	मारवेल घास	बाली	सी
56.a		यूकैलेयना मैक्सिकाना	टियोसिंटे	सम्पूर्ण पौधा	सी
56.b		यूकैलेयना मैक्सिकाना	टियोसिंटे	बाली	सी
57.a		फैगोपायरम एस्कुलेनटम	मोथी अनाज	सम्पूर्ण पौधा	सी
57.b		फैगोपायरम एस्कुलेनटम	मोथी अनाज	बीज	सी
58.a		फिस्टुका जाति	फिस्टुका	सम्पूर्ण पौधा	सी
58.b		फिस्टुका जाति	फिस्टुका	बीज	सी
59.a		मेडिकागो सटाईवा	लूसिरिन (घास)	सम्पूर्ण पौधा	सी
59.b		मेडिकागो सटाईवा	लूसिरिन (घास)	बीज	सी
59.c		मेडिकागो सटाईवा	लूसिरिन (घास)	फली	सी
60.a		मेलिलोटस इंडिकस	मीठी लौंग	सम्पूर्ण पौधा	सी
60.b		मेलिलोटस इंडिकस	मीठी लौंग	बीन	सी
60.c		मेलिलोटस इंडिकस	मीठी लौंग	फली	सी
61.a		पैनिकम मैक्सिमम	ग्वेना घास	सम्पूर्ण पौधा	सी
61.b		पैनिकम मैक्सिमम	ग्वेना घास	बाली	सी
62.a		पेन्निसिटम पेडिसिलेटम	दिनानाथ घास	सम्पूर्ण पौधा	सी
62.b		पेन्निसिटम पेडिसिलेटम	दिनानाथ घास	बाली	सी
63.a		पेन्निसिटम पुरपुरियम	नेपियर घास	सम्पूर्ण पौधा	सी
63.b		पेन्निसिटम पुरपुरियम	नेपियर घास	बाली	सी
64.		सिटेरिया स्फेसिलाटा	गोन्डन ब्रिस्टल घास	सम्पूर्ण पौधा	सी
65.a		सोरघम बाईकोलर उपजाति ड्रमोन्डाई	सूडान घास	सम्पूर्ण पौधा	सी
65.b		सोरघम बाईकोलर उपजाति ड्रमोन्डाई	सूडान घास	बाली	सी
66.a		स्टाईलोजेन्थस गुयानेन्सिस	स्टाईलो	सम्पूर्ण पौधा	सी
66.b		स्टाईलोजेन्थस गुयानेन्सिस	स्टाईलो	बाली	सी
67.a		ट्राईफोलियम एलक्सेन्ड्रियम	इजीप्टीयन लौंग	सम्पूर्ण पौधा	सी
67.b		ट्राईफोलियम एलक्सेन्ड्रियम	इजीप्टीयन लौंग	बाली	सी
	VII. **हरी खाद प्रदत्त पौधे**				
68.a		क्रोटोलेरिया जंसिया	पटसन	सम्पूर्ण पौधा	सी
68.b		क्रोटोलेरिया जंसिया	पटसन	बीज	सी
69.a		हिबिस्कस कैन्नाबिनस	भांग	सम्पूर्ण पौधा	सी
69.b		हिबिस्कस कैन्नाबिनस	भांग	बीज	सी
70.a		सेसबानिया एक्यूलियाटा	ढैंचा	सम्पूर्ण पौधा	सी
70.b		सेसबानिया एक्यूलियाटा	ढैंचा	बीज	सी
70.c		सेसबानियाएक्यूलियाटा	ढैंचा	फली	सी
	VIII. **शक्कर प्रदत्त फसलें**				
71.a		सैकेरम ऑफिसिनारम	गन्ना	तना	सी

71.b		सैकेरम ऑफिसिनारम	गन्ना	सम्पूर्ण पौधा	सी
	IX. **मादक औषधी**				
72.a		निकोटियाना तबाकम	तम्बाकू	पत्तियाँ	सी
72.b		निकोटियाना तबाकम	तम्बाकू	पत्तियाँ	सी
	X. **सीताफल कुल के पौधे**				
73.a		बेनिन्कासा हिस्पीडा	सफेद लौकी	पत्तियाँ	सी
73.b		बेनिन्कासा हिस्पीडा	सफेद लौकी	फल	सी
73.c		बेनिन्कासा हिस्पीडा	सफेद लौकी	पुष्प	सी
74.a		सिट्रूल्लस लानाटस	तरबूज	फल	सी
74.b		सिट्रूल्लस लानाटस	तरबूज	रिंड	सी
75.a		कोक्सीनिया ग्रैन्डिस	घीया लौकी	जड़	सी
75.b		कोक्सीनिया ग्रैन्डिस	घीया लौकी	फल	सी
76.a		कुकुमिस कैल्लोसस	खीरा	फल	सी
76.b		कुकुमिस कैल्लोसस	खीरा	बीज	सी
77.a		कुकुमिस मेलो	खरबूजा	फल	सी
77.b		कुकुमिस मेलो	खरबूजा	बीज	सी
78.		कुकुमिस मेलो प्रभेद मोमोर्डिका	खरबूजा	फल	सी
79.a		कुकुमिस मेलो प्रभेद यूटिलिस्सीमस	ककड़ी	जड़ ट्यूबर	सी
79.b		कुकुमिस मेलो प्रभेद यूटिलिस्सीमस	ककड़ी	फल	सी
80.a		कुकुमिस सटाईवस	खीरा	फल	सी
80.b		कुकुमिस सटाईवस	खीरा	जड़ ट्यूबर	सी
81.		कुकुरबिटा मैक्सीमा	सीताफल	फल	सी
82.a		कुकुरबिटा मोस्काटा	सीताफल	पुष्प	सी
82.b		कुकुरबिटा मोस्काटा	सीताफल	तना	सी
82.c		कुकुरबिटा मोस्काटा	सीताफल	फल	सी
83.a		कुकुरबिटा पेपो	पीला सीताफल	फल	सी
83.b		कुकुरबिटा पेपो	पीला सीताफल	पुष्प	सी
83.c		कुकुरबिटा पेपो	पीला सीताफल	पत्तियाँ	सी
83.d		कुकुरबिटा पेपो	पीला सीताफल	बीज	सी
84.		लेजिनेरिया सिसेरेरिया	लौकी	फल	सी
85.a		लूफा एक्यूटेन्गुला	तोरी	जड़	सी
85.b		लूफा एक्यूटेन्गुला	तोरी	फल	सी
86.a		लूफा सिलेन्ड्रिका	तोरी	फल	सी
86.b		लूफा सिलेन्ड्रिका	तोरी	बीज	सी
87.a		मोमोर्डिका करेन्सिया	करेला	फल	सी
87.b		मोमोर्डिका करेन्सिया	करेला	बीज	सी
87.c		मोमोर्डिका करेन्सिया	करेला	जड़	सी
88.a		प्रेसिट्रूलस फिस्टोलोस्स	टिंडा	फल	सी

88.b		प्रेसिट्रूलस फिस्टोलोस्स	टिंडा	जड़	सी
88.c		प्रेसिट्रूलस फिस्टोलोस्स	टिंडा	बीज	सी
89.a		सेसियम इड्यूले	क्वास	फल	सी
89.b		सेसियम इड्यूले	क्वास	ट्यूबर	सी
89.c		सेसियम इड्यूले	क्वास	पत्तियाँ	सी
90.a		ट्राइकोसेन्थीस कुकुमेरिना	चचिण्डा	पत्तियाँ	सी
90.b		ट्राइकोसेन्थीस कुकुमेरिना	चचिण्डा	तना	सी
90.c		ट्राइकोसेन्थीस कुकुमेरिना	चचिण्डा	बीज	सी
90.d		ट्राइकोसेन्थीस कुकुमेरिना	चचिण्डा	ट्यूबर	सी
90.e		ट्राइकोसेन्थीस कुकुमेरिना	चचिण्डा	फल	सी
91.a		ट्राइकोसेन्थीस डायोका	परवल	जड़	सी
91.b		ट्राइकोसेन्थीस डायोका	परवल	फल	सी
	XI. **गोभी कुल की फसलें**				
92.a		ब्रेसिका रापा उपजाति चाइनेन्सिस	गोभी	पत्ती	सी
92.b		ब्रेसिका रापा उपजाति चाइनेन्सिस	गोभी	सम्पूर्ण पौधा	सी
93.a		ब्रेसिका रापा उपजाति पेकिनेन्सिस	गोभी	पत्तियाँ	सी
93.b		ब्रेसिका रापा उपजाति पेकिनेन्सिस	गोभी	सम्पूर्ण पौधा	सी
	XII. **हरी पत्तेदार सब्जियाँ**				
94.		एबेलमोस्कस एस्कुलेन्टस	भिंडी/ओकरा	फल	सी
95.		लियम एम्पीलोप्रेसम	लीक	सम्पूर्ण पौधा	सी
96.a		एमारेन्थस ब्लाईटम	चौलाई	पत्तियाँ	सी
96.b		एमारेन्थस ब्लाईटम	चौलाई	सम्पूर्ण पौधा	सी
97.a		एमारेन्थस क्रुएन्टस	चौलाई	बाली	सी
97.b		एमारेन्थस क्रुएन्टस	चौलाई	पत्तियाँ	सी
98.a		एमारेन्थस ट्राइकलर	चौलाई लाल	पत्तियाँ	सी
98.b		एमारेन्थस ट्राइकलर	चौलाई लाल	सम्पूर्ण पौधा	सी
99.a		एपियम ग्रेवियोलेन्स प्रभेद डूल्स	सिलेरी	पत्तियाँ	सी
99.b		एपियम ग्रेवियोलेन्स प्रभेद डूल्स	सिलेरी	सम्पूर्ण पौधा	सी
100.a		एस्परेगस ऑफिसिनेलिस	शतावर	तना	सी
100.b		एस्परेगस ऑफिसिनेलिस	शतावर	सम्पूर्ण पौधा	सी
101.a		बिटा वुलगेरिस	चुकन्दर	जड़	सी
101.b		बिटा वुलगेरिस	चुकन्दर	पत्तियाँ	सी
102.a		बिटा वुलगेरिस प्रभेद बेन्गालेन्सिस	समुद्री चुकन्दर	पत्तियाँ	सी
102.b		बिटा वुलगेरिस प्रभेद बेन्गालेन्सिस	समुद्री चुकन्दर	पुष्प	सी
102.c		बिटा वुलगेरिस प्रभेद बेन्गालेन्सिस	समुद्री चुकन्दर	जड़	सी

103.a		बिटा वुलगेरिस प्रभेद फ्लेविसेन्स	पालक चुकन्दर	पत्तियाँ	सी
103.b		बिटा वुलगेरिस प्रभेद फ्लेविसेन्स	पालक चुकन्दर	सम्पूर्ण पौधा	सी
104.		ब्रेसिका ऑलिरेसिया प्रभेद बोट्राटिस	फूलगोभी	पुष्प कलिका	सी
105.		ब्रेसिका ऑलिरेसिया प्रभेद कैपिटाटा	बंदगोभी	पत्तियाँ	सी
106.a		ब्रेसिका ऑलिरेसिया प्रभेद जेम्मिफेरा	गांठगोभी	पत्तियाँ	सी
106.b		ब्रेसिका ऑलिरेसिया प्रभेदजेम्मिफेरा	गांठगोभी	कलिका	सी
107.a		ब्रेसिका ऑलिरेसिया प्रभेद गोन्गायलोडिस	कोल्राबी	ट्यूबर तना	सी
107.b		ब्रेसिका ऑलिरेसिया प्रभेद गोन्गायलोडिस	कोल्राबी	पत्तियाँ	सी
108.a		ब्रेसिका ऑलिरेसिया प्रभेद इटेलिका	ब्रोकली	पुष्प कलिका	सी
108.b		ब्रेसिका ऑलिरेसिया प्रभेद इटेलिका	ब्रोकली	बीज फली	सी
109.a		सायमोप्सीस ट्रेटागोनोलोबा	ग्वार लोबिया	फली	सी
109.b		सायमोप्सीस ट्रेटागोनोलोबा	ग्वार लोबिया	बीज	सी
110.		सायनारा कार्डून्कुलस प्रभेद स्कोलायमस	जंगली चुकंदर	सम्पूर्ण पौधा	सी
111.a		डाउकस कैरोटा	जंगली गाजर	जड़	सी
111.b		डाउकस कैरोटा	जंगली गाजर	पुष्प	सी
112.a		लबलब पुरपुरियेस (समरूप डोलिकस लबलब)	सेम	फली	सी
112.b		लबलब पुरपुरियेस (समरूप डोलिकस लबलब)	सेम	बीज	सी
113.a		लैक्टूका सटाईवा	पालक	पत्तियाँ	सी
113.b		लेक्टूका सटाईवा	पालक	बीज	सी
114.		लाइकोपरसिकोन एस्कुलेन्टस	टमाटर	फल	सी
115.a		मोरिन्गा ऑलिफेरा	सहजनी	फल	सी
115.b		मोरिन्गा ऑलिफेरा	सहजनी	पत्तियाँ	सी
115.c		मोरिन्गा ऑलिफेरा	सहजनी	बीज	सी
115.d		मोरिन्गा ऑलिफेरा	सहजनी	जड़	सी
116.a		पेट्रोसेलिनम क्रिस्पम	अजवायन	पत्तियाँ	सी
116.b		पेट्रोसेलिनम क्रिस्पम	अजवायन	जड़	सी
116.c		पेट्रोसेलिनम क्रिस्पम	अजवायन	बीज	सी
117.a		फेसियोलस वुलगेरिस	राजमा	पत्तियाँ	सी
117.b		फेसियोलस वुलगेरिस	राजमा	फली	सी
117.c		फेसियोलस वुलगेरिस	राजमा	बीज	सी
118.a		पाइसम सटाईवम	मटर	फली	सी
118.b		पाइसम सटाईवम	मटर	बीज	सी
119.a		रेफेनस सटाईवूस	मूली	पत्तियाँ	सी
119.b		रेफेनस सटाईवूस	मूली	बीज	सी

119.c		रेफेनस सटाईवूस	मूली	जड़	सी
120.a		सेसबानिया ग्रैन्डिफ्लोरा	अगाती	पुष्प	सी
120.b		सेसबानिया ग्रैन्डिफ्लोरा	अगाती	फली	सी
121.		सोलेनम मिलोन्जीना	बैंगन	फल	सी
122.		स्पीनासिया ऑलिरेसिया	पालक	पत्तियाँ	सी
123.a		ट्राइगोनेल्ला कार्निकुलाटा	मेथी	बीज	सी
123.b		ट्राइगोनेल्ला कार्निकुलाटा	मेथी	सम्पूर्ण पौधा	सी
124.a		विग्ना उन्गुईकोलाटा	लोबिया	पत्तियाँ	सी
124.b		विग्ना उन्गुईकोलाटा	लोबिया	बीज	सी
124.c		विग्ना उन्गुईकोलाटा	लोबिया	फली	सी
	XIII. **सरसों कुल की सब्जियाँ**				
125.a		रेफेनस कॉउडेटस	मूली	फली	सी
125.b		रेफेनस कॉउडेटस	मूली	बीज	सी
	XIV. **कंद फसलें**				
126.a		एलियम सेपा प्रभेद एग्रिगेटम	प्याज	बल्ब /कंद	सी
126.b		एलियम सेपा प्रभेद एग्रिगेटम	प्याज	बल्ब /कंद	सी
	XV. **ट्यूबर, राइजोम्स एवं पीथ**				
127.		एलियम सेपा	प्याज	बल्ब /कंद	सी
128.		एनियम सटाईवम	लहसुन	बल्ब /कंद	सी
129.		एमोरफोफेल्लस पियोनिफोलियस	जिमीकंद	जड़	सी
130.a		अरमोरेसिया रस्टीसियाना	मूली	ट्यूबर	सी
130.b		अरमोरेसिया रस्टीसियाना	मूली	सम्पूर्ण ट्यूबर	सी
131.a		कोलोकेशिया एस्कुलेन्टा	अरबी	पत्ती	सी
131.b		कोलोकेशिया एस्कुलेन्टा	अरबी	राइजोम	सी
132.		डायोस्कोरिया अलाटा	अरारोट	ट्यूबर	सी
133.		डायोस्कोरिया कायनेन्निस उपजाति रोटून्डा	ग्वेना कंद	ट्यूबर	सी
134.		डायोस्कोरिया एस्कुलेन्टा	लेस्सर कंद	ट्यूबर	सी
135.		आइपोमिया बटाटस	शकरकंद	ट्यूबर जड़	सी
136.a		मनिहोत एस्कुलेन्टा	कसावा	ट्यूबर जड़	सी
136.b		मनिहोत एस्कुलेन्टा	कसावा	तना	सी
137.		मारान्टा एरून्टीफोलियूस	अरारोट	ट्यूबर जड़	सी
138.		मेट्रोजायलोन सागू	सागो	पीथ	सी
139.		पैचिराइजस इरोसस	मिश्रीकंद	जड़	सी
140.		प्लेक्टेरेन्थस रोटून्डिफोलियस	कोलीयस आलू	ट्यूबर जड़	सी
141.		सोलेनम ट्यूबरोसम	आलू	ट्यूबरस तना	सी
	XVI. **जड़ीय फसलें**				
142.a		एपियम ग्रेवियोलेन्स प्रभेद	सिलेरी	जड़ कंद	सी

		रापिसियम			
142.b		एपियम ग्रेवियोलेन्स प्रभेद रापिसियम	सिलेरी	सम्पूर्ण पौधा	सी
143.a		बिटा वुल्गेरिस प्रभेद रूब्रा	चुकंदर	जड़ ट्यूबर	सी
143.b		बिटा वुल्गेरिस प्रभेद रूब्रा	चुकंदर	सम्पूर्ण पौधा	सी
	XVII. **फल**				
144.		एक्टीनिडिया चाइनेन्सिस	कीवी फल	फल	सी
145.		अनानस कोमोसूस	अनानास	फल	सी
146.a		एनोना रेटिकुलाटा	शरीफा/रामफल	फल	सी
146.b		एनोना रेटिकुलाटा	शरीफा/रामफल	छाल	सी
146.c		एनोना रेटिकुलाटा	शरीफा/रामफल	पत्तियाँ	सी
147.		एनोना स्क्वेमोसा	शरीफा/सीताफल	फल	सी
148.a		आर्टोकार्पस हेटरोफायलस	कटहल	फल	सी
148.b		आर्टोकार्पस हेटरोफायलस	कटहल	बीज	सी
148.c		आर्टोकार्पस हेटरोफायलस	कटहल	पत्तियाँ	सी
148.d		आर्टोकार्पस हेटरोफायलस	कटहल	पल्प	सी
149.a		आर्टोकार्पस इन्सीसस	ब्रेड फल	फल	सी
149.b		आर्टोकार्पस इन्सीसस	ब्रेड फल	बीज	सी
150.		एवरोहोया कैरमबोला	तारा फल	फल	सी
151.a		कैरिका पापाया	पपीता	फल	सी
151.b		कैरिका पापाया	पपीता	बीज	सी
152.a		कैरिस्सा कारान्डस	करौंदा	फल	एम
152.b		कैरिस्सा कारान्डस	करौंदा	बीज	एम
153.a		कैरिया इलिनोनेन्सिस	पीकन नट	नट	सी
153.b		कैरिया इलिनोनेन्सिस	पीकन नट	बीज	सी
154.		सिट्रस आरियेन्टिफोलिया	नींबू कागजी	फल	सी
155.		सिट्रस लेटिफोलिया	नींबू	फल	सी
156.		सिट्रस लिमोन	नींबू	फल	सी
157.		सिट्रस नोबिलिस	किन्नू	फल	सी
158.		सिट्रस लेटिकुलाटा	मंदारिन	फल	सी
159.		सिट्रस सायनेन्सिस	मीठा संतरा	फल	सी
160.a		कोरिलस कोलूरना	हेजल नट	फल	सी
160.b		कोरिलस कोलूरना	हेजल नट	नट	सी
161.		सायडोनिया आब्लोंगा	श्रीफल	फल	सी
162.		ड्यूरियो जिबेथिनस	ड्यूरियॉन	फल	सी
163.a		इलियोकैरिस डलसिस	सिंगोडा	फल	सी
163.b		इलियोकैरिस डलसिस	सिंगोडा	नट	सी
164.		इरियोबोट्राया जैपोनिका	लोकाट	फल	सी
165.a		फाइकस कैरिका	अंजीर	फल	सी

165.b		फाइकस कैरिका	अंजीर	पत्तियाँ	सी
166.		फ्रागेरिया अनानासा	स्ट्राबेरी	फल	सी
167.a		गारसिनिया मैन्गोस्टाना	मंगोस्टीन	फल	सी
167.b		गारसिनिया मैन्गोस्टाना	मंगोस्टीन	बीज	सी
168.a		ग्रिविया एशियाटिका	फलशा	फल	एम
168.b		ग्रिविया एशियाटिका	फलशा	पत्तियाँ	सी
168.c		ग्रिविया एशियाटिका	फलशा	जड़	सी
168.d		ग्रिविया एशियाटिका	फलशा	छाल	सी
168.e		ग्रिविया एशियाटिका	फलशा	बीज	एम
169.a		जुगलंस रेजिया	अखरोट	पत्तियाँ	सी
169.b		जुगलंस रेजिया	अखरोट	बीज	सी
169.c		जुगलंस रेजिया	अखरोट	फल	सी
170.		लिची चाइनेन्सिस	लिची	फल	सी
171.		मैलस डोमेस्टीका	सेब	फल	सी
172.		मैन्गिफेरा इंडिका	आम	फल	सी
173.		मनिलकारा जैपोटा (उपजाति एक्रस सैपोटा)	चीकू	फल	सी
174.a		मूसा पेराडिजिएका	केला	फल	सी
174.b		मूसा पेराडिजिएका	केला	पत्तियाँ	सी
174.c		मूसा पेराडिजिएका	केला	जड़ कंद	सी
174.d		मूसा पेराडिजिएका	केला	सम्पूर्ण पौधा	सी
175.a		नेफिलियम लप्पासियम	रमबुटान/लिची	फल	सी
175.b		नेफिलियम लप्पासियम	रमबुटान/लिची	तना	सी
175.c		नेफिलियम लप्पासियम	रमबुटान/लिची	छाल	सी
175.d		नेफिलियम लप्पासियम	रमबुटान/लिची	जड़	सी
176.		ओलिया यूरोपिया	जैतून	फल	सी
177.		पास्सिफ्लोरा इडूलिस	पैसन फल	फल	सी
178.		पर्सिया अमेरिकाना	नाशपाती	फल	सी
179.		फोयनिक्स डेक्टीलिफेरा	खजूर	फल	सी
180.		फायलेंथस इम्बलिका	आंवला	फल	एम
181.		प्रूनस एमायग्डेलस	बादाम	बीज	सी
182.a		प्रूनस अरमेनिएका	खुबानी	फल	सी
182.b		प्रूनस अरमेनिएका	खुबानी	बीज	सी
183.		प्रूनस एवियूम	चेरी	फल	सी
184.		प्रूनस डोमेस्टीका	प्लम	फल	सी
185.		प्रूनस परसिका	आडू	फल	सी
186.		प्रूनस सालिसिना	प्लम	फल	सी
187.		सिडियम ग्वाजावा	अमरूद	फल	सी
188.a		पूनिका ग्रानेटम	अनार	फल	सी

188.b		पूनिका ग्रानेटम	अनार	बीज	सी
189.		पायरस कोम्मूनिस	सामान्य नाशपाती	फल	सी
190.		राइबस जाति	कुरंट	फल	सी
191.		रूबस जाति	रसबेरी	फल	सी
192.a		सिजाईजियम क्यूमिनी	जामुन	फल	एम
192.b		सिजाईजियम क्यूमिनी	जामुन	बीज	एम
193.		सिजाईजियम जैम्बोस	मालाबार प्लम	फल	सी
194.		वेक्सीनियम जाति	क्रानबेरी	फल	सी
195.		विटिस विनिफेरा	अंगूर	फल	सी
196.		जिजिफस मोरिसियाना	बेर	फल	एम
	XVIII. **पुष्पीय एवं सजावटी फसलें**				
197.		एल्पीनिया पुरपुराटा	लाल जिन्जर	पुष्प शीर्ष	सी
198.a		एन्थूरियम जाति	एन्थूरियम	पुष्प शीर्ष	सी
198.b		एन्थूरियम जाति	एन्थूरियम	बीज	सी
199.a		ऐन्टिराइहनम जाति	स्नैपड्रेगन	पुष्प शीर्ष	सी
199.b		ऐन्टिराइहनम जाति	स्नैपड्रेगन	सम्पूर्ण पौधा	सी
200.a		कालेन्डूला ऑफिसिनालिस	कालेन्डूला	पुष्प	सी
200.b		कालेन्डूला ऑफिसिनालिस	कालेन्डूला	बीज	सी
201.a		क्राइसेन्थिमम इंडिकम	वार्षिक क्राइसेन्थिमम	पुष्प शीर्ष	सी
201.b		क्राइसेन्थिमम इंडिकम	वार्षिक क्राइसेन्थिमम	जड़	सी
201.c		क्राइसेन्थिमम इंडिकम	वार्षिक क्राइसेन्थिमम	सम्पूर्ण पौधा	सी
202.		कोडियम वेरिगेटम	क्रोटोन	सम्पूर्ण पौधा	सी
203.a		कोरियोप्सिस लेन्सियोलाटा	कोरियोप्सिस	पुष्प	सी
203.b		कोरियोप्सिस लेन्सियोलाटा	कोरियोप्सिस	बीज	सी
204.a		कोरियोप्सिस टिंक्टोरिया	कोरियोप्सिस	पुष्प	सी
204.b		कोरियोप्सिस टिंक्टोरिया	कोरियोप्सिस	बीज	सी
205.a		कोसमोस वाइपिन्नाटस	कोसमोस	पुष्प	सी
205.b		कोसमोस वाइपिन्नाटस	कोसमोस	बीज	सी
206.a		क्रोस्साएन्ड्रा जाति	क्रोस्साएन्ड्रा	पुष्प	सी
206.b		क्रोस्साएन्ड्रा जाति	क्रोस्साएन्ड्रा	बीज	सी
207.		डायएफेन्वाचिया जाति	डायएफेन्वाचिया	सम्पूर्ण पौधा	सी
208.a		डायमोर्फोथिका आरिऐन्टेल	अफ्रिकन डेजी	पुष्प	सी
208.b		डायमोर्फोथिका आरिऐन्टेल	अफ्रिकन डेजी	बीज	सी
209.a		एशिसोल्जीया कार्लिफोर्निका	कैलिफोर्निया अफिम	पुष्प	सी
209.b		एशिसोल्जीया कार्लिफोर्निका	कैलिफोर्निया अफिम	बीज	सी
210.a		गजानिया स्पलेन्डेन्स	गजानिया	पुष्प	सी
210.b		गजानिया स्पलेन्डेन्स	गजानिया	बीज	सी
211.a		जरबेरा जाति	जरबेरा	पुष्प शीर्ष	सी

211.b		जरबेरा जाति	जरबेरा	बीज	सी
212.a		ग्लेडियोलस जाति	ग्लेडियोलस	पुष्प शीर्ष	सी
212.b		ग्लेडियोलस जाति	ग्लेडियोलस	सम्पूर्ण पौधा	सी
213.a		हेलिऐन्थस जाति	सूर्यमुखी	पुष्प शीर्ष	सी
213.b		हेलिऐन्थस जाति	सूर्यमुखी	बीज	सी
214.		हेलिकोनिया जाति	हेलिकोनिया	पुष्प शीर्ष	सी
215.a		हेलिक्रायसम ब्रेक्टीऐटम	पेपर पुष्प	पुष्प	सी
215.b		हेलिक्रायसम ब्रेक्टीऐटम	पेपर पुष्प	बीज	सी
216.a		जेसमिनम जाति	जेसमिन	पुष्प	सी
216.b		जेसमिनम जाति	जेसमिन	दलपुंज	सी
217.		कैलोन्चे जाति	कैलोन्चे	सम्पूर्ण पौधा	सी
218.		लिलियम एशियाटिकम	एशियाटिक लिलि	पुष्प	सी
219.		लिलियम लोन्गिफ्लोरम	इस्टर लिलि	पुष्प	सी
220.a		मेसेम्ब्रायान्थेमम जाति	आइस प्लांट	पुष्प	सी
220.b		मेसेम्ब्रायान्थेमम जाति	आइस प्लांट	बीज	सी
221.a		पपावर रोहियास	मक्का अफीम	पुष्प	सी
221.b		पपावर रोहियास	मक्का अफीम	बीज	सी
222.a		पिटूनिया हाइब्रिड	पिटूनिया	पुष्प	सी
222.b		पिटूनिया हाइब्रिड	पिटूनिया	बीज	सी
223.b		पिटूनिया जाति	पिटूनिया	पुष्प शीर्ष	सी
224.a		फ्लोक्स ड्रमोंडाई	फ्लोक्स	पुष्प	सी
224.b		फ्लोक्स ड्रमोंडाई	फ्लोक्स	बीज	सी
225.a		रोजा डामास्केना	डामास्क रोज	पुष्प	सी
225.b		रोजा डामास्केना	डामास्क रोज	पत्तियां	सी
226.a		रोजा हाइब्रिडा	गुलाब	पुष्प	सी
226.b		रोजा हाइब्रिडा	गुलाब	पत्तियां	सी
227.		टेजेटेस जाति	गेंदा	पुष्प शीर्ष	सी
228.a		ट्रोपेयोलम मैजस	जलकुंभी वनस्पति	पुष्प	सी
228.b		ट्रोपेयोलम मैजस	जलकुंभी वनस्पति	बीज	सी
229.a		स्ट्रीलिटजिया जाति	बर्ड ऑफ पैराडाइस	पुष्प	सी
229.b		स्ट्रीलिटजिया जाति	बर्ड ऑफ पैराडाइस	समग्र पौधा	सी
230.a		वरबेना हाइब्रिडा	वरबेन जाति का पौधा	पुष्प	सी
230.b		वरबेना हाइब्रिडा	वरबेना जाति का पौध	बीज	सी
231.a		पोलियेंथेस ट्यूबेरोजा	रजनीगंधा	पुष्प	सी
231.b		पोलियेंथेस ट्यूबेरोजा	रजनीगंधा	बीज	सी
232.		डायेन्थस केरियोफाइलस	गुलाबी लौंग	पुष्प	सी
233.a		केल्लिसट्रेफस चाइनेंसिस	चाइना एस्टर	पुष्प	सी
233.b		केल्लिसट्रेफस चाइनेंसिस	चाइना एस्टर	बीज	सी
	XIX. **औषधी पौधे**				

	(औषधी फसल एवं सुगन्धित पौधे)				
		एबेलमौस्कस मॉसकेटस	मस्कदाना	बीज	सी
235.a		अकेशिया निलोटिका	बबूल	पत्ती	एम
235.b		अकेशिया निलोटिका	बबूल	गोंद	एम
235.c		अकेशिया निलोटिका	बबूल	छाल	सी
236.a		एकाइरेंथेस एस्पेरा	अपामारगा	समग्र पौध	एम
236.b		एकाइरेंथेस एस्पेरा	अपामारगा	फल	एम
236.c		एकाइरेंथेस एस्पेरा	अपामारगा	जड	एम
237.		एकोरस केलामस	वाच	प्रकन्द	सी
238.		एलोय वेरा	एलोय	पत्ती	सी
239.		एलपिनिया केलकारटा	आर्था	प्रकन्द	सी
240.a		एल्टेरनेन्थेरा सेसाइलिस	मेटसियाकसी	वायवीय अंश	एम
240.b		एल्टेरनेन्थेरा सेसाइलिस	मेटसियाकसी	समग्र पौधा	सी
241.		एम्मी मैजस	विसप्स वीड	फल	सी
242.a		आर्टिमिसिया एनुआ	एफसैनटिन	वायवीय अंश	सी
242.b		आर्टिमिसियाएनुआ	एफसैनटिन	समग्र पौधा	सी
243.a		आर्टिमिसिया निलगिरिका	दवाना	पुष्प	सी
243.b		आर्टिमिसिया निलगिरिका	दवाना	समग्र पौधा	सी
244.a		आर्टिमिसिया पैलेन्स	धावनम	पत्ती	सी
244.b		आर्टिमिसिया पैलेन्स	धावनम	पुष्प	सी
245.a		एट्रोफा बेल्लाडोना	बेलेडोना	पत्ती	सी
245.b		एट्रोफा बेल्लाडोना	बेलेडोना	जड	सी
246.a		ऐजाडिरक्टा इंडिका	नीम	पत्ती	सी
246.b		ऐजाडिरक्टा इंडिका	नीम	फल	एम
247.		बेकोपा मोन्नेरी	निरब्राह्मी	समग्र पौधा	एम
248.		बेसेला एल्बा	भारतीय शाक	पत्ती	सी
249.a		बोरहेविया डिफ्यूजा	पुनर्रनवा	जड	एम
249.b		बोरहेविया डिफ्यूजा	पुनर्रनवा	समग्र पौधा	एम
250.		ब्रैसिका नाइग्रा	सरसो	बीज	सी
251.		सिजलपिनिया सैपन	पाथीमुखम	हार्ट वुड	सी
252.		कैलोट्रोपिस जैजेन्सिया	आख फूल	पुष्प	एम
253.a		कैलोट्रोपिस प्रोसेरा	आख	पत्ती	एम
253.b		कैलोट्रोपिस प्रोसेरा	आख	लेटेक्स	एम
254.a		कैसिया फिस्टुला	अमलताश फली	पुष्प	एम
254.b		कैसिया फिस्टुला	अमलताश फली	फल	एम
254.c		कैसिया फिस्टुला	अमलताश फली	छाल	सी
255.a		कैसिया टोरा	चकोदा बीज	फल	एम
255.b		कैसिया टोरा	चकोदा बीज	बीज	एम

255.c		कैसिया टोरा	चकोदा बीज	पत्ती	एम
256.a		कैथारेन्थस रोसियस	सदाबहार	जड	सी
256.b		कैथारेन्थस रोसियस	पत्ती	पत्ती	सी
257.a		सेंटेला एशियाटिका	ब्राहमी	पत्ती	एम
257.b		सेंटेला एशियाटिका	ब्राहमी	समग्र पौधा	एम
258.a		सेफालिस इपिकाकुन्हा	इपेक	जड	सी
258.b		सेफालिस इपिकाकुन्हा	इपेक	प्रकन्द	सी
259.		सेसट्रम डाइयूरनम	दिन का राजा	पत्ती	सी
260.		क्लोरोफाइटम बोरिविलियानम	मूसली	जड नली	सी
261.		क्राइसनथिमम पार्थेनियम	फियर फियु	पत्ती	सी
262.		क्राइसोपोगन जिजानियोडिस	खसखस	जड़	सी
263.a		साइकोरियम इनटीबस	कसनी	बीज	सी
263.b		साइकोरियम इनटीबस	कसनी	पुष्प	सी
263.c		साइकोरियम इनटीबस	कसनी	पत्ती	सी
264.		साइसस क्वाड्रेगुलेरिस	हाथजोडी	तना	एम
265.a		सिट्रुलस कोलोसिंथिस	इंद्रायन	फल	एम
265.b		सिट्रुलस कोलोसिंथिस	इंद्रायन	जड़	एम
266.		क्रोटोन टीग्लियम	जमाल घोटा	बीज	सी
267.		कुर्कुमा एंगस्टीफोलिया	एरारुट	प्रकन्द	सी
268.		कुर्कुमा जिडोरिया	काचर	प्रकन्द	सी
269.		कस्कुटारिफलेक्सा	अमर बेल	समग्र पौधा	एम
270.		सिम्बोपोगन सिट्राटस	लेमन घास	पत्ती	एम
271.		सिम्बोपोगन फ्लेक्सोसस	लेमन घास	समग्र पौधा	सी
272.a		सिम्बोपोगनमार्टिनी	अदरक घास	पुष्प शीर्ष	सी
272.b		सिम्बोपोगनमार्टिनी	अदरक घास	पत्ती	एम
272.c		सिम्बोपोगनमार्टिनी	अदरक घास	तना	सी
273.		सिम्बोपोगन विंटरियानस	सिट्रोनेला	पत्ती	सी
274.		साइपेरस रोटैंडस	नाग मौथा	जड़	एम
275.		साइपेरस स्केरियोसस	नाग मौथा	जड़	एम
276.a		डिजिटैलिस लेनाटा	फक्स ग्लोव	फली	सी
276.b		डिजिटैलिस लेनाटा	फक्स ग्लोव	समग्र पौधा	सी
276.c		डिजिटैलिस लेनाटा	फक्स ग्लोव	बीज	सी
277.		डाइस्कोरिया फ्लोरीबुंडा	यम	जड़	सी
278.		इकलीप्टा प्रोसट्राटा	भृंगराज	समग्र पौधा	एम
279.a		यूक्लेपटस सिटरीडोरा	यूक्लेपिटस	पत्ती	सी
279.b		यूक्लेपटस सिटरीडोरा	यूक्लेपिटस	काष्ठ	सी
280.a		यूक्लेपटस ग्लोब्यूलस	यूक्लेपिटस	पत्ती	सी
280.b		यूक्लेपटस ग्लोब्यूलस	यूक्लेपिटस	काष्ट	सी
281.		इवोलवुलस एल्सीनोयडिस	शंख पुष्पी	समग्र पौधा	एम

282.a		ग्लोसियम फ्लेवम	समुद्री खसखस	पत्ती	सी
282.b		ग्लोसियम फ्लेवम	समुद्री खसखस	पुष्प	सी
282.c		ग्लोसियम फ्लेवम	समुद्री खसखस	बीज	सी
283.a		ग्लोरियोसा सुपर्बा	कलिहारी	जड	सी
283.b		ग्लोरियोसा सुपर्बा	कलिहारी	बीज	सी
284.a		ग्लैसीराइजा ग्लेब्रा	मुलेठी	जड	सी
284.b		ग्लैसीराइजा ग्लेब्रा	मुलेठी	तना	सी
285.		हेडाइकियम कोरोनारियम	काचर	प्रकन्द	सी
286.		हेडाइकियम स्पाइकाटम	कपूरकचरी	प्रकन्द	सी
287.a		हिबिस्कस रोजा–साइनेंसिस	गुडहल	पुष्प	सी
287.b		हिबिस्कस रोजा–साइनेंसिस	गुडहल	जड	सी
288.		हायोसायमस म्यूटिकस	हेनबेन	पत्ती	सी
289.		इंडिगोफेरा टिंकटोरिया	काली मेंहदी	पत्ती	सी
290.		इन्यूला रेसीमोसा	पुस्कामूल	जड	सी
291.		जेट्रोफा कारकस	रतनजोत	बीज	सी
292.		जस्टीसिया एढाटोडा / एढाटोडा जेलानिका	वसाका	पत्ती	सी
293.		केंपफेरिया ग्लांगा	कचोरा	प्रकन्द	सी
294.		लोसोनिया इनारमिस	मेंहदी	पत्ती	सी
295.		लेपिडियम सेंटीवम	चानसारी ६ आली	बीज	सी
296.		लेप्टाडेनिया रेटीकुलाटा	दुग्धबेल	तना	सी
297.		ल्यूकस एस्पेरा	द्रोण पुष्पी	समग्र पौध	एम
298		मेंथा आरवेंसिस	पुदिना	पत्ती	सी
299.		मेंथा पाइपेरिया	पुदिना	पत्तियां	सी
300.		मेंथा स्पाइकाटा	पुदिना	पत्ती	सी
301.		मोरस अल्बा	शहतूत	पत्तियां	सी
302.a		नेरियम इंडिकम	कनेर	पत्ती	एम
302.b		नेरियम इंडिकम	कनेर	जड	सी
302.c		नेरियम इंडिकम	कनेर	छाल	सी
303.		ओसिमम बेसिलिकम	तुलसी	समग्र पौधा	सी
304.a		ओसिमम टेन्यूइफ्लोरम	काली तुलसी	पत्ती	सी
304.b		ओसिमम टेन्यूइफ्लोरम	काली तुलसी	वायवीय अंश	सी
305.a		ओरिगेरम मेजोराना	मेजोरम	पत्ती	सी
305.a		ओरिगेरम मेजोराना	मेजोरम	समग्र पौधा	सी
306.		पेपावर सोम्निफेरम	अफीम दाना	बीज	सी
307.		पेडालियम म्यूरेक्स	बड़ा गोखरु	फल	एम
308.a		पेलारगोनियम ग्रेवियोलेंस	जरनियम रोज	पत्ती	सी
308.b		पेलारगोनियम ग्रेवियोलेंस	जरनियम रोज	पुष्प	सी
309.		फाइलेंथस एमारस	भूमि आंवला	समग्र पौधा	एम

310.		पाइपर बिटल	पान पत्ता	पत्ती	सी
311.a		पाइपर लोंगम	पिपली/लौंग पिपर	फल	सी
311.b		पाइपर लौंगम	पिपली/लौंग पिपर	जड	सी
311.c		पाइपर लौंगम	पिपली/लौंग पिपर	तना	सी
312.a		प्लेनटागो ओवाटा	इसबगुल	हस्क	सी
312.b		प्लेनटागो ओवाटा	इसबगुल	बीज	सी
313.a		प्लेकट्रैनथास बारबटास /कोलियस फोर्स कोली	इंडियन कोलेयस	पत्ती	सी
313.b		प्लेकट्रैनथास बारबटास / कोलियस फोर्स कोली	इंडियन कोलेयस	जड़	सी
314.		पोगोस्टेमन कैबलिन	पटचौली	समग्र पौधा	सी
315.		पोंगामिया पिन्नाटा	करंज	बीज	एम
316.a		रोजमारियानास ऑफिसिनालिस	मेहंदी	पत्ती	सी
316.b		रोजमारियानास ऑफिसिनालिस	मेहंदी	पत्ती	सी
317.		सालवोडोरा पर्सिका	मेसवाक	तना	सी
318.		सेन्ना एलेक्जेनड्रिना	सेना	पत्ती	सी
319.a		साइडा कोर्डिफोलिया	बाला	जड	एम
319.b		साइडा कोर्डिफोलिया	बाला	फल	एम
319.c		साइडा कोर्डिफोलिया	बाला	बीज	एम
319.d		साइडा कोर्डिफोलिया	बाला	समग्र पौधा	एम
320.a		सीलिबम मारियानम	दुग्ध रोम	पत्ती	सी
320.b		सीलिबम मारियानम	दुग्ध रोम	पत्ती	एम
321.a		साइमोन्डसिया चाइनेंसिस	जोजोबा	बीज	सी
321.b		साइमोन्डसिया चाइनेंसिस	जोजोबा	बीज	सी
322.a		सोलेनम नाइग्रम	काकामाची	फल	एम
322.b		सोलेनम नाइग्रम	काकामाची	जड	एम
322.c		सोलेनम नाइग्रम	काकामाची	समग्र पौधा	एम
323.a		सोलेनम लेसिनियाटम	कंगारु सेव	पत्ती	सी
323.b		सोलेनम लेसिनियाटम	कंगारु सेव	पुष्प	सी
323.c		सोलेनम लेसिनियाटम	कंगारु सेव	बीज	सी
324.a		सोलेनम प्यूबेंसेंस	सुनडाइ काइ	पत्ती	एम
324.b		सोलेनम प्यूबेंसेंस	सुनडाइ काइ	फल	एम
325.a		सोलेनम वायारम	उष्णकटिबंधीय सोडा सेव	जड	सी
325.b		सोलेनम वायारम	उष्णकटिबंधीय सोडा सेव	पुष्प	सी
325.c		सोलेनम वायारम	उष्णकटिबंधीय सोडा सेव	फल	सी
326.a		सोलेनम जेंथाकारपम	कटेली	फल	एम
326.b		सोलेनम जेंथाकारपम	कटेली	समग्र पौधा	एम

327.a		स्फीरेंथस इंडिकस	गोरक मुंडी	समग्र पौधा	एम
327.b		स्फीरेंथस इंडिकस	गोरक मुंडी	पुष्प गुच्छ	एम
328.		स्टीविया रिबोडियाना	स्टेविया	पत्तिया	सी
329.a		टेफ्रोसिया परपुरिया	शरद फोका	पत्ती	एम
329.b		टेफ्रोसिया परपुरिया	शरद फोका	जड	एम
329.c		टेफ्रोसिया परपुरिया	शरद फोका	बीज	एम
329.d		टेफ्रोसिया परपुरिया	शरद फोका	फल	एम
330.a		टेरमिनेलिया केटेप्पा	जंगली बादाम	बीज	एम
330.b		टेरमिनेलिया केटप्पा	जंगली बादाम	फल	एम
330.c		टेरमिनेलिया केटप्पा	जंगली बादाम	पत्ती	एम
331.a		थेसपेसिया पोपूलनिया	परिशा	पत्ती	एम
331.b		थेसपेसिया पोपूलनिया	परिशा	फल	एम
332.a		थाइमस बुलगारिस	वन अजवायन	पत्ती	सी
332.b		थाइमस बुलगारिस	वन अजवायन	बीज	सी
333.a		टिनोस्पोरा कोर्डिफोलिया	अमृतवाली	तना	सी
333.b		टिनोस्पोरा कोर्डिफोलिया	अमृतवाली	समग्र पौधा	सी
334.		ट्रैकिस्पर्मम एम्मी	अजवायन	बीज	सी
335.		ट्राइब्यूलस टेरेसट्रिस	गोक्षहुरा	फल	एम
336.		विंका माइनर	पेरिविंकल	पत्ती	एम
337.a		वाइटेक्स नेगोन्डो	नीरगुंडी	पत्ती	सी
337.b		वाइटेक्स नेगोन्डो	नीरगुंडी	बीज	एम
338.		वाइटेक्स ट्राइफोलिया	नेक्की	पत्ती	एम
339.		विथानिया सोम्निफेरा	अश्वगंधा	जड	सी
340.		वुडफोर्डिया फ्रुटीकोसा	दाइफूल	फूल	एम
341.		जिजिफस जुजुबा	जुजुबा	फल	एम
	XX. **मसाला फसलें**				
342.		एल्पीनिया ग्लांगा	बृहत्तर ग्लांगा/कुलंजन	प्रकंद	सी
343.		एमोमम सुबुलाटम	बड़ी इलायची	बीज	सी
344.a		एनेथम ग्रेवियोलेंस	डिल/सोआ	पत्ती	सी
344.b		एनेथम ग्रेवियोलेंस	डिल/सोआ	बीज	सी
345.		एपियम ग्रेवियोलेंस	अजवायनध्बादाम	पूरा पौधा	सी
346.		कैप्सिकम एनम	शिमला मिर्च	फल	सी
347.		कैप्सिकम फ्रूटेसेन्स	मिर्च	फल	सी
348.		केरम कार्वी	जीरा	फल	सी
349.		सिनामोमम केशिया	किसिया	छाल	सी
350.a		सिनामोमम टमाला	तेजपत्ता	छाल	सी
350.b		सिनामोमम टमाला	तेजपत्ता	पत्ती	सी
351.		सिनामोमम वेरम	दालचीनी	छाल	सी

352.		कोरिएंड्रम सेटिवम	धनिया	पूरा पौधा	सी
353.a		क्रोकस सैटिवस	केसर	पुष्प शीर्ष	सी
353.b		क्रोकस सैटिवस	केसर	वर्तिकाग्र	सी
354.		क्यूमिनम सिमिनम (समरूपक्यूमिनम ओडोरम)	जीरा	बीज	सी
355.		कूर्कमा लौंगा	हल्दी	प्रकंद	सी
356.a		इलेटेरिया कार्डेमोमम	छोटी इलायची	फल	सी
356.b		इलेटेरिया कार्डेमोमम	छोटी इलायची	बीज	सी
357.		फोयेनिकुलम वल्गेर	बड़ी सौंफ/मोती सौंफ	फल	सी
358.		मूरैया कोयेनिगी	करी पत्ता	पत्ती	सी
359.a		माइरिस्टिका फ्रेगरेन्स	जायफल	बीजोपांग	सी
359.b		माइरिस्टिका फ्रेगरेन्स	जायफल	फल	सी
360.		नाइगेला सेटिवा	मंगराइल/काला जीरा	बीज	सी
361.a		पिमेंटा डायोइका	पिमेंटो/जमैका की गोल मिर्च	फल	सी
361.b		पिमेंटा डायोइका	पिमेंटो/जमैका की गोल मिर्च	पत्ती	सी
362.		पिंपिनेला एनिसम	सौंफ बीज	बीज	सी
363.		पाइपर नाइग्रम	काली मिर्च	फल	सी
364.		साइजिजियम एरोमेटिकम	लौंग	पुष्पकली	सी
365.		टैमेरिन्डस इंडिका	इमली	फल	सी
366.		ट्रैकिस्पर्मम एम्मी	अजवायन	बीज	सी
367.a		ट्राइगोनेला फोयेनम–ग्रैकम	मेथी	पत्ती	सी
367.b		ट्राइगोनेला फोयेनम–ग्रैकम	मेथी	बीज	सी
368.a		वैनिला प्लेनिफोलिया (पर्याय : वैनिला फ्रैगरेन्स)	वैनिला	फली	सी
368.b		वैनिला प्लेनिफोलिया (पर्याय : वैनिला फ्रैगरेन्स)	वैनिला	पत्तियाँ	सी
369.		जिंजिबर ऑफिसिनेल	अदरक	प्रकंद	सी
	XXI. **बागवानी फसलें**				
370.a		एनेकार्डियम ओसिडेंटेल	काजू	फल	सी
370.b		एनेकार्डियम ओसिडेंटेल	काजू	बीज	सी
371.		एरेका कैटेचु	सुपारी	छाली	सी
372.		बोरेसस फ्लैबेलिफेर	ताड़	फल	सी
373.		कैमेलिया साइनेंसिस	चाय	पत्ती	सी
374.a		कोकस न्यूसिफेरा	नारियल	पौधा	सी
374.b		कोकस न्यूसिफेरा	नारियल	फल	सी
374.c		कोकस न्यूसिफेरा	नारियल	जड़	सी
375.a		कॉफिया अरेबिका	काफी	बीज	सी

375.b		कॉफिया अरेबिका	काफी	फली	सी
376.a		कॉफिया कैनेफोरा	काफी	बीज	सी
376.b		कॉफिया कैनेफोरा	काफी	फली	सी
377.a		इलेइस ग्यूइनेन्सिस	ताड़	फल	सी
377.b		इलेइस ग्यूइनेन्सिस	ताड़	गुठली	सी
377.c		इलेइस ग्यूइनेन्सिस	ताड़	बीज	सी
378.a		हेविया ब्रैसिलिऐन्सिस	रबड़	क्षीर	सी
378.b		हेविया ब्रैसिलिऐन्सिस	रबड़	बीज	सी
378.c		हेविया ब्रैसिलिऐन्सिस	रबड़	काष्ठ	सी
379.a		थियोब्रोमा कोकोवा	कोकोआ	पत्ती	सी
379.b		थियोब्रोमा कोकोवा	कोकोआ	फूल	सी
379.c		थियोब्रोमा कोकोवा	कोकोआ	फल	सी
379.d		थियोब्रोमा कोकोवा	कोकोआ	बीज	सी
	XXII. **मशरूम**				
380.		एगेरिकस बाइस्पोरस	छोटे मशरूम	सम्पूर्ण पौधा	सी
381.		औरिकुलारिया औरीकुला–जुड़इ	काष्ठ बीज	सम्पूर्ण पौधा	सी
382.		औरिकुलारिया पोलिट्राइका	रोयेंदार काष्ठ बीज	सम्पूर्ण पौधा	सी
383.		प्लियूरोटस ओस्ट्रिऐटस	धींगरी	सम्पूर्ण पौधा	सी
384.		ट्रेमेला मेसेंटेरिका	गोल्डन जेली	सम्पूर्ण पौधा	सी
385.		टेमेला फ्यूसिफार्मिस	सफेद जेली	सम्पूर्ण पौधा	सी

टिप्पण

1. यह अधिसूचना ऐसी मदों जिनके अंतर्गत जैविक संसाधन भी हैं के व्यापार को सुकर बनाने के लिए है जिसका सामान्यत: वस्तुओं के क्रय में व्यापार किया जाता है और यदि इन मदों में से कोई मद किसी अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग किए जाने के लिए आशयित है तो पूर्वोक्त अधिनियम के सुसंगत उपबंध लागू होंगे ।

2. ऐसे उत्पाद जो उपरोक्त सारणी में सूचीबद्ध मदों से व्युत्पन्न किए जाते हैं, सामान्य प्रचलन के पदार्थ के रूप में व्यापार किए जाते हैं, सामान्य वस्तुओं के रूप में सामान्य रूप से व्यापार किए गए रूप में भी माना जाएगा और ऐसे मामलों में सिद्ध करने का भार कि उक्त उत्पाद सामान्य प्रचलन के अंतर्गत आते हैं, दावेदार पर होगा ।

3. अधिसूचना कृषित प्रजातियों (जैविक संसाधनों) वन्य सापेक्षों को लागू नहीं होंगे।

4. ऊपर उल्लिखित जैविक संसाधनों के स्रोत इस अधिसूचना से संलग्न प्ररूप में राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण के समक्ष विनिर्माता या निर्यात अभिकरण द्वारा कृषित या मिश्रित प्रवर्ग (कृषित +वन्य=एम के लिए घोषित किए जाएंगे ।

5. उपरोक्त सूचीबद्ध जैविक संसाधनों का प्रवर्गीकरण- औषधीय पौधे, रेशदार फसलें, चारा फसलें और हरी खाद केवल व्याख्यात्मक प्रयोजन के लिए है और एक उपयोग प्रवर्ग के अधीन उल्लिखित जैविक संसाधन अन्य उपयोग प्रवर्ग के अंतर्गत भी आ सकता है ।

6. इस अधिसूचना के लागू होने के प्रयोजन के लिए, ऊपर सारणी के स्तंभ (3) में दिए गए जैविक संसाधनों के वैज्ञानिक नाम लागू होंगे ।

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3098] नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 07, 2017/कार्तिक 16, 1939
No. 3098] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 07, 2017/KARTIKA 16, 1939

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 2017

का.आ. 3533(अ).—केन्द्रीय सरकार, जैव विविधता अधिनियम, 2002 (2003 का 18) की धारा 40 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण के परामर्श से भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1352(अ), तारीख 7 अप्रैल, 2016 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, सारणी की, क्रम सं. 385 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां अंत:स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

क्रम सं.	मद	जैविक संसाधन	दृष्टांत व्यापार/ सामान्य नाम	पादप भाग	स्रोत : (उपज = सी)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

(क्र. सं.)	(वस्तु)	(जैविक संसाधन)	(व्यापारिक या आम नाम)	(पौधे के भाग)	(स्रोत: खेती किया हुआ=सी)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	(पल्प्वुड)				
386		(अकेसिया आरीकुलफॉर्मिस)	(बैटल)	(लकड़ी)	सी
387		(अकेसिया डीअलबेटा)	(बैटल)	(लकड़ी)	सी
388		(अकेसिया मैनजियम)	(बैटल)	(लकड़ी)	सी
389		(अइलेन्थुस एक्सेलसा)	(कल्पवृक्ष)	(लकड़ी)	सी
390		(अनाकारडियम ऑक्सीडेंडल)	(काजू)	(लकड़ी)	सी
391		(बैम्बूसा औरोनेडिसा)	(बांस)	(तना)	सी
392		(बैम्बूसा न्यूटेंस)	(बांस)	(तना)	सी
393		(बम्बूसा पल्लीडा)	(बांस)	(तना)	सी
394		(बैम्बूसा पॉलीमोरफा)	(बांस)	(तना)	सी
395		(बैम्बूसा वूलगारिस)	(बांस)	(तना)	सी
396		(डेन्ड्रोकेलामस ब्रांडीसी)	(बांस)	(तना)	सी
397		(डेन्ड्रोकेलामस हामिलटोनि)	(बांस)	(तना)	सी
398		(डेन्ड्रोकेलामस स्ट्रीक्टस)	(बांस)	(तना)	सी
399		(मैलोकान्ना बेम्बूसॉईडेस)	(बांस)	(तना)	सी
400		(कैजुआराइना इक्यूसेटीफोलिया)	(कॅजुआराइना)	(लकड़ी)	सी
401		(कैजुआराइना जुंघुहिनना)	(कॅजुआराइना)	(लकड़ी)	सी
402		(यूकेलिप्टस कैमलडुलैन्सिस)	(यूकेलिप्टस)	(लकड़ी)	सी
403		(यूकेलिप्टस क्लियोजियाना)	(यूकेलिप्टस)	(लकड़ी)	सी
404		(यूकेलिप्टस डेग्लुप्ता)	(यूकेलिप्टस)	(लकड़ी)	सी
405		(यूकेलिप्टस ग्रैन्डीस)	(यूकेलिप्टस)	(लकड़ी)	सी
406		(यूकेलिप्टस पेलीटा)	(यूकेलिप्टस)	(लकड़ी)	सी
407		(यूकेलिप्टस तेरेटीकॉर्निस)	(यूकेलिप्टस)	(लकड़ी)	सी
408		(यूकेलिप्टस टोरेल्लियाना / कोरिंबिया टोरेल्लियाना)	(यूकेलिप्टस)	(लकड़ी)	सी
409		(यूकेलिप्टस यूरोफीला)	(यूकेलिप्टस)	(लकड़ी)	सी
410		(ल्युकेना ल्यूकोसिफेला)	(सुबबुल)	(लकड़ी)	सी
411		(ल्युकेना पैलीडा)	(सुबबुल)	(लकड़ी)	सी
412		(पाइनस कैरीबिया)	(देवदार)	(लकड़ी)	सी
413		(पाइनस केसिया)	(देवदार)	(लकड़ी)	सी

(क्र. सं.)	(वस्तु)	(जैविक संसाधन)	(व्यापारिक या आम नाम)	(पौधे के भाग)	(स्रोत: खेती किया हुआ=सी)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
414		(पाइनस ओकार्पा)	(देवदार)	(लकड़ी)	सी
415		(पाइनस पेटूला)	(देवदार)	(लकड़ी)	सी
416		(पाइनस रॉक्सिआटा)	(देवदार)	(लकड़ी)	सी
417		(पापुलुस सिलियाटा)	(पॉप्लर)	(लकड़ी)	सी
418		(पापुलुस डेल्टवायड्स)	(पॉप्लर)	(लकड़ी)	सी
419		(पापुलुस गम्बलें)	(पॉप्लर)	(लकड़ी)	सी
420		(प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा)	(मेस्कीट)	(लकड़ी)	सी
	(मसाला फसलें)				सी
421		(गार्सीनिया इंडिका)	(कोकुम)	(फल)	सी

[फा. सं. 28-13/2008-सीएस-III(एनबीए) खंड II]

डॉ. सुजाता अरोड़ा, वैज्ञानिक 'जी'/सलाहकार

टिप्पण : मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में अधिसूचना संख्या का.आ. 1352(अ), तारीख 7 अप्रैल, 2016 द्वारा प्रकाशित की गई थी ।

उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड

(जैवविविधता अधिनियम, 2002, भारत सरकार, के अन्तर्गत गठित स्वायत्त, संवैधानिक/नियामक संस्था)
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार)

पत्रांकः 29/5–2 दिनांकः 8.7.2021

घोषणा

प्रदेश में विरासत (हेरीटेज) वृक्षों के चयन/अभिलेखीकरण हेत गाइडलाईन्स विशयक शासनादेश संख्या– 859/81–5–2019–07/93 vol.-II दिनांक 08 नवम्बर, 2019 के प्राविधानों के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के अनुमोदनोपरान्त प्रदेश के मण्डलों/जनपदों में गैर वन क्षेत्र में सामुदायिक भूमि पर अवस्थित निम्न वृक्षों को विरासत वृक्ष घोशित किया जाता है:–

क्र० सं०	मण्डल	कम सं०	जनपद	स्थल	कम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	**4**	5	6	7	8	9	10
	आगरा	1	**आगरा**	शाहजहाँ पार्क	1.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 100 वर्ष	शाहजहाँ पार्क की सार्वजनिक भूमि पर अवस्थित यह वृक्ष पर्यावरण संरक्षण एवं पार्क की सौन्दर्य वृद्धि में योगदान दे रहा है।
				शाहजहाँ पार्क	2.	इमली	*Tamarindus Indica*	लगभग 100 वर्ष	सौ वर्ष से अधिक आयु के इमली के ये वृक्ष पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र है।
				शाहजहाँ पार्क	3.	इमली	*Tamarindus Indica*	लगभग 100 वर्ष	
				शाहजहाँ पार्क	4.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	शाहजहाँ पार्क में अवस्थित यह पीपल वृक्ष पर्यावरण संरक्षण एवं सौन्दर्यवर्धन में योगदान दे रहा है।
				आगरा क्लव आगरा, शहर रेंज	5.	इमली	*Tamarindus Indica*	100 वर्ष से अधिक	मि0 जे0ड़ब्ल्यू0 होस, (आई0सी0एस0) कमिनर आगरा द्वारा वर्ष–1914 में इस वृक्ष का रोपण किया गया।
				रामबाग, आगरा के पार्क के अन्दर	6.	इमली	*Tamarindus Indica*	100 वर्ष से अधिक	पुरातत्व विभाग के अन्तर्गत रामबाग व ताजमहल परिसर में अवस्थित ये वृक्ष सुरक्षित व दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र है।
				ताजमहल के अन्दर	7.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		2	**मैनपुरी**	ललूपुर, रेंज भोगाँव	8.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष (Sacred Grove) के रूप में पूजा की जाती है।
				कुर्रा जरावन, करहल रेंज	9.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	खेडापति महाराज की समाधि स्थल में अवस्थित इस वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष (Sacred grove) के रूप में पूजा की जाती है।
				जिलाधिकारी आवासीय परिसर	10.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष से अधिक	जिलाधिकारी आवासीय परिसर ब्रिटिश काल में बना हैं उक्त बरगद वृक्ष उससे भी पूर्व से परिसर में अवस्थित है।
		3	**मथुरा**	कलेक्ट्रेट परिसर	11.	बरगद	*Ficus benghalensis*	126 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा किए जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण जन सामान्य वृक्ष पर श्रद्धा रखते हैं।
				चिन्ताहरण महादेव मन्दिर महावन	12.	खिरनी	*Manikara hexandra*	110 वर्ष	खिरनी वृक्ष के नीचे भगवान बुद्ध द्वारा अपना प्रसिद्ध प्रथम द्विवचनीय उपदेश 'बुद्धं शरणं गच्छामि, धम्मं शरणं गच्छामि' प्रदान करने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी इसे पवित्र वृक्ष मानकर देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम–पैगाँव, तहसील–छाता	13.	पीलू	*Salvadora persica*	105 वर्ष	मन्दिर में आने वाले भक्त मन्दिर परिसर में अवस्थित इस पीलू वृक्ष की पूजा करते हैं।
				काली देह मंदिर	14.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	600 वर्ष	श्री कृष्ण की बाल लीलाओं से जुडे होने

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				चीर घाट मंदिर	15.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	600 वर्ष	एवं कालिया नाग का मर्दन की मान्यता होने से मन्दिर परिसर में आने वाले श्रद्धालु इन वृक्षों की पूजा करते हैं।
				निधिवन मंदिर	16.	पीलू	*Salvadora persica*	500 वर्ष	इस स्थान पर श्री कृष्ण द्वारा गोपियों के साथ रास लीला करने की मान्यता होने के कारण श्रद्धालु स्थान व वृक्षों की पूजा करते हैं।
				निधिवन मंदिर	17.	पीलू	*Salvadora persica*	500 वर्ष	
				निधिवन मंदिर	18.	पीलू	*Salvadora persica*	500 वर्ष	
				निधिवन मंदिर	19.	पीलू	*Salvadora persica*	500 वर्ष	
				महोली / मधुवन	20.	पीलू	*Salvadora persica*	130 वर्ष	इस स्थान पर ध्रुव द्वारा तपस्या किए जाने की मान्यता होने के कारण भक्त स्थल व वृक्ष पर श्रद्धालु रखते हैं एवं स्थल व पीलू वृक्ष की पूजा करते हैं।
				इमलीतला मंदिर / वृन्दावन	21.	इमली	*Tamarindus indica*	600 वर्ष	इस इमली वृक्ष के नीचे राधा रानी का महाभिषेक होने की मान्यता के कारण जन सामान्य वृक्ष की पूजा करते हैं।
				टेर कदम्ब / नंदगाँव	22.	पीलू	*Salvadora persica*	225 वर्ष	इस स्थान पर अपनी गायों की प्रतीक्षा करते हुए उन्हें श्री कृष्ण द्वारा टेर (आवाज) लगाने तथा राधारानी द्वारा कृष्ण व बलराम के लिए खीर लाने की मान्यता होने के कारण मन्दिर परिसर में स्थित इस वृक्ष की पूजा होती है।
				मानपुर ग्रामसमाज / बरसाना	23.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	110 वर्ष	पौराणिक महत्व व श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े होने की मान्यता के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष को पूज्य मानते हुए सुरक्षा व देखभाल करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मानपुर कुण्ड / गहवनर कुण्ड	24.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	वृक्ष के समीप अविस्थत कुण्ड में राधा रानी द्वारा स्नान करने की मान्यता होने के कारण जन सामान्य द्वारा वृक्ष की पूजा करते हैं।
				शांडीर वन	25.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	इस स्थान पर श्री कृष्ण व राधा का विवाह होने की मान्यता होने के कारण श्रद्धालु स्थल व वृक्ष की पूजा करते हैं।
				वंशीवट मंदिर	26.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	श्री कृष्ण द्वारा इस स्थल पर महारास लीला किए जाने के मान्यता होने के कारण श्रद्धालु स्थल व अवस्थित वृक्ष की पूजा करते हैं।
				चकलेश्वर महादेव मंदिर	27.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	मन्दिर में पूजा करने वाले भक्त मन्दिर परिसर में अवस्थित इस बरगद वृक्ष पर आस्था रखते हैं व पूजा करते हैं।
				महोली / मधुवन	28.	तमाल	*Diospyros montana*	150 वर्ष	जनश्रुति के अनुसार भक्त ध्रुव ने यहाँ पर तपस्या की थी। जन सामान्य द्वारा इस स्थल व वृक्ष की पूजा की जाती है।
				गौणीय मठ, महावन, चामण माँ का मन्दिर	29.	शमी	*Prosopis cineraria*	115 वर्ष	घनिश्ठा नक्षत्र, भानि ग्रह एवं मकर व कुंभ राशि का वृक्ष होने की मान्यता के कारण शमी वृक्ष धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। महाभारत के अनुसार पाण्डवों ने अज्ञातवास व्यतीत करने के लिए मत्स्य नरेश विराट के राज्य में जाने से पूर्व अपने अस्त्र–शस्त्र शमी वृक्ष में छिपाए थे।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		4	**फिरोजाबाद**	प्राथमिक पाठशाला मन्दिर परसिर छिकाऊ, टँण्डला रेंज	30.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष के रूप में पूजा की जाती है। मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				जायमई शाला मन्दिर परिसर, सिरसा गंज	31.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				रामनगर मन्दिर परिसर अरांव, सिरसा गंज	32.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष के रूप में पूजा की जाती है।
				ग्राम–इन्दुमई, पोस्ट–मक्खनपुर, ब्लाक– शिकोहाबाद, रेंज शिकोहाबाद	33.	पीपल	*Ficus religiosa*	250 वर्ष	भगवान शिव के मन्दिर के समीप स्थित होने के कारण ग्रामवासी इस पीपल वृक्ष पर श्रद्धा रखते हैं।
				स्वामी शिवानन्द आश्रम अब्बासपुर, रेंज शिकोहाबाद	34.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				स्वामी शिवानन्द आश्रम अब्बासपुर, रेंज शिकोहाबाद	35.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	पुष्य नक्षत्र व वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–वासुदेवमई, पोस्ट–उरमुरा किरार ब्लॉक–शिकोहाबाद, रेंज शिकोहाबाद	36.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम–साढँपुर, पोस्ट–साढँपुर, ब्लाक–शिकोहाबाद, रेंज शिकोहाबाद	37.	पीपल	*Ficus religiosa*	250 वर्ष	वृक्ष की सदियों से गोरखनाथ देव के नाम से पूजा की जा रही है।
				शेरपुर मदनपुर तालाब के पास, रेंज सिरसागंज	38.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	पुष्य नक्षत्र वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।
				मदनपुर बकरी हाट के पास, रेंज सिरसागंज	39.	बरगद	*Ficus benghalensis*	107 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा किए जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				अहमदपुर कौरारा रोड, रेंज सिरसागंज	40.	पीपल	*Ficus religiosa*	109 वर्ष	पुष्य नक्षत्र वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।
				ऊमरी शिव मन्दिर के पास, रेंज सिरसागंज	41.	पीपल	*Ficus religiosa*	104 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				कुतकपुर शेरपुर, रेंज सिरसागंज	42.	बरगद	*Ficus benghalensis*	102 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				जरौली नगला घनश्याम, रेंज नारखी	43.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
				शेखपूर हाथबन्त सड़क पर, रेंज नारखी	44.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				रजोपुरा प्राथमिक विद्यालय के पास, रेंज शिकोहाबाद	45.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				पिपरौली गढी बरन, रेंज नारखी	46.	पीपल	*Ficus religiosa*	106 वर्ष	पुष्य नक्षत्र वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।
				रूधऊ पहाडपुर नगला बीच, रेंज नारखी	47.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				नारखी धौंकल एच0आर0पी0 पब्लिक स्कॅल, रेंज नारखी	48.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				बहोरनपुर गढी तोड़िया, रेंज नारखी	49.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				लतीफपुर कोटला मन्दिर, रेंज नारखी	50.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	पुष्य नक्षत्र वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				पचवान योगेश्वर मन्दिर, रेंज नारखी	51.	बरगद	*Ficus benghalensis*	102 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				गौंछ महादेव मन्दिर, रेंज नारखी	52.	बरगद	*Ficus benghalensis*	103 वर्ष	
				कोटला माता मन्दिर पर, रेंज नारखी	53.	पीपल	*Ficus religiosa*	106 वर्ष	पुष्य नक्षत्र वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।
				भीकम बाबा स्थान, ग्राम लालई, पोस्ट–खैरगढ, ब्लॉक हाथवन्त	54.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	भीकम बाबा का स्थान होने के कारण सदियों से पवित्र वृक्ष के रूप में पूजा की जा रही है। पुष्य नक्षत्र का वृक्ष, वृहस्पति ग्रह की वनस्पति स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी व हरिशंकरी में शामिल एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के कारण आस्थावान एवं स्थानीय व्यक्ति वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।
				ग्राम–नायकपुर, पोस्ट–प्रतापुर, ब्लाक हाथवन्त (तालाब के पास)	55.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम व पोस्ट शेखँपुर, दोगुना रोड, हाथवन्त	56.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				ग्राम–बरथरा, पोस्ट–केशपुरा, थाना फरीहा, ब्लाक–हाथवन्त	57.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–करनपुर, पोस्ट–हरिया, ब्लाक–शिकोहाबाद	58.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	
2	अलीगढ़	5	अलीगढ़	हसनपुर, रेंज अतरौली	59.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू, जैन व बौद्ध धर्म में पवित्र वृक्ष के रूप में मान्यता, छाया, सौन्दर्य वृद्धि, वातावरण को शुद्ध करने में योगदान के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				बेंसवां, रेंज इग्लास	60.	बरगद	*Ficus bengalensis*	110 वर्ष	वृक्ष की छाया में एकत्र होकर बैठक अथवा धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होने, गाँव/स्थल का पहचान चिन्ह् होने एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान होने के कारण ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम व पोस्ट–दतावली, ब्लाक–छर्रा, तहसील–अतरौली	61.	बरगद	*Ficus bengalensis*	150 वर्ष	
				ग्राम– कंचनपुर, पोस्ट हारनपुर कलां, ब्लाक–बिजौली	62.	बरगद	*Ficus bengalensis*	200 वर्ष	
				ग्राम सांकरा, पोस्ट खस, ब्लॉक–बिजौली, तहसील अतरौली	63.	बरगद	*Ficus bengalensis*	250 वर्ष	
				ग्राम–बरहद, पोस्ट विजयगढ़, तहसील–कोल, ब्लाक अकराबाद	64.	बरगद	*Ficus bengalensis*	125 वर्ष	
				स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, मुख्य शाखा, अलीगढ़	65.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू, जैन व बौद्ध धर्म में पवित्र वृक्ष के रूप में मान्यता, छाया, सौन्दर्य वृद्धि, वातावरण को शुद्ध करने में योगदान के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				खण्डवार, पोस्ट–अकराबाद, तहसील कोल	66.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				पहाड़गढ़ी, रेंज अतरौली	67.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				पहाड़गढ़ी, सिरसा गंज	68.	बरगद	*Ficus bengalensis*	125 वर्ष	वृक्ष की छाया में एकत्र होकर बैठक अथवा धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होने, गाँव/स्थल की पहचान चिन्ह् होने एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान होने के कारण ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				औरैनी दलपतपुर, सिरसा गंज	69.	पीपल	*Ficus religiosa*	127 वर्ष	हिन्दू, जैन व बौद्ध धर्म में पवित्र वृक्ष के रूप में मान्यता, छाया, सौन्दर्य वृद्धि, वातावरण को शुद्ध करने में योगदान के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम–शाहजहांपुर बैजना, पोस्ट–खास (दादों), ब्लॉक–गंगीरी	70.	पीपल	*Ficus religiosa*	235 वर्ष	
				ग्राम– सिंहपुर हिम्मतपुर, पोस्ट–तेवथु, ब्लॉक–बिजौली, तहसील–अतर्रौली	71.	पीपल	*Ficus religiosa*	145 वर्ष	
		6	**एटा**	नगला बरी, रेंज बारी	72.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	पर्यावरणीय व धार्मिक महत्व के दृष्टिगत स्थानीय निवासी वृक्ष से जुड़ाव अनुभव कर इसकी सुरक्षा करते हैं।
		7	**हाथरस**	अण्डौली ब्लाक हसायन जनपद हाथरस	73.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	वृक्ष काफी समय (लगभग चार पीढ़ियों) से गाँव में खडा है। स्थानीय व्यक्तियों द्वारा इसके नीचे विभिन्न तीज व त्योहारों पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।
				बावली रजवाह की पटरी ब्लाक सहपऊ जनपद हाथरस	74.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		8	**कासगंज**	सोंरो, रेंज कासगंज,	75.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष से अधिक	मान्यता है कि ज्येष्ठ अमावस्या के दिन वट की परिक्रमा करने पर ब्रह्मा, विष्णु और महेश सुहागिनों को सदा सौभाग्यशाली रहने का वरदान देते है
				हनुमान गढ़ी मन्दिर, पटियाली बाईपास, रेंज पटियाली	76.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष से अधिक	यह वृक्ष हनुमान गढी, मन्दिर के पास स्थित है। मंगल व भानिवार को श्रद्धालु इसका दर्शन तथा पूजा अर्चना करते है।
				थाना गाँव पटियाली, रेंज पटियाली	77.	पीपल	*Ficus religiosa*	175 वर्ष से अधिक	मान्यता के अनुसार पीपल वृक्ष में देवताओं का वास होता है। प्रत्येक भानिवार को श्रद्धालु दीपक जलाते है।
				नगला प्रसादी, रेंज पटियाली	78.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष से अधिक	मान्यता के अनुसार वृक्ष से स्वयं हनुमान प्रकट हुए थे। श्रद्धालुगण वृक्ष की पूजा अर्चना करते है।
				पटियाली, स्टेशन, रेंज पटियाली	79.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष से अधिक	स्टेशन के समीप होने के कारण यात्री निवास चबँतरा बना है जिस पर यात्री वृक्ष की छाया में विश्राम करते है।
3	**अयोध्या**	9	**अम्बेडकर नगर**	मीरानपुर बाभनपुर (रामशानघाट) सार्वजनिक भूमि, रेंज टाण्डा	80.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष से अधिक	वृक्ष के आस–पास विभिन्न देवताओं की मँर्ति स्थापित होने के कारण मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु मन्नत माँगते हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इस पीपल वृक्ष से माँगी गई मन्नत पूर्ण होती है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				शिवबाबा धाम यह मन्दिर जिला मुख्यालय से 05 कि0मी0 की दँरी पर अकबरपुर अयोध्या मार्ग पर स्थित है। ग्राम समाज भूमि पर स्थित है, रेंज अकबरपुर	81.	बरगद	*Ficus benghalensis*	145 वर्ष	स्थानीय निवासियों की मान्यता है कि इस वृक्ष के दर्शन मात्र से मांगलिक कार्य सम्पन्न होते है एवं मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। शिव बाबा धाम में सावन माह में लगने वाले मेले में आने वाले श्रद्धालु इस वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				बरमबाबा का स्थान ग्रा० व पोस्ट चाचिकपुर मुख्यालय से लगभग 30 कि0मी0 गोशाईगं–भीटी मार्ग पर स्थित है। राजकीय भूमि पर स्थित है। रेंज अकबरपुर	82.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	धार्मिक स्थल में अवस्थित इस वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष के रूप में पूजा की जाती है। प्रति–दिन पूजा–अर्चना एवं शनिवार के दिन जलाभिषेक होता है। दीपावली के पूर्व रामलीला तथा मेला का आयोजन किया जाता है। इस रामलीला व मेले में दँर दराज से लोग आते है।
				जय साखवीर बाबा **का** मंदिर सार्वजनिक भूमि पर स्थित है। रेंज अकबरपुर	83.	कुसुम	*Schleichera oleosa*	125 वर्ष	वर्ष 1982 में स्थल पर मन्दिर निर्माण के 4 पीढ़ियों पूर्व से यह वृक्ष जन मानस की आस्था का केन्द्र है। मान्यता है कि वृक्ष की पूजा करने से मनोवांछित फल प्राप्त होता है।
				गौसपुर ककरहियां शिव मन्दिर भूमि मन्दिर के नाम है। सार्वजनिक भूमि, रेंज जलालपुर	84. 85.	पीपल, बरगद	*Ficus religiosa & Ficus benghalensis*	200 वर्ष	महाशिवरात्रि को मेला लगता है। काफी दूर–दूर से लोग आते है। वृक्ष को धार्मिक मान्यता प्राप्त है। स्थानीय लोग प्रतिदिन वृक्षों की पूजा करते है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बरौली अशनन्दपुर पो0 व थाना– मालीपुर । सार्वजनिक भूमि है। रेज जलालपुर	86.	पीपल	*Ficus religiosa*	250 वर्ष	महाशिवरात्रि को मेला लगता है। काफी दूर–दूर से लोग आते है। वृक्ष को धार्मिक मान्यता प्राप्त है। स्थानीय लोग प्रतिदिन वृक्ष की पूजा करते है।
				सिंहल पट्टी झारखण्डी बाबा, रेंज बसखारी	87.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	स्थानीय निवासियों द्वारा परम्परागत रूप से लगभग 400 वर्ष पुराने इस बरगद वृक्ष की पूजा की जा रही है ।
				गोवर्धनपुर, रेंज बसखारी	88. 89.	बरगद और पीपल संयुक्त रूप से	*Ficus benghalensis* *Ficus religiosa*	400 वर्ष	अंग्रेजी शासन काल में अंग्रेजो तथा हंसवर रियासत से पीडित होने के कारण श्री जयराम पण्डित ने इसी स्थान पर आत्मदाह किया था। मान्यता है कि वे जागृत हुए थे।
				चहोड़ाशाहपुर (चहोड़ाघाट), रेंज बसखारी	90.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	चहोड़ाघाट पर स्नान करने तथा मन्दिर में बाबा गोरखनाथ के दर्शन करने आए श्रद्धालु इस वृक्ष की पूजा करते हैं।
				चहोड़ाशाहपुर (चहोड़ाघाट), रेंज बसखारी	91.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	चहोड़ाघाट पर स्नान करने तथा मन्दिर में बाबा गोरखनाथ के दर्शन करने आए श्रद्धालु इस वट वृक्ष की पूजा करते हैं।
		10	**अमेठी**	गौरीगंज / हरखपुर, रेंज गौरीगंज	92.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष से अधिक	वृक्ष के समीप काली माँ का मन्दिर होने के कारण गाँव के समस्त व्यक्तियों का पूजयनीय स्थल है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				जेठौना, रेंज गौरीगंज	93.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष से अधिक	ढेड़े बीर बाबा के नाम से विख्यात वृक्ष व स्थान पर पूजा स्थल होने के कारण स्थानीय नागरिको की आस्था है।
				चिलबिली, रेंज गौरीगंज	94.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष से अधिक	धार्मिक व पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण व स्थानीय जनता की आस्था होने से वे रूचिपूर्वक वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				मयास, रेंज गौरीगंज	95.	बरगद	*Ficus benghalensis*	113 वर्ष से अधिक	धार्मिक व पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण व स्थानीय जनता की आस्था होने से वे रूचिपूर्वक वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				कसरावाँ, रेंज गौरीगंज	96.	बरगद	*Ficus benghalensis*	137 वर्ष से अधिक	चकिया बाबा के नाम से ग्रामीणों द्वारा पूजा–पाठ किया जाता है।
				जामों, रेंज गौरीगंज	97.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष से अधिक	धार्मिक व पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण व स्थानीय जनता की आस्था होने से वे रूचिपूर्वक वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				गौरीगंज बलीपुर खुर्दवां, रेंज गौरीगंज	98.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष से अधिक	मकर संक्रान्ति के दिन विशेष पूजा–पाठ व एक दिन बाद भण्डारे का अयोजन होता है।
				भादर, रेंज अमेठी	99.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष से अधिक	धार्मिक व पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण व स्थानीय जनता की आस्था होने से वे वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				टीकरमाफी, रेंज अमेठी	100.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	वृक्ष सेहत बाबा के नाम से प्रसिद्ध है। यहाँ बजरंगबली की प्रतिमा स्थापित है तथा जन सामान्य की इसमें बहुत आस्था है।
				धोयें, रेंज अमेठी	101.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	पीपल में विष्णु का वास होने की मान्यता के कारण ग्रामीणों द्वारा पूजा–पाठ किया जाता है।
				भौसिंहपुर, रेंज अमेठी	102.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष से अधिक	
				मनीरामपुर, रेंज अमेठी	103.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष से अधिक	धार्मिक व पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण व जनता की आस्था होने से वे स्थानीय समुदाय वृक्ष की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
				करौदी, रेंज अमेठी	104.	बरगद	*Ficus benghalensis*	180 वर्ष से अधिक	बरगद को शिव का स्वरूप मानने एवं पर्यावरण सुरक्षा में योगदान के दृष्टिगत ग्रामवासी चार पीढ़ियों से अधिक समय से वृक्ष की सुरक्षा में योगदान दे रहे हैं।
				कोरारीहीरशाह, रेंज अमेठी	105.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष से अधिक	पक्षियों व वन्य प्राणियों को भोजन व आश्रय उपलब्ध होने एवं धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष पर श्रृद्धा रखते हैं।
				सरैयादुबान, रेंज अमेठी	106.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	
				भवानीपुर, रेंज अमेठी	107.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	
				चतुर्भुजपुर, रेंज अमेठी	108.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष से अधिक	घनी छाया, विभिन्न अंगों का औषधीय महत्व एवं कामनाओं की पूर्ति करने की मान्यता होने के कारण
				मोचवा, रेंज अमेठी	109.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष से अधिक	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				नौगिरवा, रेंज अमेठी	110.	बरगद	*Ficus benghalensis*	108 वर्ष से अधिक	जन समुदाय बरगद वृक्ष पर श्रद्धा व विश्वास रखता है।
				कुरंग, रेंज अमेठी	111.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष से अधिक	
				सनहा, रेंज अमेठी	112.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष से अधिक	घनी छाया प्रदान करने, सौन्दर्य में वृद्धि करने, पशुओं के लिए उच्च गुणवत्तायुक्त चारा होने एवं धार्मिक मान्यता के कारण ग्रामवासी वृक्ष की पूजा व सुरक्षा करते हैं।
				भीमी, रेंज अमेठी	113.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष से अधिक	शुभ अवसरों पर ग्रामीणों द्वारा यहाँ पूजा अर्चना की जाती है।
				बैसड़ा, रेंज अमेठी	114.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष से अधिक	
		11	**अयोध्या**	हनुमान मन्दिर चबँतरा, अमौनी, रूदौली	115.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 200 वर्ष	हनुमान मन्दिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालु मन्दिर परिसर में स्थित इस बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				जिलाधिकारी आवास/कैम्प कार्यालय परिसर	116.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 100 वर्ष	जिलाधिकारी आवास परिसर में स्थित बरगद वृक्ष का समुचित रख रखाव किया जा रहा है।
				ब्रह्म बाबा का स्थान ग्राम चाँदपुर हरबंश अयोध्या–इलाहाबाद मार्ग, बाँयी पटरी, किमी–3 से 4 के मध्य	117.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 125 वर्ष	धार्मिक स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त ब्रह्म बाबा के स्थान पर आने वाले श्रद्धालु इस पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				पिपरी ग्राम समाज के पास अयोध्या–इलाहाबाद मार्ग, दाँयी पटरी, किमी0 –16 से 17 के मध्य	118.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 102 वर्ष	पीपल के इस वृक्ष के नाम से ही ग्राम सभा का नाम पिपरी पड़ा।
		12	**बाराबंकी**	ददौरा, रेंज रामनगर	119.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार परम्परागत

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				अमौली कला, रेंज रामनगर	120.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	रूप से वृक्ष की पूजा की जा रही है। निजी धार्मिक आयोजन में भी इस वृक्ष की पूजा की जाती है।
				टाण्डा निजामअली, रेंज फतेहपुर	121.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				सिद्धधेवर महादेव मन्दिर, रेंज देंवा	122.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार परम्परागत रूप से वृक्ष की पूजा की जा रही है। निजी धार्मिक आयोजन में भी इस वृक्ष की पूजा की जाती है। प्रत्येक वर्ष दशहरे के दिन वृक्ष के नीचे मेला लगता है।
				दौड़िहारा, रेंज देंवा	123.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार परम्परागत रूप से वृक्ष की पूजा की जा रही है। निजी धार्मिक आयोजन में भी इस वृक्ष की पूजा की जाती है।
				अछरीपुरवा, रेंज देंवा	124.	पाकड़	*Ficus virens*	150 वर्ष	असाधारण छायादार वृक्ष एवं हरिशंकरी वाटिका का अंग होने तथा ग्रामवासियों की वृक्ष के प्रति जागरूकता व श्रद्धा के कारण वे इस पाकड़ वृक्ष की देखरेख करते हैं।
				देंवा कस्बा, रेंज देंवा	125.	बरगद	*Ficus benghalensis*	135 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार परम्परागत रूप से वृक्ष की पूजा की जा रही है। निजी धार्मिक आयोजन में भी इस वृक्ष की पूजा की जाती है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बाराबंकी जैदपुर मार्ग, रेंज हरख	126.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				नरौली टीकारामन बाबा, रेंज हैदरगढ़	127.	बरगद	*Ficus benghalensis*	350 वर्ष	बरगद वृक्ष के समीप स्थित कुएँ के जल से स्नान करने पर पीलिया रोग ठीक होने की मान्यता के कारण दूर–दूर से लोग स्नान करने आते है।
				टिकैतनगर भेलसर मार्ग ग्राम– अजईमऊ, रेंज रासनेही घाट	128.	पीपल	*Ficus religiosa*	450 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार परम्परागत रूप से वृक्ष की पूजा की जा रही है। निजी धार्मिक आयोजन में भी इस वृक्ष की पूजा की जाती है।
				टाण्डा, रेंज रासनेही घाट	129.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	
				मंगँपुर मजरे उदईपुर, रेंज रासनेही घाट	130.	नीम	*Azadirachta indica*	400 वर्ष	स्थानीय मान्यता है कि इस वृक्ष की पूजा करने से गाँव में दैवी–आपदा नहीं आती है। नवरात्रि में भंडारा होता है।
				मंगँपुर मजरे उदईपुर, रेंज रासनेही घाट	131.	बरगद	*Ficus benghalensis*	500 वर्ष	वृक्ष शेरशाह सूरी से सम्बन्धित है एवं चौरासी कोसी अयोध्या परिक्रमा के सीमा के अन्दर अवस्थित है। स्थानीय लोगों की मान्यता है कि गीले कपड़े पहनकर बरगद वृक्ष की परिक्रमा करने से मनोकामना पूर्ण होती है। धनतेरस के दिन यहाँ पर मेला लगता है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सुर्जनपुर,मडा मारी, रेंज फतेहपुर	132.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार परम्परागत रूप से वृक्ष की पूजा की जा रही है। निजी धार्मिक आयोजन में भी इस वृक्ष की पूजा की जाती है।
				खीरिया, रेंज फतेहपुर	133.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	
		13	**सुल्तानपुर**	जिला उद्योग केन्द्र परिसर सुलतानपुर (दँबेपुर विकास खण्ड)	134.	परिजात	*Adansonia digitata*	100 वर्ष से अधिक	गोमती तट पर अवस्थित इस वृक्ष के सम्बन्ध में जन मान्यता है कि इस स्थान पर पाण्डवों ने माता कुन्ती के साथ अपना वनवास का समय बिताया था।
				बल्दीराय विकास खण्ड, ग्राम कुँवासी बड़ाड़ाड	135.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	ग्राम कुँवासी बड़ाड़ाड ग्राम सभा में अवस्थित यह बरगद वृक्ष आस–पास के ग्रामों में महन्दावीर बाबा व बँढ़ेबाबा के नाम से प्रसिद्ध है। इस स्थल की मान्यता देव स्थान की होने के कारण ग्रामवासी इस स्थल व बरगद वृक्ष पर श्रद्धा रखते हैं।
4	**आजमगढ** .	14	**आजमगढ़**	तेजा जगदीशपुर, रेंज अतरौलिया	136.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 150 वर्ष	वृक्ष 'पेड का बाबा' स्थान के नाम से जाना जाता है तथा स्थानीय निवासी लंगोट चढ़ाकर मनोकामना पूर्ण करने की कामना करते हैं।
				शिव मन्दिर, ग्राम देवडीह, पोस्ट एदिलपुर, रेंज अतरौलिया	137.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 150 वर्ष	हर वर्ष सावन के माह में शिवलिंग की पूजा व शिवरात्रि के दिन प्रतिवर्ष मेला लगता है। शिव मन्दिर पर श्रद्धालुओं द्वारा माँगी गयी मन्नते पूर्ण होने के उपरान्त लोग पूजा–अर्चना के साथ कीर्तन रूद्राभिषेक आदि करवाते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		15	**बलिया**	बड़सरी, सिकन्दरपुर बलिया, रेंज सिकन्दपुर	138.	बरगद	*Ficus benghalensis*	220 वर्ष	लगभग 200 वर्ष पुराने वृक्ष के मध्य में सती माँ का स्थल है तथा श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सती माँ की पूजा से मनौतियाँ पूर्ण होती हैं।
		16	**मऊ**	परसँपुर, रेंज मऊ	139.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	पीढ़ियों से ब्रह्म बाबा की पूजा करने वाले व्यक्तियों द्वारा बरगद वृक्ष की भी पूजा की जाती है।
				गायघाट करियवा बाबा की कुटी, रेंज मऊ	140.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	जन श्रुति के अनुसार अनेक सिद्धियाँ प्राप्त करियवा बाबा नामक सिद्ध बाबा की कुटी में अवस्थित इस वृक्ष को पवित्र मानकर स्थानीय समुदाय द्वारा पीढ़ियों से पूजा की जा रही हैं।
				एकौनाघाट, रेंज मऊ	141.	पीपल	*Ficus religiosa*	103 वर्ष	यहाँ पर हर पर्व पर मेले का आयोजन किया जाता है तथा ग्रामवासियों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है। स्थानीय मान्यता के अनुसार इस वृक्ष के नीचे की गई मनोकामना पूर्ण होती है।
5	**बरेली**	17	**बरेली**	नल चौराहा,मीरगंज, रेंज मीरगंज	142.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				शिवपुरी मोहल्ला मीरगंज, रेंज मीरगंज	143.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शिव का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम सिंधौली, रेंज मीरगंज	144.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्ष व पूजा करते हैं।
				नारा फरीदपुर,फतेहगंज पं0, रेंज मीरगंज	145.	बरगद	*Ficus benghalensis*	170 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				बसावनपुर, फतेहगंज पं0, रेंज मीरगंज	146.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्ष व पूजा करते हैं।
				ग्राम महमूदपुर पथरा–1, रेंज आंवला	147.	पीपल	*Ficus religiosa*	121 वर्ष	वृक्ष के समीप परम्परागत धार्मिक मेले का आयोजन होता है।
				ग्राम महमूदपुर पथरा–2, रेंज आंवला	148.	पीपल	*Ficus religiosa*	118 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम महमूदपुर पथरा–3, रेंज आंवला	149.	पीपल	*Ficus religiosa*	123 वर्ष	
				ग्राम महमूदपुर पथरा–4, रेंज आंवला	150.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				ग्राम ढिलवारी, रेंज आंवला	151.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	वृक्ष के समीप बालाजी मेला व दरबार लगता है।
				ग्राम चम्पतपुर, रेंज आंवला	152.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				निर्गुन शाह बाबा की मजार के पास,नगर पंचायत सिरौली, रेंज आंवला	153.	गूलर	*Ficus racemosa*	110 वर्ष	कृतिका नक्षत्र का वृक्ष होने की मान्यता होने के कारण कृतिका नक्षत्र में जन्म लेने वालों द्वारा गूलर की सेवा करने से कल्याण होता है। शुक्र ग्रह की शान्ति में इसकी समिधा प्रयुक्त होती है।
				वार्ड नं०–1 अम्बेडकर नगर,नगर पंचायत विशारतगंज, रेंज आंवला	154.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				कार्यालय परिसर,मा० आयुक्त बरेली मण्डल,बरेली, रेंज बरेली	155.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	वृक्ष के नीचे ,अंग्रजों के समय में क्रान्तिकारियों को फांसी दी जाती थी।
				कैन्ट क्षेत्र (जनरल साहब की कोठी के सामने) बरेली नगर क्षेत्र, रेंज बरेली	156.	बरगद	*Ficus benghalensis*	139 वर्ष	लोक मान्यता के अनुसार इस वृक्ष से मन्नत माँगने पर मन्नत पूर्ण होती है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				कनमन मन्दिर के पास, रेंज बहेड़ी	157.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				प० तुलसीराम के घर के पास कठर्रा, रेंज बहेड़ी	158.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	
				देवस्थल गरीबपुरा, रेंज बहेड़ी	159.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	
				देवस्थल ग्राम पुनई, रेंज बहेड़ी	160.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	
				ग्राम पुनई पुरानी नर्सरी, रेंज बहेड़ी	161.	पीपल	*Ficus religiosa*	165 वर्ष	
				ग्राम गौरी खेडा धर्मस्थल, रेंज बहेड़ी	162.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				थाना देवरनियां परिसर बहेडी, रेंज बहेड़ी	163.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				इंधजागीर खेडा पर स्थित मन्दिर परिसर में रेंज नवाबगंज	164.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	वृक्ष के समीप शिवरात्रि का मेला आयोजित होता है।
				मोहल्ला पछांया जुल्फिकार इमाम बाडा हसनैन, सेंथल, रेंज नवाबगंज	165.	नीम	*Azadirachta indica*	110 वर्ष	गाँव के वैद्य के नाम से प्रसिद्ध औषधीय महत्व का वृक्ष एवं उत्तर भाद्रपद नक्षत्र का वृक्ष होने के कारण इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्ति वृक्ष के साथ विशेष लगाव रखते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ढाकिया मैमोर, रेंज नवाबगंज	166.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	वृक्ष के समीप शिवतेरस व रामनवमी का मेला आयोजित होता है
				ग्राम गैनी	167.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	मान्यता के अनुसार पीपल वृक्ष में देवताओं का वास होता है। प्रत्येक शनिवार को श्रद्धालु दीपक जलाते है तथा पूर्व में कई वर्शो से सावन, शिवरात्रि व नाग पंचमी के अवसर पर मेले का आयोजन होता है तथा कांवड़ियों द्वारा जलाभिशेक किया जाता है।
		18	**बदायूँ**	जिन्द बाबा का आश्रम ग्राम इस्माइलपुर, दातागंज	168.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	वृक्ष का धार्मिक महत्व व गाँव का प्रतीक होने की मान्यता के कारण ग्रामवासी सुरक्षा व देखभाल करते हैं।
				मेला स्थान ग्राम पापड हजमापुर दातागंज	169.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	
				कुआँडाडा कासिमपुर में ग्राम समाज की भूमि पर	170.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	तालाब के किनारे अवस्थित इस बरगद वृक्ष की ग्रामीणों द्वारा पूजा की जाती है।
				मेला स्थान ग्राम पापड हजमापुर दातागंज	171.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	वृक्ष का धार्मिक महत्व व गाँव का प्रतीक होने की मान्यता के कारण ग्रामवासी सुरक्षा व देखभाल करते हैं।
				मेला स्थान ग्राम पापड हजमापुर दातागंज	172.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	
				हथौडा मन्दिर बिसौली	173.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	वृक्ष का धार्मिक महत्व व गाँव का प्रतीक होने की मान्यता के कारण ग्रामवासी सुरक्षा व देखभाल करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				आसफपुर मोड बिसौली	174.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष से अधिक	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
		19	**पीलीभीत**	जिला जज आवास परिसर, रेंज पीलीभीत	175.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				सुकटिया पौटा डाम के पास मजार पसिसर मे, रेंज पीलीभीत	176.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष से अधिक	
				सिद्ध बाबा जानकी महाराज, भड़रिया, रेंज बीसलपुर	177.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				पीलीभीत–पूरनपुर मार्ग ग्राम–खमरिया के पास, रेंज पूरनपुर	178.	पाकड़	*Ficus virens*	200 वर्ष	धार्मिक आस्था, घनी शीतल छाया एवं उ0 फाल्गुनी नक्षत्र के वृक्ष की मान्यता होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				पूरनपुर–माधौटांड ा मार्ग, रेंज पूरनपुर	179.	सेमल	*Bombax ceiba*	200 वर्ष	वृश्चिक राशि के वृक्ष की मान्यता होने के कारण सार्वजनिक भूमि पर अवस्थित सेमल वृक्ष की सुरक्षा स्थानीय व्यक्तियों द्वारा की जा रही है।
		20	**शाहजहाँपुर**	भुहियार बाबा, रेंज खुटार	180.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	मान्यता है कि वृक्ष की पूजा से मनोकामना

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मोहददीनपुर, रेंज खुटार	181.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	पूर्ण होती है। पुरातनकाल से इस स्थान पर मेला लगता है।
				सुनासिर नाथ मन्दिर, रेंज खुटार	182.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	
				ग्राम नवाज़पुर, रेंज खुटार	183.	बरगद	*Ficus benghalensis*	140 वर्ष	मान्यता है कि वृक्ष की पूजा से मनोकामना पूर्ण होती है। पुरातनकाल से इस स्थान पर मेला लगता है।
				रामपुर कला, रेंज खुटार	184.	बरगद	*Ficus benghalensis*	135 वर्ष	
				ग्राम लक्ष्मीपुर, रेंज खुटार	185.	साल	*Shorea robusta*	150 वर्ष	मनोकामना सिद्धि हेतु पूजा होती है। मान्यता है कि वृक्ष की पूजा से मनोकामना पूर्ण होती है। पुरातनकाल से इस स्थान पर मेला लगता है
				ग्राम भरतपुर, रेंज जलालाबाद	186.	पाकड़	*Ficus virens*	150 वर्ष	
				ग्राम काकरकठा/ मिर्जापुर, रेंज जलालाबाद	187.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	
				ओ०सी०एफ० कैंट, रेंज शाहजहाँपुर	188.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	ब्रिटिश काल में इस पीपल वृक्ष का उपयोग फाँसी दिए जाने के लिए होता था।
6	**बस्ती**	21	**बस्ती**	समय माता का स्थान ग्राम समाज, ग्राम पंचायत, दुबखरा, विकास खण्ड, बस्ती	189.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	समय माता के स्थान में अवस्थित इस पीपल वृक्ष की स्थानीय व्यक्ति पूजा करते हैं।
				समय माता का स्थान ग्राम समाज, अहिरौली नयन ग्राम समाज, हरैया, दिवाकरपुर, बस्ती	190.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	समय माता के स्थान में अवस्थित इस पीपल वृक्ष की स्थानीय व्यक्ति पूजा करते हैं।
				शिव मन्दिर परिसर, अहिरौली नयन ग्राम समाज, हरैया, दिवाकरपुर, बस्ती	191.	बरगद	*Ficus behghalensis*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									सुरक्षा करते हैं।
				शनि देव की मन्दिर, गौरा धुन्धा ग्राम समाज, तेनुआ, कुदहरा बस्ती	192.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				रामजानकी मन्दिर, सिसवनिया ग्राम समाज, ताड़ीजोत, बस्ती	193.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
		22	**संतकबीर नगर**	तामेवरनाथ, ग्राम पंचायत तमा, विकासखण्ड खलीलाबाद	194.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	शिव मन्दिर परिसर में स्थित वृक्ष की श्रद्धालुओं द्वारा पूजा की जाती है।
				तामेवरनाथ, ग्राम पंचायत तमा, विकास खण्ड – खलीलाबाद	195.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	समय माता के स्थान में अवस्थित इस पीपल वृक्ष को स्थानीय व्यक्ति पूजा करते हैं।
				बड़गो, ग्राम पंचायत बड़गो, विकास खण्ड– खलीलाबाद	196.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	समय माता मन्दिर में स्थित यह वृक्ष मन्दिर में आने वाले व्यक्तियों के लिए श्रद्धा का स्थान है।
				साड़े खुर्द, ग्राम पंचायत साड़े खुर्द, विकास खण्ड – मेंहदावल	197. 198. 199.	हरिशंकरी (पीपल, पाकड़, बरगद)	*Ficus religiosa, Ficus virens, Ficus benghalensis*	120 वर्ष	शिव मन्दिर परिसर मेंअवस्थित हरिशंकरी को ब्रह्मा, विष्णु, महेश का स्वरूप माने जाने के कारण तीनो वृक्ष मन्दिर दर्शन करने वालों के लिए श्रद्धा व आकर्षण का केन्द्र है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बदौली, ग्राम पंचायत सेमरडाडी, विकास खण्ड – हैसर बाजार	200.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	प्राथमिक विद्यालय में स्थित इस वृक्ष की छाया में विद्यार्थी खेलते हैं तथा स्थानीय ग्रामवासियों द्वारा वृक्ष की पूजा की जाती है।
				बदौली ग्राम पंचायत सेमरडाडी, विकास खण्ड –हैसर बाजार	201.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	धार्मिक विश्वास एवं वृक्षों के प्रति ग्रामवासियों की जागरूकता के कारण तालाब व मार्ग के किनारे अवस्थित इन पीपल वृक्षों की सुरक्षा ग्रामवासियों द्वारा की जा रही है।
				बिहारे, ग्राम पंचायत विहारे विकास खण्ड – बघौली	202.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				धनखिरिया, ग्राम पंचायत धनखिरिया, विकास खण्ड –बघौली	203.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				भड़ारी, ग्राम पंचायत सिटकर, विकास खण्ड – बघौली	204.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	काली मन्दिर के निकट
				तिलाठी, ग्राम पंचायत महला, विकास खण्ड – बघौली	205.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	धार्मिक विश्वास एवं वृक्षों के प्रति ग्रामवासियों की जागरूकता के कारण तालाब व मार्ग के किनारे अवस्थित इन पीपल वृक्षों की सुरक्षा ग्रामवासियों द्वारा की जा रही है।
				कोपिया, ग्राम पंचायत सिटकर, विकास खण्ड – बघौली	206.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	इन वृक्षों की पूजा मन्दिर में आने वाले श्रद्धालुओं व ग्रामवासियों द्वारा की जाती है।
		23	**सिद्धार्थनगर**	टेकनार, ग्राम पंचायत टेकनार, विकास खण्ड – शोहरतगढ़	207.	पाकड़	*Ficus virens*	300 वर्ष	स्थानीय निवासियो द्वारा वृक्ष की पूजा की जाती है।
				पल्टा देवी, ग्राम पंचायत पल्टा देवी, विकास खण्ड – शोहरतगढ़	208.	कुसुम	*Schleichera oleosa*	250 वर्ष	धार्मिक विश्वास, आस्था व उपयोगिता के दृष्टिगत ग्रामवासियों द्वारा वृक्ष की पूजा व सुरक्षा की जाती है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मँसा, ग्राम पंचायत मँसा, विकास खण्ड – इटवा	209.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	धार्मिक विश्वास, आस्था व उपयोगिता के दृष्टिगत ग्रामवासियों द्वारा वृक्ष की पूजा व सुरक्षा की जाती है।
				शोहरतगढ भिरण्डा, ग्राम पंचायत– शोहरतगढ़, विकास खण्ड – शोहरतगढ़	210.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	
				टेकनार, ग्राम पंचायत टेकनार, विकास खण्ड – शोहरतगढ़	211.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	
				गनवरिया बुजुर्ग, ग्राम पंचायत गनवरिया बुजुर्ग, विकास खण्ड – भनवापुर	212.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				चिल्हिया, ग्राम पंचायत चिल्हिया, विकास खण्ड – शोहरतगढ़	213.	बरगद	*Ficus benghalensis*	250 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				सकारपार, ग्राम पंचायत सकारपार, विकास खण्ड – खेसरहा	214.	पीपल	*Ficus religiosa*	250 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ओदनाताल, , ग्राम पंचायत विकास खण्ड – बाँसी	215.	बरगद	*Ficus benghalensis*	124 वर्ष	धार्मिक विश्वास, आस्था व उपयोगिता के दृष्टिगत ग्रामवासियों द्वारा वृक्ष की पूजा व सुरक्षा की जाती है।
				पिडया, ग्राम पंचायत पिडया, विकास खण्ड – भनवापुर	216.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				भैसहवा, ग्राम पंचायत भैंसहवा, विकास खण्ड – जोगिया	217.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	इस पीपल वृक्ष की स्थानीय ग्रामवासियों द्वारा पूजा की जाती है।
				उडवलिया, ग्राम पंचायत उडवलिया, विकास खण्ड – बाँसी	218.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	धार्मिक विश्वास, आस्था व उपयोगिता के दृष्टिगत ग्रामवासियों द्वारा वृक्ष की पूजा व सुरक्षा की जाती है।
7	चित्रकूट	24	बाँदा	बिलगांव पौधशाला रा०इ० कालेज मार्ग, अजीतपारा, रेंज बबेरू	219.	नीम	*Azadirachta indica*	105 वर्ष	हिन्दू धर्म में नीम का बहुत महत्व है। यह वृक्ष औशधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब कुछ अत्यन्त उपयोगी होते हैं।
				मनी पोखरा तालाब, नांदादेव, रेंज पैलानी	220.	पीपल	*Ficus religiosa*	170 वर्ष	हरिशंकरी व पंचवटी में रोपित होने, बौद्ध, जैन व हिन्दू धर्मावलम्बियों की वृक्ष में आस्था होने एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका होने के कारण स्थानीय समुदाय पीपल वृक्ष पर आस्था रखता है।
				पड़ोहरा अमारा मार्ग के किनारे, रेंज पैलानी	221.	पीपल	*Ficus religiosa*	145 वर्ष	
				पक्का तालाब के पास अमारा, रेंज पैलानी	222.	इमली	*Tamarindus indica*	200 वर्ष	वृक्षों के प्रति जुड़ाव एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता के कारण स्थानीय ग्रामवासी पीढ़ियों से इमली वृक्ष का संरक्षण करते हैं।
				अमारा गांव में रोड़ के किनारे, रेंज पैलानी	223.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	बरगद वृक्ष पर आस्था, विश्वास व श्रद्धा रखने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष का संरक्षण व देखरेख करते हैं
				पूर्व मा० विद्यालय, भाथा, रेंज पैलानी	224.	पीपल	*Ficus religiosa*	170 वर्ष	पर्यावरण व वृक्षों के प्रति जागरूकता के

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम जसईपुर में व्यायामशाला में, रेंज तिन्दवारी	225.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	फलस्वरूप स्थानीय निवासी वृक्षों की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम माटा में रोड किनारें, रेंज तिन्दवारी	226.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				ग्राम माटा में तालाब के पास, रेंज तिन्दवारी	227.	पीपल	*Ficus religiosa*	112 वर्ष	
				ग्राम माटा में तालाब के पास, रेंज तिन्दवारी	228.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	बरगद वृक्ष पर आस्था, विश्वास व श्रद्धा रखने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष का संरक्षण व देखरेख करते हैं।
				ग्राम सिंघौली में रोड पर, रेंज तिन्दवारी	229.	पीपल	*Ficus religiosa*	140 वर्ष	पर्यावरण व वृक्षों के प्रति जागरूकता के फलस्वरूप स्थानीय निवासी वृक्षों की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				मुंगुश पौधशाला में, रेंज तिन्दवारी	230.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				मुंगुश गांव में बस्ती में, रेंज तिन्दवारी	231.	बरगद	*Ficus benghalensis*	101 वर्ष	इन वृक्षों पर आस्था, विश्वास व श्रद्धा रखने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष का संरक्षण व देखरेख करते हैं।
				मुंगुश गांव में बस्ती में, रेंज तिन्दवारी	232.	पीपल	*Ficus religiosa*	106 वर्ष	
				मुंगुश गांव में बस्ती में, रेंज तिन्दवारी	233.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				मुंगुश गांव में बस्ती में, रेंज तिन्दवारीं	234.	पीपल	*Ficus religiosa*	106 वर्ष	
				मुंगुश गांव में बस्ती में, रेंज तिन्दवारी	235.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				ग्राम खैरई बस्ती में, रेंज तिन्दवारी	236.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				ग्राम खैरई बस्ती में, रेंज तिन्दवारी	237.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
		25	चित्रकूट	मारकुण्डी रेंज कैम्पस के सामने, रेंज मारकुण्डी	238.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मारकुण्डी रेलवे स्टेशन परिसर, रेंज मारकुण्डी	239.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				मानिकपुर (घाटी के बरम बाबा मन्दिर), रेंज मानिकपुर	240.	पीपल	*Ficus religiosa*	155 वर्ष	
				मानिकपुर (जय संतोषी माँ मन्दिर, आर्यनगर), रेंज मानिकपुर	241.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				डांडी चमरौडी (दुर्गा माँ मन्दिर), रेंज मानिकपुर	242.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	
				बराहमाफी (भवानी दायी मन्दिर), रेंज मानिकपुर	243.	पीपल	*Ficus religiosa*	180 वर्ष	
				बराहमाफी (श्याममँरत गौतम के घर के पास), रेंज मानिकपुर	244.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				बराहमाफी (बैजनाथ पाण्डेय के घर के पास), रेंज मानिकपुर	245.	बरगद	*Ficus benghalensis*	250 वर्ष	हिन्दू मान्यता में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				बराहमाफी (रामप्रकाश पाण्डेय के घर के पास), रेंज मानिकपुर	246.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष का संरक्षण व पूजन करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				चुरेह, रेंज मानिकपुर	247.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	हिन्दू मान्यता में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				चुरेह (बंजारी दाई मन्दिर), रेंज मानिकपुर	248.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				चुरेह ,रेंज मानिकपुर	249.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				कटैयाडांडी गाँव, रेंज बरगढ़	250.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				इटवाँ (बन्धा के पास), रेंज रैपुरा	251.	बरगद	*Ficus benghalensis*	500 वर्ष	
				कपुरी (गाँव में), रेंज रैपुरा	252.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	
				मदना (अड़बंगन डेरा), रेंज रैपुरा	253.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
		26	**हमीरपुर**	यमुना तटबंध, यज्ञशाला, रेंज हमीरपुर	254.	पारिजात	*Adansonia digitata*	300 वर्ष	वृक्ष को समस्त कामनाओं की पूर्ति करने वाला मानते हुए ग्रामवासी व स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा करते हैं।
				लैहरा गांव नरसिंह नारायण मंदिर, रेंज हमीरपुर	255.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	मन्दिर में दर्शन करने आने वाले भक्त व ग्रामवासी मन्दिर परिसर में स्थित इस वृक्ष पर भी श्रद्धा व विश्वास रखते हैं।
		27	**महोबा / महोबा**	दक्षणेश्वर धाम ग्राम–सिचौरा थाना व विकास खण्ड–कबरई, रेंज महोबा	256.	पारिजात	*Adansonia digitata*	200 वर्ष से अधिक	ग्रामीणों की मान्यता है कि 2000 वर्ष की आयु का यह कल्पवृक्ष इच्छाओं की पूर्ति करता है। स्थानीय ग्रामवासी इसे पारिजात मानते हुए इसकी पूजा व संरक्षण करते हैं।
				थाना, रेंज महोबा	257.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				किड़ारी, रेंज महोबा	258.	बरगद	*Ficus benghalensis*	112 वर्ष	
				किड़ारी, रेंज महोबा	259.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				छतेसर, रेंज पिनवाड़ी	260.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				रिपनौल, रेंज पिनवाड़ी	261.	इमली	*Tamarindus indica*	120 वर्ष	4 पीढ़ियों से अधिक समय से सामुदायिक भूमि पर अवस्थित इस वृक्ष का संरक्षण ग्रामवासी परम्परागत रूप से कर रहे हैं।
				रिपनौल, रेंज पिनवाड़ी	262.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				रिपनौल, रेंज पिनवाड़ी	263.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				स्वासामाफ स्कँल के सामने, रेंज चरखारी	264.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				खरेला पूछा स्टैण्ड, रेंज चरखारी	265.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				ग्राम टिकरी, रेंज चरखारी	266.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम टिकरी, रेंज चरखारी	267.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम सलईयामाफ में, रेंज जैतपुर	268.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम रमपुरा नौआबाद, रेंज जैतपुर	269.	बरगद	*Ficus benghalensis*	250 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद व कल्प वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम नगाराडांग, रेंज जैतपुर	270.	कल्प वृक्ष	*Adansonia digitata*	250 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
8	**देवीपाटन**	28	**बहराईच**	झुकिया	271.	पीपल	*Ficus religiosa*	131 वर्ष	वृक्ष से स्थानीय लोगों की धार्मिक मान्यताएं जुड़ी है।
				काली माता मंदिर, कुसौर रेंज बहराईच	272.	बरगद	*Ficus benghalensis*	500 वर्ष	वृक्ष से स्थानीय लोगो की धार्मिक मान्यताएं जुड़ी हैं। उक्त वृक्ष पुत्र प्राप्ति, निरोगी काया, सुख, शांति एवं के लिए थारू जनजाति के पूर्वजों द्वारा पूजन किया जाता था तथा परम्परागत रूप से अब भी वृक्ष की पूजा की जाती है।
				झरूल्ले बाबा, ओखा रेंज बहराईच	273.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	वृक्ष धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़ा है। प्रत्येक सोमवार व वृहस्पतिवार को थारु समुदाय द्वारा विशेष पूजा की जाती है।
				श्री श्री बाबा गायब गिरी, डीहा रेंज बहराइच	274.	पीपल	*Ficus religiosa*	400 वर्ष	स्थानीय तथा आस–पास के लोगो में वृक्ष की धार्मिक मान्यतायें हैं । श्रावण पूर्णमासी एवं नवरात्रि मे भण्डारा व पूजा होती है। मान्यता है कि बाबा गायबदास जी ने जिन पीपल से दातँन करके फेंका वही नया पीपल का वृक्ष उग आया।
				ब्रह्मदेव नहसुतिया कल्पीपारा, रेंज बहराइच	275.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	मान्यता है कि उक्त वृक्ष की पूजा अर्चना करने से मनोकामना पूर्ण होती है और इसी कारण श्रावण पूर्णमासी एवं नवरात्रि मे भण्डारा व पूजा होती है।
				ब्रह्मदेव नहसुतिया कल्पीपारा, रेंज बहराइच	276.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	वर्ष में एक बार वट सावित्री की पूजा होती है तथा आत्मा की शान्ति हेतु विशेष पूजन होता है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ब्रह्मचारी बाबा, नेवादा, रेंज बहराइच	277.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	प्रत्येक शनिवार को पूजा पाठ होता है। महिलायें अपनी पति की लम्बी आयु की कामना हेतु वृक्ष की पूजा करती हैं।
				काली माता नेवादा, रेंज बहराइच	278.	नीम	*Azadirachta indica*	150 वर्ष	नव विवाहित जोड़ो को शुभाशीष हेतु तथा भागवत कथा व मनोकामना पूर्ति हेतु भी पूजन किया जाता है।
				मंडहवा समय, स्थान ग्राम निबिया, रेंज अब्दुलागंज	279.	नीम	*Azadirachta indica*	100 वर्ष	इस वृक्ष पर शीतला माता का वास होने की मान्यता के कारण ग्रामवासी वृक्ष की पूजा करते हैं। स्थानीय निवासियों का विश्वास है कि वृक्ष से पुत्र प्राप्ति व अन्य मनौती माँगी जाने पर मनौती पूर्ण होती है।
				ब्रह्मचारी बाबा, नेवादा, रेंज बहराइच	280.	पीपल	*Ficus religiosa*	250 वर्ष	लंगोटा व खड़ाऊ चढ़ाकर वृक्ष की पूजा की जाती है। प्रत्येक शनिवार को आत्मा की शान्ति व जनेऊ धारण के समय भी पूजन किया जाता है।
				ब्रह्मचारी बाबा, खसहा मोहम्मदपुर	281.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	प्रत्येक शनिवार दीपक जलाकर पूजन होता है व जनेऊ धारण के समय भी पूजन किया जाता है।
				अलहियापुर, रेंज कैसरगंज	282.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	वृक्ष से धार्मिक मान्यताएं जुड़ी होने के कारण स्थानीय व्यक्तियों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।
				प्राथमिक विद्यालय उमरी के परिसर में, रेंज कैसरगंज	283.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				प्राथमिक विद्यालय रायगढ़ बेहड़ा के परिसर में, रेंज कैसरगंज	284.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष	वृक्ष धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़ा है। प्रत्येक सोमवार वृहस्पतिवार को थारु

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				रायगढ़ बेहड़ा, रेंज कैसरगंज	285.	बरगद	*Ficus bengalensis*	110 वर्ष	समुदाय द्वारा विशेष पूजा की जाती है।
				झुकिया, रेंज कैसरगंज	286.	पीपल	*Ficus religiosa*	180 वर्ष	वृक्ष से धार्मिक मान्यताएं जुड़ी होने के कारण स्थानीय व्यक्तियों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।
				मँसेपट्टी, रेंज कैसरगंज	287.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				शरदपारा, रेंज कैसरगंज	288.	बरगद	*Ficus bengalensis*	100 वर्ष	इन वृक्षों के प्रति धार्मिक मान्यताएँ, जैवविविधता संरक्षण, औषधीय महत्व व स्थानीय उपयोग के कारण ग्रामवासी इन वृक्षों की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				बरूही मंदिर, बनपुरवा रेंज कैसरगंज	289.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				मंदिर बनपुरवा, रेंज कैसरगंज	290.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	
				कुन्ज बाबा, ग्राम–आदिलपुर रेंज कैसरगंज	291.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				अटवा, रेंज कैसरगंज	292.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
				नेवासी खास, रेंज कैसरगंज	293.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	
				भम्भौरा, रेंज कैसरगंज	294.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				भम्भौरा, (हरिहरपुर) रेंज कैसरगंज	295.	इमली	*Tamarindus indica*	105 वर्ष	सार्वजनिक भूमि पर अवस्थित इमली वृक्ष की पर्यावरण संरक्षण व हरीतिमा वृद्धि में भूमिका एवं धार्मिक मान्यता के दृष्टिगत स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				बाबाघाट ग्रामसभा भंगहा, रेंज कैसरगंज	296.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	वृक्ष की स्थानीय लोगो में धार्मिक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। स्थानीय निवासी पीपल वृक्ष को विष्णु का प्रतीक मानकर पूजा, देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
		29	**बलरामपुर**	देवीपाटन मन्दिर, रेंज यूनिट तुलसीपुर	297.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	मन्दिर में आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा मन्दिर परिसर स्थित वृक्ष की पूजा करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				विशुनपुर, रेंज कुआँना	298.	पीपल	*Ficus religiosa*	122 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल व बरगद वृक्षों को देवस्वरूप मानने, पर्यावरण को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका एवं स्थानीय उपयोगिता के कारण ग्रामवासी इन वृक्षों का संरक्षण व देखरेख करते हैं।
				रतनपुर, रेंज कुआँना	299.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	
		30	**गोण्डा**	ईश्वरीपुरवा परेड सरकार, रेंज गोण्डा	300.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				ब्रहमचारी देवा स्थान, उमरिया	301.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				मजरा रामसहायकपुरवा ग्राम पंचायत गुमड़ी, रेंज उतरौला	302.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	पीपल का यह वृक्ष टेढ़ी नदी के तट पर अवस्थित है। ग्रामीणों की मान्यता है कि पीपल वृक्ष की परिक्रमा कर वृक्ष के समीप स्थित माँ शक्ति मन्दिर में पूजा अर्चना करने से मनोकामना पूर्ण होती है। वृश्चिक राशि का वृक्ष होने से इस राशि में जन्म लेने वाले व्यक्ति वृक्ष की देखरेख व सुरक्षा में विशेष रूचि रखते हैं।
				रामगढ़ शमशान घाट शक्ति माता मन्दिर	303.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				रमचेरापुर (रामपुर टेंगरहा)	304.	सेमल	*Bombax ceiba*	120 वर्ष	
		31	**श्रावस्ती**	सहेट (श्रावस्ती), रेंज श्रावस्ती	305.	पीपल	*Ficus religiosa*	2500 वर्ष	
				सीताद्वार (श्रावस्ती), रेंज श्रावस्ती	306.	पीपल	*Ficus religiosa*	160 वर्ष	यह वृक्ष रामायाण कालीन महर्षि वाल्मीकि आश्रम से जुड़ा है। इस आश्रम में जुडे 5 वृक्ष, क्रमशः 1 वट वृक्ष तथा 4 पीपल वृक्ष के रूप में स्थापित है।
				सीताद्वार (श्रावस्ती) , रेंज श्रावस्ती	307.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	
				सीताद्वार (श्रावस्ती), रेंज श्रावस्ती	308.	पीपल	*Ficus religiosa*	155 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सीताद्वार (श्रावस्ती), रेंज श्रावस्ती	309.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				सीताद्वार (श्रावस्ती), रेंज श्रावस्ती	310.	बरगद	*Ficus benghalensis*	250 वर्ष	मान्यता है कि इस स्थान पर भगवान राम के राज्यसँय यज्ञ का घोड़ा बांधा गया था। यह स्थान बाल्मीकि ऋषि के यज्ञ एवं तप से सम्बन्धित है। यहां स्थापित लवकुश मन्दिर, बाल्मीकि आश्रम व माता सीता के मन्दिर में कार्तिक पूर्णिमा को श्रद्धालुओं के द्वारा पूजा अर्चना व उपासना तथा अन्य वृक्षों की परिक्रमा करने की परम्परा है।
9	**गोरखपुर**	32	**देवरिया**	सुरौली, रेंज देवरिया	311.	बरगद	*Ficus benghalensis*	160 वर्ष से अधिक	काली माता के मन्दिर परिसर में इस बरगद वृक्ष की पूजा मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु करते हैं।
				बाबँ नरायनपुर बन्जारा देबी माई, रेंज रूद्रपुर	312. 313.	पीपल + बरगद	*Ficus religiosa + Ficus benghalensis*	103 वर्ष	अंग्रेजो के समय खरूहट (थारू) जनजाति के सदस्य अपनी धन सम्पत्ति इसी स्थान पर छिपा कर रखते थे। थारू जाति की लड़की का इसी स्थान पर बैठाव किया गया था जहां पर उसने समाधि ले ली । ग्रामीण के अनुसार जो भी श्रद्धा एवं विश्वास से कोई मन्नत मांगता है वह अवश्य पूरी होती है।
				राम किशुन बाबा स्थान रामपुर बुजुर्ग, रेंज भटनी	314.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 250 वर्ष	विशालकाय बरगद वृक्ष की पूजा व देखरेख परम्परागत रूप से की जाती है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मईल देवरहवां बाबा आश्रम, रेंज सलेमपुर	315.	पारिजात	*Adansonia digitata*	100 वर्ष से अधिक	स्थानीय लोग कल्प वृक्ष के नाम से वृक्ष को जानते हैं। इस वृक्ष की पूजा आज भी स्थानीय जनता द्वारा की जाती है। कल्प वृक्ष के नीचे देवरहवा बाबा अपना आसन लगाते थे।
		33	**गोरखपुर**	गोरखनाथ मंदिर परिसर (हनुमान मंदिर के बायें), रेंज मुख्यालय	316.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	गोरखनाथ मन्दिर परिसर में लगे बरगद वृक्ष की देवस्वरूप होने की मान्यता व आस्था जुड़ी होने के कारण श्रद्धालु इस वृक्ष की पूजा करते हैं।
				गोरखनाथ मंदिर परिसर (हनुमान मंदिर के सामनें), रेंज मुख्यालय	317.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				गोरखनाथ मंदिर परिसर (काली जी के मंदिर के पास), रेंज मुख्यालय	318.	पाकड़	*Ficus virens*	150 वर्ष	गोरखनाथ मन्दिर परिसर में स्थित पाकड़ वृक्ष को देवस्वरूप होने की मान्यता एवं आस्था जुड़ी होने से श्रद्धालु इन वृक्षों पर आस्था रखते हैं।
				गोरखनाथ मंदिर परिसर (गौशाला के अन्दर), रेंज मुख्यालय	319.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष	
				गोरखपुर शहर में रेलवे जी0एम0 आफिस के पास, रेंज मुख्यालय	320.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				ग्राम जैनपुर, रेंज परतावल	321.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	मगंल बाबा के नाम से प्रसिद्ध हैं एवं श्रद्धालु इस वृक्ष की पूजा करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम परशुरामपुर, रेंज परतावल	322.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम बरगदही (शिव मंदिर के पास), रेंज परतावल	323.	पीपल	*Ficus religiosa*	300 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				ग्राम भौवापार, रेंज बाँसगाँव	324.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम कुई (काली माता मंदिर के पास स्थित), रेंज गोरखपुर	325.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष	धार्मिक आस्था से जुड़ा होने के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष संरक्षण में योगदान देते हैं।
				ग्राम बेलघाट (हनुमान मंदिर परिसर में स्थित हैं), रेंज खजनी	326.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम राजगढ़, रेंज बड़हलगंज	327.	पाकड़	*Ficus virens*	200 वर्ष	धार्मिक आस्था से जुड़ा होने के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष संरक्षण में योगदान देते हैं।
				ग्राम बहसुआ (डीह मंदीर के पास), रेंज बड़हलगंज	328.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	सदियों से इस पुराने विशालकाय वृक्ष के नीचें धार्मिक अनुष्ठान किये जाते हैं।
				ग्राम बहसुआ, रेंज बड़हलगंज	329.	बरगद	*Ficus benghalensis*	155 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष के संरक्षण में योगदान दे रहे हैं।
				जंगल धुसड़ (शिव मंदिर के पास सड़क के किनारे स्थित हैं), रेंज तिलकोनिया	330.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				ग्राम सँरस (समय माता का स्थान), रेंज कैम्पियरगंज	331.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सहजनवां विकास खण्ड के जिगिना जोगिया कोल ग्राम के काली मंदिर के पास, रेंज सहजनवाँ	332.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	हिन्दू मान्यता में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने एवं औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				पाली विकास खण्ड के डोहरिया ग्राम के काली मंदिर के पास, रेंज सहजनवाँ	333.	पीपल	*Ficus religiosa*	161 वर्ष	
				सहजनवां विकास खण्ड के गाहासाड़ ग्राम के समयमाता मंदिर के पास, रेंज सहजनवाँ	334.	पीपल	*Ficus religiosa*	156 वर्ष	
		34	**कुशीनगर**	हाटा रेंज कार्यालय परिसर ढ़ाढा हाटा	335.	हल्दँ / कर्मा	*Adina cordifolia*	170 वर्ष	ग्राम समाज पर अवस्थित इस वृक्ष से भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम मधुरिया चौहान पट्टी एन0एच0–28 के किनारे पुरानी रोड पर, फाजिल नगर, विकास खण्ड	336.	छितवन, सप्तपर्णी	*Alstonia scholaris*	100 वर्ष	द्वितीय तीर्थंकर अजित नाथ को सप्तपर्णी वृक्ष की छाया में ज्ञान की प्राप्ति होने के कारण जैन धर्मावलम्बी वृक्ष को पवित्र मानते हैं।
				भुजौली बुजुर्ग मल्ल टोला श्री राजदेव मल्ल के घर के सामने, विकास खण्ड–खड्डा	337.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष	उत्तरी फाल्गुन नक्षत्र का वृक्ष होने के कारण इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्तियों का विश्वास है कि पाकड़ वृक्ष की देखरेख व वृद्धि होने से उनका कल्याण होता है।
				रेखहां स्थान, ग्राम नाहर छपरा, विकास खण्ड पडरौना	338.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	पौराणिक ग्रन्थ स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी के 5 वृक्षों में शामिल होने, शंकर का स्वरूप माने जाने एवं कथा श्रवण के लिए बरगद वृक्ष की छाया उत्तम माने जाने

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व सुरक्षा करते हैं।
				रामपुर सोहरौना मंझरिया देवी स्थान, विकास खण्ड, सुकरौली	339.	साखँ / साल	*Shorea robusta*	250 वर्ष	महावीर 24वें तीर्थकर (वर्धमान) को साल वृक्ष की छाया में केवल ज्ञान की प्राप्ति के कारण जैन धर्मावलम्बी एवं साल वन में एक वृक्ष नीचे भगवान बुद्ध का जन्म होने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी साल वृक्ष को पवित्र मानकर रोपण, सिंचन व देखरेख करते हैं।
		35	**महाराजगंज**	ग्राम पंचायत रौतार, रेंज मधवलिया बरगदही कुटी,	340.	आम	*Mangifera indica*	अधिक 100 वर्ष से	पू० भाद्रपद नक्षत्र के वृक्ष की मान्यता व तीर्थंकर अरहनाथ का केवली वृक्ष होने, धार्मिक कार्यों में वृक्ष के विभिन्न अंगों के उपयोग एवं वातावरण स्वच्छ रखने में योगदान देने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की देखरेख व सुरक्षा में रूचि रखते हैं।
				बरगदही कुटी, ग्राम पंचायत रौतार, रेंज मधवलिया	341.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष से अधिक	उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र एवं कन्या व सिंह राशि का वृक्ष एवं हरिशंकरी वाटिका में शामिल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की देखरेख में योगदान देते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बरगदही कुटी, ग्राम पंचायत रौतार, रेंज मछवलिया	342.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				समय माता का स्थान, ग्राम पंचायत रामनगर, रेंज उत्तरी चौक	343.	साल	*Shorea robusta*	100 वर्ष से अधिक	मँला नक्षत्र के वृक्ष की मान्यता होने, तराई क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से उगने व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष की सुरक्षा व देखभाल करते हैं।
				सोनाड़ी माता का मंदिर, ग्राम पंचायत चौंक, रेंज दक्षिणी चौक	344.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				दमकी, ग्राम पंचायत दमकी, रेंज मधवलिया	345.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				लक्ष्मीपुर शिवाला, ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर शिवाला, रेंज पकड़ी	346.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम रूदलापुर, ग्राम पंचायत रूदलापुर, रेंज पकड़ी	347.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम बैदारैली में बदरी पुत्र बनवारी के मकान के पास, ग्राम पंचायत बदौली, रेंज निचलौल	348.	पाकड	*Ficus virens*	100 वर्ष से अधिक	घनी व शीतल छाया, औषधीय दृष्टि एवं वन्य प्राणियों को आश्रय व भोजन उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष का संरक्षण करते हैं।
				निचलौल दक्षिणी बीट ग्राम बैदौली, ग्राम पंचायत बदौली, रेंज निचलौल	349. 350.	बरगद / पाकड सयुक्त	*Ficus bengalensis/ Ficus virens*	100 वर्ष से अधिक	इन वृक्षों के धार्मिक व पर्यावरणीय महत्व तथा स्थानीय उपयोगिता के दृष्टिगत स्थानीय समुदाय वृक्षों के संरक्षण में योगदान देते हैं।
				ग्राम रायपुर पी0डब्लॅ0डी0 मार्ग के बगल में, ग्राम पंचायत रायपुर, रेंज निचलौल	351.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम रायपुर सिचाई बंधा के बगल में, ग्राम पंचायत रायपुर, रेंज निचलौल	352.	पाकड	*Ficus virens*	100 वर्ष से अधिक	इस पाकड़ वृक्ष की स्थानीय निवासियों एवं आने जाने वाले लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				ग्राम बेलराई, रेंज परतावल	353.	नीम	*Azadirachta indica*	200 वर्ष	वृक्ष धार्मिक आस्था व मान्यता से जुड़ा है तथा वृक्ष को देवी का रूप मानकर पूजा की जाती है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम छितही बुजुर्ग, रेंज कैम्पियरगंज	354.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी इस वृक्ष की पूजा करते हैं। घना छत्र व छाया होने के कारण वृक्ष कई प्रकार के स्थानीय पक्षियों का प्राकृतवास है।
				ग्राम रजौड़ा पंजुम (ऋषि मलंग के स्थान पर स्थित), रेंज बाँकी	355.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम दरगाहे (बांसपार कोठी), रेंज बांकी	356.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	वृक्ष के निकट मंगल बाबा का स्थान होने से वृक्ष मंगल बाबा के नाम से प्रचलित है। यहा पर वार्षिक मेले का आयोजन होता हैं।
				कटहरी खुर्द (शुकवली बाजार), कटहरी खुर्द	357.	इमली	*Tamarindus Indica*	150 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासियों के अनुसार पूर्व में यहाँ पर थारूओं की बस्ती हुआ करती थी। थारू जनजाति के सदस्यों द्वारा इस वृक्ष का रोपण किया गया था।
				घनहिया, रजापुर	358.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	वृक्षों को देवस्वरूप मानने, पर्यावरण संरक्षण व स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति में योगदान के कारण स्थानीय निवासी इन वृक्षों का संरक्षण कर क्षेत्र की जैवविविधता वृद्धि व सुधार में योगदान दे रहे हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				जयप्रकाा नगर, नौतनवा	359.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	इस बरगद वृक्ष के 9 तने होने के कारण नगर पंचायत का नाम नौतनवा पड़ा।
				बैकुठीपुर मंदिर, चैनपुर	360.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
10	**झाँसी**	36	**झाँसी**	सुकवां, रेंज बबीना	361.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	हिन्दू धर्म व परम्परा में वृक्षों को देवस्वरूप मानने, पर्यावरण संरक्षण व स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति में योगदान के कारण स्थानीय निवासी इन वृक्षों का संरक्षण कर क्षेत्र की जैवविविधता वृद्धि व सुधार में योगदान दे रहे हैं।
				सुकवां, रेंज बबीना	362.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				सुकवां, रेंज बबीना	363.	पीपल	*Ficus religiosa*	170 वर्ष	
				सुकवां, रेंज बबीना	364.	पीपल	*Ficus religiosa*	170 वर्ष	
				श्री हरिहर क्षेत्र इण्टर कॉलेज, लठवारा, रेंज गुरसरांय	365.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	भगवान बुद्ध द्वारा साधना काल में निवास के लिए बरगद वृक्ष की छाया चुनने एवं बोधि प्राप्ति से पूर्व बरगद के नीचे सुजाता से खीर खाने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी भी पवित्र वृक्ष मानकर श्रद्धा रखते हैं।
				बस स्टैण्ड पण्डवाहा, रेंज गुररायं	366.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष	भगवान बुद्ध को पीपल वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बोधि की प्राप्ति होने एवं हिन्दू मान्यता में वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप
				दुर्गा माता मन्दिर के पास जसवन्तपुरा, रेंज गुरसरायं	367.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				दुर्गा माता मन्दिर के पास बाबा का चबँतरा जसवन्तपुरा, रेंज गुरसरायं	368.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	माने जाने के कारण हिन्दू व बौद्ध दोनों ही धर्मों में यह सर्वाधिक सम्मानीय व पवित्र वृक्ष है।
				पुराना पुरा गांव, रेंज गुरसरायं	369.	बरगद	*Ficus benghalensis*	106 वर्ष	भगवान बुद्ध द्वारा साधना काल में निवास के लिए बरगद वृक्ष की छाया चुनने एवं बोधि प्राप्ति से पूर्व बरगद के नीचे सुजाता से खीर करने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी भी पवित्र वृक्ष मानकर श्रद्धा रखते हैं।
				जँनियर हाई स्कँल के पास खडौरा, रेंज गुरसरायं	370.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				हरदौल बाबा का चबँतरा कटरा बाजार गुरसरांय , रेंज गुरसरायं	371.	पीपल	*Ficus religiosa*	108 वर्ष	भगवान बुद्ध को पीपल वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बोधि की प्राप्ति होने एवं हिन्दू मान्यता में वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माने जाने के कारण हिन्दू व बौद्ध दोनों ही धर्मों में यह सर्वाधिक सम्मानीय व पवित्र वृक्ष है।
				श्री कल्याण बाल विद्या मन्दिर कटरा बाजार गुरसरांय , रेंज गुरसरायं	372.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				श्री कल्याण बाल विद्या मन्दिर कटरा बाजार गुरसरांय , रेंज गुरसरायं	373.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				पुराना पुरा गांव, रेंज गुरसरायं	374.	पीपल	*Ficus religiosa*	108 वर्ष	
				हनुमान जी का मन्दिर, शमशेरपुरा, रेंज बामौर	375.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				चकाडोरी आश्रम, ककरबई, रेंज बामौर	376.	पीपल	*Ficus religiosa*	108 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				चकाडोरी आश्रम, ककरबई, रेंज बामौर	377.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी के पाँच वृक्षों में शामिल होने, मघा नक्षत्र व सिंह राशि का वृक्ष होने एवं पर्यावरण संरक्षण में अतुलनीय भूमिका व दीर्घजीवी होने के कारण स्थानीय व्यक्ति वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				चकारा ग्राम, रेंज मऊरानीपुर	378.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				टीकमगढ़ रोड अग्रसेन डिग्री कॉलेज के पास, मऊरानीपुर, रेंज मऊरानीपुर	379.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				टीकमगढ़ रोड अग्रसेन डिग्री कॉलेज के पास, मऊरानीपुर, रेंज मऊरानीपुर	380.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	भगवान बुद्ध द्वारा साधना काल में निवास के लिए बरगद वृक्ष की छाया चुनने एवं बोधि प्राप्ति से पूर्व बरगद के नीचे सुजाता से खीर खाने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी भी पवित्र वृक्ष मानकर श्रद्धा रखते हैं।
				पडाव के हनुमान मन्दिर, मऊरानीपुर, रेंज मऊरानीपुर	381.	इमली	*Tamarindus indica*	150 वर्ष	सार्वजनिक भूमि पर 150 वष की आयु का इमली वृक्ष पर्यावरण संरक्षण व क्षेत्र की हरियाली वृद्धि में भी योगदान दे रहा है।
				पडाव के हनुमान मन्दिर, मऊरानीपुर, रेंज मऊरानीपुर	382.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी के पाँच वृक्षों में शामिल होने, मघा नक्षत्र व सिंह राशि का वृक्ष होने एवं पर्यावरण संरक्षण में अतुलनीय भूमिका व दीर्घजीवी होने के
				कटेरा पुराने तालाब के पास, रेंज मऊरानीपुर	383.	बरगद	*Ficus benghalensis*	140 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				पुरैना तालाब के बांध पर कटेरा, रेंज मऊरानीपुर	384.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	कारण स्थानीय व्यक्ति वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				झांसी किला, रेंज झांसी	385.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	किले के अन्दर स्थित शिवमंदिर मराठा व बुन्देल स्थापत्य शैली के मिश्रण का सुन्दर नमूना है। रानी लक्ष्मीबाई यहां नियमित रूप से पूर्जा–अर्चना के लिए आती थी। इसी मंदिर के किनारे पीपल का यह वृक्ष अवस्थित है।
				हनुमान हरि स्वर्ग आश्रम बरल, रेंज चिरगाँव	386.	पीपल	*Ficus religiosa*	500 वर्ष	भगवान बुद्ध को पीपल वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बोधि की प्राप्ति होने एवं हिन्दू मान्यता में वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माने जाने के कारण हिन्दू व बौद्ध दोनों ही धर्मों में यह सर्वाधिक सम्मानीय व पवित्र वृक्ष है।
				हरिहर धाम हनुमान मन्दिर नरी, रेंज चिरगाँव	387.	बरगद	*Ficus benghalensis*	1000 वर्ष	स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी के पाँच वृक्षों में शामिल होने, मघा नक्षत्र व सिंह राशि का वृक्ष होने एवं पर्यावरण संरक्षण में अतुलनीय भूमिका व दीर्घजीवी होने के कारण स्थानीय व्यक्ति वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				हनुमान जी का मंन्दिर मडगुवां, रेंज चिरगाँव	388.	बरगद	*Ficus benghalensis*	520 वर्ष	
				कारस देव बाबा, भुजौंद, रेंज मोंठ	389.	नीम	*Azadirachta Indica*	150 वर्ष	नीम का यह वृक्ष लगभग 6 पीढ़ियों से समाज को औषधि व हरियाली दे रहा है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सांई का कुंआ, अमरौख, रेंज मोंठ	390.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	भगवान बुद्ध द्वारा साधना काल में निवास के लिए बरगद वृक्ष की छाया चुनने एवं बोधि प्राप्ति से पूर्व बरगद के नीचे सुजाता से खीर खाने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी भी पवित्र वृक्ष मानकर श्रद्धा रखते हैं।
		37	**उरई / जालौन**	पंचानन चौराहा, रेंज कोंच	391.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 150 वर्ष	
				पचनदा तीर्थ, रेंज माधौगढ़	392.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 140 वर्ष	भगवान बुद्ध को पीपल वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बोधि की प्राप्ति होने एवं हिन्दू मान्यता में वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माने जाने के कारण हिन्दू व बौद्ध दोनों ही धर्मों में यह सर्वाधिक सम्मानीय व पवित्र वृक्ष है।
				पचनदा तीर्थ, रेंज माधौगढ़	393.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 125 वर्ष	
				पचनदा तीर्थ, रेंज माधौगढ़	394.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 110 वर्ष	
				माहिल तालाव, रेंज उरई	395.	पाकड	*Ficus virens*	लगभग 104 वर्ष	ब्रह्मा का स्वरूप माने जाने के कारण हरिशंकरी में रोपित किए जाने वाले वृक्षों में शामिल होने, उत्तरी फाल्गुन नक्षत्र व कन्या राशि का वृक्ष होने एवं घनी शीतल छाया के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				माहिल तालाव, रेंज उरई	396.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 108 वर्ष	हिन्दू धर्म में धार्मिक परम्पराओं के अनुसार बरगद वृक्ष को शिव के समान माना जाता है। अनेक व्रत व त्योहारों में बरगद / वटवृक्ष की पूजा की जाती है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				माहिल तालाव, रेंज उरई	397.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 102 वर्ष	हिन्दू धर्म में धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पीपल के वृक्ष पर देवी देवताओं का वास मानने के कारण इस वृक्ष को पवित्र मानकर पूजा की जाती है।
				सत्ताताल मोहाना, रेंज उरई	398.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 110 वर्ष	भगवान बुद्ध द्वारा साधना काल में निवास के लिए बरगद वृक्ष की छाया चुनने एवं बोधि प्राप्ति से पूर्व बरगद के नीचे सुजाता से खीर खाने के कारण बौद्ध धर्मावलम्बी भी पवित्र वृक्ष मानकर श्रद्धा रखते हैं।
				जी0आई0सी स्कॅल, रेंज उरई	399.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 105 वर्ष	भगवान बुद्ध को पीपल वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बोधि की प्राप्ति होने एवं हिन्दू मान्यता में वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माने जाने के कारण हिन्दू व बौद्ध दोनों ही धर्मों में यह सर्वाधिक सम्मानीय व पवित्र वृक्ष है।
				बजरंग आश्रम डकोर, रेंज उरई	400.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 140 वर्ष	स्कन्द पुराण में वर्णित पंचवटी के पाँच वृक्षों में शामिल होने, मघा नक्षत्र व सिंह राशि का वृक्ष होने एवं पर्यावरण संरक्षण में अतुलनीय भूमिका व दीर्घजीवी होने के कारण स्थानीय व्यक्ति वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				धुसी वाले जानकी जी का मन्दिर ददरी, रेंज उरई	401.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 150 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				पुराना बस स्टैण्ड जालौन, रेंज जालौन	402.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	
				देवी जी का मन्दिर जैसारी, रेंज एट	403.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 150 वर्ष	हिन्दू धर्म में धार्मिक परम्पराओं के अनुसार बरगद के वृक्ष को शिव के समान माना जाता है। श्रद्धालु मन्दिर परिसर में स्थित बरगद वृक्ष की पूजा करते हैं।
				देवी जी का मन्दिर जैसारी, रेंज एट	404.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 200 वर्ष	पीपल वृक्ष पर देवी देवताओं का वास मानने के कारण मन्दिर परिसर में आने वाले श्रद्धालु वृक्ष को पवित्र मानकर पूजा करते हैं।
				देवी जी का मन्दिर जैसारी, रेंज एट	405.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 250 वर्ष	हिन्दू धार्मिक परम्पराओं में बरगद के वृक्ष को शिव के समान मानने के कारण मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु व्रत व पर्वों पर वृक्ष की पूजा करते हैं।
				जैसारी प्राइमरी, रेंज एट स्कॅल	406.	पाकड	*Ficus virens*	लगभग 250 वर्ष	ब्रह्मा का स्वरूप माने जाने के कारण हरिशंकरी में रोपित किए जाने वाले वृक्षों में शामिल होने, उत्तरी फाल्गुन नक्षत्र व कन्या राशि का वृक्ष होने एवं घनी शीतल छाया के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम कहटा ग्राम समाज की भूमि, रेंज एट	407.	इमली	*Tamarindus indica*	लगभग 125 वर्ष	पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक नागरिक लगभग 5 पीढ़ी पुराने वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम कमठा तालाव के किनारे, रेंज एट	408.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 250 वर्ष	पर्यावरणीय महत्व व धार्मिक मान्यता के कारण स्थानीय ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा कर रहे हैं।
				अमरौड ग्राम में शंकरजी के मन्दिर, रेंज एट	409.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 400 वर्ष	400 वर्ष पुराने इस वृक्ष को पूजा व सुरक्षा ग्रामवासी स्वयं करते हैं।
		38	**ललितपुर**	सदन शाह बाबा के पास ललितपुर, रेंज ललितपुर	410.	पारिजात	*Adansonia digitata*	250 वर्ष	लोगो की धार्मिक आस्था जुड़ी हुई है। इनकी विशेष त्यौहारों पर पूजा, अर्चना की जाती है।
					411.				
					412.				
					413.				
					414.				
11	**कानपुर**	39	**औरेया**	खण्ड विकास अधिकारी, अजीतमल कार्यालय परिसर में, रेंज अजीतमल	415.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	वृक्ष धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं से जुड़ा हुआ है। विकास खण्ड परिसर में अवस्थित बरगद वृक्ष जन आस्था व विश्वास से जुडे होने के कारण स्थानीय ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
		40	**इटावा**	सराय भगत पो0 गढायता इटावा, रेंज बढ़पुरा	416.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओ से जुडा होने के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम कुण्डेश्वर मदायन इटावा, रेंज बढ़पुरा	417.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				कम्पनी गार्डन इटावा, रेंज बढ़पुरा	418.	बरगद	*Ficus benghalensis*	140 वर्ष	कम्पनी गार्डन में स्थित लगभग 140 वर्ष की आयु का यह बरगद वृक्ष उद्यान भ्रमण में आने वाले व्यक्तियों के आकर्षण का केन्द्र है।
		41	**फर्रूखाबाद**	पटेल पार्क फर्रूखाबाद	419.	खिरनी	*Manilkara hexandra*	122 वर्ष	ऐतिहासिक एवं विशिश्ट व्यक्तियों के नाम से बने पटेल पार्क में आने वाले व्यक्तियों के लिए खिरनी व बरगद के ये वृक्ष आकर्षण का केन्द्र है।
				पटेल पार्क फर्रूखाबाद	420.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	
				संकिसा	421.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	गौतम बुद्ध के विश्व अवतरण स्थान पर बौद्ध धर्म से जुडी स्थानीय लोककथायें पीपल वृक्ष के साथ जुड़ी हुई हैं।
				श्रंगीरामपुर	422.	बरगद	*Ficus benghalensis*	225 वर्ष	श्रृंगी ऋशि से स्थानीय लोककथायें जुड़ी होने के कारण यह बरगद का वृक्ष आकर्षण व उत्सुकता का केन्द्र है।
		42	**कन्नौज**	नगरकोट मन्दिर परिसर, मोहल्ला पठकाना, कन्नौज, रेज कन्नौज	423.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	मन्दिर परिसर में मन्दिर के निकट अवस्थित होने तथा पीपल व बरगद वृक्षों से धार्मिक आस्था व परम्परागत रूप से यह वृक्ष श्रद्धा व आस्था का केन्द्र होने के
				नगरकोट मन्दिर परिसर, मोहल्ला पठकाना, कन्नौज, रेज कन्नौज	424.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				विकास अग्निहोत्री के कारखाने के पास मोहल्ला पठकाना, कन्नौज, रेज कन्नौज	425.	पीपल	*Ficus religiosa*	100वर्ष	कारण स्थानीय निवासी वृक्षों का संरक्षण करते हैं।
				क्षेमकली मन्दिर, मोहल्ला लुधपुरी, कन्नौज, रेज कन्नौज	426.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	
				श्री बांके बिहारी मन्दिर, भँड़ा मोहल्ला छिपट्टी, कन्नौज, रेज कन्नौज	427.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				श्री राम मन्दिर, गुरसहायगंज, रेंज गुरसहायगंज	428.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				श्रीकालीमन्दिर, गुरसहायगंज, रेंज गुरसहायगंज	429.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				श्री ब्रम्हदेव मन्दिर, तिर्वारोड, गुरसहायगंज, रेंज गुरसहायगंज	430.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				जैंनयिर स्कॅल के पीछे जी0टी0 रोड, गुरसहायगंज, रेंज गुरसहायगंज	431.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				सन्तोशी माता मन्दिर जी0टी0 रोड, गुरसहायगंज, रेंज गुरसहायगंज	432.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	सन्तोषी माता मन्दिर में पूजा करने वाले श्रद्धालु बरगद वृक्ष पर आस्था व श्रद्धा रखते हैं।
				प्राचीन हनुमान मन्दिर छिबरामऊ, रेंज छिबरामऊ	433.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	प्राचीन हनुमान मन्दिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालु बरगद व पीपल के इन वृक्षों पर श्रद्धा, विश्वास व आस्था रखते हैं।
				प्राचीन हनुमान मन्दिर छिबरामऊ, रेंज छिबरामऊ	434.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	
		43	**कानपुर नगर**	ग्राम–महिगवां, रेंज बिल्हौर	435.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 200 वर्ष	वट सावित्री व्रत के अवसर पर महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा की जाती है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				अनुराग नगर, नानामऊ, रेंज बिल्हौर	436.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 200 वर्ष	
				विद्याधर आश्रम, रेंज बिल्हौर	437.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 100 वर्ष	
				बिल्हौर तहसील परिसद, रेंज बिल्हौर	438.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 105 वर्ष	
				लभुई आश्रम, नानामऊ, रेंज बिल्हौर	439.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 110 वर्ष	प्रत्येक शनिवार को लोगो द्वारा वृक्ष के नीचे दीप जलाये जाते है।
				नौगजा पीर बाबा, रेंज बिल्हौर	440.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 115 वर्ष	बरगद वृक्ष पर आस्था एवं भावनात्मक जुड़ाव के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ब्रह्मदेव मन्दिर, महराजपुर, सरसौल, रेंज कानपुर	441.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 112 वर्ष	इस स्थल पर लोगो द्वारा मनौती पूर्ण होने पर धार्मिक अनुष्ठान किये जाते है। प्रत्येक शनिवार को लोगो द्वारा दीप जलाये जाते है।
				बड़े बाबा मन्दिर, बिपौसी, रेंज कानपुर	442.	पाकड़	*Ficus virens*	लगभग 102 वर्ष	ब्रह्मा का स्वरूप माने जाने के कारण हरिशंकरी में रोपित किए जाने वाले वृक्षों में शामिल होने, उत्तरी फाल्गुन नक्षत्र व कन्या राशि का वृक्ष होने एवं घनी शीतल छाया के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				दीपापुर माइनर, रेंज कानपुर	443.	पाकड़	*Ficus virens*	लगभग 116 वर्ष	
		44	**कानपुर देहात**	मैजँ समस्तपुर न्योराज के मजरा खिरी रसँलाबाद–विषधन रोड किमी0 19 से 20 के मध्य रोड के किनारे	444.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 110 वर्ष	ब्रम्हदेव के रूप में मान्यता प्राप्त इस भूमि पर अवस्थित वृक्ष की स्थानीय निवासी पूजा करते हैं।
				तिश्ती के रिबरी तालाब के किनारे	445.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 200 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				नन्दपुर नहर कोठी पौधशाला	446.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	नहर विभाग की भूमि पर अवस्थित पीपल को देव स्थल मानकर स्थानीय लोग पूजा करते हैं।
12	**लखनऊ**	45	**हरदोई**	धोंधी, ग्राम पंचायत धोंधी, रेज बिलग्राम	447.	पीपल	*Ficus religiosa*	140 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				रामताल देव स्थान, ग्राम पंचायत माननगला, रेंज शाहाबाद	448.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				नवाब दिलेर खाँ मकबरा, शाहाबाद टाउन एरिया, रेंज शाहाबाद	449.	बरगद	*Ficus benghalensis*	250 वर्ष	
				शान्ती बाबा देव स्थान, ग्राम खदरी, मजरा पचदेवरा, रेंज शाहाबाद	450.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				सिद्धेश्वरा नाथ मन्दिर, ग्राम बिबियापुर मजरा सेढ़ामऊ, , रेंज शाहाबाद	451.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				संकटा देवी मन्दिर, शाहाबाद टाउन एरिया, रेंज शाहाबाद	452.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				संकटा देवी मन्दिर, शाहाबाद टाउन एरिया, रेंज शाहाबाद	453.	पाकड़	*Ficus virens*	150 वर्ष	पौराणिक मान्यता के अनुसार वनस्पति जगत का नायक व अधिपति होने, याज्ञिक कार्यों हेतु श्रेष्ठ छाया वृक्ष, हरिशंकरी का अंग होने तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान के दृष्टिगत स्थानीय निवासी वृक्ष पर श्रद्धा रखते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				नरायनपुर, ग्राम पंचायत बेगमगंज, रेंज सण्डीला	454.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				जैसँ खेड़ा, ग्राम पंचायत जैसँखेड़ा, रेंज सण्डीला	455.	पीपल	*Ficus religiosa*	140 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				अटवा टाड़ा, ग्राम पंचायत अटवा टाण्डा, रेंज सण्डीला	456.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				मुसनाखेड़ा, ग्राम पचांयत कासिमपुर, रेंज सण्डीला	457.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				गदौरा, ग्राम पंचायत गदौरा, रेंज सण्डीला	458.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				रेलवे लाइन के पास दलेल नगर, ग्राम पंचायत दलेल नगर, रेंज सण्डीला	459.	पीपल	*Ficus religiosa*	190 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				अहमदी, ग्राम पंचायत अहमदी, रेंज पिहानी	460.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				धोविया आश्रम, ग्राम पंचायत धोबिया, रेंज पिहानी	461.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				मन्दिर परिसर सन्तरहा, ग्राम पंचायत सन्तरहा, रेंज पिहानी	462.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				मन्दिर परिसर सन्तरहा, ग्राम पंचायत सन्तरहा, रेंज पिहानी	463.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				विश्वकर्मा मन्दिर, ग्राम पंचायत वाजिद नगर, रेंज पिहानी	464.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				विश्वकर्मा मन्दिर, ग्राम पंचायत वाजिदनगर, रेंज पिहानी	465.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				शिव मन्दिर, ग्राम पंचायत चन्देली, रेंज पिहानी	466.	पाकड़	*Ficus virens*	105 वर्ष	पौराणिक मान्यता के अनुसार वनस्पति जगत का नायक व अधिपति होने, याज्ञिक कार्यों हेतु श्रेष्ठ छाया वृक्ष होने, हरिशंकरी का अंग होने तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान के दृष्टिगत स्थानीय निवासी वृक्ष पर श्रद्धा रखते हैं।
				विद्यालय परिसर, ग्राम पंचायत अमिरता, रेंज पिहानी	467.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				हनुमान कुटी, ग्राम पंचायत कटियामऊ, रेंज कछौना	468.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				महमूदपुर के पूरब, ग्राम पंचायत महरी, रेंज कछौना	469.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				महमूदपुर के पश्चिम, ग्राम पंचायत महरी, रेंज कछौना	470.	बरगद	*Ficus benghalensis*	140 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				विवियापुर के पश्चिम, ग्राम पंचायत महरी, रेंज कछौना	471.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				बाबा तुरन्तनाथ आश्रम, ग्राम पंचायत बरगवाँ, रेंज हरदोई	472.	गम्हार	*Gmelina arborea*	100 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी व श्रद्धालु पर्यावरण के प्रति समर्पण एवं आस्था व विश्वास के कारण बाबा तुरन्तनाथ आश्रम में अवस्थित गम्हार वृक्ष की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
				मंगलगिरि आश्रम, ग्राम पंचायत अहिरौरी, रेंज हरदोई	473.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	100 वर्ष	वृक्ष से जुड़े धार्मिक मान्यताओं व विश्वास के कारण जन समुदाय वृक्ष की सुरक्षा में योगदान करता है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				जी0एस0भूमि बरखेरवा, ग्राम पंचायत बरखेरवा, रेंज हरदोई	474.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				रफी अहमद इण्टर कालेज हरदोई , रेंज हरदोई	475.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				बाबा मन्दिर हरदोई, नगर पालिका परिशद, हरदोई, रेंज हरदोई	476.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				पलिया–लखनऊ मार्ग कि0मी0 8 से 9 के मध्य बायी पटरी, ग्राम पंचायत खेतुई, रेंज हरदोई	477.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	पथिकों को छाया, पक्षियों को आश्रय एवं धार्मिक आस्था के कारण स्थानीय समुदाय इन वृक्षों की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
				पलिया–लखनऊ मार्ग कि0मी0 13 से 14 के मध्य बायी पटरी, ग्राम पंचायत सिन्धुआमऊ	478.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				साण्डी थाना गेट पर, रेंज हरपालपुर	479.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				साण्डी पक्षी विहार गेट के सामने, रेंज हरपालपुर	480.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष	पौराणिक मान्यता के अनुसार वनस्पति जगत का नायक व अधिपति होने, याज्ञिक कार्यों हेतु श्रेष्ठ छाया वृक्ष होने, हरिशंकरी का अंग होने तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान के दृष्टिगत स्थानीय निवासी वृक्ष पर श्रद्धा रखते हैं।
				बस स्टैण्ड साण्डी, रेंज हरपालपुर	481.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मंगला देवी मन्दिर परिसर साण्डी, नगर पालिका साण्डी, रेंज हरपालपुर	482.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	देवता मानकर पूजा करते हैं।
				भगत तालाब के पास राम लीला मैदान के पीछे, ग्राम पंचायत गौरी कोथावाँ, रेंज कछौना	483.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
		46	**लखीमपुर खीरी**	रामदीनपुर गांव के पश्चिम पक्के मार्ग के किनारे, रेंज मोहम्मंदी	484.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	वृक्ष अत्याधिक पुराना होने के कारण बहुत से जीवों को आश्रय प्रदान करता है। जेश्ठ माह में अमावस्या के दिन इस वट वृक्ष की महिलायें अपने पति की दीर्घायु होने की कामना हेतु पूजा करती है।
				भल्लियाबुजुर्ग गांव के दक्षिण पश्चिम पक्के मार्ग के किनारे, रेंज मोहम्मंदी	485.	बरगद	*Ficus benghalensis*	160 वर्ष	महिलायें अपने पति की दीर्घायु होने की कामना हेतु जेश्ठ माह में अमावस्या के दिन इस वट वृक्ष की पूजा करती है। वृक्ष पर ग्रामीण लोग सिद्धबाबा का स्थान मानते है जिसकी क्षेत्र में बहुत मान्यता है तथा लोग पूजा पाठ करने आते है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बेलहरी गांव के दक्षिण, रेंज मोहम्मंदी	486.	पीपल	*Ficus religiosa*	400 वर्ष	पीपल वृक्ष में ब्रम्हदेव का वास होने की मान्यता के कारण ग्रामवासी मंगलवार व भानिवार को पीपल के वृक्ष के पास दीपक जलाकर रखते हैं। पीपल वृक्ष के पास में माँ बिलेश्वरी देवी का मन्दिर है। लोगो की मान्यता है कि माँ बिलेश्वरी देवी इस वृक्ष के नीचे विचरण करती है।
				ग्राम आंवला सिकन्द्रबाद मोहम्मदी मार्ग के पश्चिम रेंज मोहम्मंदी	487.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	वन क्षेत्र के समीप स्थित होने के कारण बहुत से वन्य जीव इस बरगद वृक्ष पर निवास करते है।
				ग्राम जड़ौरा कपरहा मार्ग के पश्चिम रेंज मोहम्मंदी	488.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	श्री सागरदास बाबा के नाम से स्थान प्रसिद्ध है।
				ग्राम महेशपुर, रेंज महेापुर	489.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	क्षेत्रीय जनता द्वारा यहाँ पूजा अर्चना की जाती है। एवं बच्चे के मुन्डन संस्कार आदि कराये जाते हैं
				ग्राम साहबगंज, रेंज महेापुर	490.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।
				ग्राम किरतापुर, रेंज महेापुर	491.	बरगद	*Ficus benghalensis*	400 वर्ष	विशालकाय महावट वृक्ष के समीप नवरात्रि में माँ भगवती की पूजा होती है।
				ग्राम खजुहा, रेंज महेापुर	492.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	क्षेत्रीय ग्रामीणों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।
				लिलौटीनाथ मन्दिर, रेंज शारदानगर	493.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष	लिलौटीनाथ मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु इन वृक्षों की भी पूजा करते हैं।
				लिलौटीनाथ मन्दिर, रेंज शारदानगर	494.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				लिलौटीनाथ मन्दिर, रेंज शारदानगर	495.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				पुलिस चौकी खीरी परिसर, रेंज शारदानगर	496.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष	वृक्षों के प्रति सद्भाव एवं जैवविविधता व पर्यावरण के प्रति जागरूकता के कारण स्थानीय समुदाय वृक्षों की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
				प्र0व0अधि० दक्षिण खीरी कार्यालय परिसर, रेंज शारदानगर	497.	पाकड़	*Ficus virens*	105 वर्ष	
				सिकन्दरपुर में, रेंज गोला	498.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				मढ़िया घाट, रेंज मैगलगंज	499.	चिलबिल	*Holoptelea integrifolia*	115 वर्ष	क्षेत्र का सौन्दर्यवर्धन, छाया व बहु उपयोगिता के कारण ग्रामवासी चिलबिल वृक्ष के संरक्षण में योगदान देते हैं।
				कचियानी पुरवा, रेंज मैगलगंज	500.	पाकड़	*Ficus virens*	140 वर्ष	असाधारण छाया, धार्मिक आस्थाओं से सम्बद्ध एवं जैवविविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी परम्परागत रूप से वृक्ष की देखरेख कर रहे हैं।
				मँड़ाबुजुर्ग, रेंज मैगलगंज	501.	बरगद	*Ficus behghalensis*	100 वर्ष	100 वर्ष से अधिक पुराना है। पर्यावरणीय व धार्मिक मान्यता व आस्था के कारण स्थानीय समुदाय की संवेदनाओं से जुड़ा हुआ है।
				सँतहेरा, रेंज मैगलगंज	502.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				मँड़ाबुर्जुग, रेंज मैगलगंज	503.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				श्री हरदेवराजा, रेंज मैगलगंज	504.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				मण्डी समिति के पीछे, रेंज मैगलगंज	505.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				बजरंगबली, रेंज मैगलगंज	506.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	
				दतेलीकलां, रेंज मैगलगंज	507.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				मढ़ियाघाट आश्रम, मढ़ियाघाट, रेंज मैगलगंज	508.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष	पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता व वृक्षों के प्रति स्नेह व श्रद्धा का भाव रखने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष को सुरक्षित करते हैं।
				ग्राम मदनापुर, रेंज दक्षिण निघांसन	509.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 250 वर्ष	यह बरगद वृक्षा ग्राम मदनापुर के दक्षिणी भाग में स्थित है। ग्रामीणों से वट वृक्ष के बारे में जानकारी की गयी तो उनके द्वारा बताया गया कि इस स्थल पर श्रीकृष्ण जन्म अष्ठमी के बाद आने वाली अमावस्या को मेला लगता है। बरगद वृक्ष पर जलाभिषेक करके ग्रामीणों द्वारा नियमित पूजा पाठ किया जाता है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम ओरीपुरवा व ग्राम बल्देवपुरवा के मध्य स्थिति श्री सिद्ध बाबा, रेंज दक्षिण निघांसन	510.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 150 वर्ष	यह पीपल वृक्ष ग्राम ओरीपुरवा के पश्चिम भाग में स्थित है। ग्रामीणों से पीपल वृक्ष के बारे में जानकारी की गयी तो उनके द्वारा बताया गया कि वर्षों से इस स्थान पर मेला लगता है।
		47	**लखनऊ**	तिवारीपुर, रेंज बक्शी का तालाब	511.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान के दृष्टिगत जागरूक नागरिक इस वृक्ष की सुरक्षा कर रहे है।
				नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, रेंज शहरी	512.	पारिजात	*Adansonia digitata*	130 वर्ष	देववृक्ष के रूप में समस्त इच्छाओं को पूर्ण करने वाले पारिजात वृक्ष की मान्यता होने के कारण वृक्ष प्राणि उद्यान में आने वाले दर्शकों के लिए आकर्षण व उत्सुकता का केन्द्र है।
				नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, रेंज शहरी	513.	पारिजात	*Adansonia digitata*	125 वर्ष	
				नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, रेंज शहरी	514.	पारिजात	*Adansonia digitata*	125 वर्ष	
				कैलाश हॉल (मेन गेट), यँनिवर्सिटी आफ लखनऊ , रेंज शहरी	515.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना के पूर्व से ही वृक्ष अवस्थित होने के कारण वृक्ष शिक्षकों व विद्यार्थियों के आकर्षण का केन्द्र है।
				बैकुण्ठ धाम, खन्ना भट्टा, आलमबाग, रेंज सरोजनीनगर	516.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मंझी निकरोजपुर, रेंज मलिहाबाद	517.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।
				चौधरी पुरवा, रेंज कुकरैल	518.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				शिवानी विहार, रेंज कुकरैल, रेंज कुकरैल	519.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				कल्याणपुर कामाख्या स्कँल, रेंज कुकरैल	520.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				रसँलपुर सादत, रेंज कुकरैल	521.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				जगपाल खेड़ा, रेंज कुकरैल	522.	नीम	*Azadirachta indica*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में नीम का बहुत महत्व है। यह वृक्ष औशधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब कुछ अत्यन्त उपयोगी होते हैं।
				बेहटा बाजार बेहटा, रेंज कुकरैल	523.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मल्हौर, रेंज कुकरैल	524.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				विज्ञानपुरी, भरवारा, गोमतीनगर, रेंज कुकरैल	525.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				विज्ञानपुरी, भरवारा, गोमतीनगर, रेंज कुकरैल	526.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	
				अजनाहर, रेंज कुकरैल	527.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	100 वर्ष से अधिक पुराना है। पर्यावरणीय व धार्मिक मान्यता व आस्था के कारण स्थानीय समुदाय की संवेदनाओं से जुड़ा हुआ है।
				रजौली, रेंज कुकरैल	528.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।
				बरघुरदासपुर, रेंज कुकरैल	529.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ, रेंज शहरी	530.	अर्रू	*Ailanthus axcelsa*	105 वर्ष	100 वर्ष से अधिक पुराना होने के कारण यह वृक्ष प्राणि उद्यान में भ्रमण करने वालों के लिए आकर्षण का केन्द्र है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				दसहरी गाँव, रेज लखनऊ	531.	आम	*Mangifera indica L*	200 वर्ष	विश्व प्रसिद्ध लखनऊ के दशहरी आम का मातृ वृक्ष (मदर ट्री) होने के कारण वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण व आकर्षण का केन्द्र है।
				एन0बी0आर0आई 0	532.	बरगद	*Ficus behghalensis*	200 वर्ष	वृक्ष की छाया में एकत्र होकर बैठक अथवा धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन होने, गाँव/स्थल का पहचान चिन्ह् होने एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान होने के कारण ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				लखनऊ यँनिवर्सिटी ओल्ड कैम्पस	533.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	लखनऊ विश्वविद्यालय में अवस्थित चार पीढी से अधिक आयु के होने के कारण वृक्ष विद्यार्थियों विशेषकर वनस्पति शास्त्र के विद्यार्थियों व रिसर्च स्कॉलर के लिए अध्ययन व आकर्षण का केन्द्र है।
				लखनऊ यँनिवर्सिटी ओल्ड कैम्पस	534.	पाकड़	*Ficus virens*	104 वर्ष	
				रेजीडेन्सी परिसर	535.	बरगद	*Ficus benghalensis*	102 वर्ष	
		48	**रायबरेली**	हमीरमऊ	536.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	देव वृक्ष के रूप में मान्यता होने के साथ ही प्राणदायी वायु का प्रमुख श्रोत है।
				रायबरेली–जौनपुर मार्ग (नरूद्दीनपुर)	537.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	आस–पास की ग्रामीण महिलाओं द्वारा विभिन्न अवसरो पर पूजा–पाठ किया जाता है।
				छठो–गाँधी नगर मार्ग (कॉटा)	538.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	देव वृक्ष के रूप में मान्यता होने के साथ ही प्राणदायी वायु का प्रमुख श्रोत है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				खरीन का पुरवा नसीराबाद सम्पर्क मार्ग (गोरही), ग्राम पंचायत भेलिया	539.	बरगद	*Ficus benghalensis*	175 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण ग्रामवासी वृक्ष की पूजा परम्परागत रूप से करते हैं।
				सालोन–मानिकपुर रोड मोहम्दाबाद	540.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				टेकरी से फुर्सतगंज रोड (बिटोराधानी का पुरवा के बीच में), ग्राम पंचायत बेतौरा	541.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				करपुर, ग्राम पंचायत हलोर	542.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				इन्दिरा वानस्पतिक उद्यान, रायबरेली	543.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	वानस्पतिक उद्यान भ्रमण करने वाले दर्शकों के लिए यह बरगद का प्राचीन वृक्ष आकर्षण का केन्द्र है।
				बहेरिया	544.	पाकड़	*Ficus Virens*	120 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से वृक्षों की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व
				लोधवामऊ	545.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				सराय क्षत्राधारी	546.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष	देखरेख करते हैं।
				अहमदपुर, ग्राम पंचायत किलौली	547.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	
				पूरे गुरबक्श सिंह का पुरवा, ग्राम पंचायत खलीलपुर	548.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				पूरे महादेवन, ग्राम पंचायत भीरव	549.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				पूरे तुला, ग्राम पंचायत भीरव	550.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
				अघरदास कुटी, ग्राम पंचायत साधु कुआ	551.	बरगद	*Ficus benghalensis*	140 वर्ष	
				पूरे अयोध्या बक्स, ग्राम पंचायत साधु कुआ	552.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	
				लाली की चक्की, ग्राम पंचायत कजियाना	553.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				सेमारपहा	554.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	मंदिर पर प्रति सोमवार/शुक्रवार को श्रद्धालुओं द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।
				गेगासो	555.	पीपल	*Ficus religiosa*	300 वर्ष	मंदिर पर श्रद्धालुओं द्वारा पूजा अर्चना की जाती है। मान्यता है कि मनौती मानने पर लोगो की मनोकामना पूर्ण होती है। इस स्थल को पीरबाबा के नाम से जाना जाता है।
				खानपुर खुस्टी	556.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में धार्मिक परम्पराओं के अनुसार पीपल के वृक्ष को विष्णु के समान माना जाता है। अनेक व्रत व त्योहारों में पीपल की पूजा की जाती है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बसन्तपुर कठोइया	557.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	यह वृक्ष काफी पुराना है तथा मंदिर के पास स्थित इस वृक्ष के नीचे बैठकर श्रद्धालु पूजा पाठ करते हैं।
				पिलखा	558.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	आस–पास की ग्रामीण महिलाओं द्वारा विभिन्न अवसरो पर पूजा–पाठ किया जाता है।
				बसन्तपुर कठोइया	559.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष	देव वृक्ष के रूप में मान्यता होने एवं प्राणदायी वायु का प्रमुख श्रोत होने से वृक्षों की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
				एकसना उर्फ करकसा	560.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	यह वृक्ष काफी पुराना है तथा मंदिर के पास स्थित इस वृक्ष के नीचे बैठकर श्रद्धालु पूजा पाठ करते हैं।
				एकसना उर्फ करकसा	561.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	
				ऐहार	562.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				काशीपुर	563.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				ग्राम पूरे बद्रीनाथ कोटिया चित्रा	564.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	आस–पास की ग्रामीण महिलाओं द्वारा विभिन्न अवसरो पर पूजा–पाठ किया जाता है।
				ग्राम पूरे बद्रीनाथ कोटिया चित्रा	565.	पाकड़	*Ficus virens*	178 वर्ष	देव वृक्ष एवं प्राणदायी वायु का प्रमुख श्रोत की रक्षा हेतु ग्रामवासियों द्वारा सामँहिक प्रयास किया जा रहा है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				जुगराजपुर से गोखना रोड कि. मी. 0–1, ग्राम पंचायत गंगोली	566.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	आस–पास की ग्रामीण महिलाओं द्वारा विभिन्न अवसरो पर पूजा–पाठ किया जाता है।
				पूरे बुधई से डीह रोड	567.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	देव वृक्ष एवं प्राणदायी वायु का प्रमुख श्रोत की रक्षा हेतु ग्रामवासियों द्वारा सामँहिक प्रयास किया जा रहा है।
		49	**सीतापुर**	सरवरपुर केसरिया, रेंज सीतापुर	568.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				कुंवरपुर, रेंज सीतापुर	569.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				बाबा मतई दास कुटी पल्हरी, रेंज बिसवां	570.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				महापुरुष बाबा थानगाँव कटरा, रेंज बिसवां	571.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				डिकोली, रेंज सिधौली	572.	पाकड़	*Ficus virens*	150 वर्ष	जैवविविधता संरक्षण, धार्मिक महत्व एवं स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति में भूमिका के कारण ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा में योगदान देते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ब्रम्हावली का बाजार स्थल, रेंज महोली	573.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ब्रम्हावली का बाजार स्थल, रेंज महोली	574.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				बाबा बैजनाथ धाम निकट कोतवाली महोली, रेंज महोली	575.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				हरगांव तीर्थ, रेंज हरगाँव	576.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	
				सिंघडी धन्धार रामपुर मथुरा (सिद्धबाबा मन्दिर), रेंज महमूदाबाद	577.	पाकड	*Ficus virens*	180 वर्ष	असाधारण छायादार वृक्ष, हरिशंकरी वाटिका का अपरिहार्य अंग एवं वन्य प्राणियों को आश्रय व भोजन उपलब्ध कराने की भूमिका के दृष्टिगत सुरक्षा व देखरेख में ग्रामवासियों का सहयोग प्राप्त होता है।
				रामपुर मथुरा मुरलीधर मन्दिर, रेंज महमूदाबाद	578.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				रामपुर मथुरा मुरलीधर मन्दिर, रेंज महमूदाबाद	579.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				कुटी सुपौली, रेंज लहरपुर	580.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	धार्मिक आस्था व विश्वास, पर्यावरण संरक्षण में भूमिका एवं विभिन्न पक्षियों का वास स्थल होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा व देखरेख करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				दण्डी बाबा स्थान, रेंज लहरपुर	581.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	स्थानीय ग्रामवासी पीपल वृक्ष को ब्रह्म देवता मानकर पूजा करते हैं।
				दधीचि कुण्ड मिश्रिख, रेंज मिश्रिख	582.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	मान्यता है कि महर्षि दधीचि द्वारा इसी वृक्ष के नीचे अपनी अस्थियों का दान किया गया।
		50	**उन्नाव**	देवाराकलां,	583.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	वृक्षों को देवस्वरूप मानने की धारणा, असाधारण छाया एवं जैवविविधता संरक्षण में निरन्तरता बनाए रखने की दृष्टि से ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा में योगदान देते हैं।
				देवाराकलां	584.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	
				भांकरपुर	585.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	
				परियर	586.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	
				जानकी कुण्ड परियर	587.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	स्थानीय मान्यताओं के अनुसार यह 1000 वर्ष से अधिक आयु का लव–कुा के समय का वृक्ष है। ऐसा माना जाता है कि अवमेघ यज्ञ में छोड़ा गया अव लव–कुा द्वारा इसी स्थान पर अवस्थित वट वृक्ष में बांधा गया था।
				परियर	588.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	ग्रामीणों द्वारा इन वृक्षों की परम्परागत रूप से पूजा की जाती है।
				कुर्मिन खेड़ा	589.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	
				नया खेड़ा	590.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	
				मिर्जापुर लंगड़ापुर	591.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	
				ऊगँ रेलवेयार्ड पौधाला, रेंज बांगरमऊ	592.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	
				माँ सन्दोही देवी मन्दिर, रेंज बांगरमऊ	593.	नीम	*Azadirachta indica*	105 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				माँ सन्दोही देवी मन्दिर, रेंज बीघापुर	594.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	मन्दिर प्रांगण के अन्दर स्थित है तथा धार्मिक आस्था होने के कारण ग्रामवासियों द्वारा वृक्ष की पूजा की जाती हैं
				बाबा गोदावलेवर मन्दिर, रेंज बीघापुर	595.	इमली	*Tamarindus indica*	110 वर्ष	पर्यावरण को स्वच्छ एवं जैवविविधता संरक्षण में योगदान के कारण स्थानीय निवासी वृक्षों की सुरक्षा में योगदान दे रहे हैं।
				बाबा गोदावलेवर मन्दिर, रेंज बीघापुर	596.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	विभिन्न धर्मों में पवित्र वृक्ष की मान्यता, पक्षियों को भोजन व आश्रय, पथिकों को छाया एवं जैवविविधता समृद्ध करने में योगदान के दृष्टिगत ग्रामवासी वृक्ष सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				कटरी दीवान खेड़ा, रेंज बीघापुर	597.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	
				कटरी दीवान खेड़ा, रेंज बीघापुर	598.	बरगद	*Ficus benghalensis*	114 वर्ष	
				पटेल नगर बीघापुर, रेंज बीघापुर	599.	नीम	*Azadirachta indica*	105 वर्ष	उ0 भाद्रपद नक्षत्र व मीन राशि का वृक्ष होने की मान्यता है। औषधीय गुणों से युक्त होने के कारण नीम 'गाँव के वैद्य' के नाम से जाना जाता है।
				मुरार खेड़ा, रेंज बीघापुर	600.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	बजरंगबली मन्दिर में स्थित इस वृक्ष की वर्षों से पूजा हो रही है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				छँलामऊ पार्वती विद्या मन्दिर, रेंज पुरवा	601.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	धार्मिक रूप से पवित्र माने जाने की धारणा से वृक्षों की ग्रामीणों द्वारा पूजा की जाती है।
				छँलामऊ प्राइमरी पाठाला, रेंज पुरवा	602.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				छँलामऊ पार्वती विद्या मन्दिर के पास, रेंज पुरवा	603.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष	
				तुसरौर (इमलिहा बाबा), रेंज पुरवा	604.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	
				हिलौली (नन्देवर मन्दिर), रेंज पुरवा	605.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	
				असरी खेड़ा (गौरा बाबा), रेंज पुरवा	606.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				दुन्दपुर (देवी मन्दिर), रेंज पुरवा	607.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				अहेसा (बुद्धेवर बाबा), रेंज पुरवा	608.	बरगद	*Ficus benghalensis*	155 वर्ष	
				पैंथर, रेंज नवाबगंज	609.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	
				अजगैन–मोहान रोड नवई, रेंज नवाबगंज	610.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				मडुवा बाबा मन्दिर, रेंज नवाबगंज	611.	बरगद	*Ficus benghalensis*	125 वर्ष	
				अजगैन–मोहान रोड नवई, रेंज नवाबगंज	612.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				भुलभुला खेड़ा अदौरा, रेंज हसनगंज	613.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				नया खेड़ा अदौरा, रेंज हसनगंज	614.	पाकड़	*Ficus Virens*	100 वर्ष	
				गहरावां, रेंज हसनगंज	615.	बरगद	*Ficus benghalensis*	102 वर्ष	
				पिलखना रसीदपुर, रेंज हसनगंज	616.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
13	**मेरठ**	51	**बागपत**	मन्दिर बाबा जहारवीर परिसर, ग्राम पंचायत बुढसैनी	617.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मान्यता है कि इस वृक्ष के नीचे बैठकर मन्नत माँगने से बुरी आत्माओं से पीछा छँट जाता है तथा वे फिर सम्बन्धित व्यक्ति को परेाान नहीं करती हैं।
				शिव मन्दिर (पुरा ग्राम) परिसर में	618.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मान्यता है कि इस बरगद वृक्ष के पास हवन कुण्ड में यज्ञाहुति देने से गि की असीम कृपा प्राप्त होती है जिससे आकल मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता।
				दुर्गा मन्दिर परिसर में, अमीनगर सराय, ग्राम पंचायत पिलाना	619.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मान्यतानुसार इस वृक्ष के नीचे बैठकर मन्नत माँगने से त्रु व व्यक्ति परेाान करने वाले व्यक्ति परास्त हो जाते हैं।
				काली सिंह बाबा मन्दिर परिसर मे, ग्राम पंचायत खिंदौड़ा	620.	पाकड़	*Ficus Virens*	100 वर्ष	मान्यता है कि इस वृक्ष की पूजा करने से रोग व दोशों का नाा हो जाता है।
		52	**बुलन्दशहर**	माण्डँ आश्रम, ग्राम पंचायत मदई	621.	बरगद	*Ficus bengalensis*	110 वर्ष	मान्यता है कि महाभारत कालीन माण्डव ऋषि की तपस्थली में अवस्थित इस वृक्ष की पूजा एवं परिक्रमा करने से व्यक्ति के समस्त कष्ट दँर हो जाते हैं। प्रत्येक पूर्णिमा/अमावस्या व अन्य धार्मिक अवसरों पर यहाँ दूर–दूर से श्रद्धालु आते रहते हैं।
				अवन्तिका देवी मंदिर, ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर	622.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	मान्यता है कि श्री कृष्ण की पत्नी रानी रूकमणी गंगा स्नान के उपरान्त इस वृक्ष के नीचे पूजा करती थी।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				महादेवजी के मंदिर के समीप मंदिर परिसर, ग्राम पंचायत आहार	623.	खिरनी	*Manilkara hexandra*	110 वर्ष	लोक कथाओं के अनुसार पाण्डव अज्ञातवास के दौरान जंगलों में भटक रहे थे तब खाने के रूप में खिरनी के फल खाकर उसके बीज बिखेर देते थे, महादेव मन्दिर में विश्राम के दौरान डाले गये बीज से ही यहाँ खिरनी का वृक्ष उगा।
		53	**गौतमबुद्ध नगर**	मारीपत रेलवे स्टेान, ग्राम अच्छेजा, ग्राम पंचायत अच्छेजा	624.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				मारीपत रेलवे स्टेान, ग्राम अच्छेजा, ग्राम पंचायत अच्छेजा	625.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ओखला पक्षी विहार	626.	बरगद	*Ficus behghalensis*	100 वर्ष	वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष के रूप में पूजा की जाती है। मघा नक्षत्र का वृक्ष, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा पूजा जाने, स्कन्द पुराण में उल्लिखित पंचवटी व हरिशंकरी में रोपित किए जाने के कारण स्थानीय निवासी देखरेख व सुरक्षा करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		54	**गाजियाबाद**	महामाया मंदिर, सकीरी बेगमबाद	627.	बरगद	*Ficus benghalensis*	164 वर्ष से अधिक	वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में क्रान्तिकारी इस वृक्ष के नीचे बैठकर मन्त्रणा करते तथा योजनाएं बनाते थे। मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु प्राचीन मन्दिर परिसर में अवस्थित इस वट वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				बम्हैटा वार्ड नं0 42	628.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	इस वृक्ष के साथ स्थानीय लोगों की कई पीढ़ियों से आस्था जुड़ी हुयी है। अपने परिवार के किसी बुजुर्ग की तरह लोग इस वृक्ष की देखभाल करते हैं।
		55	**मेरठ**	श्रंगऋषि आश्रम नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	629.	बरगद	*Ficus bengalensis*	100 वर्ष से अधिक	राजा परिक्षित का जन्म स्थान की मान्यता होने के कारण स्थल व यहाँ अवस्थित बरगद वृक्षों का ऐतिहासिक महत्व है।
				श्रंगऋषि आश्रम नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	630.	बरगद	*Ficus bengalensis*	100 वर्ष से अधिक	
				श्रंगऋषि आश्रम नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	631.	बरगद	*Ficus bengalensis*	100 वर्ष से अधिक	
				श्रंगऋषि आश्रम नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	632.	गूलर	*Ficus racemosa*	100 वर्ष से अधिक	राजा परीक्षित के जन्म स्थान की मान्यता होने के कारण स्थल व यहाँ अवस्थित गूलर वृक्षों का ऐतिहासिक महत्व है।
				गंधारी तालाब नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	633.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	100 वर्ष से अधिक	वृक्षों के प्रति जागरूकता एवं महाभारत काल में भी इसी के समान वृक्ष होने की धारणा के कारण स्थानीय ग्रामवासी वृक्षों को संरक्षित रखने में योगदान देते हैं।
				गंधारी तालाब नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	634.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	100 वर्ष से अधिक	
				गंधारी तालाब नगर पंचायत, रेंज परीक्षितगढ़	635.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	100 वर्ष से अधिक	
				ग्राम छवड़िया (ग्राम समाज भूमि), रेंज सरधना	636.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष से अधिक	मन्दिर परिसर में होने के कारण जन सामान्य द्वारा पूजा अर्चना की जाती हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				प्राचीन पाण्डेश्वर महादेव मन्दिर, रेंज हस्तिनापुर	637.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	बरगद वृक्ष काफी पुराना है। मान्यता है कि इस स्थान पर वृक्ष की महाभारतकाल काल से पूजा अर्चना की जाती है।
		56	**हापुड़**	ग्राम झडीना का मन्दिर परिसर, रेंज गढ़मुक्तेवर	638.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 150 वर्ष	जैवविविधता संरक्षण में योगदान, धार्मिक मान्यता व वृक्षों के प्रति सद्भावना रखने के परिणामस्वरूप ग्रामवासी पीढ़ियों से वृक्षों की पूजा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम लोधीपुर छपका खेडा निकट शंकर इण्टर कॉलेज, झडीना, रेंज गढ़मुक्तेवर	639.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 150 वर्ष	
				नक्का कुआँ रोड़ मन्दिर परिसर गढमुक्तेश्वर, रेंज गढ़मुक्तेवर	640.	पाकड़	*Ficus virens*	लगभग 300 वर्ष	ब्रह्मा का स्वरूप माने जाने के कारण हरिशंकरी में रोपित किए जाने वाले वृक्षों में शामिल होने, उत्तरी फाल्गुन नक्षत्र व कन्या राशि का वृक्ष होने एवं घनी शीतल छाया के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				नक्का कुआँ रोड़ शनिदेव मन्दिर, गढमुक्तेश्वर, रेंज गढ़मुक्तेवर	641.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष लगभग	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				हापुड़ दिल्ली मार्ग, रेंज हापुड़	642.	पाकड़	*Ficus virens*	लगभग 100 वर्ष	जैवविविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका व घनी शीतल छाया वाले वृक्ष की देखरेख व सुरक्षा में स्थानीय निवासी योगदान दे रहे हैं।
					643.	पाकड़	*Ficus virens*	लगभग 100 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
14	**मीरजापुर**	57	**भदोही**	वाल्मिकी आश्रम, निकट सीता समाहित स्थल सीतामढ़ी, रेंज औराई	644.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	सीता समाहित स्थल को महर्षि वाल्मीकि आश्रम लव एवं कुश का जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध पौराणिक मान्यताओं एवं महत्व के कारण आने वाले पर्यटक वट वृक्ष पर भी श्रद्धा व आस्था रखते हैं।
				महावीर मंदिर नटवा पो0 खमरिया, रेंज औराई	645.	पीपल	*Ficus religiosa*	350 वर्ष	महावीर मंदिर लगभग 400 वर्ष प्राचीन है। मंदिर परिसर में ही पीपल का वृक्ष है। इस स्थान पर प्रत्येक मंगलवार को पूजा अर्चना के लिए बड़ी संख्या में लोग आते हैं तथा वर्ष में एक बार यहां भव्य मेले का आयोजन भी किया जाता है। इस अवसर पर आने वाले भक्त पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				डेरवा भवानीपुर, रेंज औराई	646.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	डेरवा गंगा घाट के किनारे प्रत्येक सोमवार को आयोजित मेले एवं शीतला माता मन्दिर में आने वाले व्यक्ति पीपल वृक्ष पर आस्था व्यक्त करते हैं।
		58	**मीरजापुर**	विसुनपुर (नहर पटरी), रेंज मड़िहान	647.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	स्थापित शिव प्रतिमा पर सावन मास के प्रत्येक सोमवार को मेला लगता हैं। श्रद्वालुओं द्वारा मन्नत भी मांगी जाती है।
				मटिहानी(अटारी तालाब भीटा), रेंज मड़िहान	648.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	पुराना वृक्ष होने के कारण पूजा पाठ होता है। मन्नते पूर्ण होने पर मन्नत करने वाले विशेष पूजा पाठ का आयोजन करते हैं।
				दुर्गाजी पट्टीकलां अहरौरा, रेंज	649.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	देवी दुर्गा की प्रतिमा स्थापित है ग्रामीणों की

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				चुनार					मान्यता है कि यहाँ पर मन्नत मांगने पर मनोकामना पूर्ण हो जाती है। मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				दुर्गाजी पट्टीकलां अहरौरा, रेंज चुनार	650.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	
				दुर्गाजी पट्टीकलां अहरौरा, रेंज चुनार	651.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	देवी दुर्गा की प्रतिमा स्थापित है ग्रामीणों की मान्यता है कि यहाँ पर मन्नत मांगने पर मनोकामना पूर्ण हो जाती है। मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				मलाधरपुर, रेंज मीरजापुर	652.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	बड़ी संख्या में ग्रामीणं ब्रम्ह की पूजा के साथ–साथ वट सावित्री व्रत के अवसर पर बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				मलाधरपुर, रेंज मीरजापुर	653.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	पहलवान का मन्दिर स्थापित है एवं ग्रामीणों द्वारा अखाड़ा बनाकर कुश्ती भी लड़ी जाती है। ग्रामीणों के मान्यता के अनुसार बरगद के वृक्ष में सर्प रहने से नाग देवता की पूजा भी की जाती है। एवं नाग पंचमी पर मेले का आयोजन होता है।
				कंतित, रेंज मीरजापुर	654.	पीपल	*Ficus religiosa*	130 वर्ष	माँ विन्ध्यवासिनी का धाम एवं भैरो मन्दिर होने से इस वृक्ष का काफी महत्व है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				विन्ध्याचल, रेंज मीरजापुर	655.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	पीपल का वृक्ष एवं शनिदेव का मन्दिर होने से प्रत्येक शनिवार के दिन यहाँ पूजा पाठ का आयोजन एवं दीप जलाये जाते है। विन्ध्याचल धाम के नजदीक होने से श्रद्वालुओं में इस वृक्ष का महत्व अधिक है।
		59	**सोनभद्र**	कोन थाना परिसर, रेंज कोन	656.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	स्थानीय निवासी पीपल वृक्ष को विष्णु का स्वरूप मानकर पूजा करते हैं।
				पुरानी बाजार कोन, रेंज कोन	657.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष	
15	**मुरादाबाद**	60	**बिजनौर**	ग्राम धीमरपुरा, रेंज चाँदपुर	658.	बरगद	*Ficus benghalensis*	510 वर्ष	कब्रिस्तान की भूमि व श्री भैंरेशाह पीर की मजार के पीछे स्थित इस बरगद वृक्ष के बारे में मान्यता है कि मजार पर झाडँ चढ़ाने से मस्से ठीक हो जाते हैं।
		61	**अमरोहा**	स्थान–नौगजा पीर लालँ नंगला, थाना अमरोहा देहात जिला अमरोहा	659.	बरगद	*Ficus Bengalensis*	लगभग 150 वर्ष	इस वृक्ष के पास जलालुद्दीन शाह की 70 वर्ष पुरानी मजार है। नौगजा पीर के नाम से जानी जाती है। यहां प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की अमावस्या के बाद प्रथम वृहस्वतिवार को भव्य उर्स का आयोजन होता है। उर्स में शामिल हिन्दू व इस्लाम धर्मावलम्बी बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				वासुदेव तीर्थ स्थल अमरोहा नगरŴजनपद अमरोहा	660.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 150 वर्ष	वासुदेव तीर्थ स्थल परिसर में स्थित इस वृक्ष के बारे में मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण यहां आये थे व विश्राम किया था। इसी परिसर में ऐतिहासिक मीरा बाबा का मंदिर भी स्थित है जिसमें प्रतिवर्ष आषाढ़ माह में विशाल मेले का आयोजन होता है। नवविवाहित आकर प्रसाद चढ़ाते हैं तथा सुखी वैवाहिक जीवन के लिए भगवान श्रीकृष्ण, मीरा बाबा व इस वृक्ष का पूजा करते हैं।
				ग्राम पत्थर कुटी थाना व तह० धनौरा	661.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				ग्राम विाावली, थाना बछराँयँ करनखाल तहसील धनौरा	662.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	क्षेत्रीय ग्रामीण माघ माह में इस मंदिर व वृक्ष की पूजा अर्चना करते हैं। मनोवांछित फल प्राप्ति के लिये परम्परागत रूप से प्रार्थना करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मोहल्ला महादेव, थाना रोड, तहसील धनौरा	663.	गूलर	*Ficus recemosa*	110 वर्ष	मँढ़ाशाह पीर परिसर में प्रत्येक बृहस्पतिवार को उर्स के आयोजन में बड़ी संख्या में हिन्दू व इस्लाम धर्मावलम्बी भाग लेते हैं। इस वृक्ष को गूलरबाबा नाम से लोग जानते हैं तथा मान्यता है कि मँढाशाह पीर बाबा के साथ गूलरबाबा से भी मन्नत मांगने पर मनोवांछित मुराद पूरी होती है।
				ग्राम अतलीपुर खादर, तहसील हसनपुर	664.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	मंदिर परिसर में शिवरात्रि के दिन विशाल मेले का आयोजन होता है। इस अवसर पर भक्त गंगा से जल लाकर भगवान शिव के साथ ही इस वृक्ष को भी चढ़ाते हैं। मान्यता है कि भगवान शिव के साथ वृक्ष की पूजा से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।
		62	**मुरादाबाद**	निकट कम्पनीबाग पुरानी नगर निगम नर्सरी	665.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी बरगद वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
		63	**रामपुर**	पीपली नायक सरकथल, रेंज स्वार	666.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण पीपल वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				मडैयान शाहबाद, रेंज रामपुर	667.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				टाण्ड़ा मणि मन्दिर, रेंज स्वार	668.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	
				मिलक खानम गदरपुर मार्ग, रेंज स्वार	669.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				चौधराना आश्रम के पास बिलारी रोड शाहबाद	670.	बरगद	*Ficus benghalensis*	लगभग 150 वर्ष	वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				रामपुर आई0टी0आई0 गवर्नर लाइब्रेरी कैम्पस, बीसाइड फ्रंट	671.	पाकड़	*Ficus virens*	125 वर्ष	ब्रह्मा का स्वरूप माने जाने, हरिशंकरी में रोपित किए जाने वाले वृक्षों में शामिल होने, उत्तरी फाल्गुन नक्षत्र व कन्या राशि का वृक्ष होने एवं घनी शीतल छाया के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
		64	**सम्भल**	सम्भल –जोया मार्ग किमी० नं०–03 की दायी पटरी	672.	पाकड़	*Ficus Virens*	लगभग 135 वर्ष	
				सार्वजनिक भूमि मन्दिर ग्राम बेनीपुर चक	673.	कैम	*Mitragyna parvifolia*	150 वर्ष	इस वृक्ष का पौराणिक महत्व है । श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं के स्मारक के रूप में धार्मिक महत्व रखता है, स्थानीय लोग वृक्ष को पूज्य मानते है ।
16	**प्रयागराज**	65	**फतेहपुर**	पारादान/ग्राम समाज, रेंज बिन्दकी	674.	इमली	*Tamarindus indica*	175 वर्ष	भारत के स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन के दौरान 52 स्वतंत्रता सेनानियों को एक साथ इस वृक्ष में फाँसी पर लटकाए जाने के कारण यह भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का महत्वपूर्ण अंग है।
				तेलियानी/पी0 डब्लू०डी०, रेंज फतेहपुर	675.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बघौली / ग्राम समाज, रेंज खागा	676.	पारिजात	*Adansonia digitata*	125 वर्ष	वृक्ष को समस्त कामनाओं की पूर्ति करने वाला पारिजात मानते हुए ग्रामवासी व स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा करते हैं।
				सेमरई / ग्राम समाज, रेंज फतेहपुर	677.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
		66	**कौशाम्बी**	कलेश्वर घाट, गंगा तट, कडा धाम	678.	पीपल	*Ficus religiosa*	610 वर्ष	गंगा तट के किनारे बरम बाबा के नाम से इस पीपल वृक्ष की साधु महात्माओं द्वारा अमावस्या के दिन साधँ–महात्मा द्वारा पूजा की जाती है। दिवंगत आत्मा की शान्ति एवं धार्मिक पर्वों पर भी श्रद्धालुओं द्वारा पूजा की जाती है।
				कलेश्वर घाट, गंगा तट, कडा धाम	679.	बरगद	*Ficus benghalensis*	610 वर्ष	गुरु पूर्णिमा व अमावस्या के दिन महिलायें अपने पति की दीर्घ आयु की कामना हेतु गंगा तट पर अक्षय वट नाम से विख्यात इस वृक्ष की पूजा अर्चना करती हैं तथा दूर–दूर से श्रद्धालु वृक्ष की पूजा करने आते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				चक खुदायगंज, मंझनपुर–सिरथू मार्ग	680.	पीपल	*Ficus religiosa*	600 वर्ष	मसुरिया महारानी का मन्दिर धार्मिक परम्पराओं से जुड़ा है। वृक्ष के तने में विभिन्न देवी–देवताओं की आकृति प्राकृतिक रूप से विद्यमान है। श्रद्धालुओं द्वारा सदियों से वृक्ष की पूजा–अर्चना की जाती है।
				दीवर (महाबली बाबा), रेंज मंझनपुर	681.	पीपल / बरगद	*Ficus religiosa & Ficus benghalensis*	600 वर्ष	महाबली वीर बाबा का मन्दिर पौराणिक घटनाओं व धार्मिक परम्पराओं से जुड़ा है। इस मन्दिर में स्थित पीपल व बरगद वृक्ष की सदियों से पवित्र वृक्ष के रूप में पूजा की जाती है व मेले का आयोजन होता है।
					682.				
				टेंगाई, रेंज मंझनपुर	683.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	गुरु पूर्णिमा व मंगल अमावस्या के दिन महिलायेंअपने पति की दीर्घ आयु की कामना हेतु गंगा तट पर अक्षय वट नाम से विख्यात इस वृक्ष की पूजा अर्चना करती हैं। वृक्ष की पूजा हेतु दूर–दूर से श्रद्धालु आते हैं।
				नागा बाबा आश्रम, सिराथँ	684.	इमली	*Tamarindus indica*	100 वर्ष	नागा बाबा आश्रम में अवस्थित इमली वृक्ष श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र है।
		67	**प्रतापगढ़**	कुण्डा –जेठवारा मार्ग शेरगढ़, रेंज कुण्डा	685.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा
				कुण्डा –जेठवारा मार्ग तिलौरी, रेंज कुण्डा	686.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									व पूजा करते हैं।
				तिलौरी शुक्लान का पुरवा, रेंज कुण्डा	687.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				कुण्डा– बिहार मार्ग जमेठी, रेंज कुण्डा	688.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				चैन का पुरवा, रेंज लालगंज	689.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				उदवत का पुरवा सांगीपुर, रेंज लालगंज	690.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				सांगीपुर, रेंज लालगंज	691.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				प्राथमिक विद्यालय अमावां, रेंज लालगंज	692.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	
				बाबा बँढे नाथ धाम लक्ष्मीकान्तगंज	693.	सेमल	*Bombax ceiba*	150 वर्ष	वृश्चिक राशि का वृक्ष होने से इस राशि में जन्म लेने वाले व्यक्ति वृक्ष की देखरेख व सुरक्षा में विशेष रूचि रखते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				करीब बाबा स्थान पूरवदेउम	694.	करील	*Capparis decidua*	100 वर्ष	मान्यता है कि राम ने वन जाते समय करील वृक्ष के नीचे विश्राम किया था। भगवान राम ने सभी सुख भोगों से वंचित रहने का प्रण इसी वृक्ष के नीचे किया था, इसलिए भगवान श्रीराम ने फल, फँल, पत्ती विहीन उदासीन वृक्ष करील के नीचे ही विश्राम किया। इसी मान्यता के अनुरूप उक्त वृक्ष पाये जाने पर धार्मिक स्थल मानते हुए चबँतरा निर्मित किया गया है। ग्रामीणों द्वारा पूजा की जाती है।
				चौराहरजन धाम बाबा बेलखरनाथ ब्लाक, रेंज रानीगंज	695.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				कोठार मंगोलपुर सगरा, रेंज सदर	696.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				हण्डौर, रेंज सदर	697.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	
		68	**प्रयागराज**	बोलन धाम मेजा खास, रेंज मेजा	698.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	मान्यता है कि अर्जुन ने बाण द्वारा एक जलाशय से पानी निकला, जल यहाँ निरन्तर निकलता रहता है उक्त स्थल प प्रतिवर्ष सितम्बर महीने में मेला लगता है। मेले में आने वाले श्रद्धालु वट वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				मेजा खास, रेंज मेजा	699.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				संगम क्षेत्र, रेंज प्रयाग	700.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	पौराणिक कथाओं के अनुसार यह वृक्ष सृष्टि और प्रलय का साक्षी है। संगम क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अक्षय वट श्रद्धा व पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र है।
				चन्द्रशेखर आजाद पार्क, रेंज प्रयाग	701.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	अमर क्रान्तिकारी चन्द्रशेखर आजाद के नाम से विख्यात इस पार्क में अवस्थित वृक्ष पर्यटकों के लिए श्रद्धा व आकर्षण का केन्द्र है।
				चन्द्रशेखर आजाद पार्क, रेंज प्रयाग	702.	पारिजात	*Adansonia digitata*	400 वर्ष	वृक्ष को समस्त कामनाओं की पूर्ति करने वाला पारिजात मानते हुए ग्रामवासी व स्थानीय निवासी वृक्ष की पूजा करते हैं।
				उल्टा किला झँसी प्रयागराज, रेंज फँलपुर	703.	पारिजात	*Adansonia digitata*	700 वर्ष	
				सदाफल आश्रम, झँसी प्रयागराज, रेंज फँलपुर	704.	बरगद	*Ficus benghalensis*	180 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				चन्द्रशेखर आजाद पार्क, रेंज प्रयाग	705.	नीम	*Azadirachta indica*	150 वर्ष	यह वृक्ष औशधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब अत्यन्त उपयोगी हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				चन्द्रशेखर आजाद पार्क, रेंज प्रयाग	706.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				दयालापुर, रेंज प्रतापपुर	707.	पीपल	*Ficus religiosa*	106 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				नेहरू पार्क मार्ग प्रयागराज, रेंज प्रयाग	708.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष	
				कुनौरा, रेंज प्रतापपुर	709.	पाकड़	*Ficus virens*	115 वर्ष	इस पाकड़ वृक्ष की स्थानीय निवासियों द्वारा देखरेख की जा रही है।
				बड़ोखर बाजार नउआन टोला, रेंज कोरांव	710.	पाकड़	*Ficus virens*	120 वर्ष	
				बड़ोखर, रेंज कोरांव	711.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				कलिकान मन्दिर बड़ोखर, रेंज कोरांव	712.	नीम	*Azadirachta indica*	105 वर्ष	यह वृक्ष औशधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब कुछ अत्यन्त उपयोगी होते हैं।
				लाक्षागृह, रेंज हण्डिया	713.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				पड़िला महादेव बैजँ बाबा, रेंज सोरांव	714.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				रामचौरा घाट, रेंज सोरांव	715.	शीशम	*Dalbergia sissoo*	200 वर्ष	श्रद्धालुओं द्वारा इस शीशम वृक्ष को पवित्र व मन्दिर का अंग मानते हुए परिक्रमा की जाती है।
				श्रृंगबेरपुर, रेंज सोरांव	716.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	हिन्दू धर्म में इन वृक्षों का महत्व, पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की पूजा व सुरक्षा करते हैं।
				बजहाँ मिश्रान, रेंज हण्डिया	717.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				आकाशवाणी केन्द्र, रेंज प्रयाग	718.	बरगद	*Ficus benghalensis*	101 वर्ष	
				देवघाट, कोरांव रेंज	719.	पीपल	*Ficus religiosa*	116 वर्ष	
				कपुरी बढइया, सिरियारी, कोरांव रेंज	720.	पीपल	*Ficus religiosa*	111 वर्ष	
				बीबीपुर उग्रसेनपुर, रेंज प्रतापपुर	721.	नीम	*Azardirchta Indica*	120 वर्ष	यह वृक्ष औशधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब कुछ अत्यन्त उपयोगी होते हैं।
				अशोक मार्ग हाईकोर्ट गेट नं0 2 के सामने, रेंज प्रयाग	722.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष	जैवविविधता संरक्षण में पाकड़ की भूमिका व हरिशंकरी वाटिका में शामिल होने से ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				अशोक मार्ग, रेंज प्रयाग	723.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	भगवान बुद्ध को पीपल

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				उग्रसेनपुर रेलवे स्टेशन, रेंज प्रतापपुर	724.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बोधि की प्राप्ति होने एवं हिन्दू धर्मावलम्बियों द्वारा पवित्र वृक्ष मानने एवं जैवविविधता संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण वृक्ष के संरक्षण व संवर्धन में स्थानीय निवासियों का स्वतः स्फूँर्त योगदान प्राप्त होता है।
				उग्रसेनपुर रेलवे स्टेशन, रेंज प्रतापपुर	725.	महुआ	*Madhuca longifolia*	105 वर्ष	रेवती नक्षत्र एवं मीन राशि के वृक्ष की मान्यता एवं बहुआयामी उपयोगिता के कारण महुआ वृक्ष को गरीब का भोजन नाम की उपमा दी गई है।
				उग्रसेनपुर रेलवे स्टेशन, रेंज प्रतापपुर	726.	नीम	*Azadirachta indica*	125 वर्ष	उ0 भाद्रपद एवं मीन राशि का वृक्ष होने से इस नक्षत्र व राशि में जन्म लेने वाले व्यक्तियों की मान्यता है कि वृक्ष की देखरेख से कल्याण होता है।
				उग्रसेनपुर रेलवे स्टेशन के पीछे, रेंज प्रतापपुर	727.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				कालिकन धाम बड़ोखर, रेंज कोरांव	728.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	
				पसना, रेंज कोरांव	729.	पीपल	*Ficus religiosa*	109 वर्ष	स्थानीय निवासी इस पीपल वृक्ष पर पिण्ड दान करते हैं।
				पसना, रेंज कोरांव	730.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	मान्यता के अनुसार आदि शक्ति माँ द्वारा चबूतरे पर सत्य, असत्य का निर्णय किया जाता है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				राजीव गांधी मार्ग केन्दीय विद्यालय, रेंज प्रयाग	731.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				नेहरू पार्क मार्ग प्रयागराज, रेंज प्रयाग	732.	बरगद	*Ficus benghalensis*	101 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				नेहरू पार्क मार्ग प्रयागराज, रेंज प्रयाग	733.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	हनुमान जी के प्राचीन मन्दिर में आने वाले भक्तगण बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं
				राजीव गांधी मार्ग विचित्र विहार, रेंज प्रयाग	734.	पीपल	*Ficus religiosa*	101 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				द्रोपती घाट, रेंज प्रयाग	735.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी बरगद वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				आकाशवाणी केन्द्र, रेंज प्रयाग	736.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				अशोक मार्ग दँर संचार केन्द्र, रेंज प्रयाग	737.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
				आकाशवाणी केन्द्र, रेंज प्रयाग	738.	बरगद	*Ficus benghalensis*	101 वर्ष	
				सी.डी.ए. पेन्शन आफिस, रेंज प्रयाग	739.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	
				सी.डी.ए. पेन्शन ट्रेनिंग सेन्टर, रेंज प्रयाग	740.	पाकड़	*Ficus virens*	105 वर्ष	इस पाकड़ वृक्ष की स्थानीय निवासियों एवं आने जाने वाले लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				इन्दिरा गाँधी चौराहा, रेंज प्रयाग	741.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	हिन्दू धर्म में इन वृक्षों की मान्यता, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				थार्न हिल रोड इन्दिरा गांधी चौराहा, रेंज प्रयाग	742.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				कुन्दनपुर, रेंज प्रतापपुर	743.	पीपल	*Ficus religiosa*	160 वर्ष	
				कुन्दनपुर, रेंज प्रतापपुर	744.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	
				कुन्दनपुर, रेंज प्रतापपुर	745.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				जानकीनगर पुलिस चौकी के पास, रेंज प्रतापपुर	746.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				कुनौरा, रेंज प्रतापपुर	747.	पीपल	*Ficus religiosa*	160 वर्ष	
				शिव इण्टरमीडिएट कालेज प्रतापपुर, रेंज प्रतापपुर	748.	बरगद	*Ficus benghalensis*	160 वर्ष	
				शिव इण्टरमीडिएट कालेज प्रतापपुर, रेंज प्रतापपुर	749.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
				शिव इण्टरमीडिएट कालेज प्रतापपुर, रेंज प्रतापपुर	750.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
17	**सहारनपुर**	69	**मुजफ्फरनगर**	जमालपुर बांगर, रेंज जानसठ	751.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष	पाकड़ एक जल धारा वृक्ष है। यह भारत वर्ष में बहुतायत से पाया जाने वाला छायादार पेड़ है। इसके फल खाद्य प्रदार्थ के रूप में प्रयोग किये जाते है। बहुतायत से पाये जाने वाला एक हरा भरा छायादार वृक्ष व धार्मिक मान्यताओं से जुडे होने के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष पर अपनत्व की भावना रखते हुए सुरक्षा करते है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				कैथोडा गाँव के मध्य, रेंज जानसठ	752.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	बरगद का वृक्ष एक दीर्घजीवी विशाल वृक्ष है। हिन्दू परम्परा में इसे पूज्य माना जाता है, अलग–अलग देवों से अलग–अलग वृक्ष उत्पन्न हुए, उस समय यक्षों के राजा मणिभद्र से वटवृक्ष उत्पन्न हुआ, ऐसा मानते है इसके पूजन से ओर इसकी जड़ में जल देने से पुण्य प्राप्ति होती है। अकाल में भी यह वृक्ष हरा भरा रहता है। अतः इस समय पशुओं को इसके पत्ते और लोगों को इसके फल पर निर्वाह करना सरल होता है।
				मुकल्लमपुरा ग्राम के मध्य, रेंज जानसठ	753.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष	यह छायादार पेड़ है। इसके फल खाद्य प्रदार्थ के रूप में प्रयोग किये जाते है। बहुतायत से पाये जाने वाला एक हरा भरा छायादार वृक्ष व धार्मिक मान्यताओं से जुडे होने के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष पर अपनत्व की भावना रखते हुए सुरक्षा करते है।
				ग्राम खरपौड़ सड़क के पास, रेंज मोरना	754.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	पद्म पुराण के अनुसार पीपल के वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माना जाता है। पीपल के वृक्ष की दैवीय पेड़ के रूप में मान्यता है और सभी विधि विधानों के अनुसार इसकी पूजा की जाती है। धार्मिक,

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									औषधीय एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष के प्रति सद्भावना रखते हैं।
				खिचडी वाला बाबा (शुक्रताल), रेंज मोरना	755.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	बरगद का वृक्ष एक दीर्घजीवी विशाल वृक्ष है। हिन्दू परम्परा में इसे पूज्य माना जाता है, अलग–अलग देवों से अलग–अलग वृक्ष उत्पन्न हुए, उस समय यक्षों के राजा मणिभद्र से वटवृक्ष उत्पन्न हुआ, ऐसा मानते है इसके पूजन से और इसकी जड़ में जल देने से पुण्य प्राप्ति होती है। अकाल में भी यह वृक्ष हरा भरा रहता है। अतः इस समय पशुओं को इसके पत्ते और लोगों को इसके फल पर निर्वाह करना सरल होता है।
				नीलकण्ठ मन्दिर फिरोजपुर, रेंज मोरना	756.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				ग्राम जौला में मस्जिद के पास, रेंज बुढ़ाना	757.	बरगद	*Ficus benghalensis*	130 वर्ष	
				कोढी आश्रम रूड़की रोड मुजफ्फर नगर, रेंज मुजफ्फरनगर	758.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	
				कलेक्ट्रेट प्रांगण मुजफ्फरनगर, रेंज मुजफ्फरनगर	759.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				ग्राम बिलासपुर चौराहे के पास जौली रोड़ पर, रेंज मुजफ्फरनगर	760.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
		70	**सहारनपुर**	औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	761.	मैसूर बरगद	*Ficus mysorensis*	140 वर्ष	मूल रूप से कर्नाटक प्रदेश में मैसँर में पाया जाने वाला यह वृक्ष पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	762.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	पद्म पुराण के अनुसार पीपल के वृक्ष को भगवान विष्णु का रूप माना जाता है। पीपल के वृक्ष की दैवीय पेड़ के रूप में मान्यता है और सभी विधि विधानों के अनुसार इसकी पूजा की जाती है। वृक्ष धार्मिक, औषधीय एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष के प्रति सद्भावना रखते हैं।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	763.	नीम	*Azadirachta Indica*	100 वर्ष	नीम के समस्त अंगों का औषधीय उपयोग एवं जैवविविधता संरक्षण व संवर्धन की दृष्टि से महत्वपूर्ण यह वृक्ष सुरक्षित परिवेश में है।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	764.	महोगनी	*Sjietenia mahagoni*	135 वर्ष	औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र में अवस्थित विशाल वृक्ष आगंतुकों के लिए आकर्षण का केन्द्र है।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	765.	अर्जुन	*Terminalia arjuna*	100 वर्ष	स्वाती नक्षत्र व तुला राशि का वृक्ष होने की मान्यता, औषधीय गुणों से युक्त होने व धन्वन्तरि वाटिका में शामिल होने एवं वाल्मीकि रामायण में अर्जुन का उल्लेख होने के कारण परिसर में आने वाले व्यक्तियों के लिए आकर्षण का केन्द्र है।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	766.	साल	*Shorea robusta*	110 वर्ष	मँला नक्षत्र एवं धनु व वृश्चिक राशि का वृक्ष होने के कारण मान्यता है कि इस नक्षत्र व राशि में जन्म लेने वाले व्यक्तियों व इन वृक्षों की देख रेख व

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									सुरक्षा से लाभा होता है। बुद्ध के जन्म से जुड़े व तीर्थंकर महावीर केवली वृक्ष होने के कारण बौद्ध व जैन मतावलम्बी वृक्ष का पवित्र मानते हैं।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	767.	जामुन	*Syzygium cumini*	100 वर्ष	जामुन प्रजाति तीर्थंकर विमलनाथ का केवली वृक्ष, बुद्ध की प्रथम समाधि का छाया वृक्ष, रोहिणी नक्षत्र व वृषभ राशि का वृक्ष होने एवं मधुमेह की श्रेष्ठतम औषधि होने के कारण जन समुदाय वृक्ष की सुरक्षा करता है।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	768.	महुआ	*Madhuca longifolia*	100 वर्ष	रेवती नक्षत्र व मीन राशि का वृक्ष होने की मान्यता एवं गरीबों में उपयोगिता के दृष्टिगत 'गरीब का भोजन' नाम की उपमा से विभूषित वृक्ष बहु उपयोगिता के कारण यह वृक्ष परिसर में आकर्षण का केन्द्र है।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	769.	इमली	*Tamarindus indica*	115 वर्ष	असाधारण छायादार वृक्ष, फल व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण व पत्तियाँ अच्छा चारा होने के कारण समाज में इमली वृक्ष को सुरक्षित रखने की परम्परा है।
				औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र सहारनपुर, रेंज सहारनपुर	770.	पाकड़	*Ficus virens*	150 वर्ष	असाधारण छायादार वृक्ष वन्य प्राणियों को भोजन व आश्रय उपलब्ध करवाने वाला यह वृक्ष परिसर में सुरक्षित है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
		71	**शामली**	ग्राम पंचायत जलालाबाद में सहारनपुर मेन रोड़ पर विधुत ट्रांसफार्मर के पास, रेंज ऊन	771.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				गन्ना सोसायटी भामली, रेंज ऊन	772.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष	असाधारण छायादार वृक्ष वन्य प्राणियों को भोजन व आश्रय उपलब्ध करवाने वाला यह वृक्ष परिसर में सुरक्षित है।
18	**वाराणसी**	72	**चंदौली**	कब्रिस्तान, ग्राम पंचायत गोगरहां, रेंज राजपथ	773.	पाकड	*Ficus virens*	160 वर्ष	इस पाकड़ वृक्ष की स्थानीय निवासियों एवं आने जाने वाले लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				हनुमानजी मन्दिर, ग्राम पंचायत सिकन्दपुरं, रेंज राजपथ	774.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				शिव मन्दिर, ग्राम पंचायत कटवा माफीं, रेंज राजपथ	775.	पीपल	*Ficus Religiosa*	300वर्ष	
				रामशाला हनुमान मन्दिर, ग्राम पंचायत खोजपुर, रेंज चकिया	776.	पीपल	*Ficus Religiosa*	155 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				काली जी मन्दिर, रेंज चकिया	777.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				शंकर जी का मन्दिर, ग्राम पंचायत धानापुर, रेंज चहनियां	778.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				दैत्राबीर बाबा, ग्राम पंचायत अजगरा, रेंज चहनियां	779.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू, बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				दैत्राबीर बाबा मन्दिर, ग्राम पंचायत उताड़ी, रेंज चहनियां	780.	पीपल	*Ficus religiosa*	160 वर्ष	
				बाबा कीनाराम की तपोस्थली, ग्राम पंचायत रामगढ़, रेंज चहनियां	781.	बरगद	*Ficus benghalensis*	300 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				बाबा कीनाराम अघोरपीट मठ रामगढ़, ग्राम पंचायत रामगढ़, रेंज चहनियां	782.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	
				कैलाशपुरी हनुमान मन्दिर, ग्राम पंचायत हिंतुरगढ़, रेंज चहनियां	783. 784. 785.	बरगद पीपल पाकड़	*Ficus benghalensis* *Ficus religiosa* *Ficus virens*	110 वर्ष	हनुमान मन्दिर परिसर में आने वाले भक्त परिसर में अवस्थित इन वृक्षों को देवस्वरूप मानते हुए भी पूजा करते है।
				काजीपुर काली मन्दिर, ग्राम पंचायत काजीपुर, रेंज चन्दौली	786. 787.	पीपल व नीम	*Ficus religiosa* & *Azadirachta indica*	150 वर्ष	धार्मिक आस्था, श्रद्धा व उपयोगिता के कारण स्थानीय निवासी इन वृक्षों की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				शिव मन्दिर लेडुआपुर, रेंज मुगलसराय	788.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				हनुमान मन्दिर, ग्राम पंचायत व्यासपुर, रेंज मुगलसराय	789.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				डीह बाबा मन्दिर, ग्राम पंचायत कुण्डा खुर्द, रेंज मुगलसराय	790.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
		73	**गाजीपुर**	ग्राम–कैथी, पोस्ट–गोड़सरा, तहसील–सेवराई, जनपद–गाजीपुर,	791.	इमली	*Tamarindus indica*	250 वर्ष से अधिक	सार्वजनिक भूमि पर अवस्थित यह इमली वृक्ष की देखरेख व सुरक्षा स्थानीय निवासियों द्वारा की जा रही है।
				ग्राम–मदनपुर (प्रतापपुर), पोस्ट–करण्डा, तहसील व जनपद–गाजीपुर।	792.	पीपल	*Ficus religiosa*	250 वर्ष से अधिक	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम व पोस्ट–ढेलवा, विकास खण्ड–करण्डा, तहसील व जनपद–गाजीपुर।	793.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–मदारीपुर शीतला माता मंदिर का धाम (गांधी नगर वार्ड नं0–11) पोस्ट–सैदपुर, तहसील–सैदपुर, गाजीपुर।	794.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				काली माता मंदिर, पुराना बस स्टैण्ड, गंगा नगर, वार्ड नं0–13, सैदपुर।	795.	नीम	*Azadirachta indica*	200 वर्ष से अधिक	यह वृक्ष औशधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब कुछ अत्यन्त उपयोगी होते हैं।
				अहिरौली ब्रम्ह मंदिर, रेंज मुहम्मदाबाद	796.	बरगद	*Ficus benghalensis*	220 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				शेरपुर रोड, जियनदासपुर, रेंज मुहम्मदाबाद	797.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष से अधिक	घनी व शीतल छाया, विभिन्न वन्य प्राणियों को भोजन व आश्रय उपलब्ध करवाने तथा धार्मिक मान्यता के कारण स्थानीय ग्रामवासी वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख कर रहे है।
				कुण्डेसर–शेरपुर रोड, डीह बाबा मंदिर के पास, रेंज मुहम्मदाबाद	798.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष से अधिक	ग्रामवासी परम्परागत रूप से पीपल वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बैजलपुर, रेंज मुहम्मदाबाद	799.	पाकड़	*Ficus virens*	110 वर्ष से अधिक	पर्यावरण व जैवविविधता संरक्षण एवं जन भावना से जुड़ाव के कारण ग्रामवासी वृक्ष का संरक्षण कर रहे हैं।
				सुलेमापुर–देवकली (महाहर धाम), रेंज मरहद	800.	पीपल	*Ficus religiosa*	350 वर्ष से अधिक	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम व पोस्ट–पदुमपुर रामराय खटिया बाबा मंदिर, रेंज मरहद	801.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	
				ग्राम व पोस्ट–हरिदासपुर प्रासोडीह बाबा स्थान, रेंज जखनियाँ	802.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष से अधिक	
				गोहदा माँ काली स्थान नीम, रेंज जमानियाँ	803.	नीम	*Azadirachta indica*	लगभग 100 वर्ष	यह वृक्ष औशधीय गुणों से भरपूर होने के साथ–साथ धार्मिक महत्व के लिए भी जाना जाता है। इसकी पत्तियों से लेकर इसके बीज तक सब कुछ अत्यन्त उपयोगी होते हैं।
				मेदनीपुर झारखण्डे बाबा स्थान, रेंज जमानियाँ	804.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				असांव ब्रम्ह बाबा स्थान, रेंज जमानियाँ	805.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	
				ताड़ीघाट महादेव स्थान, रेंज जमानियाँ	806.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	
				गहमर मेन रोड पचवीर बाबा, रेंज जमानियाँ	807.	पीपल	*Ficus religiosa*	लगभग 100 वर्ष	
				चकेरी उपरवार चकेरी धाम, रेंज नन्दगंज	808.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				चकेरी उपरवार चकेरी धाम, रेंज नन्दगंज	809.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष से अधिक	हिन्दू धर्म में बरगद को शंकर का स्वरूप मानने, वट सावित्री व्रत में महिलाओं द्वारा वृक्ष की पूजा एवं पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय निवासी इस वृक्ष की सुरक्षा करते हैं।
				चकेरी उपरवार चकेरी धाम, रेंज नन्दगाँव	810.	बरगद	*Ficus benghalensis*	135 वर्ष से अधिक	
				जामापुर, रेंज वाराचवर	811.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				हब्बीपुर, रेंज वाराचवर	812.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	
				बेद बिहारी पोखरा (खजुहा), रेंज वाराचवर	813.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	
				सलेमपुर लखमी, रेंज वाराचवर	814.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	
				पैकवली, रेंज वाराचवर	815.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				सलेमपुर लखमी, रेंज वाराचवर	816.	पीपल	*Ficus religiosa*	104 वर्ष	
				गोराबाजार, रेंज गाजीपुर	817.	बरगद	*Ficus benghalensis*	102 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्षों की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				सदर हास्पिटल के पास मजार, रेंज गाजीपुर	818.	बरगद	*Ficus benghalensis*	102 वर्ष	
				बँढेनाथ महादेव मंदिर सैदपुर, रेंज सैदपुर	819.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	मान्यता है कि इस प्राचीन पीपल वृक्ष की पूजा करने से लोगो की मानोकामना पूरी हो जाती है।
				पक्काघाट–सैदपुर , रेंज सैदपुर	820.	पाकड़	*Ficus virens*	लगभग 240 वर्ष	इस पाकड़ वृक्ष की स्थानीय निवासियों एवं आने जाने वाले लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				रंग महल, सैदपुर, रेंज सैदपुर	821.	पीपल व बरगद	*Ficus religiosa & Ficus benghalensis*	120 वर्ष	पर्यावरण संतुलन, जैवविविधता संरक्षण व धार्मिक आस्था के कारण स्थानीय समुदाय वृक्ष की सुरक्षा व देखरेख कर रहे हैं।
					822.				
				नगवा शिव मंदिर, रेंज सैदपुर	823.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	मान्यता है कि इस प्राचीन पीपल वृक्ष की पूजा करने से लोगो की मानोकामना पूरी हो जाती है।
				सम्मै माता मंदिर, सैदपुर, रेंज सैदपुर	824.	इमली	*Tamarindus indica*	100 वर्ष से अधिक	मन्दिर में अवस्थित इमली वृक्ष श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र है।
				झोटा बाबा मंदिर, सैदपुर, रेंज सैदपुर	825.	इमली	*Tamarindus indica*	105 वर्ष से अधिक	
		74	**जौनपुर**	दुर्गा देवी मन्दिर, रेंज मड़ियाहँ	826.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	दुर्गा देवी मन्दिर के सामने अवस्थित इस प्राचीन पीपल वृक्ष की भी पूजा की जाती है। धारणा है कि इस वृक्ष की पूजा करने से लोगो की मनोकामना पूरी हो जाती है।
				इमामपुर कर्वला, रेंज शाहगंज	827.	खिरनी	*Manilkara hexandra*	135 वर्ष	इमाम हुसैन की मजार पर अवस्थित है। स्थानीय ताजिया का जुलँस मेला लगता है। प्रत्येक गुरूवार को लोग मजार में दर्शन करने के लिये आते है।
				दियावा महादेव परिसर, रेंज बरसठी	828.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	धार्मिक स्थल पर प्रत्येक सोमवार को मेला लगता है एवं हवन व पूजा पाठ किया जाता है। दियावा महादेव परिसर में शादी विवाह भी सम्पन्न होता है। वृक्ष की सदियों से पूजा की जाती है।
				सोभनाथ मन्दिर, रेंज मछलीशहर	829.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	मन्दिर में पूजा करने वाले श्रद्धालु प्राचीन पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ब्रम्ह स्थान, रेंज मछलीशहर	830.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	ब्रह्म स्थान के साथ ही श्रद्धालु बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				हनुमान जी का मन्दिर, रेंज मछलीशहर	831.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	मन्दिर में पूजा करने वाले श्रद्धालु प्राचीन पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				नरईवीर मन्दिर, रेंज जलालपुर	832.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				असवरन मन्दिर, रेंज जलालपुर	833.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	
				गोण्डा खास शिव मन्दिर, रेंज जलालपुर	834.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	मन्दिर परिसर में शिव व हनुमान की पूजा करने आने वाले भक्त इस प्राचीन बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				ऊदपुर सई नदी के किनारे गोमती संगम, रेंज जलालपुर	835.	बरगद	*Ficus benghalensis*	112 वर्ष	संगम में पूजा करने वाले व साईं भक्त गोमती नदी के संगम के पास अवस्थित इस प्राचीन बरगद व पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				गठियानाला जफराबाद, रेंज जलालपुर	836.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	जय जोगीर बाबा का मन्दिर है। नव विवाहित पाँच पीढ़ी पुराने पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				डीह बाबा बारीगाव नेवादा, रेंज मड़ियाहँ	837.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	ग्रामीणों द्वारा वृक्ष की पूजा की जाती है। सावन माह में पूर्णिमा के दिन मेला लगता है।
				पताल नाथ मन्दिर विपुर, रेंज मड़ियाहँ	838.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	पाताल नाथ के मन्दिर में अवस्थित इस पीपल वृक्ष की भी पूजा ग्रामीणों द्वारा किया जाता है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				महावीर धाम अजोसी, रेंज मड़ियाहँ	839.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	हनुमान मन्दिर में हर मंगलवार व शनिवार यहाँ पर मेला लगता है। ग्रामीणों द्वारा मन्दिर के मध्य स्थित इस वृक्ष पूजा की जाती है।
				सँरजघाट, रेंज जौनपुर	840.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	इन वृक्षों की देवस्वरूप की मान्यता होने एवं जैवविविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के कारण ग्रामवासी इन वृक्षों की पूजा करते हैं।
				सँरजघाट, रेंज जौनपुर	841.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	
				बटाऊवीर, रेंज बदलापुर	842.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	बताऊबीर के चौराहे पर स्थित इस वृक्ष के नाम से बताऊबीर चौराहे का नामकरण किया गया है।
				नालदेव व कुलदेव, रेंज केराकट	843.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	नाल देव व कुल देव दोनो ऋषियों के नाम से प्रसिद्ध इस स्थल पर अवस्थित वृक्ष की पूजा होती है।
				चण्डी माँ, रेंज केराकट	844.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	100 वर्ष पूर्व बाबा राम चरण दास ने बचपन में सन्यास ग्रहण किया तथा माँ चंडी मन्दिर का निर्माण कर इसी स्थान पर समाधि ले ली थी। ग्रामीणों द्वारा मन्दिर व वृक्ष की की जाती है।
				चण्डी माँ, रेंज केराकट	845.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	मन्दिर में आने वाले व्यक्ति इन वृक्षों की भी पूजा करते हैं।
				रामजानकी मन्दिर, रेंज मछलीशहर	846.	बरगद	*Ficus benghalensis*	115 वर्ष	
				गौरी शंकर धाम, रेंज सुजानगंज	847.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	
				चांदपुर रेंज सुजानगंज	848.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	ग्रामीणों के अनुसार बाबा द्वारा वृक्ष लगाए जाने के कारण स्थानीय निवासियों की वृक्ष पर आस्था है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				बाहम बाबा पहलवान धाम घड़ी बाबा (रामपुर निस्फी विुनपुर), रेंज मड़ियाहँ	849.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	कार्य सिद्ध व मनौती पूर्ण होने पर श्रद्धालुओद्वारा दीवाल घडी चढाई जाती है।
		75	**वाराणसी**	सारनाथ, वाराणसी	850.	पीपल	*Ficus religiosa*	88 वर्ष	ऐतिहासिक बोधि वृक्ष का इतिहास भगवान बुद्ध के सारनाथ में प्रथम उपदेश से जुड़ा है। इस स्थान पर बैठकर बुद्ध ने प्रथम पांच शिष्यों को उपदेश दिया था, श्रीलंका के अनुराधपुर में लगे बोधिवृक्ष की एक शाखा को महाबोधि सोसायटी ऑफ इंडिया के तत्कालीन संस्थापक अनागारिक धर्मपाल ने 12 नवंबर 1931 को मंदिर परिसर में लगाया था। जो अब विशाल वृक्ष का रूप ले चुका है। यहां आने वाले बौद्ध बोधिवृक्ष की परिक्रमा व पूजा अवश्य करते हैं।
				छावनी परिषद, नगर निगम, वाराणसी, विकासखण्ड–काशीविद्यापीठ,	851.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	श्रद्धालु शक्ति मन्दिर के समीप स्थित पीपल के इस वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				छावनी परिषद, नगर निगम, वाराणसी, विकासखण्ड–काशीविद्यापीठ,	852.	नीम	*Azadirachta indica*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित शक्ति माता मन्दिर में पूजा करने वाले श्रद्धालु नीम वृक्ष पर भी आस्था रखते हैं।
				छावनी परिषद, नगर निगम, वाराणसी, विकासखण्ड–काशीविद्यापीठ,	853.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	भीष्मचंडी व हनुमान मन्दिर में पूजन करने वाले श्रद्धालु इस प्राचीन बरगद वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				जिलाधिकारी आवास, वाराणसी	854.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	जिलाधिकारी आवास परिसर स्थित यह

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				जिलाधिकारी आवास, वाराणसी	855.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	पीपल वृक्ष प्रतिकॅल कारकों से सुरक्षित है।
				छावनी परिषद, विद्युत विभाग मिलेट्री पावर हाउस, वाराणसी	856.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष काफी पुराना है, स्थानीय लोगों द्वारा वृक्ष की पूजा की जाती है।
				कैण्ट थाना परिसर, वाराणसी	857.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	थाना कैण्ट के परिसर के अन्दर स्थित वृक्ष के समीप कृष्ण मन्दिर में श्रद्धालुओं द्वारा मन्दिर के साथ ही वृक्ष की भी पूजा की जाती है।
				सदर बाजार छावनी परिषद, वाराणसी	858.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष काफी पुराना है, स्थानीय लोगों द्वारा पूजा की जाती है।
				छावनी परिषद, भारतीय डाकघर कैण्ट के ठीक सामने, वाराणसी	859.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप हनुमान जी का मन्दिर है, जिसमें पूजा पाठ के साथ श्रद्धालु वृक्ष पर पर आस्था व श्रद्धा रखते हैं।
				सिगरा थाना के ठीक सामने, वाराणसी	860.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित हनुमान मन्दिर में स्थानीय व्यक्तियों द्वारा पूजा की जाती है।
				औरंगाबाद नीभा माई मन्दिर, वाराणसी	861.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित नीभा माई के मन्दिर में पूजन करने वाले श्रद्धालु वृक्ष पर भी आस्था रखते हैं।
				सँजाबाद अवलेश्वर घाट, वाराणसी	862.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	अवलेश्वर घाट पर स्थित इस प्राचीन बरगद की श्रद्धालुओं व स्थानीय निवासियों द्वारा पूजा की जाती है।
				ग्राम–नरोत्तमपुर कलां डिह बाबा, विकासखण्ड–काशीविद्यापीठ, वाराणसी	863.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	ग्राम नरोत्तमपुर में अवस्थित यह वृक्ष काफी पुराना है, यहां पर बरही डीह बाबा का मन्दिर स्थित है, जो लोगों के धार्मिक भावना व आस्था का केन्द्र है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				मँड़ादेव गंगा किनारे सिंचाई विभाग ट्यँबवेल के पास, विकासखण्ड– काशी विद्यापीठ, , वाराणसी	864.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	हिन्दू धर्म में पीपल को विष्णु का स्वरूप मानने, औषधीय गुणों व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष की सुरक्षा व पूजा करते हैं।
				छितौनी कोट, पंचायत भवन विकासखण्ड– काशीविद्यापीठ, वाराणसी	865.	पीपल	*Ficus religiosa*	140 वर्ष	
				चौखण्डी, जंसा मार्ग, विकासखण्ड– अराजीलाइन, वाराणसी	866.	पाकड़	*Ficus virens*	115 वर्ष	यह वृक्ष काफी पुराना है, बरम बाबा स्थान पर अवस्थित इस पाकड़ वृक्ष की स्थानीय निवासियों एवं आने जाने वाले व्यक्तियों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				ग्राम–लक्षीपुर, प्राथमिक विद्यालय, विकासखण्ड– सेवापुरी, वाराणसी	867.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	प्राथमिक विद्यालय में स्थित इस वृक्ष की छाया में गर्मियों में बच्चे पढ़ते है।
				ग्राम–पेडुका, विकासखण्ड– सेवापुरी, वाराणसी	868.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	ग्राम पेडुका में पीपल का वृक्ष स्थित है, यहां पर ठठरा बाबा का स्थान है, जहां पर स्थानीय लोगों द्वारा पूजा पाठ भी किया जाता है।
				ग्राम–हाथी विकासखण्ड– सेवापुरी, वाराणसी	869.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	यह वृक्ष काफी पुराना है, यहां पर बजरंग बली जी का प्रसिद्ध मन्दिर है, जहां पर स्थानीय लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				ग्राम–रामपुर, विकासखण्ड– सेवापुरी, वाराणसी	870.	बरगद	*Ficus benghalensis*	110 वर्ष	यहाँ पर अवस्थित शिव मन्दिर में आने वाले श्रद्धालु बरगद वृक्ष की भी पूजा करत हैं।
				ग्राम–रामपुर, विकासखण्ड– सेवापुरी, वाराणसी	871.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	स्थानीय निवासी पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–भिटकुरी, विकासखण्ड–सेवापुरी, वाराणसी	872.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	स्थानीय व्यक्तियों की शिव मन्दिर में अवस्थित पीपल वृक्ष पर आस्था व विश्वास है।
				पोखरा, चौकाघाट, तेलियाबाग, वाराणसी	873.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	पर्यावरण संरक्षण व धार्मिक आस्था के कारण स्थानीय निवासी वृक्ष को सुरक्षित रखने में योगदान देते हैं।
				लक्ष्मीकुंड के पास, वाराणसी	874.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	धार्मिक आस्था का केन्द्र लक्ष्मी कुण्ड के समीप अवस्थित होने के कारण यह वृक्ष जन आस्था से जुड़ा हुआ है।
				लक्ष्मीकुंड, वाराणसी	875.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				दशाश्वमेघ घाट, चितरंजन पार्क, वाराणसी	876.	बरगद	*Ficus benghalensis*	250 वर्ष	गंगा नदी के पास होने से जन आस्था से जुड़ा है।
				रविन्द्रपुर कालोनी, साधुविला बेदानी डमरूवाला बाबा, वाराणसी	877.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	सिद्धेश्वर महादेव मन्दिर होने के कारण आस्था से जुड़ा है।
				अस्सीघाट, वाराणसी	878.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	पीपल वृक्ष अस्सी घाट पर अवस्थित होने के कारण जन आस्था से जुड़ा है।
				बाबा कीनाराम आश्रम रविन्द्रपुरी कालोनी वाराणसी	879.	इमली	*Tamarindus indica*	500 वर्ष	इमली के इस अत्यन्त पुराने वृक्ष के साथ स्थानीय लोगों की भावना से जुडी होने के कारण वृक्ष के संरक्षण में सहयोग दिया जा रहा है।
				कनियर, बड़ागांव, पिण्डरा, वाराणसी	880.	पीपल	*Ficus religiosa*	150 वर्ष	जित्तिया मांयी मन्दिर में स्थित पीपल का वृक्ष लोगों की आस्था का केन्द्र है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–बाबतपुर, विकास खण्ड –पिण्डरा, वाराणसी	881.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	चन्द्रिका माता मन्दिर के सामने रोड के किनारे बरगद वृक्ष मन्दिर की आस्था से जुड़ा हुआ है।
				ग्राम–थाने, विकास खण्ड – पिण्डरा, वाराणसी	882.	बरगद	*Ficus benghalensis*	150 वर्ष	हरहरा स्वामी मन्दिर परिसर में अवस्थित बरगद वृक्ष लोगों के धार्मिक भावना से जुड़ा है।
				ग्राम–जमापुर, विकास खण्ड – पिण्डरा, वाराणसी	883.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	पिण्डरा तहसील के कैम्पस में मौनी बाबा मन्दिर के पास प्राचीन बरगद का वृक्ष आस्था का केन्द्र है।
				ग्राम–भटपुरवा खुर्द, विकास खण्ड – पिण्डरा, वाराणसी	884.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	बरमबाबा मन्दिर में दिव्य बरगद का वृक्ष लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ है।
				ग्राम–गरथमा, विकास खण्ड – पिण्डरा, वाराणसी	885.	पाकड़	*Ficus virens*	100 वर्ष से अधिक	हनुमान मन्दिर के सामने स्थित वृक्ष श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है।
				ग्राम–महगांव, विकास खण्ड– पिण्डरा, वाराणसी	886.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	बरगद वृक्ष महगांव ग्राम में स्थित हनुमान मन्दिर के सामने सड़क के किनारे स्थानीय लोगों की आस्था का केन्द्र है।
				सिन्धौरा बाजार, विकास खण्ड– पिण्डरा, वाराणसी	887.	पाकड़	*Ficus virens*	120 वर्ष	पाकड़ वृक्ष के समीप रामलीला का वार्षिक आयोजन किया जाता है। यह वृक्ष स्थानीय लोगों के आस्था से जुड़ा हुआ है।
				ग्राम–गड़खड़ा, विकास खण्ड– पिण्डरा, वाराणसी	888.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	सड़क के किनारे शिव मन्दिर के साथ ही यह पीपल वृक्ष भी धार्मिक भावना से जुड़ा हुआ है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				कुआर बाजार, विकास खण्ड–बड़ागांव, वाराणसी	889.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	मन्दिर के समीप स्थित यह पीपल वृक्ष स्थानीय मान्यताओं से जुड़े होने के कारण स्थानीय समुदाय द्वारा संरक्षित किया जा रहा है।
				कुआर छावनी, विकास खण्ड –बड़ागांव, वाराणसी	890.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	श्रद्धालु हनुमान मन्दिर के पास स्थित इस पीपल वृक्ष पर भी आस्था रखते हैं।
				ग्राम–बड़ागांव, विकास खण्ड–बड़ागांव, वाराणसी	891.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	ग्राम बड़ागांव में ग्राम समाज के तालाब के किनारे स्थित पीपल वृक्ष ग्रामवासियों की धार्मिक भावना से जुड़ा है।
				ग्राम–बड़ागांव, वि0खं0–बड़ागांव, वाराणसी	892.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	बड़ागांव ग्राम में हनुमान मन्दिर के पीछे स्थित पीपल वृक्ष लोगों के धार्मिक भावनाओं से जुड़ा है।
				ग्राम–नेवादा, विकास खण्ड–बड़ागांव, वाराणसी	893.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	ग्राम नेवादा में जोगियाबीर बाबा के मन्दिर के परिसर में अवस्थित पीपल वृक्ष लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ है।
				ग्राम–खरियाखास, विकास खण्ड–बड़ागांव, वाराणसी	894.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष से अधिक	चौरा माता मन्दिर के समीप स्थित पीपल वृक्ष के चारों तरफ चबँतरा बना हुआ है। यह वृक्ष लोगों की धार्मिक भावना से जुड़ा हुआ है।
				ग्राम–कनियर, विकास खण्ड–बड़ागांव, वाराणसी	895. 896.	पीपल, नीम	*Ficus religiosa, Azadirachta indica*	105 वर्ष	ग्राम कनियर में चौरामाता मन्दिर के बाहर पीपल नीम जुड़ा हुआ एक ही तना में दोनो वृक्षों की शखाएं जुड़ी हुई है। ये वृक्ष आस्था का केन्द्र है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				स्टेट बैंक मुख्य शखा, परिसर (कचहरी), वाराणसी	897.	आम	*Mangifera indica*	110 वर्ष	विश्व प्रसिद्ध बनारसी लंगडा आम का मदर प्लांट है।
				ग्राम–गौराकला, चिरईगांव, वाराणसी	898.	पीपल	*Ficus religiosa*	200 वर्ष	डीह बाबा मन्दिर परिसर में स्थित इस पीपल वृक्ष पर आस्था व विश्वास रखते हुए ग्रामवासियों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही है।
				ग्राम–गोला, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	899.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित हनुमान मन्दिर में पूजा करने वाले श्रद्धालु इस वृक्ष पर भी आस्था रखते हैं।
				ग्राम–चोलापुर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी।	900.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	ग्राम गोला में नाद नदी के पास स्थित पीपल वृक्ष आस्था व श्रद्धा का केन्द्र है।
				ग्राम–कटारी, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	901.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप अवस्थित शिव मन्दिर में पूजा करने वाले ग्रामीण इन वृक्षों के धार्मिक महत्व के कारण इन वृक्षों की भी पूजा करते है।
				ग्राम–कटरी, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	902.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	शिव मन्दिर के समीप स्थित पीपल वृक्ष शिव पूजा करने वाले भक्तों की आस्था का केन्द्र है।
				ग्राम–खरदहा, तहसील–पिण्डरा, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	903.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित हनुमान मन्दिर में पूजा करने वाले व्यक्तियों द्वारा पीपल के इस प्राचीन वृक्ष पर भी श्रद्धा रखते हैं।
				ग्राम–खरदहा, तहसील–पिण्डरा, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	904.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	खरदहा में शिव मन्दिर के समीप स्थित इस मन्दिर में पूजा करने वाले व्यक्ति इस वृक्ष पर भी आस्था रखते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–परानापट्टी, तहसील–पिण्डरा, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	905.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित मरी माई के मन्दिर के भक्तों द्वारा इस पीपल वृक्ष पर भी आस्था व्यक्त की जाती है।
				ग्राम–नियारडीह, तहसील–पिण्डरा, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी।	906.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	वृक्ष के समीप स्थित ब्रहम बाबा का मन्दिर में श्रद्धालुओं द्वारा पीपल वृक्ष में विष्णु का वास मानते हुए इस वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–मोहनदासपुर तहसील–पिण्डरा, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	907.	नीम	*Azadirachta indica*	110 वर्ष	औषधीय गुणों, पर्यावरण संतुलन में भूमिका एवं वृक्षों के प्रति सद्भाव रखने के कारण स्थनीय निवासी वृक्ष का संरक्षण व देखरेख करते हैं।
				ग्राम–पीपरी तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	908.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	मन्दिर परिसर में अवस्थित इन वृक्षों पर आस्था होने के कारण श्रद्धालु इन वृक्षों की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–रजला, तहसील–पिण्डरा, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी।	909. 910.	पीपल+ बरगद	*Ficus religiosa+ Ficus benghalensis*	100 वर्ष	मन्दिर परिसर में अवस्थित इन वृक्षों पर आस्था होने के कारण श्रद्धालु इन वृक्षों की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–बर्थराखुर्द, प्राथमिक विद्यालय, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	911.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	मन्दिर परिसर में अवस्थित इन वृक्षों पर आस्था होने के कारण श्रद्धालु इन वृक्षों की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–वर्थरा खुर्द, मन्दिर परिसर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	912.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	
				ग्राम–धरहरा, मन्दिर परिसर, तहसील–सदर, विकासखण्ड–चोलापुर, वाराणसी।	913.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–उगापुर, मन्दिर परिसर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	914.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				ग्राम–कादीपुर कला, रेलवे भूमि, तहसील–सदर, विकासखण्ड–चोलापुर, वाराणसी।	915.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से इन वृक्षों की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम–गौरा उपरवार, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चोलापुर, वाराणसी	916.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष से अधिक	महादेव मन्दिर के समीप स्थित बरगद वृक्ष की स्थानीय निवासियों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				ग्राम–तरयां, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	917.	पीपल	*Ficus religiosa*	135 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				ग्राम–उमरहा, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	918.	पीपल	*Ficus religiosa*	138 वर्ष	
				ग्राम–जयरामपुर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	919.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	पीपल वृक्षों की विष्णु का स्वरूप होने की मान्यता एवं जैवविविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत स्थानीय समुदाय वृक्षों को संरक्षण प्रदान कर रहा है।
				ग्राम–लेढुपुर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	920.	पीपल	*Ficus religiosa*	125 वर्ष	
				ग्राम–नवापुर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	921.	पीपल	*Ficus religiosa*	115 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–सथवां, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	922.	पाकड़	*Ficus virens*	160 वर्ष	असाधारण छायादार वृक्ष एवं हरिशंकरी वाटिका का अंग होने तथा ग्रामवासियों की वृक्ष के प्रति जागरूकता व श्रद्धा के कारण वे इस पाकड़ वृक्ष की देखरेख करते हैं।
				पहड़िया–बलुआ मार्ग किमी0 1 से 2 के मध्य, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	923.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	यह वृक्ष काफी पुराना है, वृक्ष के पास महादेव शिवलिंग की स्थापना है, जिसमें लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				ग्राम–तिलमापुर, रंगीलदास पोखरा, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	924.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				दीनापुर–रघुनाथपुर मार्ग, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	925.	पीपल	*Ficus religiosa*	120 वर्ष	धार्मिक मान्यता के कारण हिन्दू बौद्ध व जैन धर्मावलम्बी पीपल वृक्ष को पवित्र मानते हुए सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				मुस्तफाबाद सोता पुल, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	926.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	
				ग्राम–चांदपुर, पंचवटी, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	927.	बरगद	*Ficus benghalensis*	200 वर्ष	बरगद का यह वृक्ष ग्राम चांदपुर में पंचवटी में स्थित है। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–जाल्हँपुर, कच्चा बाबा, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	928.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	ग्रामवासी परम्परागत रूप से बरगद वृक्ष की पूजा कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने तथा सांस्कृतिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होने के कारण वे वृक्ष की सुरक्षा व देख रेख करते हैं।
				ग्राम–सराय मोहाना, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	929.	पीपल	*Ficus religiosa*	103 वर्ष	
				कपिलधारा, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	930.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	ये वृक्ष आस्था व विश्वास का केन्द्र होने के कारण ग्रामवासी वृक्षों की सुरक्षा व देखरेख करते हैं।
				रसँलगढ़ रेलवे यार्ड, तहसील–सदर, विकास खण्ड–चिरईगांव, वाराणसी	931.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	यह पीपल वृक्ष ग्राम चमांव में प्राचीन हनुमान मन्दिर के पास स्थित है, जहां लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				ग्राम–चमांव, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	932.	पीपल	*Ficus religiosa*	105 वर्ष	
				ग्राम–चमांव, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	933.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	पीपल वृक्ष ग्राम चमांव प्राचीन हनुमान मन्दिर के समीप स्थित है, श्रृद्धालु पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–अहिरान, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	934.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	श्रद्धालु शिव मन्दिर के समीप इस पीपल वृक्ष पर आस्था व श्रद्धा रखते हैं।
				ग्राम–कोईरान, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	935.	बरगद	*Ficus benghalensis*	105 वर्ष	वृक्ष के पास चौरा देवी मन्दिर स्थित है, जिसमें पूजा पाठ हेतु प्रसिद्ध है।
				ग्राम–कुरौली, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	936.	पाकड़	*Ficus virens*	109 वर्ष	वृक्ष के पास डीह बाबा का मन्दिर स्थित है, जहां लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				ग्राम–देवनाथपुर बझियाबारी, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	937.	पीपल	*Ficus religiosa*	102 वर्ष	इस वृक्ष पर स्थानीय देवता का वास होने की मान्यता के फलस्वरूप स्थानीय निवासी वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–बेनीपुर, तहसील–सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	938.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	स्थानीय निवासी चौरा माता परिसर में अवस्थित पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				ग्राम–पुआरी खुर्द, तहसील– सदर, विकास खण्ड–हरहुआ, वाराणसी	939.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	शिव मन्दिर के समीप अवस्थित इस पीपल वृक्ष पर स्थानीय निवासी आस्था रखते हैं।
				हमरौटिया, नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	940.	नीम	*Azadirachta indica*	105 वर्ष	यह नीम वृक्ष काफी पुराना है, यहां पर शीतला माता मन्दिर भी हैं, जहां पर लोगों द्वारा पूजा पाठ किया जाता है।
				हमरौटिया, नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	941.	पीपल	*Ficus religiosa*	110 वर्ष	स्थानीय निवासी मन्दिर के समीप स्थित इस पीपल वृक्ष की भी पूजा करते हैं।
				हमरौटिया नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी।	942.	बरगद	*Ficus benghalensis*	120 वर्ष	मन्दिर परिसर व इसके समीप स्थित इन वृक्षों पर स्थानीय निवासी आस्था रखते हैं।
				हमरौटिया, अर्दली बाजार नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	943.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				खजुरी, मन्दिर परिसर, नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	944.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	

क्र० सं०	मण्डल	क्रम सं०	जनपद	स्थल	क्रम सं०	वृक्ष प्रजाति		वृक्ष की अनुमानित आयु	विरासत वृक्ष के रूप में चयन का मुख्य आधार
						स्थानीय नाम	वानस्पतिक नाम		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				हुकुलगंज, मन्दिर नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	945.	पीपल	*Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				बगवा नाला (प्राचीन मन्दिर) नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	946. 947.	पीपल व बरगद	*Ficus benghalensis* *Ficus religiosa*	100 वर्ष	
				सर्किट हाउस (मन्दिर) नगर निगम क्षेत्र, वाराणसी	948.	बरगद	*Ficus benghalensis*	100 वर्ष	सर्किट हाउस मन्दिर के पास यह वृक्ष ब्रिटिश काल में रोपित किया गया। अब यहां विभिन्न त्योंहारों पर पूजन कार्य होता है।

8/7/2021

(पवन कुमार शर्मा)
सचिव
उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड,
लखनऊ।

पत्रांक /तद्दिनांकित।

प्रतिलिपिः

1. प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन/अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, लखनऊ को सूचनार्थ एवं उचित कार्यवाही हेतु प्रेशित।
2. हेड ऑफ फारेस्ट फोर्स/प्रधान मुख्य वन संरक्षक, उत्तर प्रदेश लखनऊ को इस अनुरोध के साथ प्रेशित कि उक्त शासनादेश के अनुसार विरासत वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सम्बन्धित प्रभागीय वनाधिकारी/प्रभागीय निदेशक को यथोचित निर्देश प्रसारित करने का कष्ट करें।
3. समस्त मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि घोषित विरासत वृक्षों के संरक्षण व संवर्धन हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करने का कष्ट करें।

8/7/2021

(पवन कुमार शर्मा)
सचिव
उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड,
लखनऊ।

बी० प्रभाकर, भा०व०से०
सचिव

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार
(जैव विविधता अधिनियम, 2002, भारत सरकार, के अन्तर्गत गठित स्वायत्त संवैधानिक/नियामक संस्था)

पत्रांक 619/3–12 दिनांक 12.04.2022

कार्यालय आदेश

बोर्ड द्वारा स्वीकृत एवं वित्त पोषित बोर्ड द्वारा स्वीकृत एवं वित्त पोषित "Capacity building and Vultures mapping in Uttar Pradesh नामक परियोजना की वर्तमान प्रगति एवं परियोजना को मार्च, 2023 तक बिना किसी अतिरिक्त लागत के अवधि विस्तार (No Cost Extension) प्रदान करने के प्रस्ताव को निम्न निर्देश के साथ अनुमोदित किया गयाः–

''.....कि परियोजना को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने व गुणवत्ता बनाए रखने की समीक्षा करने हेतु सलाहकार, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की अध्यक्षता में समिति गठित की जाए। समिति में श्री ए०के० सिंह, गैर सरकारी सदस्य, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड को भी सदस्य के रूप में शामिल किया जाए।''

उक्त के क्रम में परियोजना को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने व गुणवत्ता बनाए रखने की समीक्षा करने हेतु सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की अध्यक्षता में निम्नानुसार समिति गठित की जाती हैः–

1	सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ	अध्यक्ष
2	डा० अतुल कुमार सिंह, गैर सरकारी सदस्य, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ	सदस्य
3	श्री आशुबोध कुमार पन्त, सलाहकार, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ	सदस्य
3	डा० सोमेश गुप्ता, तकनीकी अधिकारी, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ	सदस्य सचिव

समिति परियोजना को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने व गुणवत्ता बनाए रखने की समीक्षा कर अपनी संस्तुति प्रस्तुत करेगी।

(बी० प्रभाकर)

पत्रांक 619/3–12 /तद्दिनांकित।

प्रतिलिपिः समिति के समस्त सदस्यों को सूचनार्थ प्रेषित।

(बी० प्रभाकर)

पत्रांक 619/3–12 /तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि प्रोफेसर अमिता कनौजिया, जन्तु विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(बी० प्रभाकर)

उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड

(जैवविविधता अधिनियम, 2002, भारत सरकार, के अन्तर्गत गठित स्वायत्त, संवैधानिक/नियामक संस्था)
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार)

पत्रांकः 712/4–11–(33) दिनांकः 23 –03 –2021

कार्यालय आदेश

जैवविविधता अधिनियम, 2002 धारा 41(1) के अनुसार प्रत्येक स्थानीय निकाय संरक्षण के संवर्धन, पोषणीय उपयोग और जैव विविधता के दस्तावेजीकरण के प्रयोजन के लिए, जिसके अन्तर्गत आवासकों का भूमि की संरक्षण की प्रजाति का संरक्षण, व्यक्तियों के वर्गो और पशु–धन के घरेलूकृत संवर्धकों तथा पशुओं के प्रजनन और सूक्ष्म जीवों तथा जैव विविधता से संबंधित ज्ञान को श्रृंखलाबद्ध करने के प्रयोजन के लिए इसके क्षेत्र के भीतर है, जैव विविधता प्रबंध समिति का गठन करेगा।

जैवविविधता नियम, 2004 का नियम 22(6) व उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड नियमावली, 2010 के नियम 21(5) के अनुसार जैव विविधता समिति के मुख्य कृत्य स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से व्यक्तियों का जैव विविधता रजिस्टर तैयार करना है। रजिस्टर में स्थानीय जैव संसाधनों, उनके चिकित्सीय या अन्य उपयोग या उनसे सहबद्ध कोई अन्य पारम्परिक ज्ञान की उपलब्धता और ज्ञान के सम्बन्ध में व्यापक जानकारी अन्तर्विष्ट होगी।

मा० एन०जी०टी० की प्रिंसिपल बेंच द्वारा वाद संख्या–ओ०ए० 347/2016 चन्द्रभाल सिंह बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया तथा अन्य में दिनांक 09 अगस्त, 2019 को जन जैवविविधता रजिस्टर की गुणवत्ता की देखरेख हेतु अनुश्रवण समिति (Monitoring Committee) गठित करने के निर्देश दिया गया।

उक्त के क्रम में अध्यक्ष, राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण, चेन्नई ने अपने पत्र संख्या–NBA /5/30/219/SBB/NGT दिनांक 30.03.2020 द्वारा मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश को मा० एन०जी०टी० द्वारा दिये गये निर्देशों से अवगत कराते हुए निम्न अनुरोध किया:–

State Government is advised to constitute a 5-7 members State-level PBR Quality Evaluation Monitoring Committee, comprising of subject matter experts including superannuated forest service officers which could oversee the quality of PBRs by evolving a suitable mechanism and also to support the National PBR Monitoring Committee appropriately.

मा० एन०जी०टी० द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में जन जैवविविधता पंजिका (पी०बी०आर०) की गुणवत्ता, मूल्यांकन व अनुश्रवण हेतु राज्य स्तरीय समिति (State Level Peoples Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee) गठन के प्रस्ताव का अनुमोदन बोर्ड की बाईसवी बैठक दिनांक 12.03.2021 को एजेण्डा बिन्दु संख्या–18 में किया गया।

उक्त क्रम में डा0 रूपक डे, भा०व०से०, सेवानिवृत्त, हेड ऑफ फारेस्ट फोर्स/प्रधान मुख्य वन संरक्षक, उ०प्र० की अध्यक्षता में State Level Peoples Bio diversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee निम्न प्रकार गठित की जाती है:–

क्रम सं0	नाम	पदनाम	अध्यक्ष/सदस्य
1	डा० रूपक डे	हेड ऑफ फारेस्ट फोर्स/प्रधान मुख्य वन संरक्षक (से०नि०) उ०प्र०	अध्यक्ष
2	डा० एस.के श्रीवास्तव	संयुक्त निदेशक (से०नि०) बॉटेनिकल सर्वे ऑफ इण्डिया	सदस्य
3	डा० ए०के० गोयल	गैर सरकारी सदस्य, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड	सदस्य
4	डा० एम०पी० सिंह	मुख्य वन संरक्षक (से०नि०)	सदस्य
5	डा० मेंही लाल	पूर्व विशेषज्ञ सदस्य, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड	सदस्य
6	डा० वी०के० पाण्डे	समाजशास्त्री वन विभाग (से०नि०)	सदस्य
7	श्री के०के० तिवारी	महा प्रबन्धक (प्रशासन), उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड	सदस्य सचिव

❖ **समिति के विचारार्थ विषय (Terms of Reference) निम्नानुसार होगें:–**

- जैवविविधता अधिनियम, 2002 व जैवविविधता नियम, 2004 एवं समय–समय पर निर्गत मार्गनिर्देशों के आलोक में जन जैवविविधता पंजिका (पी०बी०आर०) की गुणवत्ता निर्धारण परीक्षण व देखरेख हेतु प्रक्रिया का निर्धारण।
- जन जैवविविधता रजिस्टर (पी०बी०आर०) तैयार करने के दौरान जैवविविधता प्रबन्ध समितियों (बी०एम०सी०) से विचार–विमर्श, प्रशिक्षण व सुझाव दिया जाना।
- समिति द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड को प्रत्येक 03 माह में रिपोर्ट प्रस्तुत करना तथा प्रथम रिपोर्ट 15 मई, 2021 तक प्रस्तुत करना।

समिति के गैर सरकारी सदस्यों (Non-Official) को प्रत्येक बैठक हेतु रु० 2000/– मानदेय के रूप में दिया जाएगा।

(पवन कुमार शर्मा)
सचिव

पत्र संख्या712/4–11–(33) /दिनांकित।

प्रतिलिपि प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र० शासन/अध्यक्ष, उ०प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड को सूचनार्थ प्रेषित।

(पवन कुमार शर्मा)
सचिव

पत्र संख्या712/4–11–(33) /दिनांकित।

प्रतिलिपि अध्यक्ष, राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण, चेन्नई को उनके पत्र संख्या–NBA /5/30/219/SBB/NGT दिनांक 30.03.2020 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।

(पवन कुमार शर्मा)
सचिव

पत्र संख्या712/4–11–(33) /दिनांकित।

प्रतिलिपि सम्बन्धित सदस्यों को सूचनार्थ प्रेषित।

(पवन कुमार शर्मा)
सचिव

उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड

(जैवविविधता अधिनियम, 2002, भारत सरकार, के अन्तर्गत गठित स्वायत्त, संवैधानिक/नियामक संस्था)
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार)

State Level Peoples Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee की बैठक दिनांक 08.10.2021 का कार्यवृत्त

State Level Peoples Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee के सम्बन्ध में गठित समिति की आहूत बैठक दिनांक 08.10.2021 को **डा० रूपक डे** की अध्यक्षता में बोर्ड कार्यालय, पिकप भवन, लखनऊ के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई।

बैठक में निम्न सदस्यों ने प्रतिभाग किया:–

1	डा० रूपक डे, हेड ऑफ फारेस्ट फोर्स/प्रधान मुख्य वन संरक्षक (से०नि०) उ०प्र०	अध्यक्ष
2	डा० एस० के० श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक (से०नि०) बॉटेनिकल सर्वे ऑफ इण्डिया	सदस्य
3	डा० ए० के० गोयल, गैर सरकारी सदस्य, उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड	सदस्य
4	डा० एम० पी० सिंह, मुख्य वन संरक्षक (से० नि०)	सदस्य
5	श्री के० के० तिवारी, State Level Peoples Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee /महाप्रबन्धक (प्रशासन), उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड	सदस्य सचिव

विचार–विमर्श के उपरान्त समिति द्वारा निम्न संस्तुति की गई:–

- Digital PBR तैयार करने हेतु उपयुक्त Software/App विकसित किया जाय।
- दिनांक 18.07.2017 को अपर मुख्य सचिव, पंचायती राज, की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के कार्यवृत्त के अनुसार ''वित्तीय संसाधन की उपलब्धता हेतु राज्य सरकार व भारत सरकार से बजट की माँग की जाये''। उक्तक्र म में Software/App एवं पी०बी०आर० तैयार करने हेतु धनराशि की व्यवस्था की जाये।
- सार्वजनिक जानकारी हेतु उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा पूर्व में तैयार किये गये जन जैव विविधता रजिस्टर (Peoples Biodiversity Register) PDF. फार्मेट में बोर्ड की वेबसाईट में अपलोड कर दिया जाये।
- दिनांक 18.07.2017 को अपर मुख्य सचिव, पंचायती राज, की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के कार्यवृत्त के अनुसार ''जन जैव विविधता रजिस्टर (Peoples Biodiversity Register) के निर्माण की प्रक्रिया में पंचायत राज अधिकारी के साथ वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी पंचायत स्तर पर Flora व Fauna के पहचान व अभिलेखीकरण (Documentation) आदि का कार्य करेंगें'' के क्रम में State Level Peoples Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee में पंचायती राज व वन विभाग के प्रतिनिधियों को भी सदस्य/आमन्त्री के रूप में सम्मिलित किया जाये।
- उत्तर प्रदेश नगरीय निकाय में जैव विविधता प्रबन्ध समिति का गठन एवं जन जैव विविधता पंजिका तैयार किये जाने का कार्य नगरीय निकाय निदेशालय द्वारा कराये जाने केक्र म में State Level Peoples Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee में नगरीय निकाय निदेशालय के प्रतिनिधि को भी सदस्य/आमन्त्री के रूप में सम्मिलित किया जाये।

- उक्त के अतिरिक्त State Level Peoples Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee में विभिन्न Line Departments- कृशि, उद्यान, मत्स्य व पशुपालन विभाग के प्रतिनिधि आमन्त्री के रूप में भी सम्मिलित किये जायें। जन जैव विविधता रजिस्टर तैयार करने हेतु स्थानीय विश्वविद्यालय व राजकीय डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य, शिक्षकों व विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता प्राप्त करने के लिए पंचायती राज विभाग से अनुरोध किया जाए।।
- पंचायती राज अनुभाग–1 द्वारा निर्गत भाासनादेश संख्या–3/2018/3184/33–1–2018–3070/18 दिनांक 21.12.2018 के अनुसार ''जैव विविधता प्रबंध समिति का सभापति प्रधान तथा सचिव, ग्राम पंचायत पदेन सचिव होगा। समिति में 06 निर्वाचित सदस्य होंगे, जिनमें प्रत्येक समिति में कम–कम से 02 महिला सदस्य, 01 अनुसूचित जाति एवं जनजाति तथा 01 पिछड़े वर्ग का सदस्य होगा।'' उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता नियमावली, 2010 के नियम–21(3) के अनुसार ''जैव विविधता समिति की कालावधि 3 वर्ष होगी।
- ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 5 षर्ा जबकि विशयगत नियमावली के अनुसार जैव विविधता प्रबन्ध समितियों का कार्यकाल 3 वर्ष है। उक्त विसंगति के सम्बन्ध में उपयुक्त स्तर से स्थिति स्पश्ट कर ली जाये ताकि दोनों में एकरूपता स्थापित हो सके।

उपरोक्तानुसार समिति की बैठक सधन्यवाद सम्पन्न हुई।

(के० के० तिवारी)
सदस्य सचिव,
State Level Peoples Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee /
महाप्रबन्धक (प्रशासन)
उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

कार्यालय उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

पत्रांक 194/4–11(33) **दिनांकः 18.10.2021**

1. प्रतिलिपि सचिव, उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ को सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रतिलिपि समिति के समस्त सम्मानित सदस्यों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(के० के० तिवारी)
सदस्य सचिव,
State Level Peoples Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee /
महाप्रबन्धक (प्रशासन)
उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड

(जैवविविधता अधिनियम, 2002, भारत सरकार, के अन्तर्गत गठित स्वायत्त, संवैधानिक/नियामक संस्था)
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार)

State Level Peoples Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee की बैठक दिनांक 25.11.2021 का कार्यवृत्त

डा० रूपक डे की अध्यक्षता में दिनांक 25.11.2021 को State Level Peoples Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee की बैठक में निम्न सदस्यों ने प्रतिभाग किया:–

1	डा० रूपक डे, हेड ऑफ फारेस्ट फोर्स/प्रधान मुख्य वन संरक्षक (से०नि०) उ०प्र०	अध्यक्ष
2	डा० एस० के० श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक (से०नि०) बॉटेनिकल सर्वे ऑफ इण्डिया	सदस्य
3	डा० ए० के० गोयल, गैर सरकारी सदस्य, उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड	सदस्य
4	डा० एम० पी० सिंह, मुख्य वन संरक्षक (से०नि०)	सदस्य
5	श्री के० के० तिवारी, महाप्रबन्धक (प्रशासन), उ० प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड	सदस्य सचिव

विचार–विमर्श के उपरान्त समिति द्वारा निम्न संस्तुति की गई:–

- दिनांक 16–17 दिसम्बर, 2021 को वाराणसी में आयोजित Regional Consultation Meeting of Peoples Biodiversity Register (PBR) Quality Evaluation Monitoring Committee की बैठक में सचिव, उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड एवं अध्यक्ष, State Level Peoples Biodiversity Register (PBR) Quality Evaluation Monitoring Committee की ओर से तैयार किये गये प्रस्तुतिकरणपर विचार–विम र्श किया गया। समिति ने मत व्यक्त किया कि विचार–विमर्श के उपरान्त निर्धारित किए गए अतिरिक्त बिन्दुओं को प्रस्तुतिकरण में सम्मिलित कर समस्त सदस्यों को ईमेल द्वारा प्रेषित कर प्राप्त सुझावों को प्रस्तुतिकरण में शामिल कर अन्तिम रूप दिया जाए।
- राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण द्वारा निर्गत मार्गनिर्देश ों के अनुसार विस्तृत जन जैव विविधता रजिस्टर (Peoples Biodiversity Register) तैयार करने एवं इस हेतु स्टेकहोल्डर्स (पंचायती राज विभाग, नगर विकास विभाग, सम्बन्धित लाईन्स डिपार्टमेण्ट आदि) के क्षमता विकास हेतु रणनीति तैयार करने के लिए अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन/अध्यक्ष, उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड से पंचायती राज विभाग व नगर विकास विभाग की बैठक आयोजित करने हेतु अनुरोध किया जाये।
- पंचायती राज विभाग व नगर विकास विभाग को परिचालित करने हेतु राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण द्वारा जन जैव विविधता रजिस्टर (Peoples Biodiversity

Register) तैयार करने हेतु निर्गत मार्गदर्शिका (Guidelines) प्रभागीय वनाधिकारियों को प्रेशित की जाये।

- राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण द्वारा निर्गत मार्ग निर्देशों के अनुसार विस्तृत जन जैव विविधता रजिस्टर (Peoples Biodiversity Register) तैयार करने हेतु पंचायती राज विभाग व नगर विकास विभाग के सहयोग से सम्बन्धित लाईन्स डिपार्टमेन्ट्स, जैव विविधता प्रबन्ध समितियों व अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों की क्षमता विकास के लिए कार्यशाला आहूत किये जाने हेतु प्रभागीय वनाधिकारियों को निर्देशित किया जाये।

उपरोक्तानुसार समिति की बैठक सधन्यवाद सम्पन्न हुई।

(के०के० तिवारी)
सदस्य सचिव,
State Level Peoples Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee /
महाप्रबन्धक (प्रशासन)
उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

कार्यालय उ0प्र0 राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

पत्रांक 286/4–11(33) **दिनांकः 01.12.2021**

1. प्रतिलिपि सचिव, उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ को सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रतिलिपि समिति के अध्यक्ष व सदस्यों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(के० के० तिवारी)
सदस्य सचिव,
State Level Peoples Biodiversity Register Quality Evaluation Monitoring Committee /
महाप्रबन्धक (प्रशासन)
उ०प्र० राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ

रजिस्ट्री सं० डीएल-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 68] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 12, 2009/पौष 22, 1930
No. 68] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 12, 2009/PAUSA 22, 1930

पर्यावरण एवं वन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 2009

का.आ. 120(अ).—जैव-विविधता अधिनियम, 2002 (2003 का 18) की धारा 61 के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा दिनांक 17 नवम्बर, 2008 की अधिसूचना संख्या का.आ. 2708 (अ) में आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः :—

उपर्युक्त अधिसूचना में :—

तालिका में क्रम सं. 3, क्रम सं. 4 और उनके कॉलम सं. 2 और 3 में की गई अनुरूपी-प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित को अन्तः स्थापित किया जाएगा, नामतः :—

क्रम सं.	जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 61 (क) के अंतर्गत शिकायत दर्ज कराने के लिए प्राधिकृत अधिकारी	अधिकार क्षेत्र
(1)	(2)	(3)
4.	वन अधिकारी जो रेंज ऑफिसर के रैंक से कम न हों	उनके अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में

[फा. सं. 28-14/2008-सीएस-III (एन बी ए)]

ए. के. गोयल, संयुक्त सचिव

टिप्पणी : मूल अधिसूचना दिनांक 17 नवम्बर, 2008 को अधिसूचना सं. का.आ. 2708(अ) के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की गई थी ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th January, 2009

S.O. 120(E).—In exercise of the powers conferred by clause (a) of Section 61 of the Biological Diversity Act, 2002 (18 of 2003), the Central Government hereby make the following further amendments in the Notification No.S.O. 2708 (E), dated 17th November, 2008 namely :—

In the said Notification :—

In the TABLE, after Sl.No. 3, Sl.No. 4 and the corresponding entries in column No. 2 & 3 thereof, shall be inserted, namely :—

Sl.No	Officer authorised to file complaints under Section 61 (a) of the Biological Diversity Act, 2002	Area of jurisdiction
(1)	(2)	(3)
4.	Forest Officers not below the rank of Range Officers	In their respective jurisdictions

[F. No. 28-14/2008-CS-III (NBA)]
A. K. GOYAL, Jt. Secy

Note : The Principal Notification was published in the Gazette of India, Extraordinary vide Notification No. S.O. 2708 (E), dated 17th November, 2008

155 GI/2009

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054

उत्तर प्रदेश शासन
वन एवं वन्यजीव अनुभाग–5
संख्या–2266 / 14–5–2016–6 रिट / 2016
लखनऊ दिनांक 02 नवम्बर, 2016

कार्यालय–ज्ञाप

जैवविविधता अधिनियम, 2002 एवं जैव विविधता नियमावली, 2004 के सुसंगत प्राविधानों व समय–समय पर जारी रेगुलेशन / निर्देशों के कियान्वयन हेतु प्रदेश के समस्त वनाधिकारियों को एतद्द्वारा अधिकृत किया जाता है, जोकि सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी की पदधारिता के क्षेत्र के अन्तर्गत लागू होगा। जनपद में तैनात प्रभागीय वनाधिकारी इस हेतु नोडल अधिकारी नमित किये जाते हैं। प्रभागीय वनाधिकारी के अधीनस्थ अधिकारी नोडल अधिकारी के निर्देशन में इस अधिनियम / नियमावली / रेगुलेशन / निर्देशों का कियान्वयन सुनिनिश्चत करेंगे। प्रभागीय वनाधिकारी से उच्च पदस्थ विभागीय अधिकारी अपने कार्य क्षेत्र में इस अधिनियम / नियमावली / रेगुलेशन / निर्देशों के कियान्वयन की समीक्षा करते हुए पर्यवेक्षणीय दायित्व का निवर्हन करेंगे।

2– उ0प्र0 राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा उक्त अधिनियम / नियमावली / रेगुलेशन / निर्देशों को लागू किये जाने के परिप्रेक्ष्य में समय–समय पर दिशा–निर्देश जारी किये जायेंगे जिसका अनुपालन वनाधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा। उ0प्र0 राज्य जैव विविधता बोर्ड के अधिकारीगण द्वारा समय–समय पर उक्त अधिनियम / नियमावली / रेगुलेशन / निर्देशों को लागू किये जाने के संदर्भ में कार्यक्षेत्र का निरीक्षण तथा कियान्वयन की समीक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

संजीव सरन
प्रमुख सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

(1) समस्त प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश शासन।
(2) प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उ0प्र0 लखनऊ।
(3) प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उ0प्र0 लखनऊ।
(4) समस्त जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश।
(5) समस्त प्रभागीय वनाधिकारी / वन संरक्षक / मुख्य वन संरक्षक, उ0प्र0।
(6) सचिव, उ0प्र0 राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ।
(7) गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(ओम प्रकाश)
विशेष सचिव।

उत्तर प्रदेश की जैव विविधता

Jaunpuri Newar Mooli *(Raphanus sativus)*	**Kalanamak Rice** *(Oryza sativa)*	**Ramnagar Giant Brinjal** *(Solanum melongena)*	**Satputiya** *(Luffa acutangula)*
Bael *(Aegle marmelos)*	**Mahua** *(Madhuca longifolia)*	**Imli** *(Tamarindus indica)*	**Desi Aam** *(Mangifera indica)*
Kaitha *(Limonia acidissima)*	**Genti** *(Indopiptadenia oudhensis)*	**Lauki** *(Lagenaria siceraria)*	**Badhal** *(Artocarpus lacucha)*
Gangatiri Cow *(Bos taurus indicus)*	**Kherigarh Cow** *(Bos indicus)*	**Barbari Goat** *(Capra aegagrus hircus)*	**Jamunapari Goat** *(Capra aegagrus hircus)*

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

ईस्ट विंग, तीसरी मंजिल, ए-ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड,
गोमती नगर, लखनऊ-226 010, उ०प्र०, भारत, दूरभाष : 0522 4006746
ईमेल : upstatebiodiversityboard@gmail.com
वेबसाईट : www.upsbdb.org



पर्यावरण कैलेन्डर / Environment Calendar

क्र.सं. Sl. No.	दिनांक Date	जैव विविधता उत्सव Biodiversity Festivals
1.	05 जनवरी/ January	राष्ट्रीय पक्षी दिवस/ National Bird Day
2.	02 फरवरी/ February	विश्व वेटलैण्ड्स दिवस/ World Wetlands Day
3.	फरवरी माह का तृतीय शनिवार/3rd Saturday of February	विश्व पेंगोलिन दिवस/ World Pangolin Day
4.	28 फरवरी/ February	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस/ National Science Day
5.	03 मार्च/ March	विश्व वन्यजीव दिवस/ World Wildlife Day
6.	12 मार्च/ March	विश्व मकड़ी दिवस / World Spider Day
7.	14 मार्च/ March	विश्व तितली दिवस / World Butterfly Day
8.	20 मार्च/ March	विश्व गौरय्या दिवस / World Sparrow Day
9.	21 मार्च/ March	अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस / International Day of Forests
10.	22 मार्च/ March	विश्व जल दिवस / World Water Day
11.	मार्च माह का अन्तिम शनिवार/ Last Saturday of March	अर्थ ऑवर/ Earth Hour
12.	22 अप्रैल/April	पृथ्वी दिवस / Earth Day
13.	अप्रैल माह का अन्तिम शनिवार/ Last Saturday of April	मेढ़क बचाओ दिवस / Save the Frogs Day
14.	मई मास का द्वितीय सप्ताहान्त/2nd weekend of May	विश्व प्रवासी पक्षी दिवस / World Migratory Bird Day
15.	22 मई/ May	अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस/International Day of Biological Diversity
16.	23 मई/ May	विश्व कछुआ दिवस / World Turtle Day
17.	मई मास का अन्तिम बुधवार/ Last Wednesday of May	विश्व ऊदबिलाव जागरूकता दिवस/ World Otter Awareness Day
18.	05 जून/ June	विश्व पयावरण दिवस / World Environment Day
19.	08 जून/ June	विश्व समुद्र दिवस / World Oceans Day
20.	17 जून/ June	विश्व मरूस्थलीकरण एवं सूखे का मुकाबला करने हेतु दिवस/ World Day to Combat Desertification and Drought
21.	01-07 जुलाई/ July	वन महोत्सव / Van Mahotsava
22.	22 जुलाई/ July	राष्ट्रीय आम दिवस / National Mango Day
23.	29 जुलाई/ July	अन्तर्राष्ट्रीय व्याघ्र दिवस/ विश्व व्याघ्र दिवस/ International Tiger Day/ Global Tiger Day
24.	04 अगस्त/ August	अन्तर्राष्ट्रीय उल्लू जागरूकता दिवस/ International Owl Awareness Day
25.	सितम्बर माह का प्रथम शनिवार/ 1st Saturday of September	अन्तर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस/ International Vulture Awareness Day
26.	16 सितम्बर/ September	अन्तर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस / International Day for Preservation of the Ozone Layer
27.	01-07 अक्टूबर/October	वन्यजीव सप्ताह / Wildlife Week
28.	अक्टूबर माह का प्रथम सोमवार/1st Monday of October	विश्व प्राकृतवास दिवस / World Habitat Day
29.	21 नवम्बर/ November	विश्व मत्स्य दिवस / World Fisheries Day
30.	02 दिसम्बर/ December	राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस/ National Pollution Control Day
31.	05 दिसम्बर/ December	विश्व मृदा दिवस/ World Soil Day

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड
U.P. State Biodiversity Board
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ०प्र०) 226010 द्वारा प्रकाशित

फोन : 0522-4006746
ईमेल : upstatebiodiversityboard@gmail.com,
वेबसाइट : upsbdb.org;

© Uttar Pradesh State Biodiversity Board
Year of Publication : 2022



उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

दृष्टि:

समाज को शुद्ध वायु, स्वच्छ जल, पोषक तत्वों से परिपूर्ण भोजन एवं स्थानीय समुदाय को आजीविका के संसाधन उपलब्ध करवाने हेतु–

- जैव विविधता का संरक्षण व विकास।
- स्थानीय परम्परा, ज्ञान व संस्कृति का सम्मान।
- जैव संसाधनों के अवयवों के पोषणीय उपयोग से सृजित लाभों का उचित व साम्यपूर्ण वितरण।
- जैव विविधता क्षरण पर प्रभावी नियंत्रण।



Vision:

To ensure clean air, pure water, adequate and nutritious food to the society as well as livelihood to the local community-

- Conservation and development of biological diversity.
- Respect for local traditions, knowledge and culture.
- Fair and equitable sharing of benefits arising from the utilization of bio-resources.
- Effective control of biodiversity degradation.

उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड

ईस्ट विंग, तीसरी मंजिल, ए-ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड,
गोमती नगर, लखनऊ-226 010, उ०प्र०, भारत, दूरभाष : 0522 4006746
ईमेल : upstatebiodiversityboard@gmail.com
वेबसाईट : www.upsbdb.org